



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 30, 1985 (चैत्र 9, 1907)
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 30, 1985 (CHAITRA 9, 1907)

हस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं० ए० 32011/1/84-प्रशा०-1-कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 13/2/83-सी० एस० (ii) (i) दिनांक 23-1-1985 के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के चयन ग्रेड आणुलिपिक ग्रेड "ग" श्री जतिश्वर लाल जो सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान में स्थापनापन्न रूप से सहायक निदेशक (अंग्रेजी आणुलिपिक और टंकण) के पद पर कार्य कर रहे हैं, संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० में 23-1-1984 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर पदोन्नत कर दिया गया है।

दिनांक 13 फरवरी 1985

सं० ए० 32011/1/83-प्रशा०-1-अध्यक्ष, सं० लो० से० आ०, सं० लो० से० आ० (कर्मचारी विनियमावली) 1958 के नियम 7 के अन्तर्गत निहित शक्तियों के द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों की प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के

लिए के० स० से० के ग्रेड 1 में अवर सचिव के पद पर स्थापनापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र० नाम (सर्वश्री) सं०	तदर्थ पदोन्नति की अवधि
1. मुकुल चटर्जी	5-11-84 से 29-12-84 तक 21-12-84 से 31-12-84 तक
2. बी० एन० अरोड़ा	15-10-84 से 28-11-84 तक 30-11-84 से 31-12-84 तक
3. आई० वा० सुनी	15-10-84 से 28-11-84 तक 30-11-84 से 31-12-84 तक
4. के० एल० सूरि	15-10-84 से 28-11-84 तक
5. बी० डी० शर्मा	15-10-84 से 24-11-84 तक
6. डी० आर० मदान	13-8-84 से 26-9-84 तक 15-10-84 से 26-11-84 तक
7. धनीश चन्द्र	3-7-84 से 28-7-84 तक 21-8-84 से 4-10-84 तक 29-10-84 से 11-11-84 तक

दिनांक, 14 फरवरी 1985

सं० ए० 32014/1/84-प्रशा०-II-राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० सं० से० के निम्नलिखित नियमित गृहायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग में तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

क्र० नाम (वर्ग) तदर्थ नियुक्ति को अवधि सं०

1 एम० डी० मन	18-2-85 से 4-4-85 तक
2 मजत कुमार	1-3-85 से 14-4-85 तक
3 अमृत लाल	1-3-85 से 14-4-85 तक
4 एम० पी० एम० सागर (अ० जा०)	1-3-85 से 14-4-85 तक

दिनांक 15 फरवरी 1985

सं० ए० 19014/4/84-प्रशा०-1-भारत रेलवे याता-यात सेवा में परवक्षाधृत के रूप में उनको चयन हो जाने के परिणामस्वरूप श्री सुरेन्द्र कुमार, अवर सचिव को 15-2-1985 (अपराह्न) में आयोग के कार्यालय में कार्यभार में मुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 फरवरी 1985

सं० ए० 32013/1/85-प्रशा०-1-सं० लो० से० आ० के संवर्ग में के० सं० से० का स्थायी अनुभाग अधिकारी श्रीमता जयनक्षमा बालाचन्द्रन् जिन्हें के० सं० से० के ग्रेड-1 का वर्ष 1983 का चयन सूची में क्र० सं० 24 में सम्मिलित कर लिया गया है, को राष्ट्रपति द्वारा 1-2-1985 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर निर्दिष्ट आधार पर काम। एवं ए० सु० विभाग के ए० जा० सं० 4/14/83-सं० ए० (1) दिनांक 4-1-84 के पैरा 2 के अध्यागत तदर्थ नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 22 फरवरी 1985

शुद्धि-पत्र

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० 1-इस कार्यालय का अधिसूचना सं० ए० 32014/1/85 (ii)-प्रशा० 1 दिनांक 21 जनवरी, 1985 में क्र० सं० 3 के सामने श्रीमर्त, सरोज के० शूर को नाम और उम्र में संबंधित अन्य प्रविष्टियां बाट दी जाये और क्रम सं० 4 को क्रम सं० 3 कर दिया जाय।

दिनांक 28 फरवरी, 1985

सं० ए० 1142/प्रशा० 1-संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० सं० से० के स्थायी ग्रेड 1 अधिकारी तथा स्थानापन्न उप सचिव श्री ब० ए० जगदीश को राष्ट्रपति द्वारा 28 फरवरी, 1985 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने के पश्चात् सरदार सेवा से निवृत्त होने से सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 19014/2/83-प्रशा०-1-संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन्न अवर सचिव श्री एम० एन० राय को राष्ट्रपति द्वारा 28 फरवरी, 1985 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने के पश्चात् सरदार सेवा से निवृत्त होने से सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

एम० पी० जैन,
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 फरवरी 1985

सं० ए० 35014/2/80-प्रशा० II (i)-सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० सं० से० के अनुभाग अधिकारी श्री वरुण सिंह को आयोग के कार्यालय में 1-2-85 से 30-4-85 तक अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी संवर्ग बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करने है।

2. लेखा अधिकारी के रूप में श्री वरुण सिंह को नियुक्ति प्रतिनियुक्ति का शर्तों पर होगा, और उनका वेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) का० जा० सं० एफ० 1 (ii)-ई०-ii (ब०) 75 दिनांक 7-11-1975 में उल्लिखित अनुदेशों के अनुसर विनियमित होगा।

विजय भल्ला,
अनुभाग अधिकारी (प्रशा० II)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 1.20/82 सं० एफ० एम० एन०/1593-राष्ट्रपति केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक श्री एन० के० प्रसाद (रसायन शास्त्र) के 19 जनवरी 1985 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली, का केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन शास्त्र) के पद पर तदर्थ आधार पर छः (6) माह और या पद के स्थाई रूप में भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 मार्च 1985

सं० ए० 19015/1/78-शा० 5-निवर्तन होने पर श्री एच० सी० पार्वा, ने दिनांक 28 फरवरी, 1985 के अपराह्न में कार्यालय अमरगढ़, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली, के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-19021/11/80-प्रशा०-5--प्रत्यावर्तन होने पर, श्री तिलक काक, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश-1971) पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, देहरादून शाखा को सेवाएं दिनांक 26 फरवरी, 1985 के अपराह्न से उत्तर प्रदेश सरकार को सौंपे जाते हैं।

सं० 3/6/85-प्रशा० 5--राष्ट्रपति, श्री एल० डी० नरवाल, भारतीय पुलिस सेवा (हरियाणा-1972) को एक मार्च, 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 3/18/85-प्रशा० 5--श्री डा० मुखर्जी, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक एक मार्च, 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थापनापत्र कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 मार्च 1985

सं० ए०-19021/2/82-प्रशा०-5--निवर्तन का आयु प्राप्त करने पर, श्री आर० प० बोरु, पुलिस अधीक्षक, सा० आई० यू० (1), के० अ० ब्यूरो दिनांक 28 फरवरी, 1985 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गए।

राम स्वर्ण नागपाल,
प्रशासित अधीक्षक (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

सं० डा० ए० 30/83-स्थापना-1--श्री सुरज तल सिंह, पुलिस अधीक्षक, 7वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को सेवाएं दिनांक 1-2-85 (पूर्वाह्न) से आनाम सरकार को देवरी प्रशासित सौंपे जाते हैं।

एम० ए० जयमोला,
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110 003, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० ई०-32015(3)/2/85-प्रमि०-1--राष्ट्रपति, श्री ए० ए० तन्दल, की, प्रीति पर, 14 फरवरी, 1985 के पूर्वाह्न से 26-3-85 तक अधीक्षक के लिये यादव अधीक्षक निमित्त नियुक्तियां होने तक, जो भ. प. ले हो, के० औ० मु० व० यूनिट, आई० जे० मिट, देहरादून में पूर्णतया तदर्थ तथा अस्थाई आनाम सरकार को सौंपे जाते हैं।

(ह०) अपठनीय
महानिदेशक/विश्वशुभ

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मार्च 1985

सं० 5 वा० ले० प० 1/167-69--महालेखाकार (लेखा परीक्षा-II), पंजाब, चण्डीगढ़ के श्री रूप बसन्त शर्मा, लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) अपने अधिवर्षिता आयु पूरी करने पर दिनांक 31-12-84 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

के० पी० लक्ष्मण राव,
सहायक नियंत्रक-महालेखापरिक्षक (वा०)

कार्यालय, महालेखाकार-I(लेखा) बिहार

रांचा-2, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० प्र० प्रो०-3421--महालेखाकार-I (लेखा) बिहार, रांचा अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी मु० नमामूल हक को अपने कार्यालय में दिनांक 30-1-85 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थापनापत्र लेखा अधिकारी के पद पर 840-40-1000-ई० वा०-40-1200 रु० सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र० प्रो०-3132--महालेखाकार (लेखा)-I बिहार, रांचा अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सत्यनारायण चौधरी को अपने कार्यालय में दिनांक 30-1-85 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थापनापत्र लेखा अधिकारी के पद पर रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र० प्रो०-3148--महालेखाकार (लेखा)-1 बिहार, रांचा अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री महेन्द्र प्रसाद वर्मा को अपने कार्यालय में दिनांक 31-1-85 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थापनापत्र लेखा अधिकारी के पद पर 840-40-1000-ई० वा०-40-1200 रु० सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

(ह०) अपठनीय
वरिये उप महालेखाकार (प्रशा०)
बिहार

महालेखाकार कार्यालय

(लेखा ब. ह. कार.) महाराष्ट्र-1

बम्बई-400 020, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

सं०-प्रशासित-1/सामान्य/31-खण्ड-III/सं० 1(1)/420--महालेखाकार (लेखा), महाराष्ट्र, बम्बई, अधिनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट

किए गए दिनांक से आगामी आवेग तक स्थानापन्न रूप लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1985

क्र० सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री एस० बी० चौबक	20-10-1984 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० एम० रानवडकर	5-11-1984 (पूर्वाह्न)
3.	श्री पी० एल० केमवान	5-11-1984 (पूर्वाह्न)

एम० विश्वनाथन
वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा,

नई दिल्ली-110 001, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 5691/ए-प्रशासन/130/82-84-वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्री ड० श्रीनिवासन, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएँ, दिनांक 28-2-1985 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए।

भगवान शरण तायल,
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएँ, नई दिल्ली।

वर्णिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी, 1985

सं० ए-12025(1)/7/83-प्रशासन III-राष्ट्रपति, श्री नरेन्द्र कुमार ओखासाई सोलंकी को 14 दिसम्बर, 1984 से आगामी आदेशों तक के लिए बूनकर सेवा केन्द्र पानीपत में सहायक निदेशक ग्रेड-1 (बूनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

विवेक कुमार अग्निहोत्री,
अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 28 फरवरी, 1985

सं० 58/(176)/75-प्रशासन-1-अधिवर्षिता का आयु प्राप्त होने पर, श्री एम० एन० सहगल, उप निदेशक (प्रदर्शन) विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1985 के अपराह्न में भव्यारा सेवा से निवृत्त हुए।

शर्मागणि गर्मा,
विभाग आयुक्त (हस्तशिल्प)

सं० ए०-19018 (104)/75-प्रशा० (राज०)-राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के उपनिदेशक (इलेक्ट्रिकल), श्री ए० बन्दापाध्याय को दिनांक 2-2-1985 से पांच माह का अवधि के लिए उसी कार्यालय में, निदेशक (ग्रेड-2) (इलेक्ट्रिकल) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/222/75-प्रशा० (राज०)-राष्ट्रपति, खेद से घोषणा करते हैं कि दिनांक 19-1-1985 को, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बगलौर के उपनिदेशक, काच एवं मृत्तिका श्री ड० रामचन्द्र राव का मृत्यु हो गई है।

सं० ए०-19018(775)/85-प्रशा० (राज०)-विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग मजदूर अधिकारी (आर्थिक अन्वेषक), श्री राम कुमार को, दिनांक 1-2-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के पद पर तदर्थ आधार पर, नियुक्त करने हैं।

सं० ए०-19018 (776)/85-प्रशा० (राज०)-विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग विकास मण्डल के लघु उद्योग मजदूर अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण), श्री कमला पाण्डे को, दिनांक 18-1-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना में, सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के पद पर, तदर्थ आधार पर, नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 मार्च 1985

सं० 1382बी०/ए०-32014 (2-ओ०एम०)/81-19 बी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सर्वेक्षण) श्री आर० एम० पंकज को अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-710-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०, रो०-40-1200 रु० के वेतन पर, अग्राई क्षमता में, 9-9-83 के पूर्वाह्न से सीमा-सात्मक पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं। श्री पंकज ने भारतीय

भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में अधिकारी सर्वेक्षक के पद का कार्यभार स्तब में 15-11-84 (पूर्वाह्न) से ग्रहण किया।

अमित कुमारी,
निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 21 जनवरी 1985

सं० ए०-19011(177)/77-स्था० ए०-राष्ट्रपति श्री एम० के० ए० मुनाफ, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप-खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 2 जनवरी 1985 (पूर्वाह्न) से, तदर्थ आधार पर 6 माह के लिए या उस पद को विभागीय पदोन्नति समिति/संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मार्च 1985

सं० ए०-19011(239)/78-स्था० ए०-राष्ट्रपति श्री अलोक बभु, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप-खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 18 जनवरी 1985 के अपराह्न से, तदर्थ आधार पर 6 माह के लिए या उस पद को विभागीय पदोन्नति समिति/संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011(186)/84-स्था० ए०-राष्ट्रपति श्री क० सी० पी० सिंग, स्थायी सहायक खान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में उप-खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 25 जनवरी 1985 के अपराह्न से, तदर्थ आधार पर 6 माह के लिए या उस पद को विभागीय पदोन्नति समिति/संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० पी० वादी,
प्रशासन अधिकारी
कुते महानियंत्रक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक फरवरी 1985

सं० एफ० 30-11/83-स्था०/4634-निवर्तन आयु पूरा करने पर, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, श्री एस० सी० राय चौधुरी ने, 31-1-1985 (अपराह्न) से कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार सौंप दिया।

दिनांक 6 मार्च 1985

सं० एफ० 9/2/83-स्था०/4535-कार्यालय अधीक्षक, श्री सी० आर० साहा को, मुख्यालय, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण,

कलकत्ता में सं० 650-1200 के वेतनमान में, कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (ममूह ख) के पद पर, 16-2-85 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश तक, अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर, नियुक्त किया गया।

डा० बी० के० टिकादर,
निदेशक
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1985

सं० 17/7/84-एम०-4-महानिदेशक, आकाशवाणी, निम्नलिखित प्रवर इंजीनियरी सहायकों, उनके सहायक अभियंता को पदोन्नति पर उनके नामों के सामने दी गई तिथियों संदर्भ आधार पर अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं :-

क्र० सं०	नाम	तैनाती केन्द्र	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री एम० जयनारायणन्	आकाशवाणी कोयम्बटूर	12-12-84 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० के० शर्मा	दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली	1-1-85 (पूर्वाह्न)

जे० डी० भाटिया,
उपनिदेशक (प्रशासन)
कुते महानिदेशक

भाभा परमाणु केन्द्र
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 1 मार्च 1985

सं० पी० ए०/76(2)/84-आर०-III/421-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्नसहायक लेखाकार श्रीमती यशोधरा योगेश को सहायक लेखा अधिकारी पद पर दिनांक 15 फरवरी 1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में नियुक्त करते हैं।

ए० एम० दीक्षित,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 8 फरवरी 1985

सं० पी० ए०/76(5)/84-आर०-III-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र तथा एवं भंडार निदेशालय के सहायक

लेखा अधिकारी, श्री एंथोनी मैमकैरेनहेस को 29 जनवरी 1985 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में तारापुर में लेखा अधिकारी II पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० डी० गाडगिल,
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० क्र० भं० नि०/2/1(3)/82/प्रशा० 6622--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने भा० ए० अ० के० के स्थायी सहायक लेखापाल श्री अदत्त रामन कुट्टी नायर को इसी निदेशालय में दिनांक 18 फरवरी, 1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक रूप० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

पी० गोपालन, प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्कम 603102, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1515)/8 प्र०--परियोजना निदेशक, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, श्री एम० वेंकटरामन् एक स्थायी सहायक प्रशासनिक अधिकारी को प्रशासनिक अधिकारी-II के रूप में रु० 840-40-1000-ई० बी० 40-1200 के वेतनमान में मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थायी रूप से दिनांक 4 फरवरी 1985 से आगे के आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० ए० एम० प्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी

न्यू क्लियर विद्युत बोर्ड

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1985

सं० पी० पी० ई० डी० 3(235)/83-2370--निदेशक (अभियांत्रिक) विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग के एक स्थायी वरिष्ठ आशुनिर्माक श्री ज० ज० कुलकर्णी को तारीख दिनांक 6, 1984 से अगले आदेश तक इसी बोर्ड में रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक तामिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एन० पी० बी०/3(235)/84-स्थापना 1/2371--निदेशक (अभियांत्रिक) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड बम्बई, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के सहायक श्री एम० एन० लोटलकर

को 1 जनवरी 1985 से अगले आदेश तक सहायक तामिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० ह्री० बाजपेयी
सामान्य प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

बम्बई-5, दिनांक 6 मार्च 1985

सं० एन० पी० बी०/3(282)/85-स्थापना 1/2372--श्री के० पी० बाडिया लेखा अधिकारी II ने, उनका भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र संमिश्र तारापुर में स्थानान्तरण हो जाने के फल-स्वरूप न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड में जनवरी 31, 1985 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए लेखा अधिकारी II के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

आर० एम० तलपदे
सहायक तामिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम दिनांक, 26 फरवरी 1985

सं० आर० आर० सी०/ए० 32023/1/85-आर०/3800--इस केन्द्र का तारीख 2/4 जनवरी, 1985 के समसंयुक्त (247) अधिसूचना के क्रम में रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने इस केन्द्र के स्थायी सहायक लेखापाल श्री किल्ल, कुलगाव नामक वेतनावृद्ध को उम० केन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में रु० 840-40-1000-ई० बी० 40-1200 के वेतनमान में मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थायी रूप से दिनांक 4 फरवरी 1985 से आगे के आदेशों तक के लिए जो भी पहले घटित हो, बना द. है।

कु० एम० गोपाळगुण
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम -22, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० बी० एन० एम० सं०/स्था०/ए०/85--निदेशक, बी० एन० एम० ए० अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र (बी० एन० एम० सं०) तिरुवनंतपुरम में तामिकीय अभियांत्रिकी के वैज्ञानिक/छत्र नियंत्रण "एम० बी०" के रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के ग्रेड में उनको तमिल के भाषा में

दी गई तारीखों से केवल अस्थायी रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	प्रभाग	नियुक्ति का तारीख
1.	श्री ए० बी० निर्मल	सा० जा० डा०	26-11-84
2.	श्री बेबी अब्रहाम	आई० पा० डा०	22-10-84

जा० मूरलीधरन नायर
प्रशासन अधिकारी-II (स्था०)
कृते निदेशक, वा० एम० एम० सा०

उसरो : शार केन्द्र

कार्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग

श्री हरिकोटा-524124 दिनांक 25 फरवरी 1985

सं० श्री सा० सु०/दा० और सा० प्र०/सा० प० : 111 :
1-72---निम्नान्वित कर्मचारियों को वैजा० इंजिनियर एम० बी० के पदों पर, स्थानापन्न क्षमता के रूप में, अंतिम तारीखों से नियुक्ति करने के लिए, शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा के निदेशन के प्रसन्नता प्रकट का है :—

क्र० सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति का तारीख
	सर्वश्री/श्रीमती/कुमारी		
1.	एम० विजया	वैजा० इंजिनियर एम० बी०	21-09-84
2.	बी० नागराजू	वैजा० इंजिनियर एम० बी०	12-11-84
3.	एम० जयलक्ष्मी	वैजा० इंजिनियर एम० बी०	30-11-84
4.	शिव प्रसाद मिश्र	वैजा० इंजिनियर एम० बी०	07-12-84

एल० राजगोपाल
प्रशासन अधिकारी-II
कृते निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० ए० 38 013/1/84-ई० सा०---नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता के श्री बी० एन०

भट्टाचार्य, सहायक संचार अधिकारी, नियुक्ति आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-84 (अपराह्न) से संचार सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

वा० अयचंद्रन

महायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 8 मार्च 1985

सं० 1/91/85-स्था०---विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री वा० कोदण्डरामन को तदर्थ आधार पर और स्थानाय व्यवस्था के रूप में एक अल्प कालिक रिक्ति पर 9-12-83 से 7-1-84 (दोनों दिनों सहित) तक का अवधि के लिए उस शाखा में स्थानापन्न की है। नियत से उप-परिचालन प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

र० वा० ठक्कर

उप निदेशक

कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और सीमा शुल्क :

बडोदरा, दिनांक 1 मार्च 1985

सं० 1/1985-श्री वाय० बी० बेडरकर, प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क व सीमा शुल्क, (वर्ग "ख") मण्डल-II, सूरत वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 28-2-1985 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

एन० बी० सोनावणे

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क बडोदरा

दक्षिण मध्य रेलवे

मिकन्दराबाद II दिनांक 1 मार्च 1984

सं० पा०/राज/185/लेखा---इस रेलवे के भारतीय रेल लेखा सेवा अधिकारी श्री एम० जयवृष्णन् तथा श्री मता गीता तूपन की क्रमशः 7-7-80 (सात जुलाई, उन्नीस सौ अस्स) और 15-5-1983 (पन्द्रह मई, उन्नीस सौ तिरास) से इस सेवा के प्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

चन्द्रमण, मलिक

महाप्रबन्धक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बाई

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
कानून, अधिनियम, 1956 और अरर इण्डस्ट्रिज प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 28 फरवर, 1985

सं० 69/लिक/1662/560(5)—कम्पनी अधि-
नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अरर इण्डस्ट्रिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और युनाइटेड रब्वेरस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 1695/लिक/1731/560(5)—कम्पनी अधि-
नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि युनाइटेड रब्वेरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एसोसिएटेड लक्ष्मी
चिट्स फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2076/लिक/1733/560(5)—कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एसोसिएटेड लक्ष्मी चिट्स फंड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इण्डियन ट्रस्ट फण्ड
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 483/लिक/1735/560(5)—कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इण्डियन ट्रस्ट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुरेश चिट फण्ड
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2325/लिक/1737/560(5)—कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा

सूचना दी जाती है कि सुरेश चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम० परेस एण्ड
कम्पनी (कोच्चिन) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 726/लिक/1739/560(5)—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एम० परेस एण्ड कम्पनी (कोच्चिन) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और त्रिचुर फटिलाइजर
डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 726/लिक/1741/560(5)—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि त्रिचुर फटिलाइजर्स डिस्ट्रिब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सर्वोर्टम कुरीस एण्ड
लोनस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 3399/लिक/1743/560(5)—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सर्वोर्टम कुरीस एण्ड लोनस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दरारना चिट
फैनांस एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के
विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2445/लिक/1745/560(3)—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अन्दर पर दरारना चिट फैनांस एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्दुस्तान
कारपोरेशन (ट्रावनकोर) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोषचीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 430/लिक/1748/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिन्दुस्तान कारपोरेशन (ट्रावनकोर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रिनोण्ड फिलिम
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोषचीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2074/लिक/1751/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रिनोण्ड फिलिम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इण्डस्ट्रियल लयीम
एण्ड ब्लैक प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोषचीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2854/लिक/560(3) 1754—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इण्डस्ट्रियल लयीम एण्ड ब्लैक प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और त्रिवेन्द्रम कारबइड्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोषचीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 3149/लिक/1757/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर त्रिवेन्द्रम कारबइड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

2-516GI/84

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मलबार विजय कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोषचीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 1552/लिक/1760/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मलबार विजय कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अजय फरनेसस प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कोषचीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2569/लिक/1785/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अजय फरनेसस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पान ट्रावनकोर इण्डस्ट्रीज
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोषचीन, दिनांक 5 मार्च 1985

ज० 935/लिक/1490/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पान ट्रावनकोर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जोरज हारी मैक्रो बायो-
निक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोषचीन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2703/लिक/1495/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जोरज हारी मैक्रो बायोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आलवे केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 2 मार्च 1985

सं० 2552/लिक/560(5)1816—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आलवे केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और न्यू इण्डिया प्रोड्यूस एजेंसीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 1970/लिक/560(5)1807—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि न्यू इण्डिया प्रोड्यूस एजेंसीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टेक्नीकल एण्ड मैनेजमेंट कन्सल्टन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2798/लिक/560(5)1809—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टेक्नीकल एण्ड मैनेजमेंट कन्सल्टन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एस० पिचू ग्रुपर एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 1034/लिक/560(5)1811—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एस० पिचू ग्रुपर एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नजोमा ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च, 1985

सं० 2627/लिक/560(5)1813—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा

सूचना दी जाती है कि नजोमा ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इन्जीनियरिंग टेक्निकल इण्डस्ट्रियल प्रोमोशनल एण्ड मैनेजरियल अण्डरटेकिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 2651/लिक/560(3)1819—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इन्जीनियरिंग टेक्निकल इण्डस्ट्रियल प्रोमोशनल एण्ड मैनेजरियल अण्डरटेकिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

के० पंचापकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ईस्टार्न कनसेशनस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 9552/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ईस्टार्न कनसेशनस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और साइन्टिफिक साफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 32375/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर साइन्टिफिक साफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अलकनन्दा इन्जीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 30776/560(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अलकनन्दा

इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इंडियन क्लॉक मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 10465/560(3)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इंडियन क्लॉक मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पाल ब्रादर्स (ग्रामब्रेला) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 22316/560(3)--कम्पनी अधिनियम, 1956 का धारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पाल ब्रादर्स (ग्रामब्रेला) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जनपद श्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 16085/560(3)--कम्पनी अधिनियम, 1956 का धारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जनपद श्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गोसेन एण्ड कं० (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 17646/560(3)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गोसेन एण्ड कं० (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एच० बनर्जी

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अमरावती श्री वेंकटेश फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

सं० 9470/560/84- -कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अमरावती श्री वेंकटेश फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ह० पठनीय

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और

मानमीस्कोस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1985

सं० 13241/445(2)/लिंक-कम्पनी आवेदन संख्या 13241 वर्ष में स्थित माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के आदेश दिनांक 17-3-77 के द्वारा मानमीस्कोस प्राइवेट लिमिटेड का परिममाणन करने का आदेश प्रदान कर दिया है।

ओम प्रकाश जैन

अतिरिक्त कम्पनी रजिस्ट्रार

महाराष्ट्र, बम्बई

प्रकट बाई. टी. एन. एन.-----

सायकल अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

मिर्देश सं० आई०-3/37ईई/10386/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो 4 थी मंजिल, पूजा इमारत, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की जायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तुओं को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. महार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कविता अर्जनदास रामचन्दनानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकोब :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404, जो 4 थी मंजिल, पूजा इमारत, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-3/37ईई/10386/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री के० एन० श्री निवासा मूर्ती।

(अन्तरक)

2. श्री के० विजय शेट्टी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं०आई०-3/37ईई/10138/83-84—अतः मुझे,

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 39 जो 2 री मंजिल, प्रेम प्रकाश, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 5, 6 और 7 लक्ष्मी कालोनी, माहूल, रोड, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 39, जो 2 री मंजिल, प्रेम प्रकाश को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 5, 6 और 7, लक्ष्मी कालोनी, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10138/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर :

सकल बाढ़ी. डी. ए. डब.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं. अई०-3/37ईई/10055/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
श्रीरजिमकी सं० बुकान न० 4, जो प्लॉट न० 4, सी० टी० एस०
न० 278, बाधवली, व्हलेज, चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में
स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितक) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्माणाधीन सङ्केत ० तबत अन्तरण लिखित में मान्य
विषय रूप से स्थापित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य भास्तिशों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
नं०, नं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स सुप्रिभ बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नूतन केशवजी छेडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

सबसे सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो प्लॉट नं० 4, सी० टी० एस० नं० 278,
बाधवली व्हलेज, चेंबूर, कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है :

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० बम्बई-3, 37ईई/10055, 84-85
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर ■

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37ईई/10021/84-85—अतः सुझे,
ए लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो ग्राउन्ड फ्लोर "वामण
अपार्टमेंट्स" इमारत जंक्शन आफ वि एन० पूरव मार्ग
और घाटला व्हिजेज, रोड, चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है (और
इससे उपावृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
कृष्ण के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और, मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तर्गत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स पारेख ब्रॉस ।

(अन्तरक)

2. कुमारी गुलाब सुरेशभाई शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, जो ग्राउन्ड फ्लोर "वामण अपार्टमेंट्स"
इमारत जंक्शन आफ वि० एन० पूरव मार्ग और घाटला व्हिजेज
रोड, चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-3/37ईई/10021/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37ईई/10043 84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० राईट इंटरेस्ट और टायटल्स इन प्लॉट न०
सी-1/10 हरी रतन को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०,
बांगूर नगर, गोरगांव, (प०) बम्बई-90 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध प्लॉट की ओर जो पूर्णरूप से वर्णित है) और
जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सन्तुष्ट प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतीश गजानन चितले ।

(अन्तरक)

2. श्री पंडित कृष्णा नखरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

राईट इंटरेस्ट, और टायटल्स इन प्लॉट न० सी-1/10
हरी रतन को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बांगूर, नगर,
गोरगांव (प०) बम्बई-90 में लिखा है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-3/37ईई/10043/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

रुक्म बाई. दी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०ब३/37ईई/10137/84-85—मत: मुझे,
ए०. लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी/33, जो 1ली मंजिल मंगल
कारीनी को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि० 17, सिद्धार्थ
नगर रोड, गोरेगांव (प०) बम्बई-62 में स्थित है (और इससे
उपायुक्त अनुसूची में और जो (पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका कथारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचिस्व से कभी करने या उससे बचने में सुविधा
न मिले और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा न मिले।

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-576GI/84

1. श्री राजाराम कन्ना सुपुत्र श्री निवार कन्ना
(अन्तरकमे)

2. (1) श्री गणेश नारायण अजमेरा, और
(2) श्री बन्नी नारायण अजमेरा।
(अन्तरिती)

यह यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए
कार्यवाहियां करवाए हैं।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञकीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी/33, जो 1ली मंजिल, मंगल कारिणी को-ऑप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, 17, सिद्धार्थ नगर रोड, गोरेगांव
(प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10137/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

सोहृड

प्ररूप आइ. टी. एन. एम. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/10008/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
20,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 201, जो प्लॉट नं० 301, देवकृपा
इमारत, जवाहर नगर, गोरेगांव, (प०), बम्बई-62 में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हंसमुख प्रवीण शेट और
श्री प्रवीण आर० शेट।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र एन० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 201, जो प्लॉट नं० 301, देवकृपा इमारत,
जवाहर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई 3/37ईई/10008/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर

प्रमाण नम्बर टी. एन. एड. 1000000000

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/10501/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-1/4, जो महेश नगर, ए० वि०
रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री० वि० बी० मंकोडी।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश सोमचन्द, शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिना
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्ति का
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वहाँ :—

फ्लेट नं० बी-1/4, जो महेश नगर, एस० बी० रोड,
गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-337ईई/10501/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर

प्रकट जाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10182/83-84—अत. मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 31, जो 2 सी मजिल, प्रवासी
इंडस्ट्रियल इस्टेट, डिन्डोशी व्हिलेज, आफ आरे रोड, गोरेगाव
(पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984
व। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
अ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एच० जे० पटेल, यू० जे० पटेल और अन्य ।
(अन्तरक)

2. श्री अनिल एल० शहा और अन्य
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 31, जो 2 सी मजिल, प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट,
डिन्डोशी व्हिलेज, आफ आरे रोड, गोरेगाव (पूर्व), बम्बई-63
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10182/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर

प्रकृष माह, टी. एन. एच. -----

1. श्री पी० एन० ब्रह्मवार ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
लिखित आदेशों के बिना जो शक है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

निदेश सं० अई-3/37ईई/10171/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो 1 लीमजिल, दिगोरेगांव
सह्याद्री, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, आरे रोड,
गोरेगांव, (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 279 कख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(अ) अन्तरण त है किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिखित में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 6, 1 लीमजिल, दिगोरेगांव सह्याद्री को-आप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, आरे रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10171/84-85
में स्थित है। और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा,
दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-3/37ईई/10637/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 80-1/21 जो जय विजयश्री को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी (निर्माणाधीन इमारत), बांगूर, नगर, गोरगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एन० सी० ए० हरीस ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेखा भूपेन्द्र कपाडिया और श्री भूपेन्द्र हरमोखिन्दास कपाडिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लैट नं० 80-1/21, जय विजय श्री को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, (निर्माणाधीन इमारत), बांगूर, नगर, गोरगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई 3/37ईई, 10637/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 11-2-1985

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० 3/37ईई/10165/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 42, जो, सी० टी० एस० नं०
941, घाटकोपर माल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से अभिन्न नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती कौशल्या विलायती लाल कुमार।
और श्री चन्द्र प्रकाश राधाकृष्णन कुमार
(अन्तरक)

2. मेसर्स संदीप कन्स्ट्रक्शन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।
यह है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 42, जो, सी० टी० एस० नं० 931, घाट-
कोपर माल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० आई-4, 37ईई, 10165, 83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निर्देश सं० आई-3, 37ईई, 10574/83-84:—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शेड नं० 56, जो, 2री मंजिल, सिद्धपुरा
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, घोडबंदर रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई
में स्थित है। और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बाब की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वायित्व में कमी करने या नसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवती जयन्ती लाल शाहा।

(अन्तरक)

2. श्री जयन्ती लाल मणिलाल मेहता, और
प्रकाश चन्द्र जयन्ती लाल मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शेड नं० 56, जो, 2री मंजिल, सिद्धपुरा इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, घोडबंदर रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-3, 37ईई, 10574/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्रश्न बाई. टी. एम. एच. = - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बाहुल्य बहकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/10450/83-84:—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लेट नं० 5, जो, इमारत, नं० 8,
महात्मा गांधी नगर, आर० सी० मार्ग, बम्बई-74 चेम्बूर
में स्थित है। (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचन में सविधा के लिए
बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4-516GI/84

1. श्री ज्ञान जैयानंद लल्ला।

(अन्तरक)

2. श्री गिरधर लोकराम ठाकुर और
श्रीमती कमला गिरधर ठाकुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अनुरोध

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 8-बी/5, जो, महात्मा गांधी नगर, आर०
सी० मार्ग, चेम्बूर बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10450/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985
मोहर

प्रमुख आई. टी. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/10478/83-84:—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो, इमारत, नं० 25 सी
महात्मा गांधी नगर, चेम्बूर कालनी, बम्बई-74 में स्थित
है। और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
नियम से सभी कारणों से उससे बचने में सुविधा
हो कि— जी/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान्वे में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कान्ता एस० चावला।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद जे० गोकानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन में निम्न
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नियुक्ति

फ्लैट नं० 7, जो, इमारत नं० 25/सी०, महात्मा गांधी
नगर, चेम्बूर कालनी, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-3/37ईई/10478/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज—3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्रकाश जाई.टी.एन.एस. -----

(1) मैसर्स गुदेचा बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री एन० के० खण्डेलवाल फैमिली ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्विस इण्डस्ट्रीयल गाला नं० 27, जो ग्राउन्ड फ्लोर, किरण इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/10278/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-3, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई०-3/37 ईई०/10278/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्विस इण्डस्ट्रीयल गाला नं० 27, में जो ग्राउन्ड फ्लोर किरण इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एम० जी० रोड गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ज्ञात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शेषित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

(1) मै० बी० पारीख एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पालीमर प्रोसेसर्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10002/83-84—अतः

मझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० बी-312 जो बीरवानी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट वेस्टर्न एक्सप्रेस हाई वे तीसरी मंजिल गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माला नं० बी-312 जो बीरवानी इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाई वे तीसरी मंजिल गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37ईई०/10002/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बी० एस० वैकटाचार ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वेणूकोपालन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई/10645/83-84—प्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 20, जो कैलाश इमारत, प्लॉट नं० 83, रोड नं० 1 पेस्तम नगर बम्बई-89 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्य को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बदलकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 20 जो कैलाश इमारत प्लॉट नं० 83, रोड नं० 1 पेस्तम नगर चेंबूर बम्बई-89 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई/10645/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

(1) श्रीमती निर्मला बाई परमानन्द ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रुक्मिणी बाई कुंडोमल पंजाबी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं अई०-3/37ईई०/10641/83-84—अतः मुझे,
ए प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैट नं० 9, जो इमारत नं० 2-बी,
नित्यानन्द बाग को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०,
आर० सी० मार्ग, चेंबूर बम्बई-74 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वशों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9 जो इमारत नं० 2-बी नित्यानन्द
बाग को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड आर० सी०
मार्ग, चेंबूर, बम्बई-574 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10641/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

शहर :

रूप आई एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1984

निदेश सं० अई०-3/37-ईई०/10297/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601 है तथा जो पूजा इमारत,
माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

क: अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृष्टिकोण से कटौती करने या उसमें से कर संपत्ति
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

(1) श्री सरताज सिंगूकराल और

श्रीमती राजवंस थूकराल।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर सिंह और

श्रीमती जोगिन्द्र कोर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के लिए
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601 जो पूजा इमारत, माहूल रोड, चेंबूर,
बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37-ईई०/10297/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

रूप भा. 20. एम. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10425 83-84—अतः
मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4-13 है तथा जो गोकुल धाम
विल्हेज डिदोशी/चिचोली, बोरिवली तालुका, गोरेगांव मुलुंड,
लिक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर उन्ने के अन्तरक के
शायित्व में कटौत करने या उससे बचने में मविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कॉनवुड कंस्ट्रक्शन कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधिका देवी आर० सिंह।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4-13 जो विल्हेज डिदोशी/चिचोली जो
गोकुल धाम, बोरिवली तालुका, गोरेगांव-मुलुंड लिक रोड,
गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-3/37 ईई०/10425/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) रेवरन्ड फादर फिलोमेनो डिक्कूज।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लिबानिया रोसा डिस्सोजा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०, 10484, 83-84—अतः

मूझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौरजिसकी सं० फ्लैट नं० ए-104 है तथा जो पहली मंजिल
इमारत कुमुद नगर, ए ब्लॉक, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई में
स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—516GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-104 है तथा जो पहली मंजिल, इमारत
कुमुद नगर, ए ब्लॉक, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०, 10484,
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मै० फासलाह डेवलपर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रोहित टोन नरीमन वादीवाला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०, 10131/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 113 है तथा जो पहली मंजिल, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट इमारत, प्लॉट नं० 7, उद्योग नगर, आफ सं० वी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है और इससे उपाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन स्थित है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे इष्टमान प्रतिफल का पर्यवर्तन से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम को कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसका जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

आध्यात्मिकता :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 113 है तथा जो पहली मंजिल, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट इमारत, प्लॉट नं० 7, उद्योग नगर, आफ एस० वी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०, 10131/83-84 और या सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-2-1985

महिर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) मै० शाम फशन वेअर प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मै० एवर लाइट इण्डस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10503/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० यूनिट नं० 135 जो पहली मंजिल, कोहिनूर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, आफ वेस्टर्न एक्सप्रेस हाय वे, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई 63 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 135 जो पहली मंजिल, कोहिनूर इण्डस्ट्रीयल इस्टेट आफ वेस्टर्न एक्सप्रेस हाय वे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10503/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

(1) श्री हर्षद राय नाभा लाल व्यास ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संगीता मोहन कामत ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई/10592/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० फ्लेट नं० 10/77 है तथा जो इमारत नं० 10, गोरेगाव नवज्योति को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, उन्नत नगर, पार्ट-2, एम० जी० रोड, गोरेगाव (पश्चिम) बम्बई-62 में स्थित है (श्रीरजिससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूरा रूप से वर्णित है), श्रीरजिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दृश्यमान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 1077 है तथा जो गोरेगाव नवज्योति को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, उन्नत नगर, पार्ट-2, इमारत नं० 10, एम० जी० रोड, गोरेगाव (पश्चिम) बम्बई-62 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10592/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एन० आर० जगन्नाथन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/10529/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है तथा जो 'पूर्णमा', प्लॉट नं०
47, स्वास्तिक पार्क, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भूदान को गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायवर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(2) श्रीमती हेमलता आर० अय्यर

और

श्री रविगोपाल अय्यर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9 है तथा जो 'पूर्णमा', प्लॉट नं० 47
स्वास्तिक पार्क, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10529/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

माहिर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० एच० बेनसी लैण्ड डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती निर्मला भगवान जी तम्हू।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ई०, 10407/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 35 है तथा जो तीसरी मंजिल, यूनिट नं० 5, एम० जी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 35 है तथा जो तीसरी मंजिल, यूनिट नं० 5, एम० जी० रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ई०, 10407/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० आर० के० डेकोरेटर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मै० जे० जे० एस० करीयर्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10708/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 4 है तथा जो पहली मंजिल, नीलकण्ठ कमर्शियल कम्प्लेक्स, चेंबूर गोवंडी रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-निर्देश, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 4 जो पहली मंजिल, नीलकण्ठ कमर्शियल कम्प्लेक्स, चेंबूर गोवंडी रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०, 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती उषा सुन्दरेश्वरन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पद्मा रूपचन्द कृपलानी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37 ईई०/10591/83-84—अतः
मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 है तथा जो पहली मजिल चेंबूर
मधुवन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी अतूर पार्क डी-6,
सायन ट्रावे रोड चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल-
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6 है तथा जो पहली मजिल चेंबूर मधुवन को-
ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी अतूर पार्क डी-6 मायन ट्रावे,
रोड चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/10591/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 11-2-1985

माहूर

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

(1) श्री गंकर लाल गोमा भाई पटेल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई/10773/84-85—प्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 41 है तथा जो किरण इंडस्ट्रियल
इस्टेट पहली मंजिल महात्मा गांधी रोड गोरेगांव (पश्चिम)
बम्बई-62 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—516GI/84

(2) 1. श्री कामा भाई गोदाबाभाई पटेल

और

2. श्री बाबल दास वाला भाई पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

गाला नं० 41 जो किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट
पहली मंजिल महात्मा गांधी रोड गोरेगांव (पश्चिम)
बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10773/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

इसका बाईं टी. एम. एस. -----

(1) श्री नरेण दीलत राम कामरा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/10602/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 603 है तथा जो नवीं मंजिल, इमारत ए भागनगरी को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, डंकन काजवे रोड चुन्ना भट्टी बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के बाबत :-

(2) श्री अशोक भार० तारा सिंगानी

और

श्रीमती मोनिका ए० तारा सिंगानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 603 जो नवीं मंजिल इमारत-ए भागनगरी को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० डंकन काजवे रोड चुन्ना भट्टी बम्बई-22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/10602/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 11-2-1985
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शाहनवाज मोहम्मद अली बिरानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10114/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103 है तथा जो पहली मंजिल,
बिल्डिंग नं० 15 कपाड़िया नगर कुर्ला-70 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 4 जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ए० अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(ब) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/वा

(क) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103 है तथा जो पहली मंजिल बिल्डिंग नं० 1
कपाड़िया नगर कुर्ला बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10113/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5 जून
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहुर

प्रमुख बाह्य.टी.एच.एच.-----

1. मेसर्स दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि० ।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)
(2) श्रीमती शमीम इस्माईल खोत ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10115/84-85—अतः
मुझे, ए० लहिरी

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग
नं० 17, कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला बम्बई-70- में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4-6-1984

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उपरोक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बायस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

फ्लैट नं० 3 है तथा जो ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 17,
कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10115/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-2-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मै० दीपक बिल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शेख मोहम्मद शफीक ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/10116/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403 है तथा जो चौथी मंजिल,
बिल्डिंग नं० 17, कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड,
कुर्ला (पश्चिम), बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूत से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख
2 जून, 1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

फ्लैट नं० 403 है तथा जो चौथी मंजिल, बिल्डिंग नं० 18,
कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला (पश्चिम),
बम्बई-70 में स्थित है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10116/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4
जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मै. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-2-1985
माहुर :

प्रमुख भाग टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

ग्राउन्ड फ्लोर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई/10134/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत
नं० 18, कपाड़िया नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला बम्बई
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(1) सै० दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री हायाबी कादर मोमीन
और
श्री कासम करीम मोमीन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की/बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

फ्लैट नं० 3 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 18,
कपाड़िया नगर, सी० एस० टी० नं० रोड, कुर्ला, बम्बई - में
में स्थित है ।

अनुसूची जसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई/10134/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० दीपक विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री काजी अबदुल हलीम हसन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त- (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/84-85—अतः 10584

मुम्बै, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है ।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 404 है तथा जो चौथी मंजिल इमारत नं० 16, कपाड़िया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (पश्चिम), बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को बाधित न करनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404 है तथा जो चाधामाजल, इमारत नं० 16, कपाड़िया नगर, सी० एस० टी० नं० रोड, कुर्ला (पश्चिम) बम्बई-70 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10584/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23 जून, 1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० पारुल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम दाग बाबू राव कानडे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10555/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, विंग बी
इमारत नं० 2, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाट-
कोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बाड़/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 2
दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम),
बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10555/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्

तारीख : 12-2-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री पारूल इष्टप्राइजम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री उदयरज के० दुब।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10339/83-84—अतः
 मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, सी
 विंग, इमारत नं० 2, दामोदर पार्क, एल० बी० एम० मार्ग,
 घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा
 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई
 स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,
 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
 अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य जास्तियों
 का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसार
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
 7—516GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, सी विंग, इमारत
 नं० 2, दामोदर पार्क, एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर
 (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10339/
 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
 मोहर

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) मै० दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दाऊद दर्याखान बलजी
श्रीर
श्रीमति तादाया दाऊद दलवी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10117/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग
नं० 17, कपाड़िया नगर, सी० टी० एम० रोड, कुर्ला (पश्चिम),
बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4 जून,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० लहिरी
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ए० लहिरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति में
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 17,
कपाड़िया नगर, सी० टी० एम० रोड, कुर्ला (पश्चिम),
बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10117/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

1. मैसर्स शेठ, इंटरप्राइजेस ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई 3/37ईई/10032/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, जो 1 ली मंजिल, प्लॉट "जी"
"छोटालाल विला", अमृत नगर घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उर्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में मूविषा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविषा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री आनन्द शेटी

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 105 जो, 1 ली मंजिल, प्लॉट "जी" "छोटालाल
विला", अमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4, 3ईई, 10032, 84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 16-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. मससं शेट इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शोराबी, अमिमुदिन मुफला।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

आज्ञापन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई० 3/37ईई/10132/84-85—अतः मुझे
ए० लहिरी

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, प्लॉट
"सी", "भारती" बिल्डिंग, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग,
घाटकोपर, (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
5-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यक्ति में कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिबों
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यता के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, प्लॉट "सी" "भारती",
बिल्डिंग, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०)
बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई० 3/37ईई/10132/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 5-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

मुख्य भाग. टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-4/37ईई/10164/83-84-अतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

श्रीरजिमकी सं० फ्लैट नं० 25, जो ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट "सी"
"भारतीय" बिल्डिंग, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग,
घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 7-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० हुई किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स शेट इंटरप्राइजेस। (अन्तरक)
2. श्रीमती निगर मुलताना अब्दुल कयाम पटवेकर। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 25, जो ग्राउंड फ्लोअर, प्लॉट नं० "सी" "भारतीय"
बिल्डिंग, अमृत नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प०)
बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-4/37ईई/10164/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. दीपक बिल्डिंग प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

2. जैनुल अबेदीन मोईनुद्दीन, खोत।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-3/37ईई/10133/84-85—अतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० फ्लट नं० 004, जो ग्राउंड फ्लोअर, बिल्डिंग
नं० 17, कपाडिया, नगर, सी० टी० एस० रोड, कुर्ला बम्बई-70
में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्व अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) श्रीर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० 004, जो ग्राउंड फ्लोअर, बिल्डिंग नं० 17;
कपाडिया, नगर सी० टी० एस० रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10133/84-85
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई -

दिनांक 12-2-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-3/37ईई/10583/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 002, जो ग्राउन्ड फ्लोवर,
बिल्डिंग नं० 7, कपाडिया नगर कुर्ला, (प०), बम्बई-70
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक थे
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. शेख अब्दुल बारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 002, जो ग्राउन्ड फ्लोवर, बिल्डिंग नं० 7,
कपाडिया नगर, सी० टी० एस० रोड कुर्ला, (प०), बम्बई-70
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10583/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 2-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आहै-3/37ईई/104889, 84-85,—अतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 1, जो 2री मंजिल, "डी", विंग,
निर्माणाधीन, इमारत, कदमवाडी "गजानन निवास" वाकोला
हिल्स रोड, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक दिनांक 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त वचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स राव एण्ड एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

2. श्री लाल्सी एन्थोनी, फर्नान्डीस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1, जो 2री मंजिल, "डी" विंग, निर्माणाधीन
इमारत, कदमवाडी, "गजानन निवास", वाकोला, हिल्स रोड,
सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एम

1. मैसर्स राव एण्ड प्रोप्राइएटर्स।

(अन्तरक)

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती गीता कपूर और श्री सुरेण कपूर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1984

निर्देश सं० आई०-3/37ईई/10610/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब या अधिनियम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य निर्धारण में अधिक है

श्रीरजिमकी सं० फ्लेट नं० 4, जो ग्राउंड फ्लोर, "डी" विंग, गजानन निवास त्रिहाईड एक्सीटिंग, गजानन निवास, कदमवाडी, वाकोला, व्हिलेज रोड, सांताक्रूज, (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ए० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयता) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में सम्पत्ति के रूप में अधिन नहीं किया गया है :—

1. सम्पत्ति के द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, अधिनियम

(2) ए० सक्षम आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—516GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को रजम के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ में संबंध में कोई भी शायद

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या दृश्यमान व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सहायक सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की परीक्षा, जो इस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 4, जो ग्राउंड फ्लोर, "डी" विंग, गजानन निवास, त्रिहाईड एक्सीटिंग, गजानन निवास, कदमवाडी, वाकोला, व्हिलेज रोड, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-3/37ईई/10610/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 25-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 :

मोहर :

प्रकट नम्बर टी. एन. एच. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/10612/84-85—अन: मुखे,
ए० नहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 1, जो 5 वीं मंजिल, "डी" विंग,
गजानन निवास, कदमवाड़ी, ओल्ड बिल्डिंग के पीछे, वाकोला
व्हिलेज रोड, सांताक्रूज, (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में प्रारंभ पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और अभी यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व
में कमी करने या उसमें बचने में मविधा के लिए,
बाहु/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. मैतर्स राब एण्ड एसोशिएट्स ।

(अन्तरक)

2. जे० डिमोजा और इरीन डिसोजा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां कइता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्धारा 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्धारा में दिया
गया है।

बन्धुपत्ती

प्लेट नं० 1, जो 5 वीं मंजिल, "डी" विंग, गजानन निवास,
कदमवाड़ी, ओल्ड बिल्डिंग के पीछे, वाकोला व्हिलेज रोड,
सांताक्रूज, (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है ।

अनुसूची जिसका क्र० सं० आई-3/37ईई/10612/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 25-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० नहिरी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

सोहर :

इसका धारा 1, ए.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०/3/37/10236/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 9, जो ग्राउंड फ्लोअर, बिल्डिंग
श्री कृपा, प्लॉट नं० 159, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व),
बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन 'मिहि' स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकद्वितीयांश से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिगो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती राधा बिरामनी।

(अन्तरक)

2. श्री नयन चुनीलाल व्होरा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

प्लेट नं० 9, जो ग्राउंड फ्लोअर, बिल्डिंग "श्री कृपा", प्लॉट
नं० 159, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में
स्थित है।

अनुसूची जेंसाकि क्र० सं० आई-3/377ईई/10236/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 7 8-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

प्रारूप बाह्य टी. एन. एन. -----

1. श्रीमती रत्ना एच० पंजाबी ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती विना जी० भेडा ।

भारत सरकार

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्यवाही करना

निदेश सं० आई-3/37डई/10343/84-85—अतः मुझे,
ए० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने के
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी सूचना के
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो
अवधि बाद में समाप्त होती है, के दौरान या
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

और जिसकी सं० वेसमेट नं० 5, जो पंकज, को-आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लि०, वाकोला, ब्रीज के वाजू में, मांताकूज
(पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क द्वारा अधीन बम्बई सक्षम
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में वृद्धि के उद्देश्य
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने के
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति का
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब में दिया
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सूचना

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वास्तविक अवधि
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधिनियम के
द्वारा सक्षम प्राधिकारी को रजिस्ट्री के लिए, अंतरक

वेसमेट नं० 5, जो पंकज, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
लि०, वाकोला ब्रीज के वाजू में, मांताकूज (पूर्व) बम्बई-55
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37डई/10343/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961
अधिनियम, 1957 (1957 का 43) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा सक्षम प्राधिकारी को रजिस्ट्री
का या किया जाना चाहिये था, अन्तरण में सूचित
के लिए;

ए० लहरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-2-1985
मोहर :

प्रकृष आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10769/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पिस और पार्सेल आफ लैण्ड कोले कल्याण,
सी० नं० 242, सर्वे नं० 6166, कालिना गावठाण, सांताक्रूज
(पूर्व), बम्बई-29 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
29-6-84

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को कम
या कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभूषण
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

1. श्री राजल गोम्स और अन्य ।

(अन्तरक)

2. मिलिंद एसोसिएट्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यक्ता व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरण के लिए
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पिस और पार्सेल ऑफ लैण्ड कोले कल्याण सी० नं० 242,
सर्वे नं० 6166, कालिना गावठाण, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-29
में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० अई-3/37ईई/10769/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, को सूचित हूँ—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती राजू राजन्ता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मेहता, विनोदराय शांतीलाल और
श्रीमती मेहता प्रसन्ता विनोद ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई-3/37 ईई/10235/84-85—अतः सुमे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दलाक नं० 1, जो उपा. सदन को-आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 135, गरोडिया, नगर,
घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कखके अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-
रक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० से अंत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित कार्यवाहियां, अर्थात्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1, जो उपा. सदन को-आप० हाउसिंग सोसायटी
लि०, प्लॉट नं० 135, गरोडिया, नगर, बम्बई-77 में
स्थित है ।

अनुसूची जिसकी सं० आई-3/37 ईई/10235/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर

प्रकाशक: टी. ए. ए. ए.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

कारण धरकर

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई/3/37ईई/10197/84-85--अन मूः

ए० लहिरी

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, जो बिल्डिंग नं० 13, ग्राउन्ड
फ्लोअर, विनोबा भावे नगर, एम० आई० जे० कालोनी,
कुर्ना (प०), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
भाषाकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई
स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

11-6-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उक्त अन्तरक के अधिनियम
में बिना प्रोड/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को बिना भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोक्तार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
बाधना के लिए।

1. श्री ए० एम० मोलवी ।

(सहायक)

2. श्री ए० एम० मोलवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमवर्गी व्यक्तिगत पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिगतों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

है फ्लेट नं० 3, जो बिल्डिंग नं० 13, ग्राउन्ड फ्लोअर,
विनोबा भावे नगर, एम० आई० जे० कालोनी, कुर्ना (प०),
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जमात: सं० अई/3/37ईई/10197/84-85
और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-6-1984
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० लहिरी

मक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक 12-2-1985

माहुर :

प्ररूप आर्डर, टी. एन. एस. -----

1. श्री. के. के. नायर ।

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती एरेन फोडा परेरा ।

(अन्तरित)

भारत सरकार

(मालीयत सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण))

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

निविदा सं. आई-3/37ईई/10380/84-85-अतः सूत्रे
प. नं. 1/1/85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन लक्ष्य प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है

अंतरित आ. सं. फर्स्ट नं. ई-13, जो निल्वर वहाँला बिल्डिंग
नं. 2, को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि., बुलसगव कालोना रोड,
वार्काला, माताक्रूज (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायुक्त
अनुसूची के अधीन पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका बराबरनामा
अधिनियम अधिनियम 1961 का धारा 269-घ के अधीन बम्बई
मि. आ. धार प्रमाणपत्रों के आधार पर रजिस्टर्ड है, दिनांक
16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिनी (अंतरिकाओं) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें घटाने में सुविधा के लिए
मोहर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फर्स्ट नं. ई-13, जो निल्वर वहाँला बिल्डिंग नं. 2, को
आ. सं. हाउसिंग सोसायटी लि., बुलसगव कालोना रोड, वार्काला,
माताक्रूज (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. आई-3/37ईई/10380/84-85
और जो लक्ष्य प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 16-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

प. नं. लहिरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री प्रेमजी विश्राम ठक्कर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैमर्स मेडिको डिस्ट्रीक्ट्स।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेदन सं० आई 3/37ईई/10050/84-85—अतः मुझे
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० पुबान नं० 13, जो जयलक्ष्मी शापिंग सेंटर,
एम० जी० रोड, घाटकोपर, बम्बई 77 में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर्ड है दिनांक 2-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—516GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 13, जो जयलक्ष्मी शापिंग सेंटर, एम० जी०
रोड, घाटकोपर, बम्बई 77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा जिक्र सं० आई 4/37ईई/10050/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 2-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12 2 1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री दत्ताराम गणपत नाईक ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री भरत बाबूलाल व्होरा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० आई-3/37ईई/10748/84-85--अत मुझे
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 15, जो जगदुशा अंजली, को-
ऑप० हाउसिंग सोसायटी जगदुशा नगर, घाटकोपर, (प०),
बम्बई 86, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 29-6-1984
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, जो जगदुशा अंजली, को-ऑप० हाउसिंग
सोसायटी जगदुशा नगर, घाटकोपर, (प०), बम्बई 86 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई 3/37ईई/10748/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक 12-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/10560/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 5 वीं मंजिल, विंग बी, बिल्डिंग नं० 3, "दामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच छूट अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा-269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रावजी भाई डाह्याभाई पटेल ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नक्षिमा अबू काशी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतना बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांशताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो 5 वीं मंजिल, विंग-बी बिल्डिंग नं० 3, 'दामोदर पार्क' एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प०), बम्बई-86 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. आई-4/37ईई/10560/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-3/37ईई/10194/84-85—अतः, मुझे
० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो 5 वीं, मंजिल, बिल्डिंग 6-सी
दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प०),
बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भावना पी० खारा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मधुकान्ता सी० पारेख और
श्री चन्द्रलाल डी० पारेख ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
ग्राह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो 5 वीं मंजिल, बिल्डिंग 6-सी, दामोदर
पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10194/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 11-6-1985
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई-3, 37ईई, 10119/84-85—अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 205, जो 2 री मंजिल, बिल्डिंग नं० 10, कापडिया नगर, सी० टी० एस्० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-60 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 4-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शूबेदाबाई गुलाम मोहम्मद पटका।

(अन्तरक)

2. अल्लाउद्दीन, ए० क्यू० शेख।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यमान है।

अनुसूची

प्लेट नं० 205, जो 2 री मंजिल, बिल्डिंग नं० 10, कापडिया नगर, सी० टी० एस्० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3, 37ईई, 10119/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर

मूल्य बाई. टी. एन. एल. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/10247/84-85—अतः, मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 9 वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 3-सी, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 11-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) जन्मरुप के हुए किसी भाग की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मास्टर सुमेर शर्मा ।

(अन्तरक)

2. श्री हरकिशनदास रण छोरवास शहा और श्रीमती हिरामणी हरकिशनदास शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो 9 वीं मंजिल, बिल्डिंग 3-सी, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10247/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 11-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

1. श्री वि० एन० पालेकर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती विनोद थुकराल और
श्री अरविन्द थुकराल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/10728/84-85—अतः मुझे;

ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-14, जो हिमालया पार्वतीय,
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी पी० एम० बर्वे नगर,
घाटकोपर (प०), बम्बई-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कतरनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-कख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक
27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नवों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-14, जो हिमालया पार्वतीय को-ऑप०
हाउसिंग सोसायटी पी० एम० बर्वे नगर, घाटकोपर (प०),
बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची असाकि क्र० सं० आई-3/37ईई/10728/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 27-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर

प्रश्न आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/10770/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 66, जो 4 थी मंजिल, पंकज-बी,
आग्रा रोड, एल० बी० एस० मार्ग, बम्बई-86 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका वास्तविक आयकर अधिनियम 1961 की धारा
299-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी मिना रमणि कलाल गोसर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती धिरजनलाल जे० शहा और

श्रीमती बर्नाता भोगीलाल शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 66, जो 4 थी मंजिल, पंकज-बी, आग्रा रोड,
एल० बी० एस० मार्ग, बम्बई-8 में स्थित है ।।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10770/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 29-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12 फरवरी 1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री सुरेश माहन लाल मोनी ।

(अन्तरक)

2. श्री इंद्रजित पुलुगम यादव ।

(अन्तरिता)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-8/37ईई/10003/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० दुकान नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोअर, "नूपुर" इमारत
प्लॉट नं० 185, गरोडिया, नगर, घाटकोपर, (पूर्व),
बम्बई-77 में स्थित है (श्रीरजिमके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरजो
पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीरजिमका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 1-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10 -516GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधप. --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, "नूपुर" इमारत, प्लॉट
नं० 185, गरोडिया, नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-77 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/10003/84-85
श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

माहुर :

प्रत्यक्ष भाषा टी. एन. एच. -----

1. रेवहरेड, सिस्टर असुम्था और अन्य ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. कार्लिदाम वामण उमापकर और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10292/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट ऑफ लैंड, अँट विलेज, कोले
कल्याण सी० टी० एस० नं० 5864 से 5869 और 5871,
सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट ऑफ लैंड अँट विलेज, कोले कल्याण, सी० टी०
एस० नं० 5864 से 5899 और 5871, स्टक्वर्ड के माथ,
सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37ईई/10292/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं०आई-3/37ईई/10543/84-85:—अतः सुते,
ए० लहिरा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या
फ्लैट न० 14, जो, निता अपार्टमेंट प्लॉट
न० 21, 4थी मंजिल, "डी०", कालोनी रोड, यशोदा
निवास के पीछे, रजावाडी, विद्या छेत्र, (पूर्व), बम्बई-5
में स्थित है (और इसमें, उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकार, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-9-1984
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स अनिल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री राधाकुण्डण एम० अवप्पा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 14, जो, निता अपार्टमेंट, प्लॉट न० 21, 4थी
मंजिल, "डी०" कालोनी रोड, यशोदा निवास के पीछे, रजावाडी,
विद्याछेत्र, पूर्व, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूच, जैसा कि रु सं० आई-3/37ईई/10543/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-6
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरा,

सक्षम प्राधिकार,

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण),

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10719/83-84:—अतः मुझे, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या यूनिट नं० 303, जो, 3री मंजिल,
हिल ब्र्यू इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एम०
मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क०
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स एम० एम० पी० इण्टरप्राइज।

(अन्तरक)

2. मैमर्स पी० आर० ए० इन्स्टालेसन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 303, जो 3री मंजिल, हिल ब्र्यू इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-89
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/10719/83-
83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. पारल इन्टरप्राइज।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फेहिमदा उस्मान शरीफ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10556/83-84—अत मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,600/- रु. से अधिक है

और जिसकी दुकान नं० 9, जो, विंग बी०, इमारत नं० 3, दामोदर पार्क, एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-89 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कगनामा आयकर अधिनियम 1991 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, जो, विंग बी०, इमारत नं० 3 दामोदर पार्क, एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-8, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/10556/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

1. मैमर्स कानकाई इण्टरप्राइजेज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री वाई० सी० साठे।

(अन्तरिता)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10487/83-84:—अतः मुझे, ए०
लहिरी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० पिम और पार्सेल ऑफ लैन्ड एम० नं०
424, एच० नं० 21, सी. टी० एम० नं० 832, वाकोला,
विलेज, माताक्रुज, बम्बई-55 में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय में
रजिस्टर्ड है, तार ख 1-6-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) धारण से हुई किसी भाव की वास्तविक
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पिम और पार्सेल आफ जमीन सर्वे० नं० 424, एम०
एच० नं० 23, सी० टी० एम० नं० 832, वाकोला
विलेज, कैनरा बैंक के सामने, वाकोला मैन रोड,
माताक्रुज बम्बई-55 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-3/37ईई/10487/84-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० अई-3/37ईई/10486/84-85:—अतः मुझे ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
25,600/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 8 जो 1 ली मंजिल,
नरेण भवन, को० ग्राप हाउसिंग सोसाईटी, साईनाथ नगर,
बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती मारागथम कल्याणकृष्णन

(अन्तरक)

2. श्री अशधीर नैया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लेट नं० 8, जो, 1ली मंजिल, परेश भवन, को० ग्राप-
हाउसिंग सोसाईटी, साईनाथ नगर, एल० बी० एस० मार्ग,
घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/10486/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

प्रकल्प भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० आई-3/37ईई/10242/84-85—अतः मुझे ए०
लहिरी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12 जो 1ली मंजिल
"विशाल अपार्टमेंट" इमारत प्लॉट नं० 108 गरोडिया
नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्रार है तारीख 8-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

1. श्रीमती रमा रघुनाथन और
श्री जी० रघुनाथन।

(अन्तरक)

2. श्री टी० एम० वेक्टरामन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना के
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धताक्षरी के पत्र लिखित
में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 1-5 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

फ्लैट नं० 12, जो 1ली मंजिल "विशाल अपार्टमेंट" इमारत
प्लॉट नं० 108 गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई-10242
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
8-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

माहूर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

सं. अई-3/37ईई/10557/84-85 —यून मुझे, ए०
लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या प्लेट न० 3 जो 7वीं मंजिल विंग-सी
इमारत न० 3 "दामोदर पार्क" एल० बी० एस० मार्ग
घाटकोपर (प०) बम्बई-85 में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 23-6-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 का अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के पदानुसार अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

11—516GI/84

1 श्री इस्सर के० लाला और
श्री तुलसी आ० के० लाला

(अन्तरक)

2. मैसर्स पारुल इन्टरप्राइसेज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 3 जो 7 वीं मंजिल विंग सी इमारत न०
3 "दामोदर पार्क" एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (प०)
बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-3/37ईई/10557/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
23-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

अथवा बाई. टी. एम. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

मं० अई-3/37ईई/10493/84-85—यतः मुझे, लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 9 जो ग्राउण्ड फ्लोर द्वारका धाम इमारत, प्लॉट 133 गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री टी० एस० वेंकटरामन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधा विरामणी और श्री नारायणन विरामणी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9 जो ग्राउण्ड फ्लोर द्वारका दास इमारत प्लॉट नं० 133 गरोडिया नगर घाटकोपर (पूर्व) बम्बई 77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि मं० अई-3/37ईई/10493/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मं० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती आयली आर० नायक।

(अन्तरक)

2. पारुल इण्टरप्राइजेज।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10340/84-85.—यत मुझे, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सख्या फ्लैट न० 3, जो, 4थी मजिल, विंग सी, इमारत न० 3 "दामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग,
घाटकोपर (प०), बम्बई-85 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269,
क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में
रजिस्ट्री है, तारीख 15-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट न० 3, जो, 4थी मजिल, विंग सी, इमारत न०
3, "दामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०)
बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/10340/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12; 2-1985

मोहर :

प्रकृष माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आइए सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं. आई-3/37ईई/10558/84-85:—यत. मुझे, ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सक्या प्लेट न० 1, जो, 11वीं मजिल, इमारत न० 3/डी, दामोदर पार्क, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बाह्य-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती भगवती डी० मखिजानी।

(अन्तरक)

2 श्री जयन नैटम लाल शाहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बायोपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 1, जो, 11वीं मजिल, इमारत न० 3/डी, दामोदर पार्क, लाल बहादुर मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई 86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. आई-3/37ईई/10558/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23 23-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

1. श्री गणेश कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिसेश्वरी देवली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10092/84-85:—यतः मुझे, ए०

लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 और 3, जो, हिल व्यू अपार्टमेंट्स,
हिमालया पर्वतीय को आप हाउसिंग सोसाईटी, नेताजी
पालकर, मार्ग, अमलफा, घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है।
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-6-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निहित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वास्तव में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यता
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

दुकान सं० 2 और 3, जो, हिल व्यू अपार्टमेंट्स, हिमालया
पर्वतीय को आप हाउसिंग सोसाईटी, नेताजी पालकर मार्ग,
अमलफा घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/10092/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

माहुर :

प्रकृष माह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

साहस सरकार

आयसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10371/84-85.—यतः मुझे, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंजूरा यूनिट नं० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोर,
अनोटो इण्डस्ट्रियल इस्टेट, नित्यानन्द नगर, एल० पी० एस०
मार्ग, घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
द्विगुण में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुनीर मोहसिन बच्चूअली।

(अन्तरक)

2. श्री शिवकान्त विश्वनाथ चौधरी।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 2 जो, ग्राउण्ड फ्लोर, अनोटो इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, नित्यानन्द नगर, एल० पी० एस० मार्ग, घाटकोपर,
बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/10371/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
16-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) श्री एम० टी० मिरचंदानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बलजीत सिंह कोचर
और
श्री भाग सिंह कोचर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/10559/84-85—अतः,

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो नवी मंजिल, इमारत
नं० 3/सी, 'दामोदर पार्क', लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाट-
कोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
23 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० लहिरी
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3 है तथा जो नवी मंजिल, इमारत नं० 3/सी,
'दामोदर पार्क', लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (प०),
बम्बई-86 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/10559/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985
माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अशोक जयसिंह भाटिया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रदीप हसराम सम्पत

और

श्रीमती रोहिणी दिनेश कुमार संपत

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10741/84-85-अतः,
मुझे, ए० सहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 4 है तथा जो 'श्री द्वारका धाम', प्लॉट नं० 133, गरोड़िया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ब्लाक नं० 4 है तथा जो श्रीद्वारका धाम, प्लॉट नं० 133, गरोड़िया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10741/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-2-1985

मोहर

प्रकृत बाई.टी.एच.एस. -----

(1) श्री पी० वासुदेव शेणाय ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती प्रभावती डी० माथी
और
श्रीमती राजू महेन्द्र माथी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०/3-37 ईई०/10013/84-85—अतः
मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,00/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 25 है तथा जो छठवीं मंजिल,
राजू मैनशन, वल्लभ भाग लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75
में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 266 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12—516GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्लेट नं० 25 है तथा जो छठवीं मंजिल, राजू मैनशन,
वल्लभ भाग लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित
है ।

अनुसूची जसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10013/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10163/84-85—अतः,

मुझे, ए० सहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 5 है तथा जो पहली मंजिल, ऋषभ आश्रम, प्लॉट नं० 74, डी० पी० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाधुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर के गहरे हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अजय बिहर्स ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स स्टील अथॉरिटी आफ इण्डिया लि० और श्री बोडू शंकर खाटे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 5 है तथा जो पहली मंजिल, ऋषभ आश्रम, प्लॉट नं० 74, डी० पी० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-81 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई० 3/37 ईई०/10163/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० सहिरी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पटेल भानजी करमशी एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री जयराम एम० शेटी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10564/83-84—अतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु में अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर इन्टरप्रस्थ पी० नं० 1 एस० नं० 49 एच० नं० 1 (अंश) सी० टी० एस० नं० 1071 (अंश) मीठा नगर रोड मुलुड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 260 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बन के अन्तरक क बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3 तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर इन्टरप्रस्थ, पी० नं० 1, एस० नं० 94, एच० नं० 1 (अंश), सी० टी० एस० नं० 1071 (अंश), मीठा नगर रोड मुलुड (पूर्व) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची तैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10564/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
मोहर :

अक्षय भार्गव.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती रीटा ए. देसाई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभा तिवारी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/10720/83-84—अतः
मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 46 है तथा जो 'फाल्गुनी', लादी
वाला कालोनी, बाल राजेश्वर रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पामा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 46 है तथा जो 'फाल्गुनी', लादी वाला कालोनी,
बाला राजेश्वर रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10720/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजेंन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स एस० एन० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वर्षा प्रशोक राणे ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10251/83-84—अतः

मुझे, ए० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी/303 है तथा जो सोरभ अपार्टमेंट्स, सर्वे नं० 44 (अंश) आफ पी० के० रोड, नाहूर मुलुंड (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में रहित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी/303 है तथा जो सोरभ अपार्टमेंट्स, सर्वे नं० 44 (अंश), आफ पी० के० रोड, नाहूर मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10251/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

कोहूर ३

प्रकृष बाई.टी.एन.एल. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० घ्राई०-3/37 ईई०/10457/83-84—अतः
मुझे, ए० लहरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 7 है तथा जो प्लॉट नं० 48,
कांजूर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मांडूप,
बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाबित्व में कमी करने या उक्त बचने में सूचना
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मांडन बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० सी० शो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बम्बई

प्लेट नं० 7 है तथा जो प्लॉट नं० 48, कांजूर को-आप०
हाउसिंग सोसाइटी, मांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० घ्राई०-3/37 ईई०/10453/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

महेश :

प्ररूप आई. टी. एम. एस. - - -

(1) श्री पी० एन० सुब्रमनियम ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० जे० सोनी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10593/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 4 है तथा जो ग्राउण्ड फ्लोर, मुलुंड राज मयूर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एस० एल० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फीत नही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार में कमी करने या उसमें बचने में कृतिधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अधिनियम, 1922 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ब्लाक नं० 4 है तथा जो ग्राउण्ड फ्लोर, मुलुंड राज मयूर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एस० एल० रोड मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10593/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकृप बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती भाग्यवती अचल दास पलेसा।

(अन्तरक)

(2) श्री के. बाल कृष्णन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10516/83-84—अतः

मुझे, ए० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट नं० 304 है तथा जो तीसरी मंजिल,
सुशीला अपार्टमेंट, सरोजनी नायडू रोड, तांबे नगर, मुलुंड
(पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
आवश्यक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304 जो तथा जो तीसरी मंजिल, सुशीला अपार्ट-
मेंट्स, सरोजनी नायडू रोड, तांबे नगर, मुलुंड (पश्चिम),
बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10516/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी

सक्षम प्राधिकारी।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1984

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/83-84—अतः मुझे,

ए० लहिरी

भाष्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5 है तथा जो ग्राउण्ड पलोर, श्री सदन कुंज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 90 फीट रोड, नवघर रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भाष्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से इसे दृश्यमान प्रतिफल के समूह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

13-516 GI/84

(1) श्रीमती वसुन्धरा रमाकांत तारी।

(अंतरक)

(2) श्रीमती प्रतिभा प्रकाश मुंबरकर।

(अन्तरिती)*

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5 है तथा जो ग्राउण्ड पलोर, श्री सदन कुंज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 90 फीट रोड, नवघर रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/83-84 10288 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर

प्रकृष. बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री हीरानन्दानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

- (2) 1. श्री अशोक टी० चन्दानी,
2. श्री राजेश टी० चन्दानी और
3. कुमारी बीना के० मोतीरामानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्दिश सं० आई०-के/37 ईई०/10156/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 139 है तथा जो पहली मंजिल, हीरानन्दानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट जो 139 है तथा जो पहली मंजिल, हीरानन्दानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10156/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एन. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/10166/83-84-अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 25 है तथा जो मेघल सर्विस इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, डी० डी० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(अ) अन्तरण से हुआ किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अंशित में कमी करने या उसमें तबने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित :-

(1) श्री हंसराज के० हरिया ।

(अन्तरिती)

(2) श्री यशपाल के० कालरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

गाला नं० 25, है तथा जो, मेघल सर्विस इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, डी० डी० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10166
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एच.-----

(1) श्री अन्योनी सालडाणा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(०) श्री वी० आर० हरीदास।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई० 10227/84-85—अतः
मुझे, ए० सहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-1 है तथा जो हित निकेतन,
कोकण नगर, जे० एम० रोड, भांडूप (पश्चिम), बम्बई-78
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-1 है तथा जो हित निकेतन, कोकण नगर,
जे० एम० रोड, भांडूप (पश्चिम), बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3 37 ईई० 10227
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० सहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
मोहर :

प्रकट नम्बर टी. एन. एन. २८८८८८

(1) श्री हीरानन्दानी इण्डस्ट्रियल इंटरप्रायजेज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुरेश टोमक दास मूलचन्दानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10540/83-84—अतः

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 27 है तथा जो पहली मंजिल, हीरानन्दानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 27 है तथा जो पहली मंजिल, हीरानन्दानी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10540/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एस. -----

(1) श्री भरत एम. परबानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती गजराजेन लाहेरचन्द शाह ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10727/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 404 है तथा जो चौथी मंजिल,
मुशीला अपार्टमेंट, तांबा नगर, सरोजनो नायडू रोड, मुलुंड
(पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404 है तथा जो चौथी मंजिल, मुशीला अपार्टमेंट,
तांबा नगर, सरोजनो नायडू रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10727/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

मुख्य कार्य. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10353/83-84—अतः

मुम्बै, ए० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आई०-3/37 ईई०/फ्लैट नं० बी/4 है तथा जो
पहली मंजिल, माहेश्वरी अपार्टमेंट, जेठा शंकर डोसा रोड,
मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकच अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुणोत्तरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
का पक्ष अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधित, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का कारण, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरोत्तम दास प्रभु लाल गणाना
और
श्रीमती विजयाबेन नरोत्तम दास गणाना।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र श्रीराम मोदी
और
श्रीमती शारदा देवी रमेशचन्द्र मोदी।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-4 है तथा पहली मंजिल, 'माहेश्वरी अपार्टमेंट'
इमारत, जेठा शंकर डोसा रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10353/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री पी० एन० कोठारी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मै० स्पेसटेक इन्वुपमेंट्स एण्ड स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10135/83-84—अतः

मृ. ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 213 है तथा जो दूसरी मंजिल, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (अंश), सी० टी० एस० नं० 288, आगरा रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कररतनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और किया गया है मूँसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त अधिनियम में सुविधा के लिए; और/या

(2) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 213, है तथा जो, दूसरी मंजिल, पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (अंश), सी० टी० एस० नं० 288, आगरा रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10135/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पटेल भानजी एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रकाश मंगेशराव कंटक ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/10563/84-85—अतः
मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 है तथा जो दूसरी मंजिल,
इन्द्रप्रस्थ पी० नं० 1, एस० नं० 94, एच० नं० 1 (अंश),
सी० टी० एस० नं० 1071 (अंश), मिठागर रोड, मुलुंड
(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और एके गत विकास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
के, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—516GI/84

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7 है तथा जो दूसरी मंजिल, इन्द्रप्रस्थ, पी०
नं० 1, एस० नं० 94, एच० नं० 1 (अंश), सी० टी० एस०
नं० 1071 (अंश), मिठागर रोड, मुलुंड (पूर्व) बम्बई
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/47 ईई०/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
साहेब

प्रमाण काई० टी० एन० एच०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10233/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 1 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोअर 'गोविन्द उद्योग भवन', बाल राजेश्वर रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपात्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी याय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किष्ण जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) मीसर्स इण्डो सायगन एजेंसी।

(अन्तरक)

(2) म० सेटकन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 1, तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'गोविन्द उद्योग भवन', बाल राजेश्वर रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10233/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहूर :

प्रत्यक्ष भाषा टी. एन. एस.-----

(1) म० ग्लो पेकेजिंग इण्डस्ट्रीज ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) म० टेलकम इण्डस्ट्रीज ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० आई०-3, 37 ईई०/10153/83-84—अतः
मुझे, ए० लहिरी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

श्रीरजिसकी सं० यूनिट नं० 24 है तथा जो के० के० गुप्ता,
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मुलुंड बम्बई-80 में स्थित है और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 1 जून, 1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभ्युद्देशकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय-पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

यूनिट नं० 24 है तथा जो के० के० गुप्ता इण्डस्ट्रीयल
इस्टेट, मुलुंड बम्बई-80 में स्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3, 37 ईई०/10153/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/10550/83-84—अतः
मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 6 है तथा जो इमारत नं० 16,
निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट नं० 4, एस० नं० 55 और 56,
सी० टी० एस० नं० 2070208, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हम
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतलाते हैं—

(1) मै० मुकंद आयरन् स्टाफ एसोसिएशन को—
आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती अनसुया रामनाथ सोडे
और

2. कुमारी राजश्री भागव भट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्राहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 6 है तथा जो इमारत नं० 16, निर्माणाधीन
इमारत, प्लॉट नं० 4, एस० नं० 55 और 56, सी० टी० एस०
2070208 मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/10550,
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
मोहर :

प्राप्त आदि की प्रतः प्रेषित

(1) मै० एस० एन० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री अंकुश दिनकर राणे।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/10438/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-202 है तथा जो सौरभ
अपार्टमेंट्स बी, आफ पी० के० रोड, नहार विलेज, मुलुंड,
बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुचची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सम्बन्ध
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए/202 है तथा जो सौरभ अपार्टमेंट्स-बी आफ
पी० के० रोड, नहार विलेज, मुलुंड बम्बई-80 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई०-3/37 ईई०/10438/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैं एस० एन० बिडर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनी कांत बी० रेगे।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10250/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-2 है तथा जो सौरभ अपार्ट-मेंट्स, सर्वे नं० 44 (अंश), आफ पी० के० रोड, नाहूर, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए/2 है तथा जो सौरभ अपार्टमेंट्स, सर्वे नं० 44 (अंश), आफ पी० के० रोड, नाहूर, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10250/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स एस० एन० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री महेन्द्र टी० मिश्रा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० आई-3/37ईई/10291/83-84—अतः सुमे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० ए/102, जो, सौरभ अपार्टमेंट्स
सर्वे० नं० 44 (ग्रंथ), आफ पी० के० रोड, नाहूर, मुल्डूड,
बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-6-1984।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो, सौरभ अपार्टमेंट्स, सर्वे० नं०
44 (ग्रंथ), आफ पी० के० रोड, नाहूर, मुल्डूड (प०)
बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10291/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-3, 1-1-1

तारीख : 12-2-1985

मोहूर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० आई-3/37ईई/10329/83-84—अतः सुझे, ए०,
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 212, जो, 2 री मंजिल
पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (ग्रंथ), सी
टी० एस० नं० 288, आग्रा रोड, मांडूप, बम्बई-78 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की दायत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० एन० कोठारी।

(अन्तरक)

2. मैसर्स न्यूटेक एनर्जी इंडियनर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 212, जो, 2 री मंजिल, पी० एन० कोठारी
इस्टेट, सर्वे नं० 200 (ग्रंथ), सी० टी० एस० नं० 288,
आग्रा रोड, मांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-3/37 /10329/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर

प्ररूप भाई.टी.एन.एस. -----

1. श्री प्रहलाज सिंह हस्ता सिंग बजाज।

(अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र प्रभुदयाल मंगला।

(अन्तरिती)

भाषा कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-3/37ईई/10567/83-84—अतः मझे, ए० लहिरी,

भाषा कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 15, जो, "बी", विंग, "अटलांटा" प्लॉट नं० 38, विलेज बालनाय, मालाड मार्बे रोड, सालाड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,

/तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में सम्मिलित रूप में क्रियत नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण में हुई किसी आय का बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
15—516 GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 15, जो, बी विंग, "अटलांटा" प्लॉट नं० 38, विलेज बालनाय, मालाड मार्बे रोड, मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं० अई-3/37ईई/10597/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहुर :

प्रकरण आई.टी.एच.एस.-----

1. मैसर्स मनाली कारपोरेशन।

(अन्तरक)

2. श्री सैयद शहीद हुसैन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० आई-3/37ईई/10547/83-84—अतः मुझ, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर,
मनाली इमारत, नं० 2, प्लॉट नं० 48, 49 और 50,
वालनाय बिलेज, मालाड, (प०), बम्बई-64 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा,
269 क, ख के अधीन बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व
हायित्व में कमी करने या उसमें बचन में मन्त्रिणा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहिष्णुता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, मनाली इमारत
नं० 2, प्लॉट नं० 48, 49 और 50, वालनाय बिलेज,
मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10547/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1985

मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

1. मैसर्स एम० एन० ब्रदर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. एन० आर० पावस्कर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/10551/83-84—अतः मुझे ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रमायसेस बेअरिंग न० सी० टी० एम०
नं० 515 ए० 128, म्युनिसिपल असेसमेंट, नं० पी०-3925-
52, तुरेल पखाड़ी हाउस, मालाड तुरेल पखाड़ी, बम्बई-64
में स्थित है (अगर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अवधूत

प्रमायसेस बेअरिंग सी० टी० एम० नं० 515 ए० 128,
म्युनिसिपल असेसमेंट नं० पी०-3925-52, तुरेल पखाड़ी हाउस,
मालाड तुरेल पखाड़ी, बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-3/37ईई/10551/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 12-2-1985
मोहर:

प्रकट बाई.डी.एच.एच. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० अई-4/37ईई/10599/83-84—अतः मुझे, ए०,
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० ए-5/3, जो, इम्सिको को-आप हाऊसिंग सोसाईटी लि०, सुन्दर नगर, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, तारख 1-6-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिले में कमी करने या उसके बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तवों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सहायता के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती महिन्दर कौर बात्रा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वि० वि० बाघासिया और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक 2--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० ए-5/3, जो, एमसिको को-आप हाऊसिंग सोसाईटी लि०, सुन्दर नगर, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/10569/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-3, बम्बई

तारख : 12-2-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

सं० अई-3/37ईई/10692/83-84—अतः मुझे, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, चन्द्रराज अपार्टमेंट,
चिचोली रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और
इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स चन्द्रराज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री रावजीभाई के० पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो, चन्द्रराज अपार्टमेंट, चिचोली रोड,
मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/10692/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 11 फरवरी, 1985

सं० आई-3/37ईई/10455/83-84—अतः मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ब्लाक नं० 2, जो, 1ली मंजिल, मालाड अशोक प्रिमायसेस को-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लि०, मालाड (पूर्व), दफ्तरी रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाबूभाई वि० पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार एन० गाड और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 2, जो, 1ली मंजिल, मालाड अशोक प्रिमायसेस को आप० हाऊसिंग सोसाईटी लि०, दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10455/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10261/83-84—अत.,

मुंबे, ए लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्लेट न० 302 जो उरी मजिल, सी विंग, 'अटलांट प्लाट न० 38, है बालनाथ विलेज मालाड मार्ग रोड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिक्त (अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति फस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का गठन 14 अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मैसर्स आर० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

2 श्रीमती शकुन्तला केबिसेन और अन्य।

(अतिरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाचक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सका।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

प्लेट न० 303 जो उरी मजिल सी विंग, "अटलांट" प्लाट न० 38 आफ बालवाय विलेज मार्ग रोड मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-3/37ईई/10261/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग० लहरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख 12-2-1985

माहुर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 मैसर्स आर० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री मुराज गहिव अली तय्यब शेख।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० आई-3/37ईई/10106/83-84—अतः मुझे ए०
लहिरी,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 302 जो 3री मंजिल
सी विंग "अटलाटा" प्लॉट नं० 38 बाल नाथ विलेज मार्बे
रोड माला (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूँके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण स हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लेट नं० 302 जो 3री मंजिल सी विंग "अटलाटा"
प्लॉट नं० 38 आफ बालनाथ विलेज मार्बे रोड माला
(प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10106/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख . 12-2-1985

माहुर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस. -----

1 मैसर्स अहमद कस्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती चरणजीत कौर मदन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० आई-3/37ईई/10613/84-84:—अतः मुझे ए०

लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 7 जो अमित इमारत 3री
मंजिल, साई बाबा पार्क मित चौथी माला (प०) बम्बई
-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 ग ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :

16-516 GI/84

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो में
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो 3री मंजिल, "अमित इमारत"
साईबाबा पार्क, मितचौकी, मालाड (प०) बम्बई-64 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10613/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 12-2-1984

प्रमुख आई. टी. एन. एन. ४ -- -

1. मैसर्स निरन होल्डिंग्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री विजय कुमार देव सासियन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० आई-3/37ईई/10030/83-84:—अस मुझे ए९
लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० एल/10 जो 3 री मंजिल हरिद्वार-1
इमारत प्लॉट नं० 18, 19, 20-ए विलेज बाल
नाथ मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उक्त को दर्ज के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के दर्ज के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्विस्तार के बाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में व्यवस्था के लिए,
आई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किन्हीं बाधा बाधिए या, छिपाने में संविधा
के लिए;

फ्लैट नं० एल/ 10, जो 3 री मंजिल, हरिद्वार-1 इमारत
प्लॉट नं० 18, 19, 20-ए विलेज बालनाथ मालाड (प०)
बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10030/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-2-1985
मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० आई-3/37आई/10725/83-84:—अतः मुझे, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० नं० 9, जो, ग्राउण्ड फ्लोर
सन्देश इमारत नं० 6, सर्वे नं० 26 अंश), (एच० नं०
1 अंश), मित चौकी, उप्पा नगर, आफ मार्बे रोड, मलाड
(प०), बम्बई-64 में स्थित है। और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन है
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 1-6-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आब या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र एण्ड नरेश पी० उपाध्याय।

(अन्तरक)

2. श्री रणजीत सिंह मोखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, इमारत नं० 6
सन्देश इमारत, मित चौकी, उप्पा नगर, आफ मार्बे रोड,
मलाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37आई/10725/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स वैशाली आर्ट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स लेकलेस (इण्डिया) इंजिनियरिंग।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० आई-3/37ईई/10725/83-84:—अतः मुझे, ए० लहिरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 122, जो, 1वीं
मंजिल, विनय इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 128/1, देवखरकर
वाडी, चिंचोली बंदर रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय आय-वार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचना
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
मोहर :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 122, जो, 1वीं मंजिल, विनय
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, चिंचोली बंदर, रोड, मालाड (प०),
देवखरकरवाडी, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10725/83-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एन एल.-----

1. मीसर्स एस० आर० इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मिरा मुरलीधर काशिकर और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

सं० आई-3/37ईई/10005/83-84:—अत मुझे, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 33, जो, 3 री मंजिल, प्लॉट
नं० 4, रोड नं० 3, मेहता इण्डस्ट्रियल इस्टेट के बाजू में,
लिबर्टी गार्डन, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और
इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और या/

फ्लैट नं० 33, जो, 3 री मंजिल, प्लॉट नं० 4, रोड नं०
3, मेहता इण्डस्ट्रियल इस्टेट के बाजू में, लिबर्टी गार्डन,
मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई 10005/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बाबत :—

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-2-1985
मोहर

प्रकृष्ट बाई. टी. एन. एस. ----

1 श्री अरुण कुमार एण्ड एसोसियेट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्री दुष्यंत गाबीलाल मफातीया ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1984

सं० अई-3, 37ईई, 10087, 83-84.—अत मुझे, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पदों पर निम्नलिखित अधिनियम है) की धारा
269-ए के अधीन सूचना प्रकाशित की जा रही है कि यह कि यह वस्तु का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- से अधिक है

और जिसकी मूल्यांकन नं० 5, जो 1 ली मजिल, आशीष
इमारत, साईबाबा पार्क, भित चौकी, मालाड (प), बम्बई-
64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ए के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति में निम्नलिखित कारणों से निम्नलिखित
प्राप्तिक्रम के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह निश्चय
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का
प्राप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

पर निम्नलिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की अवधि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के आयुक्त
या करी करने या उससे अर्जन में निम्नलिखित के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य की अवधि अन्य आदेशों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहते थे, निम्नलिखित में सूचना
के लिए,

फ्लैट नं० 5, जो, 1 ली मजिल, आशीष इमारत,
साईबाबा, पार्क, भित चौकी, मालाड (प०), बम्बई-64 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3, 37ईई 710087, 83-
84 और जो निम्नलिखित प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोदस्ताक्षर करता हूँ—

तारीख : 12-2-1985
मोहर

प्रकाश जाहें टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/10270/83-84.—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मतम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 9, जो, 3री मंजिल, मातृकृपा बी-
इमारत, सालिसिटर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
(और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय

बम्बई रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सबसे प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप में अधिनियम नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधिनियम के अन्तर्गत अन्तरण का रजिस्ट्रार
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) श्री मनोजकुमार आर० कोठारी और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) असूभाई गोवाभाई पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किन आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रकाशन शब्दों का अर्थ है, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 9, जो, 3री मंजिल, मातृ कृपा-बी इमारत,
सालिसिटर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/10270/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

प्रकृष आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सम्पत्ति

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० आर्इ-3/37-ईई/10461/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो, ग्राउंड फ्लोअर, "सन्देश" मित चौकी, उष्मा नगर, ग्राफ मार्बे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर सिटी में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की गणना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे इन्होंने में सविज्ञा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राजेन्द्र एण्ड नरेश पी० उपाध्याय ।

(अन्तरक)

(2) रणजीत सिंह मोखा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, जो, ग्राउण्ड, फ्लोअर, इमारत नं० 6, "सन्देश" सर्वे नं० 26, (अंश), एच० नं० 1 (अंश), ग्राफ मार्बे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आर्इ-3/37ईई/10461/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर

प्रारूप आर्द्व. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० अई-2/37ईई/10108/83-84—अनः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 303, जो, उरी मंजिल, बी विंग, अटलांटा प्लॉट नं० 38, आफ वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वायित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से निम्नः और/या

(ख) ए०से किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

17—516GI/84

1. मैसर्स आर० जी० विल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मायादेवी के० अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, जो, उरी मंजिल, "बी", विंग, अटलांटा", प्लॉट नं० 38, आफ वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10108/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

प्रथम भाग, डी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० आई-3/37ईई/10103/83-84—अतः मुझे, ए०
लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 40 जी, सी विंग, इमारत
नं० 3, आफ हिरा नगर, प्लॉट नं० 263, (अंश), सी० टी०
एस० नं० 8, विलेज मालवानी, मालाड (प०), बम्बई-74
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सूचना
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. बाफ हिरा बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्दर कांता खन्ना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 40, जो, सी विंग, इमारत नं० 3, बाफ
हिरा, नगर, प्लॉट नं० 263 (अंश), सी० टी० एस० नं०
8, विलेज मालवानी, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10103/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिणी)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

महाराष्ट्र

फ्लैट नं० 12, जो इमारत, नं० ए, विंग-ए, 2 री मंजिल,
संत गाडगे बाबा नगर, चिचोली बंदर रोड, मालाड (प०).
बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10755/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

दिनांक 12-2-1985
मोहर :

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

प्रकाशक: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/10142/84-85—अत. मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो 1ली मजिल, दि रत्न
रूपल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 28-ए, शिवाजी नगर,
दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 1-6-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक से कमी करने या उससे बचने से व्यक्ति
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को अर्थात्—

1. श्री सीताराम चन्द और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मायाबेन, रामजी माणक और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो 1ली मजिल, रत्न रूपल को-आप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, 28-ए, शिवाजी नगर, दफ्तरी रोड,
मालाड (प०), बम्बई-97 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/1014
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

(अन्तरगत)

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

दिनांक : 12-2-1985
मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-37/ईई/10281/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिनकी सं० ब्लाक नं० 9, जो 2री मंजिल, शांतीनाथ छाया,
प्लॉट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

1. वि० एच० शाही एण्ड अक्सर्स।

(अन्तर
(अन्तरक)

2. श्री आर० आर० पटेल और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम में अधीन कर देने के अन्तरक के शायिल में
कमी करने या उक्त बर्जनों में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

ब्लाक नं० 9, जो 2री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लॉट नं०
11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/10281/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर :

प्रश्न क्रमांक : टी. एन. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निर्देश सं० आई०-3/37ईई/10281/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 10, जो 2री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लॉट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) तभी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तिथों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वि० एच० शहा और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कांतीलाल शहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 10, जो 2री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लॉट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10282/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर

प्रकृष भाई, टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई/-3/37ईई/10101/84-85—अतः मुझे,

ए० लहिरी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 6, जो, शांतीनाथ छाया, प्लॉट नं० 11, जितेन्द्र रोड मालाड, (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वि० एच० शहा और अन्य (अन्तरक)

2. श्री अरविन्दकुमार मंगलदास शहा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 6, जो शांतीनाथ छाया प्लॉट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3, 37ईई/10101/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर :

एक्यू आर्ट.टी एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10102/84-85—अतः, सुमे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 7, जो 1ली मंजिल, शांतीनाथ
छाया, प्लॉट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उल्लेख से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से
कीर्तित नहीं किया गया है :—

'क' अन्तरक से हुई किसी आय की छूट, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
लाभिता में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

18—516GI/84

1. श्री वी० एम० शहा और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एस० शहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिसबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लेखित की पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

ब्लाक नं० 7, जो 1ली मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लॉट
नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10102/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर &

प्रथम भाग. टी. एन. एच. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

सर्वेष सं० अई-3/37ईई/10276/84-85—अतः, मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 13, जो 3री मंजिल, शांतीनाथ छाया,
प्लॉट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64
में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० एच० शहा और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री ए० जे० पुरोहित और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कर्मवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ब्लाक नं० 13, जो 3री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लॉट
नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10276/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आगत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10524/84-85—अतः, मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
है अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो मान सरोवर इमारत,
जंक्शन, आफ गोविन्द नगर रोड, और एस० वि० रोड,
मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
की गई।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या
भन-कहू अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री वाशूमल, ए० सतलानी ।

(अन्तरक)

2. श्री शा खेम राजजी कोवारचंदजी जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, मान सरोवर, इमारत, जंक्शन, आफ
गोविन्द नगर रोड, और एस० वि० रोड, मालाड (प०),
बम्बई, में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10524/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एल. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/10099/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इ. ए. परमाणु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लॉक नं० 14, जो शांतीनाथ छाया, प्लॉट
नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गोप्य रूप से कथित नहीं किया गया है।—

1. श्री वि० एच० शहा और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री जय गिरी इंटरप्राइजेज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी जाब की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य जास्तिबों
को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
की लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

ब्लॉक नं० 14, जो शांतीनाथ छाया, प्लॉट नं० 11,
जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई/3/37ईई/10099/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर ४

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/10354/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो चन्द्रराज अपार्टमेंट्स,
प्लॉट नं० बी, एस० नं० 5-ए और 4-ए (अंश), चिंचोली बंदर
रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स चन्द्रराज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री मोहनलाल मुलजीभाई पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, जो, चन्द्रराज अपार्टमेंट्स, प्लॉट नं०
बी, एस० नं० 5-ए और 4-ए (अंश), चिंचोली बंदर रोड,
मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10354/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985
मोहर 3

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

1. मैसर्स जे. एच. इंटरप्राइज।

(अन्तरक)

2. श्री किशन सिंह गोयल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई/3/37ईई/10734/84-85—अतः सुधे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जो 2री मंजिल, "माधव
कुटीर" आफ 7वां रस्ता, रजावाडी, विद्याविहार, बम्बई-77
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भांति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन में
लिए कार्यवाहियां कहुता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12, जो 2री मंजिल, माधव कुटीर इमारत,
प्लॉट नं० 3, सर्वे नं० 92, आफ 7वां रस्ता, रजावाडी,
विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० अई/3/37ईई/10734/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष आई टी. एन. एच.

1. मैसर्स जे० एच० इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. दमयन्ती जवेरी लाल रावल और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई०- 3/37 ईई/10032/84- 85--अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-ए, जो 3री मंजिल, "माधव
कुटीर", आफ 7 वां रस्ता, रजावाडी, विद्याविहार, बम्बई-77
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिायों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग नै अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12-ए जो 3री मंजिल "माधव कुटीर",
इमारत प्लाट नं० 9 सर्वे नं० 92, आफ 7वां रस्ता
रजावाडी विद्याविहार, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10034/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स निवास कारपोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री अब्राहम, रेमन पावेल।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई/10462/84-85—अतः

मझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, जो 5 वीं मंजिल, निवास अपार्टमेंट्स, कालिना मार्केट, कालिना, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-28, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 602 जो 6 वीं मंजिल, प्लॉट नं० सी० टी० एस० 5835 से 5851 कोने कल्याण निवास अपार्टमेंट्स, कालिना मार्केट सांताक्रूज (पूर्व) बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई/3/37ईई/10462/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/10192/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो ए-विंग, 2री मंजिल, अभिजित अपार्टमेंट्स, वाकोला ब्रिज, पोलीस स्टेशन, के बाजू में, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा '1' के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—516—GI/84

1. खानांतर एण्ड देमाई विल्डिंग, डेवलपमेंट प्रायवेट लि० (अन्तरक)

2. श्री प्रवीण गणपत राणे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, ए-विंग, 2री मंजिल, अभिजित अपार्टमेंट्स, वाकोला, ब्रिज पुलिस स्टेशन के बाजू में, सांताक्रूज, (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10192/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री वि० एच० गहा और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री सी० पी० गहा ।

(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रैंज- 3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०- 3/37ईई-०/10441/84-85-अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 15, जो 3री मंजिल, शांतीनाथ
छाया, प्लॉट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई-64 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिक्ती (अंतरिक्तीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

ब्लाक नं० 15, जो 3री मंजिल, शांतीनाथ छाया, प्लॉट
नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37ईई/10441/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

तारीख : 11-2-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई 1068 6/8 3-8 4—अतः मुझे
ए० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 304 जो चंद्रराज अपार्टमेंट, चिंचोली
रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक
1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स चंद्रराज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री मूलजी भाई के० पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304, जो चंद्रराज अपार्टमेंट, चिंचोली रोड,
मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-34/37-ईई/1068 6
8 4-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

नई दिल्ली दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई-10233/83-84—अतः
मुझे ए० लहिरी ।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० यूनिट सं० सी-4 जो ग्राउंड फ्लोर इमारत सं० 1, स्माल इंडस्ट्रज को० आप सोसाईटी लि०, आय० बी० पटेल मार्ग, गोरगाव (प) बम्बई-63 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 299क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-6-1984

को पुनर्वक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग वर्क्स ।
(अन्तरक)
- (2) श्री बोला मुदन्ना शेटी और अन्य ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

यूनिट सं० सी-4, जो ग्राउंड फ्लोर इमारत सं० 1, स्माल को-आप सोसाईटी लि०, आय० बी० पटेल रोड, गोरगाव (प), बम्बई-63 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/10233/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 11-2-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमति दर्शन कौर बार्डफ आफ संत,मग ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रूपल ट्रेडर्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई 3 दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/10722/84-85—अतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ़ैट नं० 104, जो, 1 ली मंजिल, मालाड रजनी गंधा को-आप सोमाइटी मालाड (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 1-6-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ़ैट नं० 104, जो, 1 ली मंजिल, मालाड रजनी गंधा को-आप सोमाइटी, ए० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि फ़० सं० आई-3/37-ईई/10722/84-85 और जो पक्षन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 11-2-1985

मोहर ।

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई 10498/84-85—अतः

मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, अडवानी अपार्टमेंट, को-ऑप सोसाइटी, एल० बी० एम० मार्ग, मुलुंड (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 1-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति हेमलथा एस० वेशपांडे ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शाशिकला के० सालियन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो अडवानी अपार्टमेंट, एल० बी० एम० मार्ग, मुलुंड (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई 4/37-ईई-10498/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1985 ।

गांधी :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री जान ए० डिसील्वा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विजय जे० दोशी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10424/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 19 है तथा जो दूसरी मंजिल, हमारत नं० 3, जिला अपार्टमेंट, मितचौकी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय ; रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृत्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 19 है तथा जो दूसरी मंजिल, हमारत नं० 3, बिजल अपार्टमेंट, मितचौकी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10424/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 फरवरी, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

(1) श्रीमती बिन्दु जी० चौधरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० बी० अल्लो।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10299/83-84-अतः
मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० जी/7 है तथा जो किराई को-
आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मालाड (पश्चिम),
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269-ब-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
हय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

अ) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में इसी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

ब) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्तरण
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अथवा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० जी/7 है तथा जो किराई को-आपरेटिव
सोसाइटी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10299/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985
मोहुर

प्रकृ. भाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-4/37ईई/10573/83-84—अतः सुक्षे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 0/8 है तथा जो हरीद्वार-1, इमारत
आफ मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका कररनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
क्रिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—516GI/84

(1) श्रीमती चन्द्रा सु० बलराम तलरेजा और अन्य।
(अन्तरक)

(2) श्री रमेश एन० धर्मदासनी और अन्य।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 0/8 है तथा जो हरीद्वार-1 इमारत आफ
मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37 ईई/10573/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर

परूप भाई.टी.एन.एच.*****

(1) श्री बी० एच० शाह और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० आर० चम्पानारी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10100/83-84—अतः
मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 5 है तथा जो पहली मंजिल,
शांतिनाथ छाया प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व),
बम्बई-64, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 5 जो 1वीं मंजिल, शांतिनाथ छाया,
प्लाट नं० 11, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10100/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष दाख, बी. एच. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/10298/84-85-अतः,

मुझे ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी/10, जो न्यू एवरशाइन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मार्बे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब, ख के अधिनियम द्वारा बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री धरमसा मोरारजी केमिकल कम्पनी लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नलिनी जी० पुजारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के बिना कार्यावाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वादोप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकार—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्तुजी

फ्लैट नं० बी/10 है तथा जो न्यू एवरशाइन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, मार्बे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा, जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/10298/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को पंजीकृत किया गया है।

ए० लहिरो

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

नोट: अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

एक बार टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10759-83-84--अतः,
मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० बेअरिंग एस० नं० 33,
एच० नं० 1 (अंश), प्लॉट नं० 45, बालनाथ विलेज,
मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारण-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 का, धारा 269 कख के
अन्तर्गत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है
तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
हाथिष्ठ से करी कराने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ए० ए० फर्नान्डिस।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स यू० के० विल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

प्लॉट नं० बेअरिंग एस० नं० 33, एच० नं० 1 (अंश)
प्लॉट नं० 45, बालनाथ विलेज, मालाड (पश्चिम), बम्बई में
स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10759/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जन,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10469/84-85--अत,
मुझे, ए० लहिरी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका सं फ्लैट न० 19/बी, जो बाफ हीरा नगर,
इमारत न० 3, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित
है (और इससे उपावृत्त अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका नामानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी ने वायट
में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
इन्हें प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में दुर्विधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० बाफ हीरा विल्डर्म प्राईवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल, शम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट न० 19/बी तथा जो बाफ हीरा नगर,
इमारत न० 3, मार्वे नगर, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10469/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

तारीख . 11-2-1985

मोहर

प्रकरण 13 भाग 1 टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10629/83-84-अतः

मुझे, ए० लहिरी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1-ए है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर,
कैलाश अपार्टमेंट, 1/171, फिल्मिस्तान स्टुडियो के सामने,
गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ब ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ययमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके ब्ययमान प्रतिफल से, ऐसे ब्ययमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जातिस्थों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कैलाश बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री विपिन कुमार एच० मोहिल
और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1-ए है तथा जो कैलाश अपार्टमेंट, 1/171,
फिल्मिस्तान स्टुडियो के सामने, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10629/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मी० खानोलकर एण्ड देसाई
बिल्डिंग डेवलपमेंट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रदीप गणपत राणे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/10191/83-84—अतः
मझे, ए० लहिरीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका सं० प्लॉट नं० 3 है तथा जो एविंग, तीसरी मंजिल,
अभिजीत अपार्टमेंट्स, वकोला पोलीस स्टेशन के बाजू में,
सांताक्रूस (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1 जून, 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3 है तथा जो तीसरी मंजिल, अभिजीत अपार्ट-
मेंट्स, वकोला ब्रिज पोलीस स्टेशन के बाजू में, सांताक्रूस (पूर्व),
बम्बई-55 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10191/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बईतारीख : 11-2-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० खानोलकर एण्ड देसाई
बिल्डिंग डेवलपमेंट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गणपत एम० राणे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10193/84-85—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट न० 2 है तथा जो ए विंग, दूसरी मंजिल,
अभिजीत अपार्टमेंट्स, दकोला पोलिस स्टेशन के बाजू में
साताक्रूस (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1991 की धारा 299 कख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है तारीख
1 जून, 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 2 है तथा जो ए विंग, दूसरी मंजिल, अभिजीत
अपार्टमेंट्स, दकोला ब्रिज बपोलिम स्टेशन के बाजू में, साताक्रूस
(पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10193/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, दिनांक बम्बई में जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती स्वाती सनील साहू।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तर 6)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

(अन्तरित)

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/10445/84-84-अतः

मुंबई, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 502 है तथा जो बाल ई राम-1, एवर शाईन नगर, आफ मार्बे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई 64 में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 249 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

21—516GT/84

(2) श्री मुरली धर गगन दान गोगालानी।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 502 है तथा जो बाल ई-राम-1, आफ मार्बे रोड, उष्मा नगर, के बाजू में, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10445/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एन.-----

(1) मै० बाफ हीरा बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विनोद कुमार भवान जी संघवी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/10690/83-84—तः

मुंबई, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० दुकान नं० 7 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर,
इमारत नं० 1, बाफ हीरा नगर, मार्बे रोड, मालाड (पश्चिम)
बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,
1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

दुकान नं० 7 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 1,
बाफ हीरा नगर, मार्बे रोड, मालाड (पश्चिम, बम्बई-64
में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10990/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-3-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मै० बाफ हीरा बिल्डर्स।

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जगदीश प्रसाद धवन।

(प्रन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10089/84-85—प्रतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिगी म० फ्लैट न० 3/डी/53 है तथा जो बाफ हीरा नगर
मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीरजिगी
उपायुक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीरजिगी का
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन बम्बई स्थित पञ्चम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरांतियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 3/डी/53, जो बाफ हीरा नगर, मार्वे नगर,
मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10083
83-84 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहिरी,

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर.

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/10283/83-84--अतः
मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी/42 जो तीसरी मंजिल, इमारत
नं० 3, बाफ हीरा नगर, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० बाफ हीरा विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एल० चक्रवर्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं०. सी-42 है तथा जो तीसरी मंजिल, इमारत नं०
3 बाफ हीरा नगर, मार्वे नगर, मालाड (पश्चिम), बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10283
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० लूबिन इन्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हरोल रेमेजिड श्रीरमन्य।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10439/84-85--प्रतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० सी/2 है तथा जो दूसरी मजिन निर्माणाधीन इमारत, पार्स ए, मब० टी० एस० नं० 397/397/1 से 6, विलेज वालयान, जे० बी० कालोनी, ओर्लेम मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मध्य प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० सी/7 है तथा जो दूसरी मजिन, निर्माणाधीन इमारत पार्स ए, सी० टी० एस० नं० 397, 397/1 से 6 विलेज वालयान जे० बी० कालोनी, ओर्लेम, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है कु

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10439/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी,

सहायक आयकर आयुक्त

(निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10694/83-84-अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 8 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, मनाली इमारत नं० 1, प्लॉट नं० 48, 49 और 50, वालन विलेज, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कदारनामा आप्रान्त अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० मनाली कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री काशीराम डी० जशनानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हूँगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची

दुकान नं० 8 है तथा जो ग्राउन्ड फ्लोर, मनाली इमारत नं० 1, प्लॉट नं० 48, 49 और 50 वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची तैयार की क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10694/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

(1) करमाली इंटरप्राइज ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मोहम्मद दाउद उमर शख ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

निदेश सं० आई-3/37ईई/10063/84-85 —अतः मुझे,
ए० लहिरी,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 304, जो, ए०-सभा, सोमवार बाजार,
बाम्बे टाकीज कम्पाउन्ड के पीछे, एस० नं० 388/2, मालाड,
बम्बई-94 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है)। और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1991 की धारा 299 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है। तारीख 1-9-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कां के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

अनुसूची

फ्लेट नं० 304, ए०-1, जो, सभा, सोमवार बाजार, बाम्बे-
टाकीज कम्पाउन्ड के पीछे, एस० नं० 388/2, मालाड, बम्बई-4
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10063/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में संधिधा के लिए;
अर्ज/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संधिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-2-1985
मोहर ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-4, बम्बई

प्रारूप क्रमांक टी. एन. एन. -----

(1) मेमर्स हेमल इटरप्राईजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शिला एन० पालांडे।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (195 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10696/84-85— अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लेट नं० 27, जो, 2री मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लॉट नं० सी०एस०एन० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, विलेज, मालवनी, मालाड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1991 की धारा 299 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 27, जो, 2री मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लॉट नं० सी०एस०एन० नं० 19, 41 नं० 85/5, 96/1, विलेज, मालवनी, मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10999/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा क्रमांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख : 12-2-1985
मोहर :

प्राकृत आदि टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) का

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय मंत्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जनवरी, 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/10972/4-84-85---अतः मुझे,
ए० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
पक्ष पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन गणम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट न० 305, जा, 3 रा, मजिगा, "सजना"
आफ दत्त मन्दिर राड, माताड (पूर्व), बम्बई-400097 में
स्थित है। (और हमें उदाहरण अनुसूच में आर पूर्ण रूप से वर्णित
है)। श्री जिसका नामनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 299 ख के अधीन बम्बई स्थित गणम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1-5-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गणम प्राधिकारी का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्य में कमी करने या उसमें अन्तरण के लिए
के लिए कर/धा

(ख) एसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित होना प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साबित
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

22-316G/84

(1) आशा अरुण देसाई ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम प्रताप चूरीलाल ठाकुर श्री
अन्य ।

(अन्तरक)

वा. ह. १००० जारा कर के मातांक माता के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभारी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बम्बई

फ्लेट न० 305, जा, 3 रा, मजिगा, "सजना", आफ दत्त
मन्दिर रोड, माताड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूच नैतिकता सं० अई-4/37ईई/10972/84-85
आर गणम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

र० रजिस्ट्रो
मन्त्र प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बम्बई

तारीख 10-1-1985

साहू

प्रत्यक्ष साई. टी. एन. एस. -----

(1) मेपर्स हेमल इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) राजन विष्णु रेघनकर।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सञ्चालन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/10695/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके प्रस्तावित 'नियम अधिनियम' का उल्लेख है), की धारा
269-घ (1) के अधीन सञ्चालन का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अंशित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 38, जो, 3 री मंजिल, हेमल अपार्ट-
मेंट, प्लॉट नं० सी०एस०नं० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, विलेज,
मालवनी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के अंशित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगो जनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 38, जो, 3 री मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लॉट नं०
सी०एस०नं० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, विलेज मालवनी,
मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10695/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज- 3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहुर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीराम कन्सट्रक्शन प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० भास्करन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10433/83-84—अत. मुझे,

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें समूह इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० बी-203, जो 2री मंजिल, श्रीराम टावर्स, टर्क लेन ओलेम चर्च के बाजू में, आफ मार्ब रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराई गई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध प्रत्येक अन्य व्यक्ति द्वारा अगहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० बी-203 जो 2री मंजिल श्रीराम टावर्स टर्क लेन ओलेम चर्च के बाजू में आफ मार्ब रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/10433/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए. लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर :-

प्रकरण बाई टी ए. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) मेसर्स ववीन्स पार्क।

(अन्तरक)

(2) अरथ जी माडा

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं. आई-5/37ईई/10509/83-84—अतः तुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान नं. 14 जो ग्राउन्ड फ्लोर, नालदा इमारत नं. 1 प्लॉट नं. 32 और 33, वालनाय विलेज,
माव रोड मालाड, (प) बम्बई-64 में स्थित है (और उसे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षण —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिखा गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की शक्ति उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में रही करने में उक्त अर्जन में से वह
लिए और/या

को किसी भी या किसी धन या अन्य वस्तुओं
का, अर्जन करने में अंतर्गति।
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम।
आयकर अधिनियम 1957 1957 का 1
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, विधानों में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दुकान नं. 14, जो ग्राउन्ड फ्लोर, नालदा इमारत
नं. 1, प्लॉट नं. 32 और 33, वालनाय, विलेज, माव
रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि त्रम सं. आई-3/37ईई/10509/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) मेमर्स ग्लेन्डाल इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी एलिजाबेथ मंस्करेव्हस

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी शर्तें:-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/10095/83-84—अन: मुझे,

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गजार मूल्य
25,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 8, जो 1ली मंजिल, प्लॉट नं०
16-ए, सी० टी० एम० नं० 432, विलेज वालनाय जे० बी०
कालनी ओल्लेम मालाड (ग) बम्बई में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का शायद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद से कम करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्ति का
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में
बुद्धि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 8 जो 1ली मंजिल प्लॉट नं० 16-ए,
सी० टी० एम० नं० 432 विलेज वालनाय जे० बी०
कालनी ओल्लेम मालाड (ग) बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/10095/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-6-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स लूबोन इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अनूप कुमार पुरी और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/10244/83-84—अतः मुझे,

ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की, धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० ए/9 जो 4थी मंजिल, सी० टी० एस० नं० 397/1 से 6 विलेज वालनाय जे० बी० कालनी ओल्म मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी वाय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कार्य करने या उससे अर्जन के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में विश्वास के लिए;

प्लेट नं० ए/9 जो 4थी मंजिल सी० टी० एस० नं० 397/1 से 6 विलेज वालनाय जे० बी० कालनी मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/10244/ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) स्वामी बिल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) जे० वि० महता (एच० यू० एफ०) और अन्य
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/10744/83-84—अन : मुसे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह भिष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 1, जो 1वीं मंजिल, मुभ-
लक्ष्मी शापिंग सेंटर, क्वारी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्रकार के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में गान्त्विक रूप से अभिहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वा किवी धन या अन्य आस्थियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 1 जो 1वीं मंजिल, मुभलक्ष्मी शापिंग सेंटर,
क्वारी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/10744/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अन : उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-2-1985

सहूर :

प्रकृष जाई. टी. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 85

निर्देश सं० अई-3/37ईई/10418/83-84—अन० मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल, रविराज
अपार्टमेंट, सी० टी० एम० नं० 816, मामलनदारवाडी,
रोड नं० 3, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
आर जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 ग के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बम्बई प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरको
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दख पाया गया है।
किस निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण विधित में अन्तरितिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य आधित्व
का, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येकवार्थ अन्तरितरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाया चाहिए या, विपारे में सुविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैगर्स रवी बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री जेन लाल पद्मश्री गान्गा

(अन्तरितरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वे ही अर्थ में जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल, सी० टी० एम० नं०
816, मामलनदारवाडी, रोड नं० 3, मालाड (प), बम्बई-
64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई13/37ईई/10418/83-84
और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ए० लहिरी)

पञ्चम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 12-2-1985

माहूर :

प्रकट आई.टी.एन.एस. -----

(1) मैसर्स लूबीन इंटरप्राइसेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी जेनिफर एल. परेरा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 85

निर्देश सं० अई-3/37ईई/10019/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए० 10 जो, 4थी मंजिल, सी० टी० एस० नं० 397, 397/1 से 6, विलेज बालनाय, जे० बी० कालोनी, आर्लेम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कि० धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता धना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए० 10 जो, 4थी मंजिल, सी० टी० एस० नं० 397, 397/1 से 6, विलेज बालनाय जे० बी० कालोनी आर्लेम मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/10019/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ए० लहिरी)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

इच्छा, आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-3 37-ईई 10107/83-84—अतः मुझे
ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, "सी"
विंग, "ग्रैंडलांड" पी० ओ० नं० 38, आफ वालबाय विलेज
मार्गे रोड, मालाड, बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स आर० जी० बिल्डर्स, प्राइवेट लि०
(अन्तरक)
- (2) श्री मुराज गहजाद तैयब शेख ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 101, जो, 3री मंजिल, "सी" विंग, "ग्रैंड-
लांड" पी० ओ० नं० 38, आफ वालबाय विलेज, मार्गे रोड,
मालाड बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई/3/37ईई/10107/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहुर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस-----

(1) श्री वसंतभाई ए० पटेल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/10347/83-84—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० आफिस बेअरिंग नं० 27 प्लॉट नं० 348, जो
एफ० पी० नं० 5-ए लक्ष्मी नारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड,
मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 4 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) पटेल नटवरलाल विनूभाई एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

आफिस बेअरिंग नं० 27, जो प्लॉट नं० 348,
एफ० पी० नं० 5-ए, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार
रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/10347/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

माहूर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/10544/83-84 यतः मुझे,
ए० लहिरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-5 जो इमारत नं० 3, बाफ
हीरा नगर, मार्बे रोड, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है (और
इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है,
तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० बाफ-हीरा बिस्नेस प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुभाषिनी गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-5, जो इमारत नं० 3, बाफ-हीरा नगर,
मार्बे रोड, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37/ईई/10544/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984
को रजिस्ट्रार किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर .

राज्य आई.टी.एच.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई०-3/37 ईई०/10234/83-84—प्रतः
मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301 है तथा जो तीसरी मंजिल,
आकाश गंगा, बचानी नगर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है : और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी,
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन आने के अन्तरक के
कारण से किसी कारण से उक्त आय में मुक्ति
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या कि या किया जाना चाहिए या छिपाने में सावधानी
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्मिता सदानन्द कदम ।

(अन्तरक)

(2) श्री लीलाधर दामोदर चातवार ।

(अन्तरिणी)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301 जो तीसरी मंजिल, "आकाश
गंगा", बचानी नगर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/10234/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून,
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-3/37 ईई/10707/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 है तथा जो पहली मंजिल, रेखा इमारत, नाहर रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० अस्टेरिक टूल्स मैनुफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री एश्वरन् वी०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7 है तथा जो पहली मंजिल, 'रेखा' इमारत, नाहर रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-137ईई/10707/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 15-2-1985

मोहर :

अध्य. बाई. टी. एन. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1985

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/10162/83-84—अतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10 है तथा जो दूसरी मंजिल, मीरा-श्याम को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि०, गौशाला रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उगावख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के मायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार जहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) श्री सी० वी० कुण्णन् ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० हरी कुण्णन् । अयर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10 है तथा जो दूसरी मंजिल, मीरा-श्याम को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि०, गौशाला रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10162/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 15-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मै० पटेल धनजी करमशी एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1985

निदेश सं. आई०-3/37 ईई०/10564/84-85—प्रतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 इन्द्रप्रस्थ पी० नं० 1 एम० नं० 94 एच नं० 1 (पी) मीठा नगर रोड मुलुंड (पूर्व), में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों—

(2) श्री जयराम एम० शेटी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10564/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 जून, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 15-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मे० माडर्न विस्डम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एस० नोताम राज ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई०/10306/84-85—अतः

मूले ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10 है तथा जो निर्माणाधीन इमारत
प्लॉट नं० 46 कांजूर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०,
कांजूर मार्ग बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून,
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
शामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन विनियुक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-516GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10 है तथा जो निर्माणाधीन इमारत प्लॉट नं० 46;
कांजूर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० कांजूर मार्ग;
बम्बई-78 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/10306/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 जून
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 12-2-1985

साहू 3

प्रमुख बाइंग टो. एन. एस.

(1) श्रीमती लीला रघुनाथ ।

(अन्तर्चक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) डा० बी० सरत ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 27/जून 1984/रेंज-2—अतः मुझ श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 49 राजाराम नेता नगर फर्स्ट मेडन रोड
ब्लॉक नं० 17 है तथा जो ग्रामजिकर मद्रास-29 में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाकुम् लेख नं०
1628/84 में स्थित है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मद्रास

भूमि और मकान—डोर नं० 49 राजाराम नेता नगर,
1 मेन रोड ग्रामजिकर मद्रास-29 कोडम्बाकुम् लेख
सं० 1628/84 ।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 7-2-1985

माहुर :

इस सूचना की सूचना

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

गांव सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निर्देश सं० 30/जून, 1984/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 235/1 है तथा जो ग्रामस्वाकम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बोडम्बाकम लेख सं० 1686/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुआ किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिन

(1) श्री एम० बी० जानकी राम नायडू और अन्य ।
(अन्तरक)

(2) मै० तिरुमलै फैन आर्ट्स एण्ड हाउसिंग वेलफेयर सोसाइटी की सेक्रेटरी :
श्री एस० अरंगेशन ।
(अन्तरिती)

यह सूचना प्राप्ति करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के उपपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—ग्रामस्वाकम गांव मद्रास आर० एस० नं० 235/1
0.77 सेंटेस लेख सं० 1686/84।

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 7-2-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती विजय लक्ष्मी के०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गोपल कृष्णन्

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० 169/6/84/आर-2—अतः मुझे, श्रीमती एम०
रामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसकोपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 36 कृष्णस्वामी नगर को-ऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसाइटी ले आउट नं० 2, कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनये के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धुह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान— प्लॉट नं० 36 कृष्णस्वामी नगर को-ऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसाइटी, ले आउट नं० 2, सौरपालयम, कोयम्बतूर --कोयम्बतूर तालुक सं० 2291/84

एम सामुबेल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-2-1985
मोहर.

प्रकृत बाई.डी.एच.एस.

(1) श्री एम० के० राजगोपालन् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रामास्वामी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी जारी है :—

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 40/जून, 1984/रेंज-II-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिगत रूप से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किमी अन्य व्यक्त द्वारा, अधिप्राप्ति द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० डोरन० 12, 4 मेडन रोड, टेलीपोस्ट कालोनी है तथा जो वेस्ट मोम्बलेम, मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम लेख सं० 144/84 में भारत, य रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन तारीख जून, 1984

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत दिल्ख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

भूमि और मकान—12, IV मेन रोड, टेलीपोस्ट कालोनी, मद्रास-33,

कोडम्बाक्कम (लेख सं० 1441/84) ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

आमना एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्जित है—

तारीख : 7-2-1985
साहू

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 62/जून, 1984/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० न्यू नं० 39, कोडम्बाक्कुम, मद्रास-34 है जो में
स्थित (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार आधिकारी के कार्यालय, थामंडलैण्ड्स (लेख सं०
344/84) में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
15) के अधीन, 15 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती रुक्मिणी आचारी
और
श्री एस० जे० कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आरुमुगस्वामी
और
श्री ए० काजियम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षित:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—36, कोडम्बाक्कुम है रोड, मद्रास।
थामंडलैण्ड्स (लेख सं० 344/84)।

एम० सामुवेल
सहायक प्राधिकारी
रजिस्ट्रार आधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 2, मद्रास

तारीख : 7-2-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 64/जून, 1984/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, हाईडोम रोड, 1 स्ट्रीट, मद्रास-6 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थामसलैण्ड्स (लेख सं०
334/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री मनु डा० बजाज और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीला के० मेनन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3—II फ्लोर, 4 हाडोस रोड, 1 स्ट्रीट, मद्रास—
6 थामसलैण्ड्स।

लेख सं० 334/84।

एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

। अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - -

(1) दी साउथ इण्डिया फ्लोर
मिल्स प्राइवेट लिमिटेड।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री मिलाप चन्द आर० और अन्य।
(अन्तरिक)
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 71 जून 1984/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिनकी सं० 25 कालेज रोड, नुंगम्बाक्कम में स्थित है
जो मद्रास-6, आर० एम० नं० 99/3 (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, थौंसलेण्ड्स (लेख सं० 279/84) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, तारीख
जून, 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में नास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सामुवेल

भूमि और सतह—25, कालेज रोड, नुंगम्बाक्कम, मद्रास-
6, थौंसलेण्ड्स।
लेख सं० 279/84।एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रासतारीख : 7-2-1985
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री बाबू ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जी० मण्यकरणी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निर्देश सं० 75/जून, 1984/रेंज-2—अतः मुझे श्रीमती

,म० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 29, 23वां क्रम स्ट्रीट, बेसंट नगर है तथा
जो मद्रास-90 में स्थित है और (जिसमें उपाबद्ध अनुसूच में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
विस्मग्मबाकम विलेज सं० 1711/84 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
25--516GI/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—29, तेइमवां क्रम स्ट्रीट, बेसंट नगर,
मद्रास-90, विस्मग्मबाकम ।

लेख सं० 1711/84 ।

म० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-2-1985

मोहर :

प्रमुख बाई, टी. एन. एच.

(1) श्रीमती शोभा रानी बेनुरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वडलपडल, विजयलक्ष्मी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 78/जून 1980/रेंज-2—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
और जिसकी सं० एम० सं० 41 एक्स 33 सेट्स है तथा जो
मद्रास में स्थित है (और इससे, उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिस्-
गम्बाक्कम् (लेख सं० 1748/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससे अधिक की अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और

भूमि—लेख सं० 1748/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति
विरुग्गम्बाक्कम् ।

लेख सं० 1748/84।

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के उपबन्धों के अन्तरिती दायित्व नहीं किया
गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रा

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तथातः :-

तारीख : 7-2-1985

मोहर

प्रमुख भाई ए.डी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 80/जून 1984/रेंज-2—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 सुब्बा नायडू स्ट्रीट पुरसाखक्कम है तथा
जो पुरसाखक्कम में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मद्रास नार्थ लेख सं० 1514/84) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी आय की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भी आय या किसी भी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) डालिंग राबर्ट्स और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री हिमतमल माराडिया और अन्य

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-2; सुब्बा नायडू स्ट्रीट, पुरसाखक्कम
मद्रास मद्रास नार्थ
(लेख सं० 1514/84)।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिका

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 7-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री फेरिकवचन और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० राजन और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-2, मद्रास

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 81/जून 1984/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
और जिसकी सं० लेख सं० 1708/84 की शेड्यूल में दी हुई है,
सम्पत्ति जो मद्रास नार्थ में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मद्रास नार्थ (लेख सं० 1708/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हलोगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लेख सं० 1708/84 की शेड्यूल में दी हुई सम्पत्ति
मद्रास नार्थ ।

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 7-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० रामास्वामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० आर० पलनियप्पन
और

श्री पी० एल० अरुणायलम् ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 106/जून 1984/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10, 1 है ट्रस्ट लिक् स्ट्रीट है तथा जो
मन्वेलिप्पाक्कम मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कार्यालय, मैलापुर (लेख सं० 806/84) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल ले लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—10, 1 ट्रस्ट लिक् स्ट्रीट मन्वेलि-
प्पाक्कम मद्रास-28

मैलापुर (लेख सं० 806/84) ।

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 7-2-1985
मोहर :

प्रकाशक: टी. एम्. एल. -----

(1) श्री एम० के० शेषण ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ई० बलरामन् ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

जर्न रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० 111/जून 84/रेंज-11--अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व अस
लिखित में किए जा सकेंगे ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोरनं० 46, अभिरामपुरम् III स्ट्रीट, है जो मद्रास
-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं०
829/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून. 1984

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दक्षिणा के लिए;

भूमि और मकान -46, अभिरामपुरम् III स्ट्रीट, मद्रास-18,
मैलापुर (लेख सं० 829/84)

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
जर्न रेंज-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
अं०, मं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

तारीख : 8-2-1985.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री एस० पी० पलनियप्पन,
श्री पी० एल० सुब्रमणियन् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

- (2) श्री एस० बी० देविकाराणी,
श्रीमती रंजनी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निर्देश सठ० 115/जून 84/रेंज-II:—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० प्लॉट नं० 17, डोर नं० 21, बीमण्ण मुदलि स्ट्रीट,
है, जो मैलापुर, मद्रास-4 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर
लेख सं० 871/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभ्युक्ति

भूमि और मकान : प्लॉट नं० 17, डोर नं० 21, बीमण्ण
मुदली स्ट्रीट, मैलापुर मद्रास-4, मैलापुर । लेख सं० 871/84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल,
सयक्ष प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख : 7-2-1985.

मोहर :

प्रकृष बाई, टी. एन. एल. एल. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० 118/जून 84/रेंज-II:—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 9, बंगारम्माल स्ट्रीट, है जो मैलापुर,
मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर-लेख सं०
881/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बागीरति अम्माल और अन्यें।

(अन्तरक)

(2) श्री एल० वेल्लैयन्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरण के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान : 9, बंगारम्माल स्ट्रीट, मैलापुर, मद्रास-4,
मैलापुर/लेख सं० 881/94

श्रीमती एम० सामुवेल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 7-2-1985.

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के० रामनाथन सर्वे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गेलवी एल० कर्पगम्।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० 123/जून 84/रेंज-II:—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15, ललितापुरम स्ट्रीट, रायपेट्टा है, जो मद्रास-4
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 554/84
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अनुसूची

भूमि और महान : 15, ललितापुरम स्ट्रीट, रायपेट्टा, मद्रास—
154, मद्रास सेंट्रल/लेख सं० 554/84।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26—576 GI/44

तारीख : 7-2-1985.

मांठर :

प्ररूप. अर्द्ध. टी. एन. एस. - - - -

(1) श्री वी० नारायणस्वामी अण्ड राधा
राधा नारायणस्वामी । (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती के० उदयश्री ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० 141/6/84/रेंज-11:—अन. मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-27, पार्सन काम्पलेक्स, मीठ रोड, है जो,
मद्रास-6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास
सेट्टल लेख सं० 638/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संक्षुब्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

[क] अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या इसमें करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय व्यापक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना निर्दिष्ट था; जिसमें
अधिवार के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्लॉट—एफ० ब्लॉक—डोर सं० एफ०

मीण रोड, मद्रास-6, मद्रास सेट्टल/लेख सं० 638/84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख : 7-2-1985.

माहूर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1- डॉ बडक्यूं डा रेस्वामी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कासामलै डावूड बाय और अन्यो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 146/जून-84/रेंज-II—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुबेल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 100, न्यू डोर नं० 171, लाइड्स रोड,
गोपालपुरम्, है, जो रामपेट्टा, मद्रास-14 में स्थित है (और
इससे उपायध्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल लेख सं०
657/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जून, 1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी कइने या उचित करने में सुविधा
के लिए;

भूमि और मकान डोर नं० 100, न्यू डोर नं० 171,
लाइड्स रोड, गोपालपुरम्, रायपेट्टा मद्रास-14।

मद्रास सेंट्रल/लेख सं० 657/84

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

श्रीमती एम० सामुबेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 7-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री बी० वरदराजन, और अन्यो ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. एस० ए० एस० इन्टरप्राइजेस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 फरवरी, 1985

निदेश सं० 151/जून/84 रेंज-II/—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 49, जी० एन० चेट्टी रोड, है, जो टी० नगर,
मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
टी० नगर, लेख सं० 666/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्का प्रमाणित से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
धियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षा
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कर्मवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 49 जी० एन० चेट्टी, रोड, टी० नगर,
लेख सं० 666/84

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

दिनांक 8-2-1985
मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एच. -----

1. श्री एस० ईश्वरन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० एस० राममोहन राव ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 155/जून 84/रेंज-II/—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुवेल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृष्णानाथ स्ट्रीट, टी नगर है तथा जो मद्रास 17
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर,
लेख सं० 855/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

बन्धुकी

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

भूमि सर्वे सं० 8142 भूमि, कृष्णाबाय स्ट्रीट टी० नगर,
मद्रास-17—टी. नगर। लेख सं० 854/84 ।

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक 7-2-1985

माहुर :

प्रकाशक: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 157/जून 84/रेंज-II/—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 45 एस० नं० 4753/II तथा जो
मद्रास में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर,
लेख सं० 700/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात को बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० राज पेरियस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री स्वर्णा वर्णिलरशु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान लेख सं० 700/84 की गैड्यूल में दी हुई
सम्पत्ति /टी० नगर लेख सं० 700/84 है।

श्रीमती एम सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक 7-2-1985

मोहर :

प्रस्पृष्ट आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1985

निदेश सं० 379/जून 84/रेंज-II/मद्रास—अतः मुझे

श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 71 वेलचेरी रोड, है तथा जो मद्रास-32 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गैदापेठ लेख सं० 524/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. निहालचन्द नहाता बैपावर आफ अटर्नी आर० ध्यानचंद (अन्तरक)

2. श्री सरस्वती कैलासन्,
श्रीमत् लक्ष्मी वैद्यनाथन्,
श्री ए० एस० सुब्रह्मण्यम्,

(अन्तरिती)

3. मद्रास रैस क्लब ।

(वह व्यक्ति, जिसके आधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 71, वेलचेरी रोड गैदापेठ मद्रास-32
गैदापेठ/लेख सं० 524/81 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 7-2-1985

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 इलवरशि ।

(अन्तरक)

2 एम० लक्ष्मणन, ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० 44/जून 84/रेंज-II/मद्रास—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० 81, पी० एन० रोड, मद्रास है, तथा जो मद्रास
में स्थित है और हमारे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरणवाक्कम,
1048, 1049/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
म. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 81, पी० एन० रोड, मद्रास, पुरणवाक्कम
लेख सं० 1048/84, 1049/84

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 8-2-1985

मोहर :

प्रकरण बाई-टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माउण्ट रोड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० 357/6/84—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 226/15, अट्टवणे पिडारियूर
गांव है, जो पेक्कुदुरै, ताल्लुक में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय से निम्नलिखित लेख सं० 472/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अनुपात प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
व्ययों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

27-516 GI/84

1. श्री चेन्नमलै मल्दी पेपेज को-आप० सोसायटी,
एन० रामस्वामि, को-आपरेटिव
सब रजिस्ट्रार।

(अन्तरक)

2. श्री एम० मारप्पन, प्रेसीडेंट,
चेन्नमलै मेट्रो वीवर्स को-आप० सेल्स सोसायटी।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अमृतपुरी

भूमि और मकान रीमवे नं० 226/15, पिडारियूर गांव,
पेक्कुदुरै, ताल्लुक चेन्नमलै, सब डिस्ट्रिक्ट, पेरियरा, चेन्नमलै/
लेख सं० 472/84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 8-2-1985

मोहर ३

अक्षर आइ. टी. एन. एच. एम.

(1) श्री के. एस. नटराजन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(ग) (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जी. सिगला

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1985

निर्देश सं. 143/जून, 84/ रेंज-II

अतः मुझे, श्रीमती एम. सामुवेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मैलापुर तालुक है, तथा जो मैलापुर गांव
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेंट्रल,
लेख सं. 646/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
व्यक्ति में कमी करने या उचित करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए !!

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7-2-84

मोहर :

अनुसूची

प्लॉट नं. 6; ब्लॉक नं. ए-1065 वर्ग फिट, एस.
नं. 3903 हिस्सा, मैलापुर, मद्रास सेंट्रल लेख सं. 646/84।

एम. सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्रमुख भाग टी. एन. एस्.

1. श्री के० अब्दुल रजाक और अन्यो।

(अन्तरक)

2. श्री एफ० एम० अजु, अर्षद और अन्यो

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

सादाय वरक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० 333/जून, 84/रेंज-II—अतः मुझे,

श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तिरुनगर, कालनी, 4थी वार्ड है, जो ईरोड
टाउन में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड,
लेख सं० 2292/84 है, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
बाड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिगों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किन्था जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात है—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों बाड़ पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान तिरुनगर, कालोनी ईरोड, टाउन, 4 था
वार्ड, ईरोड, लेख नं० 2292/84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 8-2-1985

मोहर

प्रकृ. भा. टी. एन. एस. - - - -

(1) श्री ए० गोविंदस्वामी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी०के० चिन्मय्या ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1985

निदेश सं० 133 जून 84-रेंज II—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुक्करा नल्ल गौडर स्ट्रीट जो
ईरोड टाउन (पं०) बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, ईरोड, लेख सं० 2131/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून
1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वसूल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
हाथिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और मकान—डोर नं० 6, टी० एस० 302,
दुक्करा नल्ल गौडर स्ट्रीट, लेख सं० 2131/84—ईरोड ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- II, मद्रास

तारीख : 2-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

सं० 329/जून84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि सूरियम्पालयम गांव है, जो ईरोड तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड लेख सं० 0920/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० मणिकम और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री जेगोड गौडर और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सूरियम्पालयम गांव, ईरोड तालुक, ईरोड, लेख सं० 2090/84

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 8-2-1985
मोहर ॥

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री राबर्ट बार्डन रैंट।

(अन्तरक)

2. श्री पी० एम० कुरियन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० 288/जून 84/रेंज-II:—अतः, मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

अगर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो मूडलूर तालूक में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदगममण्डलम लेख सं०
495/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भूमि और मकान लेख सं० 495/84 की अनुसूची में दी
हुई सम्पत्ति—उदगममण्डलम

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-2-1985

मोहर

प्रकट भाग: टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० 287/जून 84/रेंज-II:—अतः मझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० लेख सं० 561, 562, 563, 564,
565, 566, 567/84, की शेड्यूल में दी हुई सम्पत्ति में
स्थित है (और इससे उपाश्रय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदगी (लेख
सं० 561/84 से 567/84 तक) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून, 1984

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययभाव
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
वर्णन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एम० कार्पिनी और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० सुशीला और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लेख सं० 561, 562, 563, 564, 565 566 और
567/84 की शेड्यूल में दी हुई सम्पत्ति—उदगी।

एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, -II मद्रास

तारीख: 8-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निवेश सं० 286/जून 84/रेंज II :-अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, जो ओठकमण्ड में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदगै (लेख सं० 541/84) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एल० राजू और एल० बोजन।

(अन्तरक)

2. श्री ए० आर इकवाल सेठ और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि:-ओठकमण्ड आर० एस० नं० 3943/2 C 1 B—
उदगै-लेख सं० 541/84।

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 8-2-1985
मोहुर

प्ररूप बाह्य टी. एन. एस. = =

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1985

सं० 228/8/84:—अतः मुझे श्रीमती एम सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या लेख सं० 1125/84 की अनुसूची में दी
हुई संपत्ति है जो में स्थित है (और इससे उपाय
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय सत्यमंगलम लेख सं० 1125/84 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
जून 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तबिक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

28—516 GI/84

1. श्री के० एम कालियप्पन और अन्यो

(अन्तरक)

2. श्री बवानी टेक्स्टाईल प्रोसेस कम्पनी लिमिटेड

बै० टैरक्टर्स श्री एस० आर० पेरुमाल और पी०
मटराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लेख सं० 1125/84 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति
सत्यमंगलम।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख : 12-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री टी० एस० रामन।

(अन्तरक)

2. श्री टी० मोतीलाल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

सं० 201/जून-85/रेंज-11:—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुधेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोणवाकर है, जो कोर्तागरी नीलगिरीस
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोर्तागरी में
ले० सं० 627/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यो) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतपुरी

भूमि और मकान कोणवाकर गांव, कोर्तागरी, नीलगिरीस
कोर्तागरी (लेख सं० 627/84)।

श्रीमती एम० सामुधेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
नं० ज-4.

तारीख : 8-2-1985

मोहर :

सूचना क्र. टी. एम. एस.

1 हाजी पी० एच० मुहम्मद इब्राहीम

(अन्तरक)

2 श्री एम० एम० वेइक मुहम्मद ;

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
(1) के अधीन सूचना**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० 181/6/84/रेंज II—अतः मुझे श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चित करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुर्कलब थोदी है जो कोयम्बटूर तालुक में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर लेख सं० 2476/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गणांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण तब हुआ कि किसी बाय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद से कमी करने या उक्त अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाता जा रहा था, दिखाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्युत्पत्ति

मूमि और मकान दुर्कलाला स्ट्रीट फोटे कोयम्बटूर,
लेख सं० 2476/84 कोयम्बटूर-1

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 8-2-1985

मोहर ।

प्ररूप माह. टी. एन. एस. ---

1 श्रीमती सीतालक्ष्मी अम्मान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री एन० विश्वनाथ राव और अन्या

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० 172/6/84/रेज II--अत. मुझे, श्रीमती०

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेख सं० 2321/84 की श्रेष्ठ में दो हुई
संपत्ति है जो मे स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बटूर लेख सं० 2321/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निहित
के वास्तविक रूप से अभिन्न नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सन्देश

भूमि और मकान लेख सं० 2321/84 की श्रेष्ठ में
दो हुई संपत्ति कोयम्बटूर है।

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख . 8-2-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस. - - -

1. श्री बिहारी जाल एल० विजयन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० रामसाभी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 170/जून 84 रेज II—प्रतः मुझे श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० डी० सं० 19/2 विन्सठ रोड बेल्लम
कृष्ण सेट्टी स्ट्रीट है जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर लेख सं० 2295/84 में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जून 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी और न्यूनतम धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान बेल्लम कृष्ण सेट्टी स्ट्रीट फोर्ट विन्सठ
रोड कोयम्बटूर, कोयम्बटूर लेख सं० 2295/84।

श्रीमती एम० सामुवेल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

प्रजन रेज II, मद्रास

तारीख : 6-2-1985

मोहर :-

प्रत्यक्ष बाई. टी. इम. एस्.-----

1. श्री एस० कुमारगुरु और अन्यो।

(अन्तरक)

2. श्री एम० ए० मुरलीधरन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 63/6/84/रंज- ---अतः मुझे श्रीमती

म० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 61 टी० एस्० नं० 7/3660 सुब्रमणिय
मुद्रलियार है जो आर० एस० पुरम कोयम्बटूर रोड, में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर लेख सं०
2715/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 के अधीन दिनांक 16 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उल्टे करने में सूचना
के लिए; बाई/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाव में
स्वीका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

अवसुद्धी

भूमि और मकान 61, सुब्रमणियम मुद्रलियार रोड,
आर० एस० पुरम कोयम्बटूर।
कोयम्बटूर लेख सं० 2715/84।

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- मद्रास

तारीख : 6-2-1985
भाहूर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एच. नं० १०००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1985

सं० 25/जून 84 रेंज II:—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2 (बेलफोर रोड, कोल्पाक है, जो मद्रास
में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास
सेंट्रल लेख सं० 558/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति या उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
का आर्थिक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आइ/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोच-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शांता विजय एटन्प्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्री जोसफ रोसरियो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान नं० 2, बेलफोर रोड, कोल्पाक मद्रास,
मद्रास सेंट्रल 558/84)।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 11-2-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1985

सं० 124 जून 84/रेंज II:—अत मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी संख्या 2, बल्फोर रोड है, जो कोल्पाक, मद्रास
में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख
सं० 557/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शांति विजय इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ई० विजयलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

भूमि और मकान 2, बल्फोर रोड, कोल्पाक, मद्रास,
मद्रास सेंट्रल लेख सं० 557/84।

श्रीमती एम० सामुवेल,
सक्षम प्राधिकारी.

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 11-2-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष बाह्य, ए. ए. ए. —

1. श्री जी० दुरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जे० नारायणन्।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

सं० 22/6/84- अर्जन रेंज II:—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्रदान करने को यह विचार करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे० नं० 46, ब्लॉक नं० 13, कलिकुंड्रान्
गांव, है, जो इन्द्रा नगर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अड्यार लेख सं० 1642/84 में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1984

इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचार
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, हमारे दृश्यमान प्रतिफल से हमारे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिनी
(अन्तरिणीयों) के बीच हमारे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मातृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिख में जारी करने का समझौता करने में गीबधा
के लिए; और/या

(ख) उसी किसी आय का निम्नी धन या अन्य सम्पत्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
परिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसन्धान
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निर्मातृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

29-516GI/84

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 90 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
कार्यवाही करना होगा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तत्पश्चात्
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों
के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और भूकान सर्वे० नं० 46, ब्लॉक नं० 13,
कलिकुंड्रान गांव, इन्द्रा नगर अड्यार लेख सं० 1642/84।

श्रीमती एम० सामुवेल,
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख : 11-2-1985

मोहर :-

प्रकाश बाई, टी. एन. एड.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11 मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1985

सं० /49/जून/85 रेंज II:—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से अधिक है

और जिसकी सख्या 25 बकिठ रोड, टी० नगर, मद्रास-17 है, जो से स्थित है (और इसमें उपानुद्ध से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर लेख सं० नं० 564, 565, 113 से भारतीय अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण यह है कि किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायद्वय में कमी करने या उक्त अन्तरण में गतिमान है और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या जिसका जाना बायद्वय या अन्तरण में गतिमान है

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० आर० श्रीनिवासन और अन्य (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी सेनापति और अन्य (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तरण में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि और मकान 1:8 हिस्सा 25 बकिठ रोड, टी० नगर, मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 564, 565, 613, 614, 68

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

-१-

प्रमाण नम्बर टी एड. एम

(1) श्री कामिम कलानी और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एच० वजीदा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० 65 जून 8/रेज-2—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन मध्यम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 कालेज रोड, मद्रास 6 है तथा जो मद्रास-6 में स्थित है (और इसमें 'प्रादा' अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थोसर्ड लैन्बस, लेख सं० 324/84 में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नामांकित रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययत्व में कमी काने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्नताधारा के पास

आपत्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का अर्थ, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 21 के भाग 1 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में निर्दिष्ट किया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 11 कालेज रोड मद्रास 6 थोसर्ड लैन्बस (लेख सं० 324/84।)

श्रीमती एम० सामुवेल
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 12-2-1985

मोहुर :

अरुण बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ए गणेशन और दूसरे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मतेयार मेईदीन्य फैमिली ट्रस्ट
बाई एस० एम० सलीमा दीबी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० 104/जून 84/रेंज-2—अतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधिनियम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 10बी, डोर न० 25, एडवर्ड एलियस रोड, है तथा जो मेलापुर, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपा-वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेलापुर, लेख सं० 799/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नब्बे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियान्वित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भूमि और मकान 10बी नं० 25, एडवर्ड एलियस रोड मेलापुर मद्रास-4, मेलापुर, लेख सं० 799/84

श्रीमती एम० सामवेल

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बी० सुन्दरराव ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वसन्तकुमारी और जगनाथन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० 168/जून/84/रेंज-2—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुवेलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 16, कुण्णास्वामी नगर है तथा
जो सोरियालयम गांव कोयम्बतूर, तालूक में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख सं०
2230/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जून 1984अब पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान प्लॉट नं० 16, कुण्णास्वामी नगर,
सोटियालयम, कोयम्बतूर, तालूक कोयम्बतूर लेख सं० 2230/84श्रीमती एम० सामुवेल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रासदिनांक : 12-2-1985
माहुर :

प्ररूप आई: टी. एन. एस. -----

(1) श्री के०के० रंगस्वामी गोंडर और अन्य
आर उनके पुत्र।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सय्यातान और श्रीमती सरस्वति।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० 235/6/84/रें-2—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 697/84 698/84 है तथा जो कि सैड्यूल
में दी हुई सम्पत्ति में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आनैमलै 797/84 व 698/84 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कपी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि :—लेख सं० 697/84 और 698/84 की
सैड्यूल में दी हुई सम्पत्ति —आनैमलै।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 12-2-1985

मोहर.

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस्.-----

(1) श्री एम० एम० नंजाप्पिलै ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एम० अब्दुल मजीद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कै यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 238/6/84/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त प्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० भूमि और मकान है तथा जो सर्वेनायक
कनपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
ग्राममले लेख सं० 718/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निरनलिखित पत्रों में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है।—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि और मकान सर्वेनायकनपालयम, कोयम्बतूर, ग्राममले
लेख सं० 718/84

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती एम० एस० रामस्वामी गोंडर और अन्य
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना(2) मैनेर श्री राम कुमार प्रसन्ना ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-2, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० 239/6/84/रेंज-2—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुवेल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० एल० एफ० नं० 163 और 152/1 है,
तथा जो लेन्डगमालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय आनैमलै लेख सं० 721/84 में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून 1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

भूमि और मकान 7.5 एच० पी० पम्प सेट—एल० एफ०
193/1, 152/1, लेन्डगमालयम—अनैमलै लेख सं०
721/84

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-2-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

(1) श्री एम० करुण्णन् और अन्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

ए० मापकृष्णन

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

अर्जेंट रेंज, मद्रास

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

निर्देश सं० 274/जून 84/आर० II—अनः मुझे, श्रीमती
सामुवेल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 255 बी और 255 ए
लक्ष्मीनारायण समुद्रम है, जो गांव करूर त्रिचची में स्थित है (श्रीर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, करूर त्रिचची डिस्ट्रिक्ट लेख सं० 1335,
1342 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 15-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्राप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
य, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को :—

30—3 6G1/84

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में देखा
जाता है।

अनुसूची

श्रीम आर० एस० नं० 255-बी और 255 ए लक्ष्मीनारायण
समुद्रम गांव, करूर तालुक—त्रिचची डिस्ट्रिक्ट लेख सं० 1335,
1342, 1343/84)।

श्रीमती एम० सामुवेल
मुख्य प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-II, मद्रास

दिनांक 12-2-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सोम अलगियवाणन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) डा० के० ए० शेलवराज

(अन्तरिती)

आरुत सुरुआत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० 277/6/84—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि और मकान-पेरियनायकनपालयम् गांव
है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पेरियनायकनपालयम् लेख सं० 1245/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिउपों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सक्ति
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-पेरियनायकनपालयम् गांव एम० नं०
295/1 ए 5 बी-ए डिबीजन नं० 17, कोयम्बतूर ताल्लुक-
पेरियनायकनपालयम्, लेख सं० 1245/84।

(श्रीमती) एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 12-2-85

मोहर :

प्रकृष आर्ह. टी. एन. एड.-----

(1) श्री पी० सदाशिवन्

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० अंगणपन्

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० 293/6/84/रेंज-II—अनः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या डोर न० 10/17 ए, 1 ए 2, मंगनूर है, जो
कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (और हमने उद्घाटन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी-
पुरम लेख सं० 2249/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

प्रमुखी

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

भूमि और मकान डोर न० 10/17ए, 1, ए-2, मंगनूर,
कोयम्बतूर—गांधीपुरम लेख सं० 2249/84।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न०, न०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 12-2-1985

माहूर :

प्रत्यक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बी० एन० नारायणस्वामी और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० वीरेस्वामी और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० 350/जून 84/रेंज II—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० लेख सं० 1089/84 जो शेड्यूल में दी हुई संपत्ति है,
जो कोयंबटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीष्म
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पोल्लान्की लेख सं० 1089/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मासिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भूमि—लेख सं० 1089/84 जोकि शेड्यूल में दी हुई संपत्ति
पोल्लान्की ।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-2-85
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री एन० वडीवेलु (2) एल० अरुणाचलम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० कृष्णा स्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक फरवरी 6 1985

निदेश सं० 161/जून 84/रेंज II—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आर० एम० पुरम, टी० एम० नं० 8 (पश्चिम) वेंकटसामी रोड, है, जो कोयम्बतूर में स्थित है, (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 2670/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो का, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बतुपूर्वी

भूमि और मकान—वेंकटसामी रोड, (दक्षिण) आर० एम० पुरम कोयम्बतूर टाउन/ए० एम० नं० 8/384, कोयम्बतूर लेख सं० 2670/84

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-2-85

मोहर :

रक्ष्य बाई.टी.ए.ए.

(1) श्री एन० सुरुगन एम सुधा

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जी० बास्ती

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं 171/6/84—अतः मुझे, श्रीमती राम सामुवेल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 8/38 न्यू टी० एस० नं० 8/41
हिस्सा सम्बन्धम् रोड है जो आर० एस० पुरम् कोयम्बतूर
में स्थित है (और इससे उपायद्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख सं० 2297/
84 में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16
के अधीन जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठस पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बन्धाय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उस बन्धाय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान न्यू टी० एस० नं० 8/411 हिस्सा सम्बन्धम्
रोड आर० एस० पुरम् कोयम्बतूर डाउन लेख सं०
2297/84।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-11 मद्रास

दिनांक : 6-2-1985

माहुर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चैन्नियप्पन और श्री कुप्पन

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० एल० सुब्रमण्यम्

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 227/6/84/रेंज II—अतः मुझे श्रीमती एम०
सामुवेल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमी है जो वरदापालयम् में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सत्यमंगलम् लेख सं 1350/ 84 तथा
1351/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्ञयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके ज्ञयमान प्रतिफल से, ऐसे ज्ञयमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन का वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने पर उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि :—वरदम्पालयम्—सत्यमंगलम् लेख 1350/ सं०
84 और 1351/84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं 232/6/84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि पेरिय बोग गांव है जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय ग्रानमल लेख सं० 684/84 तथा 683/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान या सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अंगमुत्तु गौडर और उनके पुत्र

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोभा और मैसर्स विन्दु और रवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंगमुत्तु

भूमि :—पेरियबोग गांव/ग्रानमल लेख सं० 683/84 और 684/84।

एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 6-2-1985

मोहर :

प्रश्न बाई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 245/जून 84/रेंज-II—प्रतः मुझे, श्रीमती
एम सामुवेलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं पु सूर गांव अभिषेगपुरम टाउन श्रीनिवास
नगर उत्तर एक्सटेंशन है रीसेटलमेंट सर्वे नं० 48/3
वोरैयूर ट्रिचची में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वोरैयूर लेख
सं० 1563/84 ; भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

31—516GI/84

(1) श्री आर० भास्करन्

(अन्तरक)

(2) श्री. ए० सुब्बेय्याप्पल्ले

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण. -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समूची

कृषि क्षेत्री :—सर्वे नं० 48/3 श्रीनिवासानगर उत्तर
एक्सटेंशन अभिषेगपुरम टाउन वोरैयूर ट्रिचची वोरैयूर/लेख
सं० 1563/84श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 6-2-1985

मोहर :

इसके आदेशों, एच.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II; मद्रास

मद्रास दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं 246/जून 84/रेंज-II—अतः मुझे श्रीमती
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तिल्लैनगर पोस्ट कालनी टिक्की है जो टिक्की
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बोरैयूर लेख सं० 1629/
84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए; अति/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० गनपति

(अन्तरक)

(2) श्री एन० बाल्यप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनसूची

भूमि और मकान :—तिल्लैनगर पोस्ट कालनी बोरैयूर-
लेख सं०—1629/84

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-2-1985

मोहर :

प्रकट भाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के० सी० रंगसामि गौडर और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती चंडिगदेवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 257 6 84 रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० री० सर्वे नं० 8/20, तथा 8/15, बूजलूर
गांव है, जो ईरोड में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडुमुडि
लेख सं० 386/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्य प्राप्त
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसकी सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का
वस्तु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पट्टा नया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
हाथिल में कमी करने या उक्त करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-री सर्वे नं० 8/20 तथा 8/15, बूजलूर गांव, ईरोड,
कोडुमुडि-लेख सं० 386/84।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-2-1985

मोहर

मुख्य भाग: टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 258 6 84 रेंज-II—अतः सुमे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो ईरोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोडुमुडी लेख सं० 388-84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मुत्ताई अम्माल और दूसरे

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पोंगियम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखी

भूमि :—री-सर्वे नं० 8 20 ऊंजलूर गांव, कोडुमुडी, ईरोड,
कोडुमुडी लेख सं० 388 84।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री एस० रत्तिसबापति और अन्य
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती जगधाम्बाल
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 263 जून 84 रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० शेड्यूल में दी गयी सम्पत्ति लेख सं० 1043
84 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तंजावूर
लेख सं० 1043-84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1984,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में विग्रह या दकैरे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची]

भूमि और बिल्डिंग—लेख सं० 1043 84 की शीट्स में
में दी हुई सम्पत्ति—तंजावूर।एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रासदिनांक : 6-2-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निवेश सं० 283/6/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० छठा बार्ड पेरिय कडै वीथी है, जो ट्रिचूरी डिस्ट्रिक्ट
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिचूरी लेख
सं० 1050-84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अशोक कुमार ल्रेसंठड वी श्री हृदिवुल
(अन्तरक)
- (2) श्री वी० शेलवराज
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

भूमि और मकान :—छठा बार्ड, पेरिय कडै वीथी, ट्रिचूरी/
ट्रिचूरी लेख सं० 1050/84 ।

(श्रीमती) एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-2-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एच० ए० सी० बण्णा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती चेल्लम्माल और श्रीमती प्लानियम्माल
अलैयास शेल्वी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 240/जून 84/रेंज-II-अतः मुझे, श्रीमती एम०
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि आर० एस० नं० 1672/2, है,
(और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊड्डी लेख सं० 505 84
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, जून 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० नं० 1672/2/ऊड्डी—लेख सं० 505/
84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-2-85
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निवेश सं० 323/जून 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेख सं० 2479/84 की श्रेष्ठ में दी
हुई है, सम्पत्ति है (और इससे उपाय में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, ईरोड लेख सं०
2479/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक थे
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० अंगमुत्तु
2. श्रीमती तनाई अम्पाल

(अन्तरक)

2. श्री जे० सुब्रानन्दम् प्रेसीडेंट
ईरोड वीवर्स कोआपरेटिव प्रोडक्शन एण्ड सेल्स सोसैटी
लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि:—लेख सं० 2479/84 की श्रेष्ठ में दी हुई सम्पत्ति,
ईरोड/लेख सं० 2479/84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-2-1985
मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निवेश सं० 347/जून 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 7, पोल्लाय्यी/शांखमूर्ति जोसियर
स्ट्रीट है, जो टी० एस० नं० 2, पालाय्यी में स्थित है (और इससे
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पोलाय्यी लेख सं० 1307/84 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री जी० नीललाल चेट्टियार

(अन्तरक)

2. श्री सुधांलाम सेठ

और श्रीमती एस० कमला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताधारी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान:—डोर नं० 7 टी० एस० बाई 2 शांख-
मूर्ति जोसियर स्ट्रीट, पोल्लाय्यी टाउन पोलाय्यी लेख सं०
1307/84।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
जो, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

32—516GI/84

दिनांक : 6-2-1984 :

मोहर :

सत्यमेव जयते

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

1. डॉ० एम० कौशल्या

(अन्तरक)

2. श्रीमती चेल्लम्माल

(अन्तरिणी)

महाराष्ट्र सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास

मग्रास, दिनांक ६ फरवरी १९८५

निर्देश सं० 348/जून 84/रंज-II—प्रतः मुझे, धीमती एम० सामुवेल,
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० 38, जवाहर रोड, महालिंगपुरम, कालोनी है, जो पोल्लाय्यी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाय्यी, लेख सं० 1335/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी जाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को शक्ति से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिष्टी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अध्याय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर कार्य करता है—

को यह सूचना जारी करके पुनर्वास्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—38, जवाहर रोड, महर्लिंगपुरम्,
कालोनी, पोस्लाय्की-ले सं० 1335/84 ।

श्रीमती एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-2-85

माहुर ३३

प्रकृष आर्द्.टी.एन.एस्.-----

1. वी पांडिचेरी हाउसिंग बोर्ड
रिप्रजेन्टेड बै, सेक्रेटरी, श्री पी० माधवन पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरवरी 1985

निदेश सं० 360/जून 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 44, प्लॉट नं० 47, नठेशान नगर,
रेडियारपालयम गांव है, जो पांडिचेरी में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ओलुगुरे लेख सं० 1350/84 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. कुमारी एम० ए० एस० उष्णामलै
अलैयास मणिमगलै ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—डोर नं० 44, प्लॉट नं० 47, नठेशान
नगर रीसर्वे नं० 172/रेडियारपालयम गांव, पांडिचेरी, ओलुगुरे/
लेख सं० 1350/84 ।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-2-1985

मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निवेश सं० एम-775/84-85—प्रतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो हजीवपुर (दादरी) में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-6-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्णित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
इसे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दर्शनलाल, पुत्र श्री आश्वर्ज लाल,
नि०—बी-86, मोहन पार्क,
नवीन गहावरा, देहली।

(अन्तरक)

(2) मे० लोकप्रिय सहकारी आवास समिति,
द्वारा श्री ए० के० गुप्ता, सेक्रेटरी,
सी०—43, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके अधिमोती में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पूर्ण स्वामित्व की जमीन जो कि हजीवपुर, दादरी में स्थित
है।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 31-1-85

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-806/84-85-—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-244 है तथा जो सूर्यनगर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-6-84,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पेन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

(1) श्री अमोहर चन्द, पुत्र श्री मोहनलाल,
द्वारा मे० मुन्शी राम, मोहनलाल, गोल बाजार,
श्री गंगा नगर (राजस्थान)

(अन्तरक)

(2) श्री ओजाल सिंह श्रीनर, पुत्र श्री गुरभाग सिंह,
नि० बी०-35, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० ए-244 जो कि सूर्य नगर, गाजियाबाद में स्थित
है।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक : 31-1-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-857/89-85—अतः मुझे, जे०पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम छनैरा में स्थित (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-6-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लज्जा राम व धर्मवीर व धर्मपाल पुत्र श्री शेरसिंह
उर्फ रोरा नि० छनैरा बागर डा० वरौला
पर० व नह० दादरी गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मे० न्यू दिल्ली आर्टो फाइनैस प्रा० लि०
7/7 देशबन्धु गुप्ता रोड द्वारा जय पाल सिंह अग्रवाल
पुत्र श्री मती राम अग्रवाल
नि०-174 कटरा बाड़ियान फतेहपुरी दिल्ली-6

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

जमीन जो कि ग्राम छनैरा में स्थित है ।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 31-1-85

मोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम० 928/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथ्य जो हवीवपुर दादरी में स्थित है
(और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-6-
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री किशन लाल पुत्र राम स्वरूप
नि० बी०—36 मोहन पार्क नवीन शाहदरा
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) लोक प्रिय सहकारी आवास समिति
रजि० नं० 68 सीड-43 डिफेंस काशोनी
नई दिल्ली द्वारा श्री ए० के० गुप्ता सेक्रेटरी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बंदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो कि हवीवपुर दादरी गाजियाबाद में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 31-1-85

मोहुर :

प्ररूप जारी. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1985

निर्देश सं० एम० 1010/84-85—अतः सुमे, जे० पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 136, 637, 638, 639 आदि है तथा जो ग्रा० रोशनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरधना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-4-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का कदाचित् इसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार नए में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पद्म सिंह व अमन सिंह आदि पुत्र बुद्ध व रतन सिंह ग्राम० रोशनपुर जैरली, डा० खाम, सरधना, मेरठ । (अन्तरक)

(2) कोनाक सहकारी आवास समिति लि० मोदीपुरम द्वारा सी० डी० शर्मा पुत्र श्री डी० पी० शर्मा, उमेश सिंह राजपूत पुत्र रेवत सिंह राजपूत, डा० खाम, दौराला—सरधना मेरठ । (अन्तरिती)

(8) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसेके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करत हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 136, 637, 638, 639, 688 आदि ग्राम रोशनपुर जैरली, दौराला, सरधना, मेरठ ।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, कानपुर

दिनांक : 30-1-85

मोहर :

प्रकट बाई. टी. एन. एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम० 1015/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिनकी सं० आर-12/1 है तथा जो राजनगर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-7-
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33—516GI/84

(1) श्री जी० एल० सेठ, आई० सी० एस०
(रिटायर्ड) फ्लैट नं० 6 फेयर लान
द्वितीय मंजिल महालक्ष्मी कर्वी मार्ग
बोम्बे—400020

(अन्तरक)

(2) कर्नल बी० एन० बाली
सी—11/72 मोतीबाग—1 शास्ती पथ
नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरिणी
(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० आर-12/1 राज नगर स्कीम नं० (IV)
गाजियाबाद ।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 31-1-85

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्देश सं० आई. 4/37ईई/10661/83-84—अतः

श्री, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ज़मका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० के०एम० 68 है तथा जो कविनगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 25 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1922 (1922 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) महावीर प्रसाद जैन
पुत्र श्री उम्मेदी लाल जैन,
निवास—20
सक्ष्मी बिहार कालोनी
गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द किशोर झा पुत्र
श्री कुशेश्वर झा व श्रीमती
त्रिपुरा झा
पत्नी श्री आनन्द किशोर झा
द्वारा मे० कालिन्दी कूलन मिल्स लि०
जी०टी० रोड
बावरी
जि० गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्तुकी

अर्द्धनिर्मित भवन सं० के०एम०-68 जोकि कविनगर
गाजियाबाद में स्थित है।

जे०पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर

प्रकरण बाई. टी एन एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं०-एस० 1034/84-85—अत मुझे, जे० पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० 14/183 है तथा जो ब्लॉक-14 राज-
नगर में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 25 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हें वे
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति(यों) का नाम —

(1) श्री गोपी चन्द गुप्ता पुत्र
स्वर्गीय श्री रतन लाल गुप्ता,
निवासी—सी-122,
सेक्टर बी-
अलीगज,
लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना गुप्ता पत्नी
एम०के० गुप्ता
(मानेन्द्र कुमार गुप्ता)
निवासी—आर०-14 183
राज नगर—गाजियाबाद।

(अन्तरितियों)

(3) अन्तरितियों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबब में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
जाया है।

अनुसूची

क्वाटर नं० आर०-14/183, ब्लॉक 14 राज नगर
गाजियाबाद।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985
मोहर

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

सं० निदेश नं० एम-1037/84-85—अतः, मुझे, जे०

पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर-1/38 है तथा जो राजनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनय भूषण गुप्ता पुत्र
श्री बागीश्वर विद्यालंकर,
निवासी—सी-37-बी,
सरस्वती बिहार,
दिल्ली-34।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामवती पत्नी
श्री श्रोम प्रकाश,
निवासी ग्राम—आबरा,
तहसील—दादगी,
जिला—गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबब में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० आर०-1/38, जोकि राजनगर, गाजियाबाद में स्थित है।

जे०पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर

प्रत्यक्ष आर्द्र. स्टैंड. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्देश सं० एम-1046/84-85—अतः, मुझे, जे०पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/1412-ए है तथा जो सहारनपुर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 25 जून 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
कार्यरूप में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धर्म या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती हेमप्रभा देवी पत्नी
स्व० श्री रविन्द नाथ अग्रोस,
वर्तमान पता—कस्बा—खतौली बाजार,
जि० मुजफ्फर नगर एवं अन्य।

(अन्तरक)

(2) हरी उपनाम हरील चन्द गुप्ता पुत्र
श्री रामेश्वर दास,
निवासी—मंगल नगर,
सहारनपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 3/1412-ए, जोकि जनकपुरी, सहारन-
पुर में स्थित है।

जे०पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिभोग —

तारीख : 31-1-1985
मोहर

प्रत्यक्ष आदेश की रूप-रस

आवक अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1051/84-85—अतः, मुझे, जे०पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9233 है तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक की
वास्त से कभी हटाने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् :—

(1) श्री उदयवीर व सोहन लाल व रामसिंह बालिगाप
पुत्रगण—मनफूल श्रीमती किशनदेई,
के०/अ०—मनफूल सरसर बालमुकन्द,
राजफाल—महेश नाबालिगान-सराय-भासन,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) मै० भारत कोल्ड स्टोरेज एण्ड
साईस मिन्स द्वारा—
हाजी अब्दुल रहमान खांपुल राजी नन्हे खां
फनिचर फर्म उपरोक्त,
निवासी रहमान मर्जिल,
जी०टी० रोड,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरित)

(3) अन्तरित।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आता सं० 85 खेत सं० 9233, पुस्ता का 1/2 भाग
पूर्व मोरखा—भासन, सिकन्दराबाद स्थित।

जे०पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

अक्षर

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1063/84-85—अतः, मुझे, जे०पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो सूर्या नगर-दादरी में स्थित है (और इससे उपाधुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिनके भागीदार आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कमलेश कुरीर पत्नी
अमरजीरा करीर,
निवासी-ए-273 सूर्यानगर, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या तिहान पत्नी
वीरेन्द्र कुमार तिहान,
निवासी 39-जयना बिल्डिंग,
रोशननगर रोड,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान नं० ए-273, सूर्यानगर कालोनी,
तहसील—दादरी, गाजियाबाद स्थित।

जे०पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. ई.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1064/84-85—अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० 145 है तथा जो नेहरूनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कन्हैयालाल चक्रवर्ती पुत्र
के०/प्रो० एम०एन० चक्रवर्ती,
36—नया गंज—गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन राम गुप्ता के०/प्रो०,
रतनलाल गुप्ता,
149—नया गांधीनगर,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नम्बर सेकिण्ड—सा। 145 नेहरूनगर, गाजियाबाद।

जे०पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985
मोहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1065/84-85—अतः मुझे, जे०पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो रामनगर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 1 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण लाल अनेजा पुत्र
श्री काशीराम अनेजा,
आर०-11/131—
राजनगर,
गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जवाहर सिंह अरनेजा पुत्र
श्री परमानन्द अरनेजा,
आई-12,
एम्जी वीशन कैम्प केशवनगर,
महाराष्ट्रपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के रूप
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० आर० 11/10/राजनगर गाजियाबाद रकबई
200 वर्ग गज जिसमें तीन कमरे, लैटरीन वाथरूम किचन
है।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्रारधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर

प्रारम्भ बाईं टी. एन. एच. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1066/84-85—अतः मुझे, जे०पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० आर 2/62 है तथा जो राजनगर गाजियाबाद
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजिया-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के आर्धत तारीख 1 जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अंतरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-
रक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अनिवार्य द्वाारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेन्द्र मोहन चव्वा पुत्र
श्री एम०एस० चव्वा,
निवासी—मफदरजंग लेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा शर्मा पत्नी
श्री सुरेश चंद शर्मा, व
प्रसान्त राज,
अमित कुमार आदि,
माता कुदरती पुष्पा शर्मा,
श्रीमती राज बती पत्नी,
शंकर लाल गर्ग,
निवासी ई-6,
ज्योति कालोनी,
शाहदरा,
देहली-32।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रतिसूची

सम्पत्ति नं० आर०-2/62, ब्लाक 2 राज नगर
गाजिया बाद।

जे०पी० हिलोरी
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985

प्रक्षेत्र :

प्रत्यक्ष बाढ़. टी. एम्. एस्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1067/84-85—अतः मुझे, जे०पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा न० 445 है तथा जो डिडवारी में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), राजस्त्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद
में राजस्त्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
आधेन तारीख 15 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिकतम नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
राशि से कमी करने या उससे बचने में बाधना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
बाधना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री दिलावर सिंह पुत्र
श्रीराम ग्राम चितौड़ाभाजरा,
डिडवारी-परगना, डासना,
गाजियाबाद।

(नगरिक)

(2) श्री लियाकतअली व रियाज अहमद व
महाराज अहमद पुत्रगण
श्री बाबूखां,
ग्राम-नाहल-परगना-डासना,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपांडितकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

ग्राम-डिडवारी-परगना-डासना—गाजियाबाद में खसरा नं०
445।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1068/84-85—अत. मुखे, जे०पी० हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 131 है तथा जो लोहियानगर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 जून 1984

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जयानगर में धारा 269 ए बी के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास राजस्त्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेशकुमार के०/श्री०,
रामप्रकाश,
8—सिद्धारता इनक्लेव—नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कप्तानसिंह पुत्र
श्री बेनीराम,
137—चन्द्रपुरी,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए प्रयोज्य कर देना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संकेत सं० सी-131, लोहियानगर, गाजियाबाद स्थित।

जे०पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर

मुख्य भाग टी.एम्.एच.-----

**भाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

धारा 269-ग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1069/84-85—अतः मुझे, जे०पी० हिलोरी

भाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 48 है तथा जो तुराव नगर गा० बाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गा० बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तहत पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दर्शन कोर पत्नी
म० इन्दर सिंह,
निवासी—31 अर्जुन नगर,
गा० बाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरण चन्द पुत्र
गद्दू मल उर्फ धन श्याम दाम व
राज कुमार पुत्र
पुरण चन्द निवार्मः—गण 159 जवाहर गंज,
हापुण,
गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसका
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सफा नमूना जिसका न० 48 जो का ईमदाइन खा तुराव नगर गाजियाबाद में स्थित है।

जे०पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

माहिर ।

प्रकृष माह टी. एन. एन. - ३३ - ३३

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्देश सं० एम-1070/84-85—अतः मुझे, जे०पी०
हिलोरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 5,360 है तथा जो भिवाल में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैराना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन
तारीख 7 जून 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमर सिंह पुत्र
रघुनाथ सिंह,
ग्रा०—भिवाल,
डाकखाना—खास,
शामली कैराना,
जिला—मुजफ्फर नगर,

(अन्तरक)

(2) श्री इक बाल सिंह पुत्र
चौहान सिंह व जगरान सिंह व रामलाल सिंह पुत्र
ब्रह्म सिंह,
ग्राम—भिवाल,
डाकखाना खास-शामली-कैराना,
जिला—मुजफ्फर नगर।

(अन्तरितों)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खाता न० 5 व 360 ग्राम—भिवाल प्र० शामली
कैराना-जिला—मुजफ्फर नगर।

अर्जुन रेज

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

तारीख . 31-1-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० एम-1071/84-85—अतः मुझे, जे०पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के०जे० 76 है तथा जो कबिनगर,
गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 14) के आधीन तारीख 28 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन मोहन लाल भटनागर पुत्र
स्पन श्री जगमोहन लाल भटनागर विष्णु,
8 चित्रा बिहार,
बिहाईन्ड राधू पैलेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नवाब सिंह पुत्र
हुकुम सिंह,
निवासी ग्राम टिकरी,
डाकखाना नेक,
तहसील व जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(यह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

एक मकान जिसका नं० के०जे० 76 जो कि कबिनगर
गाजियाबाद में स्थित है।

जे०पी० हिलोरी

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985

साह्र :

मकम आइ. टी. एन. एस.-----

समाचार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1073/84-85—अतः मुझे, जे०पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ की अधीन मकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 18 है तथा जो वृन्दावन गार्डन्स लोदी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 18 जुलाई 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा को लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवी प्रसाद अग्रवाल पुत्र
श्री राम स्वरूप आग्रवाल,
निवासी 93,
कैलाश नगर मेन रोड गांधी नगर,
दिल्ली-31।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र गर्ग पुत्र
श्री मुखदेव प्रसाद व
श्री मती रेखा कन्सल पत्नी
मेहूष चन्द्र आदि
हाल निवासी होशी वाली गली,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

? 3मे अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं० 18 जो की लोनी गाजियाबाद में
स्थित है।

जे०पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहुर

प्ररूप आर्षः टी. एन. एषः-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1075/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो नाई सोता में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरद्वार में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
वास्ते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

35—516 GI/84

(6) श्री अरूण कुमार व राजीव कुमार,
पुत्रगण स्व० श्री विशान चन्द अप्रवाल
एवं अन्य,
निवासी रेलवे स्टेशन रोड,
महारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री स० चरण सिंह पुत्र
स० मूलसिंह,
नि० नाई सोता
(हर की पौड़ी),
हरिद्वार, परगना ज्वालापुर,
जिला सहारनपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक हवेली जो कि लाल पत्थर वाली, नाम से प्रसिद्ध है
और नाई सोता (हर की पौड़ी), हरिद्वार जिला सहारनपुर में
स्थित है।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहुर

प्ररूप बाह्य. टी. एम. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1076/84-85—अतः सुधे, जे० पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 306-ए है तथा जो थापर नगर, मेरठ में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाढ़ की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बनारसी लाल व
श्री अमृत लाल पुत्र
स्व० लाला देवी दाम,
निवासी थापर नगर,
मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) डा० सन्तोष कुमार सिधल पुत्र
श्री सुरेश प्रकाश व
डा० उमेश अग्रवाल पुत्र
ज्योति स्वरूप,
निवासी 306, थापर नगर,
मेरठ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका सं० 306-ए, जो कि थापर नगर,
मेरठ में स्थित है ।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

प्रश्न आर. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1080/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ख-421 है तथा जो ग्राम खानपुर में स्थित है
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना मुराद नगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम निश्चित में वास्तविक
रूप से लिखित नहीं किया गया है 3—

(क) अधिनियम में हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उक्त वर्णों में क्षति के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तिवा
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शिवदेई पत्नी
वेद प्रकाश,
निवासी खानपुर,
डा० व पर० बिन्साना,
मुराद नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री आशा राम पुत्र
श्री दलपत व बुगली पत्नी
श्री आशा राम आदि,
जिला खानपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिकांश में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेगा।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेती जो कि ग्राम खानपुर में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

साहू :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1081/84-85—अतः सूक्ष्म, जे० पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है तथा जो गांधी रोड, देहरादून में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन सूचना देने के अनुरोध को
निमित्त में करने या उक्त सूचना में सूचना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनूप कुमार मिश्र
पुत्र श्री लालचन्द,
निवासी 38, डिस्पेन्सरी रोड,
देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश एवं
श्री अमर नाथ पुत्रगण
स्व० श्री पूरनचन्द,
निवासी 30, राजपुर रोड,
देहरादून ।

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरिणी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के निम्न
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तक्षेप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति सं० 27 जोकि गांधी रोड, देहरादून में स्थित
है।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एच. * - - - - *

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1084/84-85—अन. मुझे जे० पी०

हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 143/1 145 आदि है तथा जो मोहकमपुर, खुर्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्राह्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम. दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व में लाया गया पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण चन्द नागनिया
पुत्र श्री गंगा राम
निवासी 57,
राजा रोड
देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र काता पत्नी
श्री मूल राज सिंह
निवासी 21
न्यू कंट रोड
देहरादून

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 143/1 145 आदि जो कि मौजा मोहकमपुर खुर्द परगना परवा जिला देहरादून में स्थित है ।

जे० पी० हिलोरी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1086/84-85—अतः मुझे जे० पी०

हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो हरिद्वार रोड में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-6-1994

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती राज दुलारी सूरी
पत्नी स्व० श्री देश राज सूरी
55 हरिद्वार रोड,
देहरादून

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजेश्वरी देवी पत्नी
स्व० श्री ज्योति प्रसाद,
अधिकृत देहरादून ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति नं० 55 जो कि हरिद्वार रोड देहरादून में स्थित है ।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर

प्रारूप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1087/84-85—अतः मुझे जे० पी०

हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 58/1 है तथा जो कावली रोड देहरादून में
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आत्मनिबद्ध रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध में :-

(1) श्री वन्ता सिंह पुत्र
श्री अछर सिंह
निवासी 58/1
कावली रोड
देहरादून

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता रानी पत्नी
श्री राम निवास,
निवासी 136
पार्क रोड,
देहरादून ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

व्यक्ति, जिसके
1ग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं० 58/1 जो कि कावली रोड
देहरादून में स्थित है ।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

प्रकृष माई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम० 1-1088/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो धरमपुर में स्थित है (और
इससे उपाय अग्रसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
आयित्व में कमी करने या उससे बचने में भूमिका
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
भूमिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कमला खन्ना पत्नी
श्री वी० डी० खन्ना,
14, मोहिनी रोड,
देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) मै० भागीरथी सहकारी ग्राहास समिति,
लि० द्वारा :
श्री पी० एस० किश्ट, सेक्रेटरी
39, राजपुर रोड,
देहरादून ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या मत्सम्बन्धी व्यक्ति पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राहोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

पूर्ण स्वामित्व की जमीन जो ग्राम धर्मपुर, देहरादून में
स्थित है ।

जे० पी० हिलोरी,

सुअम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1090/84-85—अतः मुझे जे० पी०
हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8/1 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-6-
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
36—516 GI/84

(1) श्रीमती सुमरन माला जैन पत्नी
श्री सुमेर घन्ट जैन
श्री प्रदीप कुमार जैन पुत्र
श्री सुमेर चन्द जैन आदि
5/2 सुभाष रोड,
देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश प्रसाद पुत्र
श्री शंकर लाल मिश्र,
श्री विनय कुमार मिश्र पुत्र
श्री गणेश प्रसाद मिश्र,
निवासी 46,
मलियान मोहल्ला,
देहरादून ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 8/1 इन्द्र रोड, देहरादून ।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक, आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985
मोहर ॥

माहर ३

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निवेश सं० एम०-1094/84-85—अतः मुझे, जे० पी०

हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-22 है तथा जो नेहरू नगर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकाारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-
1984

कने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छद्मवश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती बिमल गुप्ता पत्नी
श्री एस० पी० गुप्ता,
बी-32, माल रोड,
आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी
श्री भूप सिंह,
निवासी एफ थर्ड 184,
नेहरू नगर,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लाट नं० ए-22, नेहरू नगर, गाजियाबाद।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985

मोहर :

सक्षम ब्राह्म.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1095/84-85—अतः मुझे, जे० पी०

हिलोरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०-12/32 है तथा जो राज नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संपूर्ण संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 41) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार अधिनियम के अधीन कर देने के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जीवन चन्द्र पन्त पुत्र
श्री हरीशचन्द्र पन्त,
निवासी तल्लीताल कैलाश व्य,
नैनीताल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रीता परनी
श्री रोशन लाल,
निवासी के० जी०-52,
कवि नगर,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षितः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहायक

प्लेट नं० आर-12/32, जो कि राज नगर, गाजियाबाद में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर ■

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 जनवरी 1985

निदेश सं० ए०-1098/84-85—अतः सुमे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो दादरी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अर्जुन, तारीख 6-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है। और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
तारीख में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को अर्जित है—

(1) श्री सुरेश चन्द्र पुत्र
श्री राम कुमार,
घनश्याम रोड,
दादरी पो० प्र० दादरी,
जिला गाजियाबाद।

(अंतरक)

(2) श्री चोखे लाल पुत्र कुंठे,
निवासी रेलवे रोड, दादरी,
पास्ट दादरी,
जिला गाजियाबाद।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राम दादरी, परगना ब तहसील दादरी, जिला गाजियाबाद

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-1-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1102/84 अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिस की सं० के० एच० 36 है तथा जो कवि नगर में स्थित
और इससे उपान्वित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगवान दास गौड़ पुत्र
श्री पं० काशी राम, द्वारा
मै० यूनिवर्सल सर्विस स्टेशन,
जी० टी रोड,
बुलन्द शहर

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण प्रसाद जैन पुत्र
श्री कल्याण राय जैन,
श्री अशोक कुमार जैन पुत्र
श्री लक्ष्मण प्रसाद जैन,
निवासी के० एच० 188
कवि नगर,
गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों के
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० के० एच० 36, जो कि कवि नगर, गाजियाबाद
में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985
मोहर

प्रश्न नम्बर टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1103/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/1424 सी है तथा जो शंकर नगर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
12-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रकोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सरदार पूरण सिंह पुत्र
स० पा सिंह,
निवासी शारदा नगर,
सहारनपुर

(अन्तरक)

(2) सरदार अमर सिंह पुत्र
सरदार धन सिंह,
निवासी मकान नं० 2 1424 सी,
शंकर नगर,
सहारनपुर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2/1424 सी, शंकर नगर, सहारनपुर में
स्थित है

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्देश सं० एम०-1112/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवशता करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो चकबसन्त पुर में स्थित है
(और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
6-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब बात
यथा प्राप्य, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण यह है कि किसी धन की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी कबने या उचित कबने के विषय में किए;
आई/का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री फकीरा महीपाल
पुत्रगण श्री राम किशन
निवासी करहेडा
पोस्ट मोहन नगर
जिला गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री दीवान ट्रस्ट एम० 255
ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली
द्वारा : श्री राधेश्याम
निवासी 23-के/1
मालीवाड़ा गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
बाध निश्चित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन खाना नं० 2 वाके ग्राम चक बसन्त
पुर।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985
मोहर ॥

प्रारूप जारी. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचालित।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1985

निर्देश सं० एम०-1113/84-85—अंत. मुझे, जे० पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी/75 है तथा जो सूर्य नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दायरे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचानक में परिवर्धन के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा कट नहीं किया गया था या विना ज्ञान चाहिए, ग, छिपाने में गुप्तित के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

37—516 GI/84

(1) श्री विनोद चन्द्र रिशी पुत्र
ओ० पी० रिशी
निवासी जी-6
श्रीन पार्क एक्सटेंशन
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पूरन चन्द गुप्ता पुत्र
निवासी डी-1/4
कृष्णा नगर
दिल्ली-110051

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु क्रिया अथवा अन्य प्रकार की अधिभोगाधिकार के पार निर्वहण में कोई भी अंतरक।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमस्ते

आवासीय प्लॉट सं० बी/75 ब्लॉक नं० 7 जो कि सूर्य नगर गाजियाबाद।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज कानपुर

तारीख : 28-1-1985

माहुर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1114/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 30-ए है तथा जो ए० बाजार नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्री गोबिन्द राम पुत्र
श्री द्वारका दास बाल किशन
पुत्र श्री गोबिन्द राम भाटिया
107 घेर खातियान
नई मण्डी कस्बा
मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार पुत्र
लाला शिव जी राम
निवासी 111/1—बी
नई मण्डी
मुजफ्फर नगर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संज्ञान नं० 30-ए बाजार नई मण्डी मुजफ्फर नगर।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

प्रकाश मार्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1119/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 56 है तथा जो बागपत रोड में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-6-
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र
सरदार सावन सिंह
मधुबन कालोनी,
बागपत रोड
मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरज प्रकाश पुत्र
श्री चानन शाह
साकिन तोवयी बाड़ा
मेरठ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

तत्परीक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मकान म्युनिसिपल नं० 56 बाके बागपत रोड
मेरठ ।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1125/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 है तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
इष्टतम से उचित अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) यू० पी० फाइनेंसिंग कारपोरेशन,
द्वारा श्री डी० एस० लाल,
गढ़ रोड,
मेरठ।

(अन्तरक)

(2) मै० सुप्रिया वेजेंटिबल आयल,
मिल प्राइवेट लिमिटेड,
द्वारा श्री सतीश चन्द्र अग्रवाल,
मैनेजिंग डायरेक्टर :
21, चन्द्र पुरी,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सी-7 जो कि इण्डस्ट्रियल एरिया, सिकन्दराबाद
में स्थित है।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर

प्रकाशक: टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1129/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में है तथा जो बड़ौत, मेरठ में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वागपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सावधानी
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधानी
के लिए;

(1) श्री सुखवीर सिंह पुत्र
लाला ज्योति प्रसाद,
एवं अन्य लोग,
नि० गण कस्बा बड़ौत,
परगना बड़ौत,
जिला मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फिरोजी देवी पत्नी
स्व० श्री महेन्द्र सिंह एवं
मु० रीता देवी पत्नी
श्री अशोक कुमार,
निवासी पट्टी वाजिदपुर,
कस्बा बड़ौत,
जिला मेरठ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों की
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जो पट्टी वाजिदपुर, कस्बा बड़ौत, जिला मेरठ
में स्थित है ।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है:—

तारीख 31-1-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1132/84-85—अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मसम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 386 है तथा जो तिलक रोड, मेरठ में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6 -
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बचत ५—

(1) श्रीमती सावित्री सिंह पत्नी
स्व० डा० नौनिहाल सिंह,
निवासी बेगम बाग,
बेगम बिज रोड,
मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्री होवाना राम तनेजा पुत्र
श्री परमा राम तनेजा,
निवासी फरीदाबाद,
य श्री भारद्वाज पुत्र
श्री हरी चन्द,
निवासी लाल कुर्ती,
मेरठ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

गन्तव्य

1/2 भाग एक मकान नं० 386 पुराना बहाल नं० 15,
तिलक रोड, मेरठ ।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश न० एम०-1133/84-85—अन. मुसे, जे० पी०

हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सू० 80/3 है तथा जो शिवाजी रोड से स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1984.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) डा० पी० पाण्डे पुत्र
स्व० डा० के० पी० पाण्डे,
नि० 261, शिवाजी रोड, मेरठ,
वर्तमान पता शास्त्रीनगर,
मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम लता गर्ग पत्नी
श्री वी० के० गर्ग,
श्री राकेश कुमार गर्ग पुत्र
श्री वार्ड० के० गर्ग आदि
निवासी 114, मोहनपुरी,
मेरठ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एन मकान न० 80/3 तथा न० 261 शिवाजी रोड,
मेरठ-हाफुड रोड, मेरठ ।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1135/84-85-अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 9/137 है तथा जो राज नगर में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अवधारणा
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती वृष्णा बघावन पत्नी
स्व० श्री चन्द्र प्रकाश बघावन,
निवासी 8-ए/93,
डब्ल्यू० ई० ए०, गंगोलबाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फूलफली पत्नी
श्री बदन सिंह,
नि० ग्राम व पोस्ट जलोखरी,
जिला अलीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(यह व्यक्ति, जिसके अधि-
भाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
गर्भवहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरूप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में बिना
गया है।

अनुसूची

संज्ञान सं० 9/137, सेक्टर:-20, राज नगर, गाजिया-
बाद।

जे० पी० हिलोरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1155/84-85-अतः मुझे, जे० पी०
हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 187 है तथा जो सूर्य नगर गाजियाबाद में
स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्-
ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाय, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिसूचित :-

38-616 GL/84

(1) श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र
स्व० श्री इन्द्र चन्द्र अग्रवाल,
निवासी मकान न०-1170,
छत्ता मदन गोपाल माली बाड़ा,
बादनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हिदा लाल शर्मा पुत्र
श्री गोविन्द स्वरूप,
निवासी ग्राम मिहानी,
पोस्ट आस,
जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका न० 187 जो कि ब्लाक सी, सेक्टर,
न० 7, आवासी कालोनी, सूर्य नगर, गाजियाबाद में स्थित
है।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

गोहर :

रूपान्तरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० एम०-1263/84-85—अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी;
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो धारीपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रिय शमशेर पुत्र
श्री महाराज कुमार बहादुर,
शमशेर ग्राम फेयर लान,
धारीपुरी, मंसूरी।

(अन्तरक)

(2) मै० प्रेम हेवी इण्डस्ट्री० वर्क्स प्रा० लि०,
द्वारा : जेयरमन एस० पी० जैन पुत्र
श्री फूलचन्द जैन,
रानी मिल देहली रोड,
मेरठ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परिग्राफ फेयर टाऊन स्टेट, धाड़ीपुरी, मंसूरी।

जे० पी० हिलोरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

प्रमाण पत्र (1) के अन्तर्गत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० गुड़गांव/89/84-85—अतः मुझे, आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 68/16 दुकान का आधा भाग पर स्थित बसई
रोड, गुड़गांव संख्यावाली एक लाख रु. से अधिक के उचित
बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण
नीचे अनुसूची में दिया गया है) को दिखा (अन्तर
ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के गुड़गांव
स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 6-6-84 को रजिस्ट्रेशन सं०
2397

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों के उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी बात की वार्षिक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लिखित
में कमी करने या उसके बचने में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किता जाना चाहिए था, जिसे में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् :—

(1) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी
श्री बलबीर कुमार,
नवासी मकान नं० 528/16,
ग्राहस फैक्टरी,
सिविल लाइन्स,
गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला गर्ग पत्नी
श्री राम किशन गर्ग,
नं० दुकान नं० 68/16,
बसई रोड,
गुड़गांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 68/16 का आधा भाग, बसई रोड,
गुड़गांव में स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 2397 दिनांक 6-6-84
पर दिया है।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-2-1985

मोहर

सक्षम बाई, टी. एन. एच. 2-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० गुड़गांव/90/84-85--अतः मुझे, आर० के०
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 68/16, दुकान का आधा भाग पर स्थित
बसई रोड, गुड़गांव संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के
उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक
विवरण नीचे की अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण
(ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता आर्घवारी, गुड़गांव
स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 6-6-84 को रजिस्ट्रेशन
सं० 2398

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिगत
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मन्तोष कुमारी पत्नी
श्री बनबीर कुमार,
नि० मकान नं० 528/16,
आइस फैक्टरी,
सिविल लाइन्स,
गुड़गांव।

(अन्तरक)

(1) श्रीमती मंजू गंग पत्नी
श्री आशा नन्द गर्ग,
नि० दुकान नं० 68/16,
बसई रोड,
गुड़गांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 68/16 का आधा भाग, बसई रोड,
गुड़गांव में स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 2398 दिनांक 6-6-84
पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० गुड़गांव/90-ए/84-85--अतः मूझे, आर०
के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 68/16 के पीछे अहाता पर स्थित
बसई रोड, गुड़गांव मख्खा वाली, एक लाख रु० से अधिक
के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और
अधिक विवरण नीचे की अनुसूची में दिया गया है) का जिसका
अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
गुड़गांव स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-84 को रजिस्ट्रेशन
सं० 2399

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्रीमती सस्तोष कुमारी पत्नी
श्री बलबीर कुमार,
नि० मकान नं० 528/16;
आईस फैक्ट्री,
सिविल लाइन्स,
गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजु गर्ग पत्नी
श्री आशा नन्द गर्ग,
नि० दुकान नं० 68/16,
बसई रोड,
गुड़गांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 68/16 के पीछे का अहाता, बसई रोड,
गुड़गांव में स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 2399 दिनांक 6-6-84
पर दिया है।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 8-2-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 फरवरी, 1985

सं० गुड़गावां/105/84-85:—अतः मुझे, आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 5 एकड़ 10 म० 20992.38
व० म० संख्या वाली, एक लाख 80 से अधिक के
उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति जिसका और
अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है को,
जिसका अन्तरण ट्रांसफर और रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के गुड़गावां स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रेशन
सं० 2751 के अंतर्गत किया गया है)

तारीख 19-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के
नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री राम चन्द्र
बलवीर सिंह उपनाम भोलू
बलवन्त सिंह पुत्र भीम सिंह
रिसाल सिंह पुत्र लीला राम
गांव सिकोहपुर
तहसील और जिला गुप्रगांव।

(अन्तरक)

2. मै० लेकर आयल टूल्स (इण्डिया) प्रा० लि०।
15 बी, आत्मा राम हाउस,
टालसा राय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 5 क० 1 एकड़ 10 म० गांव सिकोहपुर
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
गुड़गावां में, रजिस्ट्री संख्या 2571 दिनांक 19-6-84
पर दिया है।

आर० के० भयाना,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 7-2-1985

मोहर

प्रकट आदेश टी.एच.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 फरवरी, 1985

सं० गुड़गाँवा/106/84-85:—अत मुझे, आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि एक एकड़

5 क० 15 म० संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक
के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और
अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका
अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के गुड़गाँवा, स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) रजिस्ट्रेशन सं० 2752 के
अन्तर्गत किया गया है तारीख 19-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. सर्वश्री रामपत दलीप
पुत्रगण श्री राम चन्द्र पुत्र
महाराष्ट्र
राम चन्द्र बलवीर सिंह
पुत्रगण शीला राम
नि० सिकोहपुर
तहसील जिला गुड़गाँवा।

(अन्तरक)

मै० बेकर आयल टूल्स (इण्डिया) प्रा० लि० :

15 बी आरमा राम हाउस

1, टालसटाय मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि एक एकड़ 5 कनाल 15 मरले गांव सिकोह
पुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय गुड़गाँव में रजिस्ट्रीकरण संख्या 2752 दिनांक
19-6-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक: 6-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी, 1985

सं० जी०/19/84-85:—अतः मुझे, आर० के० भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी० पर स्थित है और 60 कनाल 07
मरले संख्या वाली, कि लाख रु० से अधिक के उचित
बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका
और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया
है, को, जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के जी० स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रेशन
सं० 1147 के अन्तर्गत किया गया है तारीख 7-7-1984।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमी करने या उक्त नचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विपिन कुमार
पुत्र मृतबन्ध
श्रीमती रामकली विधवा
श्री राम चन्द,
निवासी जी०।

(अन्तरक)

1. श्रीमती केसर देवी विधवा श्री तेलू राम
2. श्री भगवान दा० पुत्र श्री मूल चन्द
3. श्री गोविन्द राम मित्तल
पुत्र श्री श्रीम प्रकाश
4. श्री ब्रह्मा नन्द सिजल
पुत्र स्व० श्री लछमन दास
5. श्री सुभाष चन्द्र पुत्र
पुत्र श्री प्यारे लाल
5. श्रीमती राम देवी
पत्नी श्री हरगोविन्द
श्रीमती सुदर्शन कुमारी
पत्नी श्री शाम लाल, बजरिये,
मै० पंजाब डिम्बर स्टोर जी०, मण्डी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 60 कनाल 7 मरले जो कि जी० में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जी० में
रजिस्ट्री संख्या 1147 दिनांक 7-6-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 8-2-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंजन, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी, 1985

निर्देश सं० रिवाड़ी/6/84-85—अतः मुझे, आर० के० भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या कस्बा रिवाड़ी पर स्थित है जो दुकान
संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित बाजार मूल्य
वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे
अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका अन्तरण (ट्रांसफर)
और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के रिवाड़ी स्थित
कार्यालय में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन, रजिस्ट्रेशन सं० 584 के अन्तर्गत किया गया है
तारीख 2-6-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त कर देने में मूल्भा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पत्र-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूल्भा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित प्रकृतियों द्वारा

39—516GI/84

1. श्री चन्द्र लाल
पुत्र श्री छंगा मल
पुत्र वंशीधर,
निवासी रिवाड़ी,
जिला महेन्द्रगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार
पुत्र श्री हरी शंकर जैन,
निवासी खरखी दादरी,
द्वारा मुन्ना लाल, श्रीकार मल,
कपड़ा विक्रेता, गुड़ बाजार,
रिवाड़ी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 90 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान हाउस टेक्स नं० 1318-19 जो कि
गुड़ बाजार रिवाड़ी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री
कर्ता के कार्यालय, रिवाड़ी में रजिस्ट्री संख्या 584 दिनांक
2-6-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंजन, रोहतक

दिनांक : 8-2-1985

मोहर :

प्रमुख आर्क्ष. टी. एन. एन. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० रिवाड़ी/7//84-85—अतः मुझे,
आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
एक /-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक दुकान है तथा कस्बा रिवाड़ी में
स्थित है (जिसका और अधिका विवरण नीचे अनुसूची
में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और
रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के रिवाड़ी स्थित कार्यालय
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 18-6-1984

को पूर्वागत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वागत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने से विविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी बचत या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पुनः अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या य किया गया वास्तविक रूप से विविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री हरी राम
पुत्र श्री छंगा मल
पुत्र ला० बशीधर
निवासी कस्बा रिवाड़ी
जिला महेन्द्र गढ़

(अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश
पुत्र श्री बनारसी दास
पुत्र ला० मुन्ना लाल
द्वारा मुन्ना लाल ओकार मल
कपड़ा विक्रेता गुड़ बाजार, रिवाड़ी

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वागत संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वागत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

सन्तुष्टि

सम्पत्ति दुकान हाउस टैक्स नं० 1318-19, जो कि
गुड़ बाजार रिवाड़ी स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता के कार्यालय रिवाड़ी रजिस्ट्री संख्या 841 दिनांक
18-6-1984 पर कृपया है।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-2-1985

मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एन. एच.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० सिरसा/1/84-85—आर० के० भयाना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान 157 ए० है तथा जो अनाज मण्डी सिरसा पर स्थित है (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सिरसा स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-6-1984 (रजि० सं० 1831)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रामेश्वर दास
पुत्र श्री कश्मीरी लाल
पुत्र लाला मंजू राम
मुख्तार ग्राम श्रीमती पुष्पा देवी
घर्म पत्नी, खुद
निवासी नई अनाज मण्डी सिरसा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता देवी
पत्नी श्री हीरा लाल
पुत्र श्री राजा नन्द,
निवासी गांव भादरा
श्री गंगा नगर द्वारा
मैसर्स सुभाष चन्द हरीश चन्द
160 अनाज मण्डी सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वागत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी या पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 157 ए० नई अनाज मण्डी, सिरसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 1831 दिनांक 23-6-1984 पर दिया है।

आर० के भयाना,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :-

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० सिरसा/2/84-85—अतः मुझे, आर० के०

भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एक दुकान है तथा जो नई अनाज मण्डी सिरसा 157 ए पर स्थित है (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सिरसा स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1984 (रजि० सं० 2205)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

1. श्री रामेश्वर दास
पुत्र श्री कम्मीरी लाल
पुत्र लाला भन्जु राम
मुक्त्यार ग्राम श्रीमती पुष्पा देवी
निवासी अनाज मण्डी सिरसा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता देवी
पत्नी श्री हीरा लाल
पुत्र श्री गंगा नन्द
निवासी गांव भादरा
जिला श्री गंगा नगर
द्वारा मैसर्ज सुभाष चन्द हरीश चन्द
160 अनाज मण्डी, सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 157 ए अनाज मण्डी सिरसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 2205 दिनांक 13-7-84 पर दिया है।

आर० के० भयाना,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 12-2-1985

माहुर :

मुख्य बाह्य, टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

साक्षर सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० हिसार/33/84-85—अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 237 क० 12 म० पर स्थित है जो गांव दोलतपुर (हिसार) (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) जो जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के हिसार स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-1984 को रजिस्ट्रेशन सं० 1912

का पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिकूल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का पक्ष प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के बिना सब बातें तथा प्रति-क्रम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के बिना और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जातिधों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रवणार्थ कम्प्लेक्स द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनके में सुविधा के बिना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत वर्णित हूँ :-

1. श्री लाल सिंह उर्फ लाल चन्द
पुत्र मोलड़ राम
पुत्र फूल चन्द
निवासी मण्डी कलां, तहसील नरवाना,
जिला जींद अब निवासी बवाला,
तहसील व जिला हिसार

(अन्तरक)

2. सर्वश्री पृथ्वी सिंह लाम्बा
पुत्र सोहन लाल लाम्बा, प्रदीप लाम्बा
पुत्र पृथ्वी सिंह, योगेन्द्र सिंह
पुत्र रामजी लाल;
श्रीमती सुलोचना
पत्नी योगेन्द्र सिंह
निवासी गांव दोलतपुर
तहसील व जिला हिसार।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराई जाए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:-इसने प्रत्यक्ष रूपों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 237 कनाल 12 मरले गांव दोलतपुर (हिसार) में स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 1912 दिनांक 27-6-1984 पर दिया है

आर० के० भयाना

तक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 11-2-1985

मोहर

प्रकृत बाई: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-4, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० अम्बाला/43/84-85—अतः मुझे, आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
एक लाख रु. से अधिक है

जो मकान नं० 16 संख्या वाली, जिसका और अधिक विवरण
नीचे अनुसूची में दिया गया है), जिसका अन्तरण (ट्रांसफर)
और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अम्बाला स्थित
कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 27-6-1984 (रजि० सं० 3072)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सम्पूर्ण सिंह
पुत्र श्री सख्तोष सिंह,
निवासी मचोदा तहसील अम्बाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीता देवी
पत्नी श्री जोगिन्दर प्रसाद,
निवासी म० नं० 46, दयाल बाग,
अम्बाला कैंट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्राहक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधिकारण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति म० नं० 46 जो कि दयाल बाग अम्बाला कैंट
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 3072 दिनांक 27-6-1984 पर
दिया है।

आर० के० भयाना,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 11-2-1985

धोहर :

भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं रादौर/10/84-85—अंतर् मुझे, आर० के०
मयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या रादौर बपोली रोड पर स्थित है जो
2 कनाल 18 मरले संख्या वाली, (जिसका और
अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका
अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के रादौर स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1984 को
रजिस्ट्रेशन सं० 1732 है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्बोधन से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार
पुत्र श्री रामदयाल
पुत्र श्री लक्ष्मन दास
निवासी रादौर, जिला कुरुक्षेत्र।

(अन्तरक)

2. अग्रवाल आइस फैक्टरी रादौर,
जिला कुरुक्षेत्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि बिल्लिंग सहित 1754.5 वर्ग गज जो
बपोली रोड रादौर पर स्थित है जिसका अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रादौर पर रजिस्ट्री संख्या 445
दिनांक 15-6-1984 पर दिया है।

आर० के० मयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 11-2-1985

मोहर

प्रमुख भाई. टी. एन. एस. -----

गाय हर पञ्चनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक, 11 फरवरी, 1985

निर्देश सं० करनाल/24/84-85—अतः मुझे, आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या अरबन इस्टेट करनाल पर स्थित है जो मकान नं० 1974 संख्या वाली, एक लाख ०० से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के करनाल स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी भाग या किसी भग या अन्य वास्तुको के बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री भूपिन्दर सिंह

पुत्र श्री साधू सिंह,

निवासी 1974/13 अरबन इस्टेट, करनाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरबजीत कौर पुत्री

मेजर गुरदियाल सिंह मान,

निवासी गांव टलआरन आना,

तहसील सरहिन्द (पटियाला)

(पटियाला)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि मकान अरबन इस्टेट करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय करनाल रजिस्ट्री संख्या 1732 दिनांक 11-6-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक. 11-2-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निवेश सं० पानीपत/33/84-85:—अत मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या परफ इन्सार पानीपत है जो 5 बीघा 18
बिस्वा संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित बाजार
मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे
अनुसूची में दिया गया है (को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर और
रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
रजिस्ट्रेशन सं० 1506 के अन्तर्गत किया गया है तारीख
21-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवस, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

40—516G1/84

1. श्री अमरीक सिंह
पुत्र श्री केसर सिंह,
निवासी पानीपत।

(अन्तरक)

2. लुधियाना बुल एण्ड शाल मैनुफैक्चरिंग एसोसियेशन
लुधियाना द्वारा जगदीश लाल
पुत्र श्री हंस राज
निवासी लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगृह किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्वाक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 5 बीघा 18 बिस्वा जो कि तरफ इंसार
पानीपत में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय पानीपत रजिस्ट्री संख्या 1506 दिनांक
21-6-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज, रोहतक

दिनांक : 12-2-1985

मोहर.

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 फरवरी, 1985

निर्देश सं० पानीपत/38/84-85:—अत मुझे, आर० के०

भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या इण्डस्ट्रियल एरिया पानीपत में स्थित है जो प्लॉट 1837/5 संख्या वाली, एक लाख रुपये से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रेशन सं० 1644 के अन्तर्गत किया गया है तारीख 28-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जै० कंवर सिंह
पुत्र श्री रघवीर सिंह,
निवासी 106 बाई नं० 5,
पानीपत।
श्रीमती उषा रानी
विधवा श्री राज मार,
निवासी 83 बी वजीर चन्द्र कालोनी,
करनाल।

(अन्तरक)

2. मै० सुन्दर इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन द्वारा
श्री नसीब चन्द्र
पुत्र श्री बाबू राम
द्वारा अग्रवाल हार्डवेयर स्टोर संगरूर रोड, धुरी,
पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट 1837.5 वर्ग मीटर जो इण्डस्ट्रियल एरिया पानीपत में स्थित है जिसका अधिक से अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 1644 दिनांक 28-6-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 11-2-1985

मोहूर :

प्रमाण आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निर्देश सं० पानीपत/39/84-85:—अतः मुझे आर० के० भयाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या तरफ इन्सार पानीपत है जो 10
बीघा 10 बिस्वा संख्या वाली एक लाख रु० से अधिक
के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और
अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को, जिसका
अन्तरण (ट्रांसफर और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के पानीपत स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रेशन सं०
1976 के अन्तर्गत किया गया है तारीख 29-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री जागोर सिंह,
दलीप सिंह,
लखबीर सिंह,
जसबीर सिंह
पुत्रगण श्री पाल सिंह,
2. श्रीमती दलीप कौर
व श्रीमती गुरमीत कौर,
लखविन्दर कौर
पुत्री श्री प्यारा सिंह,
निवासी गण तरफ इन्सार, पानीपत।

(अन्तरक)

2. बुधियावा हीजरी एवं डेक्सराइस एलेक्ट्रिशियन एंड
यांत्रिकी चौक, बुधियावा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कामवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 10 बीघा 10 बिस्वा जो कि तरफ इन्सार
पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय पानीपत रजिस्ट्री संख्या 1676 दिनांक 29-6-84
पर दिया है।

आर० के० भयाना,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 12-2-1985

सांहर

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० आर० ए० सी० नं० 407/84-85:—अतः मुझे

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि और बिल्डिंग है, जो कोरी टीपाडू
आर० आग्रहारम में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तर्क पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धारित रूप से कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वस्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
विवरण में कमी करने या उससे बचने के विधि
को बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कांतिता
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में
निम्नलिखित रूप में।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स टैक्सेकन प्रायो इण्डस्ट्रिज लि०, गुंटूर।
(अन्तरक)
2. मैसर्स पोलीसेट्टी सोमसुन्दरम प्रा० लि०
मैनेजिंग डायरेक्टर श्री पि० ड० गुप्ता,
आर० आग्रहारम, गुंटूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ में लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ में सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि और इमारत, आर० आग्रहारम, और
कोरीटीपाडू, गुंटूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7808/84 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी गुंटूर।

एम० जगन मोहन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-2-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 408/84-85—प्रतः मुझे,

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संभूमि है, जो नल्लापाडू, गुन्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य वास्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० चीना हार्नामी रेड्डी और अन्य
नल्लापाडू, गुन्टूर।

(अन्तरक)

1. श्री एम० शनमुखमचेट्टीयर और अन्य,
केशर घ्राफ श्री कामाची काटन जीनिंग और
प्रेसिंग फैक्ट्री, 88 एफ० 7-9, (1)
कामराज रोड, तीरुपुर 638 604
तमिलनाडु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 4-17 सेंट्स, नल्लापाडू विलेज, गुन्टूर,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8308, 8267, 11102, 8403,
9404, 9465 और 9081/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
गुन्टूर।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 409/84-85—अतः, मुझे,

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वी० सूर्यकांतम पति
श्री वेंकटराजू,
काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० कोटेश्वर राव पिता
श्री बूचय्या, गनपावरम,
चीलका लूरीपेडा,
गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1306 चौ० गज, काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 5375/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काकीनाडा ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

माहुर :

प्रकट नम्बर टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भाइरव हरद्वार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंज रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 410,84-85—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गूडावली विलेज, कृष्णा जिला में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० वीरभद्राराव और अन्य,
गूडावली,
कृष्णा जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० सत्यवतम्मा पति
श्री नागभूषनम,
भीमावरम,
वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, गूडावली विलेज, कृष्णा जिला, विस्तीर्ण 2 एकड़,
34 गूठे, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3531, 3476, 3460 और
3508, 84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंज रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रश्न आर्क्ष.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 411/84-85—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और सम्पत्ति है तथा जो नन्दीगामा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नन्दीगामा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6, 1984

को प्रयोज्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० बैकटेश्वर राव,
नन्दीगामा,
जिला कृष्णा ।

(अन्तरक)

(2) श्री उमा माहेश्वर प्राउन्ड नंद
मार्डेन दाल और आइल मिल,
वार्ड पार्टनर श्री डी० पुल्लय्या और अन्य,
नन्दीगामा पोस्ट,
जिला कृष्णा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और फैक्ट्री बिल्डिंग, नन्दीगामा जिला कृष्णा रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 1800, 1801, 1802 और 1803/84,
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, नन्दीगामा ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-85
मोहर :

प्रकट भाई, टी. एम्. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 412/84-85—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो मानूमानपेट, विजयवाड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कल्पित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल से कमी करने या उद्धृत करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया
जाया चाहिए या जियाने के सुविधा के लिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः।—

41—516G1/84

(1) श्री जी० अप्पाराव और
श्रीमती नागेदम्मा और अन्य,
सिंगाराजूवारी विधी,
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायणम गोपाल कृष्णा राव पिता
श्री वेंकटेश्वर राव,
राजा रंगायप्पा राव स्ट्रीट,
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरों के
बाद निश्चित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, डी० नं० 14-8-10, हनुमानपेट, विजय
वाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3786/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 413/84-85--अतः

मुझे, एम० जगत मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० मिल है तथा जो मूलकूडूरु, जिला गूंटूर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोन्नूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की। स्थित
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थित प्रतिफल से, ऐसे स्थित प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० भूशय्या पिता
श्री मूलकूडूरु शिवारु,
मन्नावाराम पोस्ट,
गूंटूर जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० पिबय्या
पिता श्री विरय्या,
मूलकूडूरु शिवारु,
मन्नावाराम पोस्ट,
जिला गूंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

राईस मिल, मूलकूडूरु विनेज, मन्नावाराम, गूंटूर जिला,
रजिस्ट्रीकृत विनेज नं० 560/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
पोन्नूर है।

एम० जगत मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 414/84-85—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जिला गूंदूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंदूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गालीब साहेब और अन्य,
वेनीगंडला,
गूंदूर।

(अन्तरक)

(2) गूंदूर को-ऑपरेटिव हाउस कन्स्ट्रक्शन
सोसाइटी लिमिटेड बाई :
श्री जी० लक्ष्मी नारायणा,
श्रीनिवास नगर,
गूंदूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि वेनीगंडला पेदाकाकनी रेड्डी पालम, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 8757, 8746, 7976, 7921, 7683,
7682, 3362 और 3363/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
गूंदूर।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 415/84-85—अतः,
मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो गूटूरीवारी थोटा, गूटूर में स्थित है
(और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूटूर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० लक्ष्मीकांता राव,
मचीलीपटनम ।

(2) श्री के० शूषा रावपिता (अन्तरक)
श्री विरा. राघवय्या,
डी० नं० 13-2-57,
गूटूरवारी थोटा,
गूटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, गूटूरवारी थोटा, गूटूर, रजिस्ट्रीकृत वि लेख नं०
7051 और 7040/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूटूर।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985
मोहर.

प्ररूप भाग. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 416/84-85—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो इण्डस्ट्रियल एरिया विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बहिष्करण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वैय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, यथावत् :—

(1) श्री सी० एच० रामचंद्रा राव और अन्य
पाटामाटा,
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० रामा राव
मैसर्स आटोमैटिव रबर प्राइवेट्स,
सी-6, इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
विजयवाड़ा ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरसम्पत्ति, इण्डस्ट्रियल एरिया, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 1667 चौ० गज, भूमि और 2200 चौ० फीट शेड एरिया, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3557/84 ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

मोहर :—

प्रमुख नोट: टी. एन. एड. —————

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 417/84-85:—अतः
मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदवाक्य 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो नेलौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नेलौर में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त को गड़ा है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अतिरिक्तियों) के बीच एम अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण त है कि किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या उक्त वर्णन में सूचना
की सिद्ध और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में
सूचना की लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डी० रंगा रेड्डी,
15, कैथेड्रल गार्डन रोड,
नूगमबाकम,
मद्रास-34।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० राम लिंगा रेड्डी और अन्य,
घर नं० 24/1622,
दगामीठा, नेलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव्य:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति डी० नं० 24/1622, दगामीठा, नेलौर,
रजिस्ट्रीकृत नं० 3541/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

सं० आर० ए० सी० नं० 418/84-85---

अतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रु. से अधिक है

श्रीर ज़िमकी सं० घर फ्लैट है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 । (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री डा० पांडुरंग राजू,
पिता श्री एन० बी० नारायणा राजू,

विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) क्षीमती एम० धनोदरन पति

श्री के० आर० धनोदरन,

पार्टनर मैसर्स सभापति राजेन्द्रन कंनल रोड,

विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का जो उक्त अधिनियम के अन्वाय 2(1) में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

बतसूची

फ्लैट विस्तीर्ण 735 चौ० फीट, मोगलाराजपुरम, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत खिलेख मं० 4327/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

माहुर :

प्रथम भाग टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1010/84-85—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट है तथा ओ पी० जी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० आर० जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै० तुरके इंजीनियरिंग कन्स्ट्रिक्टिंग,
शमा अपार्टमेंट्स,
138, पेंडरघास्ट, रोड,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोरगेड रुस्तूम बिस्ने,
46, शमा अपार्टमेंट्स,
पी० जी० रोड,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 45, शमा अपार्टमेंट्स, चौथा मजला, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1660 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3565/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985
मोहरे:

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.] -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1011/84-85--अतः
मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट है तथा जो बालकर टाउन, सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

42-516GI/84

(1) मैं० कमल रूप बिल्डर्स,
3-4-1983,
टी० बी०, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० रवि चौधरी,
एन० टी० पी० सी० ए-59,
उद्योति नगर,
करीम नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 4, प्रथम तल, सुजाता अपार्टमेंट्स, 6-1-138,
बालकर टाउन, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 700 चौ० फीट,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 287/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
सिकन्दराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

पञ्चम भागः टी. एन. पूरा

**जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

STAY WITH US

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निर्देशक)

अर्जुन. रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1012/84-85—अतः,

मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो टूबैको बाजार, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ५—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
जरूरी/या

(क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से रुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स श्रीनिवासा मार्केट कम्पलेक्स,
2-1-41 ए,
टूबैको बाजार,
सिकन्दरबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० कौशल्या
पति श्री जगन्नाथम,
मुथूकुरु विलेज,
जिला नलगों 51।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के व्यर्जन के संबंध में कोई भी बाध है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगर्ह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्विस्तारकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वामीजीकाटिप्पणी:—इसमें प्रयुक्त सब्जों और फलों का, जो ईश्वर
अतिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2-1-41/ए/10, प्रथम तल, श्री निवासा
मार्केट, टी० बी० सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 171 चौ० फीट,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 303/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
सिकन्दराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985
मोहर :

प्रमुख भाग टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1013/84-85—अतः,
मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो वेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद
में स्थित है और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० मेघना कन्स्ट्रक्शन्स,
225 ए, त्रिवेणी,
वेस्ट मारेडपल्ली,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) डा० होमी आर० मेहता
फ्लैट नं० 2,
ग्राउन्ड फ्लोर, 225 ए,
वेस्ट मारेडपल्ली,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुख

फ्लैट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, मेघना अपार्टमेंट्स, वेस्ट मारेड
पल्ली, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 1336/84,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985
मोहर :-

प्रकृष माह. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निविदा सं० आर० ए० सी० नं० 1014/84-85—अतः,

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स. फ्लैट है तथा जो एकमीणी देवी कालोनी,
सिकन्दराबाद में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एनें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
बाई/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
क जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गीतान्जली कन्स्ट्रक्शनस,
225 ए, वेस्ट मारेडपल्ली,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेक्टरमना बाबू,
प्लॉट नं० 195,
महेन्द्रा मिल्स,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में बिना जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्सूची

फ्लैट नं० 3, प्रथम तल, गीतान्जलि अपार्टमेंट्स, वेस्ट
मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1026 चौ० फीट, रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 1317/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेड-
पल्ली ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एम. एल. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० 1015/84-85—यतः मुझे, एम० जगन
मोहन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय है तथा जो एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को चिन्ह भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० बाबूखान विल्डर्स,
5-4-86 से 92,
एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) मै० इलेक्ट्रिकल इण्डस्ट्रीज
ऑफ ए० पी० ऑफिस नं० 636,
एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्भी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के वाच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 636, 5-4-86 से 92, रानीगंज,
सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 439 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 3565/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-टी.एन.एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्रत्यक्ष सूचना

आयकर, सहायक आयकर आधिकारिक (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1016/84-85—अतः

मुझे, एम० जगन मोहन

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है या जो रुक्मीणी देवी कालोनी सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपामुद्रा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गीतांजलि कन्स्ट्रक्शन्स,
225-ए, वेस्ट मारेडपल्ली,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी कमलेश राजेशाम,
फ्लैट नं० 5,
सेकन्ड फ्लोर आन फ्लैट नं० 4,
रुक्मीणी देवी कालोनी,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रामाण्यकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, दूसरा मजला, रुक्मीणी देवी कालोनी, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 955 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 1316/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आधिकारिक (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 1017/84-85—अतः,

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय है तथा जो काबा कणलेक्स, सिकन्दरा बाद में स्थित है (और इससे उपामुख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रवीन कुमार गन्त और अन्य,
108, नव युगनगर,
नोवा फ्लोर,
फोरजीत हिल्स,
तार देवी, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दीपा पति
श्री रमेश आहूजा,
फ्लैट नं० 408,
तहसाइमान चेम्बर,
142-सा, पेंडरवास्ट रोड,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 206, दूसरा मजला, काबा हिल्स-एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 491 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 34/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एम. एम. एम. एम. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

सदरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 1018/84-85—अतः
मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय है तथा जो एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० काम्ना एण्ड को०,
आई श्री एस० प्रभाकर रेड्डी,
2-2-132 से 139,
एम० जी० रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० मोहन राव पिता
श्री हनुमन्त राव,
1-8-4/83,
कृष्ण नगर कालोनी,
पी० जी० रोड,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 204, दूसरा मजला, काम्ना कम्प्लेक्स,
2-2-132 से 139, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण
491.66 चौ० फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 318/84, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० 1023/84-85—अतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो दोमलगूडा, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति:—

43—516GT/84

(1) श्री जे० प्रभाकर राव और अन्य,
1-2-28 2/28 2-ए,
दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० मचम्मा
फ्लैट न० 303,
डी० नं० 1-2-28 2/28 2-ए,
दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 303, 1-2-282/282-ए, दोमलगूडा, हैदरा-
बाद, विस्तीर्ण 900 चौ० वर्ग फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
3320/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-2-1985
मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एह. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भायकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० 1024/84-85—यतः

मुझे एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो दोमलगूडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग है अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० प्रभाकर राव और अन्य
1- 2- 282/282-ए०, दोमलगूडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० रघुनाथ,
फ्लैट नं० 407,
डी० नं० 1-2- 282 और 282-ए० दोमलगूडा
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहायक

फ्लैट नं० 407, 1-2- 282 और 282-ए, दोमलगूडा,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 900 वर्ग फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
3318/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एम्. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 1025/84-85--यतः मुझे,
एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो दोमलगूडा हैदराबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कह देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री जे० प्रभाकर राव और अन्य
1- 2- 28 2/28 ए०, दोमलगूडा,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० हेमलता,
1- 2- 28 2 और 28 2-ए,
फ्लैट नं० 406, दोमलगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाफ़े:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 406, 1- 2- 28 2 और 28 2-ए, दोमलगूडा,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 900 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
3319/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, हैदराबाद

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11- 2- 1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1026/84-85—यतः

मुक्त एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो जुबिली हिल्स कालोनी हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जी० सरस्वती पति गोपाल रेड्डी
1-10-380/27/4, अशोकनगर,
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री छविनाथ पिता सुगुमार
घर नं० ए-23, दोमलपेटा, श्रीसईलमदास वेस्ट,
जिला महबूबनगर, ए० पी०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-2-293/32/ए/1102, रोड नं० 36, जुबिली
हिल्स कालोनी, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1450/84
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985
मोहर

प्रकृष भाई. टी. एन. एन. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1985

(1) श्री मोहम्मद हासमी मूसा,
4-1-78 2, तिलक रोड,
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा गुप्ता
पति ओमप्रकाश
4-1-8 72, तिलक रोड,
हैदराबाद

(अन्तरिती)

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1027/8 4-8 5--यतः मुझे
एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो तिलक रोड हैदराबाद में स्थित है
और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गक के दायित्व
में कमी करने या उक्त बचत में सुविधा के लिए;
अरि/या

(ख) अपनी किसी अथवा किसी अन्य संपत्ति के सम्पत्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

घर नं० 4-872, तिलक रोड, विस्तीर्ण 38.8 चौ० गज
भूमि और 1700 चौ० फुट प्लॉट एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 3265/84--रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1985

मोहर

प्रथम भाग टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं. आर० ए० सी नं 1022/84-86—यतः

मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है जो दोमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० प्रभाकर राव और अन्य
1-2-282/282-ए दोमलगुडा
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जे० विजयलक्ष्मी
1-2-282/282-ए
दोमलगुडा हैदराबाद
फ्लैट नं 101

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 101 1-2-282/282-ए दोमलगुडा हैदराबाद;
विस्तीर्ण 900 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3321/84,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1021/84-85—यतः

मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जो दोमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाधुत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्येक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जे० प्रभाकर राव और अन्य

1-2-282/282-ए

दोमलगुडा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ऊमा देवी

पति एम० मोहन राजू

फ्लैट नं० 103, 1-2-282 और 282-ए

दोमलगुडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

फ्लैट नं० 1-2-282 और 282-ए—दोमलगुडा हैदराबाद
विस्तीर्ण 900 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3322/84
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं. आर० ए० सी० नं० 1020/84-85—यतः

मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. दुकान है जो टाबको बाजार सिकन्दराबाद में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निहित हो बाह्य-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
की/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता था कि या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स श्रीनिवासा मार्केट काम्प्लेक्स
2-1-41/ए टाबको बाजार
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री पी० प्रकाश पिता जगन्मनाथ
शाप नं० 2-1-41/ए/7 टाबको बाजार
सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुकान नं० 2-1-41/ए/7 श्रीनिवासा काम्प्लेक्स बिल्डिंग
टी० बी० सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 153 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत
विशेष नं० 304/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख 11-2-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1985

निर्देश सं अर० ये० सी० नं० 1019/84-85—यतः मुझे,

एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संफ़ैट है, जो उमीनिदेवी कालनी सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1984

और पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रोफ़िट के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालीकरण उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के शक्तिक से करी करने या उक्त करने के शक्ति के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाच या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शक्ति के लिए;

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालीकृत व्यक्तियों, अर्थात्—

44—516GI/84

(1) श्री गीतान्जली कन्स्ट्रक्शन, 225/ए,
वेस्ट मारेडपल्ली,
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० लक्ष्मीदेवी
फ्लैट नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर
प्लॉट नं० 4, उमीनिदेवी कालोनी,
सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर उमीनिदेवी कालोनी,
सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 1026 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विनियम नं०
1315/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली।

एम० जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1985

नोटिस नं० 870/84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 491/2 और 491/1बी है, तथा जो केशवपुर
हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन ता० 28-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उच्च बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री वसन्तराव नारायणराव चोटगुप्पी
(2) श्रीमती मुधाबाई पत्नी वसन्तराव चोटगुप्पी
(3) श्री नारायण वसन्तराव चोटगुप्पी
(4) कु० नीता वसन्तराव चोटगुप्पी
(5) श्रीमती पद्मा पत्नी एम० मोहनराव,
केशवपुर रोड, हुबली

(अन्तरक)

2. (1) श्री वेंकटेश बोदाराव जोशी
(2) अशोक बोदाराव जोशी
केशवपुर रोड, हुबली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1051 ता० 21-6-1984)

केशवपुर हुबली में खुला जगह है। इसका सर्वे सं० और

क्षेत्र इस प्रकार है :

वार्ड नं० सी०एम०नं० क्षेत्र (गुठा में)

1 491/2 4.00 ,,

1 491/1बी 15.10 ,,

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख . 5-2-1985

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1985

नोटिस नं० 871/84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० 166 है, तथा जो पिरना बरडज तालुक
में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन जारी जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री पुरुषोत्तम नारायण मैनकर
- (2) श्रीमती शान्तीबाई पुरुषोत्तम मैनकर
निवासी बैना, वास्कोडा गाम

(अन्तरक)

- (2) श्री रमेश मास्ती शिण्डोलकर

सन/ग्राफ अल फताव,

निवासी-अस्टा फोनाव, मोहरा वाडें तालुक गोवा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधने :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 542 ता० जून 1984)

खुल्ला जगह पिरना ग्राम में है, इसका सर्वे नं० 166 और
इसका क्षेत्र 52,600 मीटर है। इसकी जगह में एक मकान है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

/ तारीख : 5-2-1985

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1985

सं० 872/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० चालू नं० 4 पी०टी०एस०/32 है तथा जो
मरगाव में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन ता० 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
बसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनेटैक्स माडू पोरोंबो गांवकर और
पत्नी मालती वैकटेश प्रभु
गांवकर निवासी सोरोडा, तालुक पोडा
(गोवा)

(अन्तरक)

(2) श्री रोजारिया लुइस और
पत्नी भाटिया फ्लेसीडाडा शाता रीटा
कु० नूना लुईस निवासी बोरडो, मारगाओं
(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बंगलूर

(दस्तावेज सं० 2016/84 ता० 1-6-1984)

खुला जगह मारगांव में है इसका क्षेत्र 1087.39 मीटर्स।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-2-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 फरवरी 1985

निर्देश सं० 873/84-85--यत मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० न० 197/2 है, तथा जो उनातकल हुबली
तालुक में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 26-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक
(अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के
लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेमनगोड्डा रामनगोड्डा दोडनागनगोड्डा
सिरगुप्पा, तालुक हुबली

(अन्तरक)

(2) श्री सुबाद जगनाथ गानबाग
सिद्धेश्वर नगर,
उत्कल, हुबली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

बंगलूर

(दस्तावेज सं० 1089 ता० 26-6-1984)

प्लेट नं० 52, हुबली उत्कल में है।

इसका क्षेत्र 4.25 गुंठा है। और सर्वे नं० 192/2 है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख : 5-2-1985

मोहर

प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर,

बेंगलूर, दिनांक 5 फरवरी, 1985

सं० 874/84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 192/2 है, तथा जो उणकल हुबली में
स्थित है (और इससे से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 26-6-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है :—1. श्री नीलगतगोडा रामन गोडा छोतीगतगोडा सीर-
गुप्पा, धाखाड़ तालुक।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बोता पत्नी जगन्नाथ शानबाग
उणकल, सीद्देश्वर नगर,
हुबली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तरक

(दस्तावेज सं० 1090 तारीख जून 1984)

खुली जगह उणकल हुबली में है। और इसके क्षेत्र
4 गुंठा और 3 1/2 अन्ना है। इसका प्लॉट नं० 49 है।
और सर्वे० नं० 192/2 है।आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख : 5-2-1985

मोहर

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 फरवरी, 1985

सं० 875/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 4964/5104 है तथा जो
सीमोगा में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-7-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययिता में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री के० एम० तामराज शैली
पुत्र श्री काणन सोमैया
जे० पी० एस० रोड,
सीमोगा।

(अन्तरक)

2 श्री एच० एम० विश्वनाथ शास्त्री,
पुत्र श्री एच० एम० चन्द्रशेखर शास्त्री,
III अग्रम तिलक नगर,
सीमोगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तुनिष्ठ 883 तारीख 4-7-84)

खुला जगह राजेन्द्र नगर सीमोगा में है। इसका क्षेत्र
109 09 स्कवे० मीटर्स है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 5-2-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष भाई: टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० 786/84-85-—अन: मुझे, आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और ज़िम्मेकारी संख्या 106/5 है, तथा जो नेजूल, बर्डेज (गोवा)
में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वसुन्दरा बाई अलीयास वसुन्दरी अलीयास
सुन्दराबाई श्रीपाद कुकरी
आर/ओ ओगनली फाम आकफीसा,
पोमसुइला
मरगाओ (गोवा)।

(अन्तरक)

2. राय अथनासीम डीसील्वा
आर/ओ नेजूल, बर्डेज (गोवा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमस्तुते

(दस्तावेज सं० 566/202 तारीख 17-7-1984)
जगह और तारियल का संपत्ति है। इसका क्षेत्र 20.200
वर्ग मीटर्स है। और नेगुल बर्डेज गोवा में है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख: 6-2-1985
मोहर:

ब्रह्म साहू, टी. एन. एस.-----

साधारण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नाविकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक: 6 फरवरी 1985

सं० 877/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

नाविकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उपरोक्त पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी गणना चाला नं० 187 है, तथा जो मरगांव
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), राजस्वीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके दायित्व में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय नाविकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
नाविकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, यही, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों जथास्त है—

45 -516GI/84

1. (1) पुण्डालिक विष्णु नायक (2) सुमन पुण्डालिक
नायक (3) श्रीमती सुरेखा अच्युत नायक (4) मिम
अमिता अच्युत नायक (5) अतिश ए० नायक (6)
पुरुषोत्तम विष्णु नायक (7) मरिता पुरुषोत्तम नायक
(8) त्रिविक्रम विष्णु नायक तथा (9) सुधा त्रिविक्रम
नायक

(अन्तरक)

2. बाबू इस्माइल इब्राहिम बन्दुखे अलियाम एक्स
इस्माइल बन्दुखे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य और प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों के जो किसी व्यक्ति के पास,

(ख) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 158 तारीख जून 1984)

ये सम्पत्ति मरगांव में है। इसका सर्वे० नं० (चलता
नं०) 187 है। और म्युनिसीपल एरिया जो UDEGD
या MESTABHAT के नाम से जाना जाता है।

आर० भारद्वाज,
अधम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रॉज, बंगलूर

तारीख : 6-2-1986

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 फरवरी 1985

निर्देश सं. आर. नं. 62/43761/84-85:—यतः
मुझे, आर. भारद्वाज ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 1451 है, तथा जो IV में रोड
इण्डस्ट्रियल टोन राजाजिनगर, बंगलूर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-8-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापनोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
हासिल में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्री टि० एच० बमवा बाज,
334, III ब्लॉक,
राजाजिनगर,
बंगलूर-101

(अन्तरक)

2. एच० रघुरामा शेट्टि,
नं० 2190, IV मैन,
आर० पि० सी, लेनोइट,
विजया नगर, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2124/84 तारीख 16-8-1984)

सम्पत्ति है जिसका सं० 145/II, जो IV मैन रोड,
इण्डस्ट्रियल टोन, राजाजिनगर, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 1-2-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 फरवरी, 1985

निर्देश सं० सि० आर०/4394962/84-85:—प्रतः मुझे;

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 83(17) है तथा जो रियमण्ड रोड,
रियमण्ड टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
31-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती शानावर बेगम,
अलियास याकूत बेगम,
(2) श्री मिरजा मोहम्मद करीम,
नं० 39, (27),
सरपैनटाइन स्ट्रीट,
रियमण्ड टाउन,
बंगलूर-25।

(अन्तरिती)

2. (1) श्री दशरतमल चोरडिया,
श्रीमती सरोज कुमारी चोरडिया,
नं० 106, III फ़ास, गांधीनगर,
बंगलूर-9,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1832/84 तारीख 31-8-84)।

सम्पत्ति है जिसका सं० 83(19), जो रियमण्ड रोड,
रियमण्ड टाउन, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 1-2-1985
मोहर :

प्रमुख भाग: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी, 1985

निर्देश सं० सि० आर० 62/43746/84-85:—प्रतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 75(6) है तथा जो अप्पुरायाप्पा लेन,
सिद्धाना लेन, नगरतपेट, बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा प्रकट है—

1. श्री सि० नागराज अलियास मुनिवीरप्पा, और
चित्राम्मा
1023/1, बनशंकर ई स्टेज, हनुमन्तानगर,
बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री रिशाबचन्द्र बेनसालि और
प्रेमदेवि,
नं० 10, टि० एन० एस० लेन,
एवन्पू रोड,
बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरित (अधो-
लिखित में किए जा सकेंगे)।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1664/84 तारीख 22-8-1984)
सम्पत्ति है जिसका सं० 75 (पुराना नं० 6) जो
अप्पुरायाप्पा लेन, सिद्धाना लेन, नगरतपेट, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 31-1-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निर्देश सं० मि० आर० 62/44995/84-85:—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25 है तथा जो चिक्काकविरप्पा गार्डन,
सेंट तामस टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदश में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरण को द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री आर० सिंहाद्री,
नं० 25, सुन्दरमूर्ति रोड,
काक्स टाउन, बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला,
नं० 32/1, रुक्मणि कालोनी,
सेंट जान्स क्रास रोड,
शिवनचेट्टि गार्डन,
बंगलूर-42।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अथवा
पास निश्चित में किए गए।

स्पष्टीकरण:—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2423/84 तारीख अगस्त, 1984)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 25, जो चिक्काकविरप्पा
गार्डन, सेंट तामस टाउन, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

नोट: उक्त अधिनियम की धारा 269-ब में अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 31-1-1985

मोहर :

प्रारूप आदेश टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1985

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/45593/84-85—अतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 502/14 है तथा जो, 19 मैन रोड, IV
'टी' ब्लॉक, बंगलूर में स्थित है।

और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय जमानगर में
तारीख 18-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधिति :-

- (1) 1. श्रीमती एस अलमेलु,
2. रंगुपति,
3. डाक्टर जयाराम सेदान
4. श्रीमती एस० सुलोचना
5. एस० श्रीनिवासन,
6. एस० नथियार अलिवास जयश्री
7. एस प्रेमा
8. एस० कल्याणि और
मिस एस० जयालक्ष्मी
नं० 502/14,
19 मैन रोड, IV 'टी' ब्लॉक
जयानगर, बंगलूर।

(अन्तरक)

- (2) श्री के० के बन्ना
नं० 83, 13 फ़ास,
IX मैन विलसन गार्डन्स
बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1776/84 तारीख 18-7-1984)
सम्पत्ति है जिसका सं० 502/14, जो 19 मैन रोड,
IV 'टी' ब्लॉक, जयानगर, बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख 4-2-1985

गोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भाइल हरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1985

सं० सि० आर० 62/45620/84-85:—यत मुझे,
आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 343 है, तथा जो II ब्लॉक, II स्टेज,
'बनारसकिर एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुवृत्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जया नगर में तारीख जुलाई 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हैथ हरिहरण
म्यानेजर
कैनारा बैंक,
जमशेदपुर (एम० पी०)

(अन्तरक)

2. डाक्टर पी० पदमानाभा मैय्या
एम० टी० आर० नं० 14)
लालभाग रोड,
बंगलूर-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।
गया है।

अनुवृत्ति

(दस्तावेज सं० 1735/84 तारीख जुलाई, 1984)
खालि जगह है जिसकी सं० 343 है जो ब्लॉक-11,
II स्टेज, बनारसकिर एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख 4-2-1985
मोहर :

प्रकृष आर्द् टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निवेदन सं० सि० आर० 62/43566/84-85:—प्रत मुझे,
आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी संख्या 542 है तथा जो 11 ब्लॉक कोरामंगला
एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बंगलूर दक्षिण में तारीख 5-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
राशियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एन० एस० पारवती
केयर/आफ श्री के० एस० सपतराश
एडवोकेट नं० 12 IV ब्लॉक,
V क्लॉस, मुन्नामणिया टेपल रोड,
बंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री के० एस० पानिकार
नं० 36 बी, कुद्रेमुक कालोनी,
कोरा मंगला, एक्सटेंशन,
बंगलूर-34।

(अन्तरिती)

यह वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी रूप से
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्त वेज सं० 2234/84 तारीख 5 जुलाई, 84)
खालि जगह है जिसकी सं० 542, जो III ब्लॉक
कोरामंगला एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख : 31-1-1985
मोहर

प्रकट नम्बर टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1985

सं० निदेश 62 62/43945/84-85—यतः मुझे,

श्री० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 898 है, तथा जो एच० ए० एल० II स्टेज VII, VI मैन, क्लास, इन्दिरानगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में तारीख 23-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
45—516GI/84

1. श्री जी० एन० नारायण रेड्डी,
गुन्जूर विलेज,
कार्नेर होबालि,
बंगलूर दक्षिण तालुक

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरास्वती देवी,
नं० 898, हैथ ए० एल० II स्टेज,
VII मैन, IV क्लास, इन्दिरानगर,
बंगलूर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

महसूची

(दस्तावेज सं० 1936/84 तारीख 23-7-1984)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 898, जो हैथ ए० एल० II स्टेज, VII मैन, IV क्लास, इन्दिरानगर, बंगलूर में स्थित है।

श्री० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 31-1-1985

मोहूर :

अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 फरवरी 1985

निदेश सं० आर० नं० 62/43682/84-85:—अतः मुझे,
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 20(16) है, तथा जो बेनसन रोड, बेनसन टोन, बंगलूर में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में तारीख 23-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कहीं करने या उचित करने में सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० मन्कारत इगो और
2. मैसर्स जोन मन्कारति इगो,
नं० 20, बेनसन रोड, बेनसन टोन,
बंगलूर-46।

(अन्तरक)

2. मैसर्स शमीम अलीम खान,
नं० 31, I क्रॉस, विवेकानन्दा नगर,
बंगलूर-33

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1267 तारीख 23-7-84)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 20(16), जो बेनसन रोड, बेनसन टोन, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 1-2-1985
साहू :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जनवरी 1985

सं० सि० आर० 62/45554/84-85—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या 1157 है, तथा जो बि० एम० के० II स्टेज एक्सप्लेन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1708 का 16) के अधीन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयानगर में तारीख 7-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सीताम्मा,
नं० 237, IV मेन,
यामाराजापेट,
बंगलूर-18।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सविता चिंहेगड़े,
बि० हैथ रोड, अरसिकेरे,
हासन डिस्ट्रिक्ट,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 892/84 तारीख 7-6-84)

खाली जगह है जिसकी सं० 1157, जो बनशंकर II स्टेज एक्सप्लेन, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख : 30-1-1985.
मोहुर

प्रकट बाह्य टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1985

सं. सि. आर. 62/43956/84-85:—यतः मुझे,
आर. भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि, स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 15 है, तथा जो बेन्दोर वार्ड, कट्रि 'ए'
विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मंगलूर में तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दालिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मैसर्स गलाडिस डिसौजा,
कानडल गारडन्स,
बन्टास हासटेल रोड,
मंगलूर सिटी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुवासिनि भण्डारि,
"रीटा बिल्डा", अप्पार बेन्दोर,
मंगलूर।

(अन्तरितों)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसने अधिमोग
में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समंती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 716/84 तारीख जून, 1984)

सम्पत्ति है जिसकी सं. 15, बेन्दोर वार्ड, कट्रि 'ए'
विलेज, मंगलूर सिटी, में स्थित है।

आर. भारद्वाज,
नक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 31-1-1985
मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० नं० 62/45585, 84-85—

अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 323 है तथा जो 415 फ़ास VIII ब्लाक जयानगर
बंगलूर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जयानगर में तारीख 27-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० सखोनमा राव,
नं० 1741, ईस्ट एण्ड "ए" मेन रोड,
38 फ़ास IX ब्लाक, जयानगर,
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) कृष्ण मूर्ति,
नं० 216/2, 4, मेन रोड,
यामराजापेट, बंगलूर-18

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1179/84 ता० 27-6-84)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 323, जो 41 फ़ास, ब्लाक
जयानगर, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 30-1-1985

मोहर

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

भायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सडुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/44875/84-85—अतः

मुझे, आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 70 है तथा जो उदायागिरि फास नजरबाव
मोहल्ला मैसूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मैसूर में तारीख 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० के० रहिमान,
नं० 70 उदायागिरि लेआउट,
फास, नजरबाव, मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एस० शम्भु,
नं० 25, उदायागिरि, ले आउट,
मैसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1166/84 ता० 6-6-84)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 70 जो उदायागिरि 5 फास,
नजरबाव मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 30-1-1985

मोहूर

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/43346/84-85—अतः
मझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 23 है तथा जो जैन टेंपल रोड, वि० वि०
पुरम, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बसवनगुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 11-6-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वै वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुआ किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी कटने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य जातिबो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमती के० आर० उमा लक्ष्मी,
नं०-245, आर० वि० रोड,
वि० वि० पुरम, बंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वि० योगलाल और
सी० महेश कुमार,
नं०-1017, नगरनपेट, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 964/84 ता० 11-6-84)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 23, जो टेंपल रोड वि० वि०
पुरम, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 31-1-1985
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बाउच करकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 28 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/43513/84-85—अतः
मझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 296,1 सि० सि० हेथ-7 है तथा जो
स्वीमिंग पूल रोड़ सरस्वति पुरम, यामराजा मोहला, मैसूर
में स्थित है (और इससे उपाध्द अनसुची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

47—516GI/84

(1) श्रीमती राधाबाई प्रागजि,
नं० 165/1, पुराना बंडिकेरि,
के० आर० मोहल्ला,
मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टि० सी० गिरिजाम्मा,
नं०-287, VI क्रॉस, III स्ट्रेज,
गोकुलम, देवाराजा मोहल्ला,
मैसूर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों प
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा तथाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1387/84 ता० जून, 1984)

खाली जगह है जिसकी सं० 15, डि० नं० 2961/1-
सि० और न्यू नं० सि० हेथ-7, जो स्वीमिंग पूल रोड़,
सरस्वति पुरम, यामराजा मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 28-12-1984

मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

- कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जनवरी 1985

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/45583/84-85—अतः
मझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,00,000 से अधिक है
और जिसकी सं० 134 है तथा जो ईस्ट एण्ड मैन रोड,
IX-ब्लाक, जवाननगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय जवाननगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
वन्द्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बिना ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
ए वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के बिना किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में अभिधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अभिधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री पी० एस० मनि,
नं० 2, डि० वि० जि० रोड,
नसवनगुडि, बेंगलूर-4
(अन्तरक)
- (2) श्री डी० आर० प्रभाकर,
नं० 134, VII मैन रोड,
V ब्लाक, जवाननगर, बेंगलूर ।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 853/84 ता० जून 1984)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 134, ईस्ट एण्ड मैन रोड, IX
ब्लाक, जवाननगर, बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 30-1-1985
मोहर :

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन् रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1985

निर्देश सं० सि० आर० नं० 62/44984/84-85—अतः

मझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पञ्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 10(32) है तथा जो विक्टोरिया ले-
आउट III क्लास, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 5-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूह यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
राजस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सैयद अब्दुल सुबान अलिबास,
बाबा न०-135, मैन रोड,
कलासिपालयम, बंगलूर सीटी ।

(अन्तरक)

(2) श्री मीर शाहनावाज हुसन,
न.-19, अरबलेन 'बी०' स्ट्रीट'
रिथमड टाउन, बंगलूर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किंवा अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तांतरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2444/84 तारीख 5-6-1984)
सम्पत्ति है जिसकी सं० 10 (32), जो विक्टोरिया
ले-आउट, III क्लास बंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन् रेंज, बंगलूर

दिनांक : 4-2-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं० सि० आर० नं० 62, 583, 84-85—अतः

मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18 है तथा जो बोरडा मरगोवा सलसेटे गोवा में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मरगोवा में राजस्त्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सीताराम पि० कोरगावनकर,
2. तारामती एस० कोरगावनकर,
3. बापु पि० कोरगावनकर,
4. मेसर्स बि० कोरगावनकर,
5. वसंत पि० कोरगावनकर,
6. मेसर्स सत्यावती बि० कोरगावनकर,
7. मुकुंद पी० कोरगावनकर,
8. लक्ष्मिमम एम० कोरगावनकर,
9. शांताराम पि० कोरगावनकर,
10. नृसानताबाई,
11. दामोदर पि० कोरगावनकर,
12. पुष्पलता डि० कोरगावनकर,
- बोरडा, मरगोवा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री प्रकाश एस० पननडिकार,
- मरगोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हलगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2275, 84 तारीख जून 1984)

सब सम्पत्ति है जो बोरडा, मरगोवा सलसेटे, गोवा सर्वे नं० 18 में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]
अर्जुन रेज, बंगलूर

दिनांक : 24-1-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 जनवरी 1986

निदेश सं० सि० आर० न० 62,587/84-85—अत

मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 2 है तथा जो काटानो पचेको
रोड, मरगोवा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के
कार्यालय मरगोवा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1984

का पूर्वाप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा
वायित्व के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जोसे फ्रानसिसको आलफेडो,
आ० पैडाडे फ्रेयास ड रोड्रिग्यस,
(2) श्रीमती मरिया फरनान्डा,
मेसक्यूट ड रोड्रिग्यस,
(3) कार्लस विल्लेट हुमबर्टो,
आ० पैडाडे फ्रेयास ड रोड्रिग्यस,
आफ मरगोवा,

(अन्तरक)

- (2) श्री नेल्सन असिसडा, पैडाडे डि० मोरोन्हा, और
(2) श्रीमती मरिया फिलोमेना दास,
मिलाग्रेउ नेरेसिन्हा,
नोरांहा आफ मरगोवा।

(अन्तरिती)

- (3) न० 1

(यह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2166/84 तारीख 30-6-1984)
प्लॉट न० 11 जो काटानो पचेको रोड, गोवा में
स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

दिनांक : 24-1-1986

मोहर

प्रकृत बाई.टी.एन.एस. -----

भा.य.कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 फरवरी, 1985

निवेदन सं० सी०आर०नं० 62/आर-1243/37-ईई/84-85-

अतः मुझे आर० भारद्वाज

भा.य.कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 299 है, तथा जो पोंडा, गोवा, में स्थित है
(और इससे उभावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
25-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सूचिभा
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भा.य.कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में
सूचिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एवं श्रीमती वासुदेव पुष्पोत्तम मान्ढकर,
केअर/आफ आरकिटेक्टन, विल्ला आर्लिवेन्ट मारयन,
जेन, बेवार्ड, म्युडस रोड,
पनाजि, गोवा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हरीश कन्सट्रक्शन्स,
30, राधा शांति नगर,
पोन्डा, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रकृत

(दस्तावेज, सं० 1010/84, दिनांक 25-6-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० 299, नोन एस० 'लोकोन्डियम'
पुस्तक बी० के० (नया), जो इन्हाम, पोन्डा, गोवा में स्थित,
है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक 2-2-1985

मोहर

प्रकृष बाइ. टी. एन. एस. - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नायकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 फरवरी, 1985

निवेश सं० सी०आर० 62/आर-1221/37ई/84-85—

यतः मुझे आर० भारद्वाज

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 213 है, तथा जो मारगोवा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रजिस्ट्रीकृत किया गया है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की धारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के अस्तित्व में कमी करने या उनसे बचने में सहायता के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एंजला फिलोमिना डि० फिग्युरेडो,
लारगो दास क्वाटर्स
नजदीक गोमानटक निकेतन, बिल्डिंग,
मारगोवा, गोवा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सुनिवास रियल्टेडर्स,
कामावेनु,
डाक्टर दावा वैद्य्या रोड, पणजी, गोवा ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

बंगलूर

(वस्तावेज सं० 998/84, दिनांक 6-6-84)

सब सम्पत्ति है जिसका मालता नं० 213, जो मारगोवा, सलसेहे, गोवा, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 2-2-1985

मोहर

अरूप बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री सुनिल सेधन्वीलाल परेक,
72, मरैनट्रैव, बम्बई-400020

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/आर-1270/37ईई/84-85—

यतः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

घोर जिसकी सं० प्लॉट नं० 71 है, तथा जो आरचर्ड अपार्टमेंट्स, आर० वि० एक्सटेंशन, रोड, बंगलूर, में स्थित है (घोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर, में परिदृष्टि अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बच के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

2. मेसर्स परेक, कारपोरेशन,
यूनाइटेड इंडिया बिल्डिंग,
2, फ्लोर, सर० पी० एम० रोड, पोर्ट,
बम्बई-400001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1038/84, दिनांक 11-6-1984)

प्लॉट नं० 71, 7वां फ्लोर, प्यालेस आरचर्ड अपार्टमेंट्स,
राजमहल विलास एक्सटेंशन, रोड, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 2-2-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1985

निदेश सं० 62/आर-1235/37ई/84-85—अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 है, तथा जो कामपाल, पणजी,
गोवा, में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिपति के कार्यालय
बेंगलूर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
दृष्टिकोण को 'गैर दृश्यमान' की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
अधी करने या उससे घटने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, निषान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

48—516GI/84

1. श्री बिट्टाल वें० पवार,
बेलिम, चारुडेज, गोवा
कनकरावंग, पार्टी मिलस विजयलक्ष्मी नारायण शिंडे
कामपाल, पणजी, गोवा।
(अन्तरक)

2. श्री आल्फ्रेड कोट्टा, केयर/आफ
श्री एसटाक्विनी कोट्टा,
सलवोरा, अगाकैम, इतहास, गोवा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1075/84, दिनांक 1-6-1984)

प्लॉट नं० एफ० 1, एट ग्रिन लेण्ड को-ऑपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, कामपाल,
पणजी, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बेंगलूर

दिनांक : 22-1-1985

मोहर :

इसका आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० सी०आर० 62/आर-1285/84-85/37ईई/—

यतः मुझे आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 375 है, तथा जो अमीना विलेज, बियोनिम गोवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्मुख प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ए सो किसी अन्य या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारतीय आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री जानकी गमाचन्द्रा पाडटे,
(2) श्री गोविन्द रामाचन्द्रा पाडटे,
(3) मिसस राधा गोविन्दा पाडटे,
(4) श्री कृष्ण रामाचन्द्रा पाडटे,
अमीना विलेज, गोवा।

(अन्तरक)

2. सीसा गोवा लिमिटेड,
आलर्टिडो, पजिम,
गोवा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1037/83, दिनांक 11-6-1984)

सब सम्पत्ति है जिसका प्लॉट ए और प्लॉट बी, पुराना सर्वे नं० 375, नोन एम० आदवान कोलकाकोडिल तिरु, जो अमीना विलेज, बियोनिम, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
पञ्चम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बेंगलूर

दिनांक : 7-2-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

1 श्रीमती डि० वत्साला,
घर न० 1-2-593/4/ए,
गगन महल कालोनी,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्यामी बेगम, डम्माम, सौदि, अरेबिया,
पी० ए० होल्डर, श्री खलीद, अहमद बैग,
न० 6, 6, XVI फ़ास VI मैन रोड, लक्कासन्ना,
लालजिनगर, बेगलूर।

(अन्तरिती)

निदेश सं० आ०आर० 62/आर-1191/37ईई/84-85-
जत मुर्जे आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कला गया है), की धारा
209 में उक्त सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1000000 रु० अधिक है

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कला गया है), की धारा
209 में उक्त सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1000000 रु० अधिक है

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कला गया है), की धारा
209 में उक्त सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1000000 रु० अधिक है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दालिख में कभी कटने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं को सूचित करता हूँ—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1055/84, दिनांक 13-6-1984)

सम्पत्ति है जिसका सं० 116/ए, जो के० एच० वि० कासोनी,
कोरामगला, बेगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
जर्जन रेज, बेगलूर

दिनांक 7-2-1985
मोहर :

प्रकृष्ट बाई. टी. एच. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निर्देश सं० सी० आर० 62/आर-1248/37ईई/84-85—

अतः मुझे आर० भारद्वाज,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 47 है, तथा जो IX मैन, VI क्रॉस, राजमहल, विलास, बेगलूर-80 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में सं० जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व शायित्व में कमी करने या उसमें अंतरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (A) काशि कार्पोरेशन,
 मेहु हाउस, 15, सि० पी० स्ट्रीट,
 बम्बई-1

(B) भक्तावर ट्रस्ट,
 33/1, कातिगहाम रोड, बेगलूर

(अन्तरक)

2. श्री अशीन प्राम्मीदाम रूपारेल आर

श्री विनय प्रभुदास रूपारेल,
 408, विलवरसैंड, वि० एम० ई० कलगाहि,
 आलवरटो, टी० 2, जे-127, केनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के उपरान्त से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तो उक्त संपत्ति के अर्जन से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 1013/84, दिनांक 6-6-1984)

15 ए० 17, इन प्वालेस आरयर्ड, अपार्टमेन्ट्स,
 9, मैन, 6, क्रॉस, राजमहल विलास, बेगलूर-80 में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

दिनांक : 7-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -- - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निर्देश सं० सि० आर० 62/आर-1226/84-85—

यतः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० ई-10 (दो प्लॉट्स हैं तथा जो
मिरामर, पंजिम, मेगोवा में स्थित हैं (श्रीर इस प्लॉटबद्ध अनुसूच.
में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) निम्नलिखित अधिकारी के
कार्यालय, बेंगलूर में रा० 1226/आर-1226/84-85 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 6-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. (1) श्रीमती मरिया दोमेन, जोसेफिना,
मनेजेस, सोषरिय ।

(2) फानमिसको, स्कावियर जिगसे बरेटो,
केअर/आफ एलिसबे बरेटो, सियोनालम, बारडेज,
गोवा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जे० आर० कन्सट्रक्शन्स,
अपोजिट बैंगः आफ इडिया, मिरामर,
पंजिम, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 1003/84, दिनांक 6-6-84)

सम्पत्ति, है जिसका प्लॉट नं० ई 10, (दो प्लॉट्स), जो
सेन्ट मेरिस कालोनी, मिरामर, पंजिम, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बेंगलूर

दिनांक 7-2-1985
मोहर

अनुसूची 1, एन. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भाउत छडका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1985

निर्देश सं० 62/आर-1253/37ईई/84-85—अतः मुझे
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भालता 30 है तथा जो फटरडा मरगोवा सलसेटे,
गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुचची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 6-6-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तःशतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तावक रूप से कीमत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कट्टा देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दामोदर पुरुषोत्तम इगडो,
मिस्स गोपकाबि पामोतर इगडो
फटरडा, गोवा,

(अन्तरक)

2. जोसे पानलिनो कौटिन्हो
जेमिरा कौटिन्हो सैनेजस
सितक्लवर्टिम नवेलिम सलसेटे,
गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1018/84 दिनांक 6-6-84)

सम्पत्ति जिसका चालता नं० 30, जो फटरडा, सलसेटे,
गोवा में स्थित है (1734.35) स्वामय मोटर्स।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बेंगलूर

दिनांक 7-2-1985
मोहर

पञ्चम भाग: टी. एच. इ.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 7 फरवरी 1985

निदेश सं० 62/आर-1250/37ईई/84-85—अतः सुधे

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'सहायक अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग में अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 33 है तथा जो सेट इनेज पणजी
सुल्हास गोवा रो स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से गणित है) और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण परिनियम 1908 (1908 का 16)
के प्रधीत दिनांक 6-6-1984

करी पर्वकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सम्बद्ध प्रतिफल के अन्तरक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के अन्तरक से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल के अन्तरलिखित 854 रु. से उक्त अन्तरक लिखित में वास्त-
विक रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी निजी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
पुनः अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
का अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री दोरमा बाबुसो नैक्यु,
मिसर्स शांति दोरमा नैक्यु,
सेट, इनेज, पणजी, गोवा,

(अन्तरक)

2. श्री अरविन्द महाबलेश्वर
नावक, नं० 360, नियर मिरबोयकर गारेज,
सेट, इनेज, पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1015/84 दिनांक 6-6-1984)

सब सम्पत्ति है जिसका नाम 'डिकासस' नोन एस०
प्लॉट नं० 33 जो सेट, इनेज, टिर्वाडि इलहास, गोवा, में
स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बेंगलूर

दिनांक 7-2-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० सि० आर० 62/43372/848-5—अन
मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो उत्तरादि मठ लेन, चिकपेट
ग्राम, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुचर्ची, में
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) - जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर में 'जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 6-6-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) यदि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
रक्षण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अन्तर्गत कर-मुक्ति दत्त एकट नहीं किया गया
था या जिसका अन्तरण था, छिपाने में सहायता
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री आर० एस० माधवा राव,
नं० 7, उत्तरादि मठ लेन
चिकपेट, ग्राम, बेंगलूर-53

(अन्तरक)

2. श्री मोहनलाल,
नं० बी/7, मारम्मा टेपल, स्ट्रीट,
बेंगलूर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसुची

(दस्तावेज सं० 990/84 दिनांक 6-6-1984)

सम्पत्ति है जिसका सं० 7, (भाग), जो उत्तरादि मठ लेन,
चिकपेट ग्राम, बेंगलूर में स्थित है

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बेंगलूर

दिनांक 12-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एच.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 12 फरवरी, 1985

निदेश सं० सि०आर० 62/4589/84-85—अतः मुझे
आर० भारद्वाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,00/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो उत्तराधि मठ लेन चिकपेट
क्रास, बेंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय)
गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन दिनांक 6-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

तब अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
49—516GI/84

1. श्री आर. एस० माधवा राव,
न० 7 उत्तराधि मठ लेन, चिकपेट क्रास बेंगलूर
(अन्तरक)

2. श्री आ चन्दानमल,
केअर/आफ मैसर्स मिस्स क्लाय कारपोरेशन,
डि० एस० लेन, चिकपेट, बेंगलूर-53 अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 988/84, दिनांक 6-6-1984)

सम्पत्ति है जिसका सं० 7 (भाग), जो उत्तराधि मठ लेन,
चिकपेट क्रास, बेंगलूर-53 में स्थित है

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
‡ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 12-2-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आइए नोटिफिकेशन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 फरवरी 1985

निदेश सं० सी० आर० 62/45892/84-85—

अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो उत्तराधि मठ लेन चिकपेट क्रास बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर में दिनांक 6 जून 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) श्री आर० एस० माधवा राव,
नं० 7 उत्तराधि मठ लेन, चिकपेट क्रास,
बंगलूर-53

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाशचन्द्र सि० जैन,
नं० 14, राजान्ना लेन चिकपेट
बंगलूर-53

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्तमवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्वरूपी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरणः—इसमें प्रत्यक्ष रूपों और वनों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्णित होगा जो उस अध्याय में विद्यमान हैं।

अनुसूची

(क) अन्तरण से पूर्व किसी व्यक्ति या वस्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आविर्भाव में कमी करने या उसके वर्णन में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या वा किन्ना जाना चाहिए था, जिन्हें वे सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित हूँ—

(दस्तावेज सं० 989/84 ता० ०-०-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० 7 (भाग), जो उत्तराधि मठ लेन, चिकपेट क्रास, बंगलूर -53 में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज बंगलूर

दिनांक :- 12-2-1985

मोहर :-

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

उक्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर जब्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુસૂચી

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि लेख नं० 1273, 1424
दिनांक जून 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट
ने लिखा है)

जै एल गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक 12 फरवरी 1985
मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

- (1) श्रीमती चन्द कौर विधवा विधान सिंह,
मानसा रोड, बठिण्डा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5754 और 5755—

यस: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बठिण्डा में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बठिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारंश, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक के कर्तव्य में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1254,1264 दिनांक जून 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बठिण्डा में लिखा है) ।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-2-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० नं० ए० पी० नं० 5756—यतः, मुझे,
जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1984 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात को बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
बीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती गुरुबचन कौर पत्नी तेज पाल सिंह
वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर।
(अन्तरक)
- (2) श्री रविन्द्र कुमार गोयल पुत्र साधू राम
737 मोता सिंह नगर, जालन्धर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1001 दिनांक
जून 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-2-1985
मोहर

प्रकट बाई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5757 और 5758—यतः,
मुझे जे० एल० गिरधर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में
स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर 1984को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या सबसे कम से सूचना
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचना के लिए;ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—(1) श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी तेज पाल सिंह
वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर ।
(अन्तरक)(2) श्री रविन्द्र कुमार गोयल पुत्र साधू राम
वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर ।
(अन्तरिती)और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख न 2229, 2241 दिनांक
सितम्बर 1984 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है)

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5759—यतः, मसे जे० एल०
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
क्योंकि का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कभी करने या उससे बचने के इतिहास
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी भू या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इतिहास
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी तेजपाल सिंह
वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र कुमार गोयल पुत्र साधू राम
वासी 737 मोता सिंह नगर, जालन्धर

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2141, दिनांक
अगस्त 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने
लिखा है।

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 13-2-1985

मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5760—यतः, मुझे
जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए, और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र भुल्ला सिंह,
वासी किंगरा, तहसील जालन्धर द्वारा मुक्तयार
श्री अनिल खोपडा ।

(अन्तरक)

(2) कुलदीप सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह
वासी गांव ब डाक खाना बरौली कला,
तहसील जालन्धर ।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 933 दिनांक
जून 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा
है)

जे० एल० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-2-1985

मोहर

प्रकृष्य भाई.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 फरवरी 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5761—यतः, मुझे
जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में नुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

50--516G1/84

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र भुल्ला सिंह,
वासी किंगरा, तहसील जालन्धर,
द्वारा मुख्तयार बलवंत सिंह,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरजीत कौर और निरलजीत कौर पुत्री
जसबीर सिंह, वासी 34-एल माडल टाउन,
जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 972 दिनांक
जून 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक . 14-2-1985

मोहर

प्रमाण आह, टी. एल. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भाइल सड़काह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निदेश सं० ए० पी० 5762—अतः मुझे, जे० एल०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय राया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है।

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र भुल्लासिंह,
वासी किंगरा, तहसील जालन्धर
द्वारा मुख्यधार बलवन्त सिंह

(अन्तरक)

(2) चेतन कौर और रवनीत कौर
पुत्री जसवीर सिंह,
वासी 34-एल माडल टाउन
जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण:- इसमें प्रयुक्त सबों कीट्ट पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1969
दिनांक अगस्त 1985 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
में लिखा है)

जे० एल० 11156

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 14-2-1985

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

कंपनी (प्रायवेट लि०)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वावस्था सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जबकि सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगद्विजय

“फ्लैट नं० 301 जो तीसरी मंजिल बिल्डिंग ग्रन्थूरी
हार्डिंस प्लॉट नं० 1 एस० नं० 41 (अश) 4 बंगलोज
बसोवा अधोरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/5853
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2
जन 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 13-2-1985

भाहुर :

प्रमुख बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/6910/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-11 जो पहली मंजिल
सांताक्रूझ रामेश्वर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०
सर्वे नं० 50 प्लॉट नं० 122 एन ए० सर्वे नं० 118 और
221 एस० वि० रोड सांताक्रूझ (प०) बम्बई में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का
धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 25 जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पंकज एस० पारीख ।

(अन्तरक)

(2) श्री शरद जे० राव और श्री किरीट जे० राव
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट नं० सी-11 जो पहली मंजिल सांताक्रूझ रामेश्वर
को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० सर्वे नं० 50 प्लॉट
नं० 122 एन० ए० सर्वे नं० 18 और 231 एस० वि०
रोड सांताक्रूझ (प०) बम्बई 54 में स्थित है

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ईई/6910/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25
जून 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख : 13-2-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/6211/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 4, जो 3री मंजिल, 'सी' इमारत,
कांती अपार्टमेंट्स, माउंट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के
अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक
15-6-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

1. मेसर्स मिन्नु डेव्हलीपर्स

(अन्तरक)

2. कासम एस० मुसानी और श्रीमती सुमताज कासम
मुसानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4 जो 3री मंजिल, "सी" इमारत कांती अपार्टमेंट्स,
माउन्ट मेरी रोड बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37 ईई/6211/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 20-2-1985

माहुर

प्रश्न : आई. टी. एन. एच. -----

1. मेसर्स मिनू डेम्हलोपर्स ।

(अन्तरक)

भायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रविण पी० ठक्कर और
श्रीमती हर्षा पी० ठक्कर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 फरवरी 1985

निदेश सं० आई-2/37 ईई/6986/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3 जो 1ली मंजिल "ए" इमारत
कांती अपार्टमेंट्स माउन्ट मेरी रोड बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के
अधीन, दिनांक 28-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3 जो 1ली मंजिल "ए" इमारत कांती अपार्टमेंट्स,
माउन्ट मेरी रोड, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/6986/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 20-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

1. मैसर्स तेज बिल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/6212/84-85—प्रतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1 जो 3री मंजिल, "सी" इमारत,
कांती अपार्टमेंट्स माउन्ट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है
(और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
15-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
रिती (अन्तरितीकों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाधा
पश्चात् प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सीमा
की लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सीमा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

2. मैसर्स गुप्ता एण्ड टुब्ज एण्ड पाईप्स प्राइवेट लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो 3री मंजिल, "सी" इमारत, कांती अपार्टमेंट्स,
माउन्ट मेरी रोड बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/6212/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-84 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 20-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री जियाउद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

2. श्री रियाज अहमद

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/6272/84-85—अतः मुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट न० 404; जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग न०
10, विलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प),
बम्बई-58, में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट न० 404 जो 4थी मंजिल, बिल्डिंग न० 10, विलेज
ओशिवरा बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प) बम्बई-58 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37-ईई/6272/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 20-2-1985

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/6550/84-85—अतः सुभे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या इंडस्ट्रियल एस्टेट बेयरिंग एस० नं० 10 और 11,
जोगेश्वरी, केज रोड, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक
22-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

51—516GH/84

1. भक्तवार कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. मेसर्स फिकाया इंजीनियरिंग प्राइवेट लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"इंडस्ट्रियल प्रोपर्टीज एंड एस्टेट बेयरिंग सर्वे नं० 10 और
11, जोगेश्वरी, केज रोड, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37-ईई/6550/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 20-2-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

2. श्री हरचरण सिंह गुरमुख सिंह घुरा,
चरणजीत कौर हरचरण सिंह घुरा और
शान कौर गुरमुख सिंह घुरा।

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई० 3/37ईई/10385/84-85—अतः मुझे,
ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

श्रीरजिमकी सं० फ्लैट नं० 402, जो 4 थी मंजिल, पूजा
हमारत, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 1-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो 4 थी मंजिल, पूजा हमारत, माहूल
रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि क्र० सं० आई-3/37ईई/10385/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-6-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-2-1985

मोहर :-

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 11th March 1985

No. F.6/85-SCA(I).—1. The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri Mahesh Prasad, officiating Joint Registrar, to officiate as Additional Registrar with effect from the forenoon of March 11, 1985 to March 31, 1985 in the leave vacancy of Shri A. N. Oberai, Additional Registrar.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed Shri S. Banerjee, Deputy Registrar, to officiate as Joint Registrar with effect from the forenoon of March 11, 1985 until further orders against a newly created post of Joint Registrar.

3. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri H. S. Munjal, Deputy Registrar, to officiate as Joint Registrar with effect from the forenoon of March 11, 1985 to March 31, 1985 vice Shri Mahesh Prasad promoted as Additional Registrar.

4. The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed Shri C. Balasubramanian, Assistant Registrar, to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of March 11, 1985 to March 31, 1985 vice Shri H. S. Munjal, promoted as Joint Registrar.

R. SUBBA RAO,
Registrar
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th February 1985

No. A.32011/1/84-Admn I.—In pursuance of the Department of Personnel and Administrative Reforms A.M. No. 13/2/83-CS(II)(i) dated 23-1-1984 Shri Jitendra Lal Selection Grade Stenographer grade (C) of the CSSS cadre of Union Public Service Commission who has been working as Assistant Director (English Shorthand and Typewriting) on deputation basis in the Institute of Secretariat Training and Management, has been promoted to the post of Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) in the CSSS cadre of Union Public Service Commission with effect from 23-1-1984 (Forenoon) until further orders.

The 13th February 1985

No. A-32011/1/83-Admn. I.—The Chairman, UPSC is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period mentioned against their names under the powers vested in him vide Regulation 7 of UPSC (Staff Regulations) 1958.—

| S. No. | Name | Period of ad-hoc promotion |
|--------|-----------------------|---|
| 1. | Shri Mukul Chatterjee | 5-11-84 to 19-12-84
21-12-84 to 31-12-84 |
| 2. | Shri B.N. Arora | 15-10-84 to 28-11-84
30-11-84 to 31-12-84 |
| 3. | Shri I.P. Tuli | 15-10-84 to 28-11-84
30-11-84 to 31-12-84 |
| 4. | Shri K.L. Surl | 15-10-84 to 28-11-84 |
| 5. | Shri B.D. Sharma | 15-10-84 to 24-11-84 |
| 6. | Shri D.R. Madan | 13-8-84 to 26-9-84
15-10-84 to 23-11-84 |
| 7. | Shri Dhanish Chandra | 3-7-84 to 28-7-84
21-8-84 to 4-10-84
29-10-84 to 11-11-84 |

The 14th February 1985

No. A.32014/1/85-Admn III.—The President is pleased to appoint the following regular Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers in the CSS cadre of the Union Public Service Commission for the period indicated against each on ad-hoc basis or until further orders whichever is earlier:—

| S. No. | Name | Period of ad-hoc appointment |
|--------|------------------------|------------------------------|
| 1. | Shri S.D. Mall | 18-2-85 to 4-4-85 |
| 2. | Shri Manjit Kumar | 1-3-85 to 14-4-85 |
| 3. | Shri Amrit Lal | 1-3-85 to 14-4-85 |
| 4. | Shri S.P.S. Sagar (SC) | 1-3-85 to 14-4-85 |

The 15th February 1985

No. A.19014/4/84-Admn I.—Consequent upon his selection as a Probationer in the Indian Railway Traffic Service, Shri Surendra Kumar, Under Secretary has been relieved of his duties in the Commission's office with effect from 15-2-85 (AN).

The 21st February 1985

No. A-32013/1/85-Adm. I.—The President is pleased to appoint Smt. Jayalakshmi Balachandran, a permanent Section Officer of CSS Cadre of UPSC, included in the Select List for Grade I of CSS for the year 1983—No. 24 as Under Secretary in the Commission's Office on a regular basis with effect from 1-2-1985 (FN), until further orders subject to para 2 of Department of Personnel & ARs OM No. 4/14/83-CS(I) dated 4-1-84.

The 22nd February 1985

CORRIGENDUM

No. A.32014/1/85-Adm I.—In this office Notification No. A.32014/1/85(u)-Admn I dated the 21st January, 1985, the name of Smt. Saroj K. Kapoor and other entries relating to her against Sl. No. 3 may be deleted and Sl. No. 4 may be renumbered as 3.

The 26th February 1985

No. P.1142/Admn I.—The President is pleased to permit Shri B. S. Jagopota, permanent Grade I officer of the CSS and officiating as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission, to retire from Government service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

No. A. 19014/2/83-Admn. I.—The President is pleased to permit Shri M. L. Ray, a permanent Section Officer and officiating as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn)
Union Public Service Commission

New Delhi, the 18th February 1985

No. A.35014/1/84-Admn II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Karan Singh, Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Accounts Officer in the Commission's Office on ad-hoc basis for the period from 1-2-85 to 30-4-1985 or until further orders whichever is earlier.

The appointment of Shri Karan Singh as Accounts Officer will be on deputation terms and his pay will be regulated as per instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.1(11)-E.III(B)-75 dated 7-11-1975.

VIJAY BHALLA
Section Officer (Admn.II)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 5th March 1985

No. 1-20/82-CFSL/1593.—The President is pleased to extend the appointment of Shri N. K. Prasad, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Grade II), Chemistry Division, Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 19th January, 1985 (Forenoon) on ad-hoc basis for a further period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

New Delhi, the 11th March 1985

No. A-19015/1/78-AD-V.—Shri H. C. Pitro relinquished charge as Office Supdt./C.B.I., New Delhi with effect from the afternoon of 28th February, 1985 on superannuation.

No. A-19021/11/80-AD-V.—The services of Shri Tilak Kak, IPS (UP : 1971) Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation Special Police Establishment, Dehradun Branch on repatriation are placed at the disposal of Government of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of 26th February, 1985.

No. 3/6/85-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri L. D. Narwal, IPS (Haryana : 1972) as Superintendent of Police, on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1st March, 1985 and until further orders.

No. 3/18/85-AD-V.—Shri D. Mukherjee, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation is appointed to officiate as Office Superintendent in C.B.I. with effect from the forenoon of 1st March, 1985 and until further orders.

The 12th March 1985

No. A-19021/2/82-AD-V.—On attaining the age of superannuation, Shri R. P. Kapoor, Superintendent of Police, CIU (F), Central Bureau of Investigation, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
GBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 6th March 1985

No. D. I-30/83-Estt-I.—The services of Shri Sarjeet Singh, Dy. S.P. of 7th Bn., CRPF are placed at the disposal of Government of Assam on deputation basis with effect from 1-2-85 forenoon.

M. P. JAKHMOLA
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 4th March 1985

No. E-32015(3)/2/85-Pers.I.—President is pleased to appoint Shri P. S. Nandal, on promotion as Deputy Com-

mandant CISF Unit IG Mint, Hyderabad with effect from the forenoon of 14th February 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 26-3-85 or till such time regular appointments are made whichever is earlier..

A. K. SAXENA
Asstt. Inspector General (Pers.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF
THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF
INDIA

New Delhi-110002, the 11th March 1985

No. 559-CA.I/167-69.—On his attaining the age of superannuation Shri Roop Basant Sharma, Audit Officer (Commercial) working in O/O the Accountant General (Audit-II), Punjab, Chandigarh has retired from service with effect from 31-12-1984 (A.N.).

K. P. LAKSHMANA RAO
Asstt. Compt. & AR., Genl. (Comml.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
(ACCOUNTS) I BIHAR

Ranchi, the 5th March 1985

No. Admn-Promo-3414.—The Accountant General (A&E) I Bihar Ranchi has been pleased to promote Md. Nasimul Haque a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-1-85 (FN).

No. Admn-Promo-3125 Accountant General (A/cs) I Bihar Ranchi has been pleased to Promote Shri Satya Narayan Choudhury a substantive Section Officer of this office to officiate until further order as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-1-85 (F.N.).

No. Admn/Promo/3437.—The Accountant General (A/cs) I Bihar Ranchi has been pleased to promote Shri Mahendra Prasad Verma a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-1-1985 (F.N.).

P. SENGUPTA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
MAHARASHTRA

Bombay, the 15th December 1984

No. Admn.I/Genl./31-Vol.III/C-1(1)/420.—The Accountant General (A & E), Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers to officiate as Accounts Officers from the dates mentioned against their names until further orders.

1. Shri S. B. Chaubal—20-10-1984 F.N.
2. Shri S. S. Ranwadkar—5-11-1984 FN.
3. Shri P. L. Keswani—5-11-1984 F.N.

S. VISWANATHAN
Sr. Dy. Accountant Genl. (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 5th March 1985

No. 5691/A. Admn./130/82-84.—On attaining the age of superannuation Shri D. Srinivasan, Assistant Audit Officer, retired from service, with effect from 28-2-1985 (A.N.).

B. S. TYLE
Jt. Director of Audit, D.S.

MINISTRY OF COMMERCE
(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th February 1985

No. A-12025(i)/7/83-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from the 14th December, 1984 and until further orders Shri Narendrakumar Okhakhai Solanki, as Assistant Director Grade I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Panipat.

V. K. AGNIHOTRI
Additional Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 6th March 1985

No. A-19018(194)/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri A. Bandhopadhyay, Deputy Director (Electrical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi as Director (Gr. II) (Electrical) in the same office on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2-2-1985 for a period of five months.

No. A-19018/222/75-Admn.(G).—The President regrets to announce the death of Shri D. Ramachandra Rao, Dy. Director (Glass & Ceramics) Small Industries Service Institute, Bangalore on 19-1-1985.

No. A-19018(775)/85-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Ram Kumar, Small Industry Promotion Officer (EI) as Asstt. Director (Gr. II) (EI/PI) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Solan with effect from the forenoon of 1-2-1985 until further orders.

No. A-19018(776)/85-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Kamala Pandey, Small Industry Promotion Officer (EI) in Small Industry Development Organisation as Asstt. Director (Gr. II) (EI/PI) at Small Industries Service Institute Patna on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18-1-1985 until further orders.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(HANDICRAFTS)

New Delhi, the 28th February 1985

No. 58(176)/75-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri S. N. Sehgal, Deputy Director (Exhibition), in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) New Delhi, retired from Government service, with effect from the afternoon of 28th February, 1985.

SHIROMANI SHARMA
Development Commissioner for (Handicrafts)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 2nd March 1985

No. 1382B/A-32014(2-OS)/81/19B.—Shri R. S. Pankaj, S.T.A. (Survey), G.S.I. has been appointed on notional promotion to the post of officer surveyor in the same department by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9-9-83. Shri Pankaj has actually taken over charge of the post of Office Surveyor in GSI w.e.f. 15-11-84 (FN).

A. KUSHARI, Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 21st January 1985

No. A.19011(177)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M. K. A. Munaf, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from 2-1-1985 forenoon, for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion Committee/Union Public Service Commission, whichever is earlier.

The 4th March 1985

No. A-19011(239)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Alok Basu, officiating Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from 18-1-1985 afternoon, for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion Committee/Union Public Service Commission, whichever is earlier.

No. A-19011(186)/84-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. C. P. Singh, permanent Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from 25-1-1985 afternoon for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis through Departmental Promotion Committee/Union Public Service Commission, whichever is earlier.

P. P. WADHI, Adm. Officer
for Controller General Indian Bureau of
Mines.

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 8th February 1985

No. F.30-11/83-Estt./4634.—On attaining the age of superannuation, Shri S. C. Roy Chowdhury, Junior Administrative Officer, Zoological Survey of India, relinquished the charge of the post of Junior Administrative officer on 31-1-1985 (AN).

The 6th March 1985

No. F.9-2/Estt./4535.—Shri C. R. Saha, Office Superintendent is hereby appointed to the post of Junior Administrative Officer (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 16-2-85 (forenoon), until further order.

Dr. B. K. TIKADER,
Director

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 18th February 1985

No. 17/7/84-S IV (Pt).—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineers in ad-hoc capacity at different AIR Offices/Doordarshan from the date shown against each; till further orders:—

| S. No. | Name | Station/
Office | Date of
Joining |
|--------|-----------------------|--------------------|--------------------|
| 1. | Shri M. Jayanarayanan | AIR, Coimbatore | 12-12-84
(F.N.) |
| 2. | Shri S.K. Sharma | DDK, New Delhi | 1-1-85
(F.N.) |

J. D. BHATIA
Dy. Dir. of Admn.(E)
for Dir. Gen.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 28th February 1985

No. PA/76(2)/84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Smt. Yashodhara Yogesh, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre with effect from February 15, 1985 (FN) until further orders.

A. S. DIKSHI
Sr. Administrative Officer

Bombay-400 085, the 8th February 1985

No. PA/76(5)/84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Anthony Mascarenhas, Asstt. Accounts Officer in Directorate of Purchase and Stores to officiate as Accounts Officer-II in this Research Centre at Tarapur with effect from January 29, 1985 (FN) until further orders.

P. GOPALAN
Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 4th March 1985

No. DPS/2/1(3)/82-Adm./6622.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Adat Ramankutty Nair, a permanent Assistant Accountant in B.A.R.C. to officiate as an Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of February 18, 1985 until further orders.

P. GOPALAN
Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 4th March 1985

No. MAPP/3(1515)/84-Adm./P.11869.—The Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint Shri S. Venkataraman, a permanent Assistant Administrative Officer as Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the Madras Atomic Power Project in a temporary capacity with effect from the afternoon of February 4, 1985 until further orders.

B. A. S. PRASAD
Administrative Officer

NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 19th January 1985

No. PPED/3(253)/83.—Director (Engg.) Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri G. G. Kulkarni, a Permanent Sr. Stenographer of this Board as Assistant Personnel Officer in the same Board in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of December 6, 1984 until further orders.

No. NPB/3(235)/84-Estt.I.—Director (Engineering). Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri M. N. Lotlikar, Assistant of Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Personnel Officer in this Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of January 1, 1985 until further orders.

R. V. BAJPAI
General Administrative Officer
for Director (Engg.)

Bombay-5, the 11th February 1985

No. NPB/3(282)/85/Estt.I.—Consequent on his transfer from Bhabha Atomic Research Centre Complex, Tarapur, Shri K. P. Wadia, Accounts Officer-II has assumed the charge of the post of Accounts Officer-II in Nuclear Power Board, Bombay, with effect from the forenoon of January 31, 1985 until further orders.

R. S. TALPADE
Asstt. Personnel Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 26th February 1985

No. RRC/A 32023/1/85/R-3800.—In continuation of this Centre's Notification of even number (242) dated January 4, '85 Director, Reactor Research Centre has extended the period of officiating promotion of Shri Killikulangara Maman Velayudhan, a permanent Assistant Accountant of this Centre as Assistant Accounts Officer in the same Centre for the period from 1-2-85 to 28-2-85 or until further orders, whichever is earlier, in an officiating capacity on an ad-hoc basis.

KUM. S. GOPALAKRISHNAN
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-22, the 12th February 1985

No. VSSC/EST/A/85/156.—The Director, VSSC hereby appoints the following officials as Scientist/Engineer 'SB' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the dates shown against each and until further orders:—

| Sl. No. | Name | Div. | Date of
Appointment |
|---------|-------------------|------|------------------------|
| 1. | Shri A.V. Nirmal | CGD | 26-11-84 |
| 2. | Shri Baby Abraham | IPD | 22-10-84 |

G. MURALIDHARAN NAIR
Admn. Officer-II (EST)
for Dir. VSSC

ISRO SHAR CENTRE

PGA DIVISION

Nellore, the 25th February 1985

No. SCF - PGA-ESTT - III-1-72.—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Sci./Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:

| Sl. No. | Name | Designation | Date of appointment |
|---------|--------------------|------------------|---------------------|
| S/Shri | | | |
| 1. | S. Vijaya | Sci. Engineer-SB | 21-09-84 |
| 2. | V. Nagaraju | Sci. Engineer-SB | 12-11-84 |
| 3. | S. Jayalakshmi | Sci. Engineer-SB | 30-11-84 |
| 4. | Shiv Prasad Mishra | Sci. Engineer-SB | 07-12-84 |

L. RAJAGOPAL
Admp. Officer-II
for Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th March 1985

No. A.38013/1/84-EC(.).—Shri B. N. Bhattacharjee, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Station, Calcutta, in Civil Aviation Department relinquished charge of his office w.e.f. 31-12-1984 (A.N.) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

V. JAYACHANDRAN
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th March 1985

No. 1/91/85-EST.—The Director General, Overseas Communication Service, hereby appoints Shri V. Kothandaraman, Supervisor, Madras Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 9-12-83 to 7-1-84 (both days inclusive), against a short-term vacancy on ad-hoc basis, and as a local arrangement.

R. K. THAKKER
Dy. Director (Admin.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodara, the 1st March 1985

No. 1/1985.—Shri Y. B. Bedarkar, Administrative Officer of Central Excise and Customs, (Group-B') of Surat Dn. III, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 28-2-1985.

N. B. SONAVANE
Collector
Central Excise and Customs
Vadodara

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad-500 371, the 8th March 1985

No. P/GAZ/185/Acts.—Shri M. Jayakrishnan and Smt. Geeta Toopal, Officers of the Indian Railway Accounts Service

of this Railway are confirmed in Senior Scale of that Service with effect from 7-7-80 (Seventh July, Nineteen Hundred and Eighty) and 15-5-1983 (Fifteenth May, Nineteen Hundred and Eightythree), respectively.

C. M. MALIK
General Manager

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Aroor Industries Private Limited*

Cochin-682 011, the 1st March 1985

No. 69/Liq/560(5)/1662/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Aroor Industries Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. United Rubbers Private Limited*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 1695/Liq/560(5)/1731/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. United Rubbers Ltd. has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Associated Luxcu Chit Funds Private Limited*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2076/Liq/560(5)/1733/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Associated Luxmi Chit Funds Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Indian Trust Fund Private Limited*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 483/Liq/560(5)/1735/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Indian Trust Fund Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Suresh Chit Funds Private Limited*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2325/Liq/560(5)/1737/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Suresh Chit Funds Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. M. Peres and Company (Cochin) Private Limited*

No. 726/Liq/560(5)/1739/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. M. Peres and Company (Cochin) Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Trichur Fertiliser Distributors Private Limited*
Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2244/Liq/560(5)/1741/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Trichur Fertiliser Distributors Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sarvotham Kurles and Loans Private Limited*
Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 3399/Liq/560(5)/1743/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sarvotham Kurles and Loans Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Darsana Chit Finance and Trading Company
Private Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2445/Liq/560(3)/1745/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Darsana Chit Finance and Trading Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Hindustan Corporation (Travancore) (P) Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 430/Liq/560(3)/1748/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Hindustan Corporation (Travancore) Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Renowned Films Private Limited*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2074/Liq/560(3)/1751/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Renowned Films Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Industrial Lime and Allied Products Private Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2854/Liq/560(3)/1754/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Industrial Lime and Allied Products Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Trivandrum Carbides (P) Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 3149/Liq/560(3)/1757/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Trivandrum Carbides Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Malabar Vijaya Company Private Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 1552/Liq/560(3)/1760/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Malabar Vijaya Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Ajay Furnaces Private Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2569/Liq/560(3)/1784/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Ajay Furnaces Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Pan Travancore Industries Private Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 935/Liq/560(3)/1790/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Pan Travancore Industries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and in the matter of
M/s. George Harry Micro Bionics Private Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2709/Liq/560(3)/1795/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. George Harry Micro Bionics Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Always Chemicals (P) Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2552/Liq/560(3)/1816/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Always Chemicals Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. New India Produce Agencies Private Limited*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 1970/Liq/560(5)/1807/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies

Act, 1956, that the name of M/s. New India Produce Agencies Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Technical and Management Consultants Private Limited*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2798/Liq/560(5)/1809/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Technical and Management Consultants Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. S. Pitchu Iyer and Sons Private Limited*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 1034/Liq/560(5)/1811/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. S. Pitchu Iyer and Sons Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Najoma Graphics Private Limited*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2627/Liq/560(5)/1813/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Najoma Graphics Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Engineering Technical Industrial Promotional and
Managerial Undertakings (P) Ltd.*

Cochin-682 011, the 5th March 1985

No. 2651/Liq/560(3)/1819/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Engineering Technical Industrial Promotional and Managerial Undertakings (P) Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Registrar of Companies, Kerala

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
WEST BENGAL

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Eastern Concessions Private Limited*

Calcutta, the 4th March 1985

No. 9552/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Eastern Concessions Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Scientific Software Private Limited*

Calcutta, the 4th March 1985

No. 32375/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof 52—516GI/84

the name of the M/s. Scientific Software Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Alaknanda Engineers Private Limited*

Calcutta, the 4th March 1985

No. 30776/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Alaknanda Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Indian Clock Manufacturing Co. Limited*

Calcutta, the 4th March 1985

No. 10465/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Indian Clock Manufacturing Co. Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Paul Brothers (Umbrella) Private Limited*

Calcutta, the 4th March 1985

No. 22316/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Paul Brothers (Umbrella) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Janapadashree Private Limited*

Calcutta, the 4th March 1985

No. 16085/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Janapadashree Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Gossen & Co. (India) Private Limited*

Calcutta, the 4th March 1985

No. 17646/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gossen & Co. (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. BANERJEE
Asstt. Registrar Companies, West Bengal

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
TAMIL NADU

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Amaravathi Sri Venkatesa Finance Private Ltd*

Madras-600 006, the 4th March 1985

No. DN/9470/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Amaravathi Sri Venkatesa Finance Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies, Tamil Nadu

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
MAHARASHTRA

Bombay, the 5th March 1985

No. 13241/445(2)/Liqn.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Sanmiskas Private Limited, has been ordered to be wound up by an order dated 17-3-77 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies, Maharashtra

FORM I.T.N.S.

(1) Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Harcharan Singh Gurmukh Singh Chura
& Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10385/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th fl. Pooja Bldg. Mahul Rd. situated at Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th fl. Pooja Bldg. Mahul Rd., Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10385/83-84 dated 1-6-1985.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Kavita A. Ramchandani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10386/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th fl. Pooja Bldg., Mahul Road, Chembur, situated at Bombay-71. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th fl. Pooja Bldg. Mahul Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10386/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. K. N. Sannivasa Murthy,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. K. Vijay Shetty;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10138/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 39, 2nd fl. Prem Prakash C.H.S.L. Plot No. 5, 6 & 7 Laxmi Colony, Mahul Rd. Chembur, situated at Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 39, 2nd fl. Prem Prakash Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot Nos. 5, 6 & 7 Laxmi Colony, Mahul Rd. Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10138/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Supreme Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Nutan K. Chheda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10055/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 4, Plot No. 4, CST No. 278, Wadhavli Village, Chembur Colony situated at Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Plot No. 4, CST No. 278, Wadhavli Village, Chembur Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10055/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-2-1985
Seal:

FORM LT.N.S.

(1) M/s. Parekh Bros.

(Transferor)

(2) Miss Gulab Sureshbhai Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10021/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 9, Ground fl. Waman Apartment, Bldg. on Plot CTS No. 642, 642/1 to 35, Jg. of V.N. Purav Nagar situated at Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Gr. Fl. Waman Apartment, Bldg. On plot No. 642, 642/1 to 35 J/O V.N. Purav Marg, Ghatla Village Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10021/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Satish Gajanan Chitale,

(Transferor)

(2) Mr. Pundalik Krishna Nakhre.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10043/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C1/10 of Hari Ratan Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Goregaon (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Right interest and title in Flat No. C1/10 of Hari Ratan Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III/37EE/10043/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Rajaram Kabra son of Niwar Kabra. (Transferor)

(2) Ganesh Narayan Ajmera & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10137/84-85.—Whereas, I
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269 B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and
bearing No. Flat No. C/33, 1st fl. Mangal Karini
C.H.S. Ltd. 17, Siddharth Nagar Rd. Goregaon (W),
Bombay-62
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C/33, Mangal Karini C.H.S. Ltd. 1st fl. 17,
Siddharth Nagar Rd. Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide No. AR.III/37EE/10137/83-84
dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

53—516GI/84

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Hasmukh Pravin Sheth & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra N. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10008/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 201, Plot No. 301, Devkrupa Bldg. Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Plot No. 301, Devkrupa Bldg. Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10008/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

(1) V. B. Mankodi.

(Transferor)

(2) Jagdish S. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10501/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—bearing No. Flat No. B-1/4, Mahesh Nagar, S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-62, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-1/4, Mahesh Nagar, S. V. Rd, Goregaon (W), Bombay-62

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/10501/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10182/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Gala No. 31 2nd fl. Parvasi Indl. Estate, Off. Aarey Road, Dindoshi Village, Goregaon (E), Bombay-63, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) H. J. Patel U.J. Patel & Ors. (Transferor)
(2) Anil L. Shah & Ors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 31, 2nd fl. Parvasi Indl. Estate, Dindoshi Village, Off. Aarey Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10182/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh P N Brahmwar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr Bapna Chain Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No AR III/37EE/10171/84-85—Whereas, I, A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No 6, 1st fl Goregaon Sahyadri C H S Ltd, Aarey Rd Goregaon (E), Bombay 63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 6, 1st fl Goregaon Sahyadri C H S Ltd Aarey Road Goregaon (E), Bombay-63

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR III/37EE/10171/83/84 dated 1-6-1984

A LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated 12-2-1985
Seal .

FORM ITNS

(1) N.C.A. Harris.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rekha B. Kapadia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10637/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 80-1/21, Jai Vijayshree Co-op. Hsg. Soc. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 80-1/21, Jai Vijayshree Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10637/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs Kaushalya W Kumar and Ors (Transferor)
 (2) M/s Sandeep Consts (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No AR III 37EE/10165/84 85 —Whereas I, A LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing Plot No 42, CTS No 931 Ghatkopar Mahul Rd Chembur Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 16 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Plot No 42, CTS No 931, Ghatkopar Mahul Rd Chembur, Bombay 71

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR III/37EE/10165/83 84 dated 16 1984

A LAHIRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Dated 12-2 1985
 Seal

FORM ITNS

(1) Smt. Bhagwati Jayantilal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayantilal Manilal Mehta & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10574/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Shed No. 56, Second fl at Sidhpura Indl. Estate Ghodbunder Rd. Goregaon (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shed No. 56, second fl. at Sidhpura Indl. Estate, Ghodbunder Rd. Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10574/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-2-1985.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh Gyan Jethanand Lulla,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Girdhar L. Thakur & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10450/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, Bldg. No. 8, Mahatma Gandhi Nagar R.C. Marg, Bombay-74 Chembur, situated at Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, Bldg. No. 8, M.G. Nagar, R.C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10450/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
54—516GI/84

Dated : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kanta S. Chawla,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pramod J. Gokani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10478/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, Building No. 25-C, M. G. Nagar, Chembur Colony, Bombay-74, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Bldg. No. 25-C, M. G. Nagar, Chembur colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10478/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 11-2-1985,
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) N. K. Khandelwal Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10278/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Indl. Gala No. 27, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 27, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10278/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 11-2-1985,
Sd/

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM ITNS—

(1) M/s B. Parikh & Co.

(Transferor)

(2) M/s Polymer Processors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10002/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. B-312, Virwani Indl. Estate, Western Express Highway,
3rd fl. Goregaon (E), Bombay-62,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-6-1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
that Chapter.

THE SCHEDULE

B-312, Virwani Indl. Estate, Western Express Highway 3rd
fl., Goregaon (E), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10002/83-
84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri B. S. Venkatachar.

(Transferor)

(2) M. Venugopalan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10645/84-85.—Whereas, 1,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 20, Kalash Building Plot No. 83, Road No. 1,
Postam Nagar, Chembur, Bombay-89.(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, Kalash Building Plot No. 83, Pestamagar,
Chembur, Bombay-89The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EF/10645, 83-
84 dated 1-6-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Niramalabai Parmanand.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmanibai K. Panjabi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10641/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 9, Bldg. No. 2-B, Nityanand Baug, Co-op. Hsg.
Soc. Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Bldg. No. 2-B, Nityanand Baug Co-op. Hsg.
Soc. Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10641/83-
84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Sartaj Singh Thukral and
(2) Smt. Rajwan Thukral.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Manohar Singh J. Arora & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10297/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 601, Pooja Building Mahul Rd., Chembur, Bombay-
71,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-6-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more tha
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Pooja Building Mahul Road, Chembur,
Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10297/83-
84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date : 11-2-1985,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Conwood Const. Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radhika Devi R. Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37FE/10425/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. G-13, Village Dindoshi/Chincholi, in Gokuldham Borivli Taluka, Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 4/13, Village Dindoshi/Chincholi, Borivli Taluka in Gokuldham at Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10425/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) Rev. Father Philomeno D' Cruz,

(Transferor)

(2) Mrs. Libania Rosa De-Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10484/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. A-104, 1st floor, Kumud Nagar, A-Block Goregaon (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. A-104, Kumud Nagar, A-Block, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10484/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
55-416GI84

Date : 11-2-1985.

Seal :

FORM ITNS

(1) Farlah Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rohinton Nariman Wadiwalla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10131/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gala No. 113, first floor, Indl. Estate Bldg. Plot No. 7, Udyognagar, Off. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957, 27 of 1957)

Gala No. 113, first floor, Indl. Estate, Bldg., Plot No. 7, Udyognagar, Off. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37FF 10131 83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sam Fashionwear Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Everlite Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 135, first fl., Kohinoor Indl. Estate, Off. Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10503/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

(1) Shri H. N. Vyas.

(Transferor)

(2) Smt. Sangita Mohan Kamat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice, in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EF/10592/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
Flat No. 10/77, Bldg. No. 10, Goregaon Navjyoti Co-op
Hsg. Sct. Ltd., Uunut Nagar Park-2, M. G. Road, Goregaon
(W), Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-6-1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10/77, Bldg. No. 10, Goregaon Navjyoti Co-op.
Hsg. Sct. Ltd., Uunut Nagar Park-2, M. G. Road, Goregaon
(W), Bombay.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10592/83-
84 dated 1-6-1984.A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 11-2-1985.
Sd/-

FORM ITNS

(1) N. R. Jagganathan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hemalata R. Iyer.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10529/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, Poornima, Plot No. 47, Swastik Park, Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, Poornima, Plot No. 47, Swastik Park, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10529/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1985.

Seal :

FORM ITNS

(1) P. H. Nenssey Land Development Corpn.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Bhagwanji Nandy.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/10407/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 35, 3rd floor Unit No. 5, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 35, 3rd floor Unit No. 5, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10407/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) R. K. Decorators.

(Transferor)

(2) M/s. J. J. S. Carriers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III/37EE/10708/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 4, 1st floor Neelkanth Commercial Complex, Chembur Govandi Road, Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 4, 1st floor Neelkanth Commercial Complex Chembur Govandi Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10708/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Usha Sundareshwaran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Padma Rupchand Kiplani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37FE/10591/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Flat No. 6, 1st floor, Chembur, Madhuban C.H.E.D-6 Sion
Trombay Road, Chembur, Bombay-71,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-6-1984,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Chembur Madhuban Co-op. Hsg. Socy. Ltd., D-6, Sion, Trombay Road, Chembur, Atur Park, Bom-
bay-71.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37FF/10591/83-
84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shankerlal Somabhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Kamabhai G. Patel and
B. V. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10773/84-85 —Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingGala No. 41, Kiran Inld. Estate, 1st floor Mahatma Gandhi
Road, Goregaon (W), Bombay-62.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984.

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Gala No. 41, Kiran Inld. Estate, 1st floor Mahatma Gandhi
Road, Goregaon (W), Bombay-62.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10773/83-
84 dated 1-6-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

56—516GI/84

Date : 11-2-1985.

Seal .

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10602/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 603, 9th floor Bldg. A, Bagnari C.H.S.L. Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984. for an apartment consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Naresh Doulatram Kamra. (Transferor)
(2) Mr. Ashok R. Tarasinghani and Mrs. Monica A. Tarasinghani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 9th floor, Bldg. A, Bagnari Co-op. Hsg. Socy Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10602/83-84 dated 1-6-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shahnawaz Mohd. Ali Virani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);Flat No. 103, 1st floor, Building No. 15, Kapadia Nagar,
Kurla, Bombay-70.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10113/84-
85 dated 4-6-1984.A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shameem Ismaial Khot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10115/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 3, Gr. F. Bulding No. 17, Kapadia Nagar, CTS
Kurla, Bombay-70.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-6-1984.for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons.
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. F. Bulding No. 17, Kapadia Nagar, CTS
Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10115/84-
85 dated 4-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 12-2-1985,
Seal :

FORM ITNS

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shaikh Mohammed Shafique.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10016/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 403, 4th fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla West, Bombay-70 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 403, 4th-fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10116/84-85 dated 4-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10134/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 003, Gr. Fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, CST Rd.
Kurla, Bombay-70(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 5-6-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Hayatbi Kadar Momin and
Kasam Karim Momin,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 003, Gr. Fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, CST
Kurla Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10134/84-
85 dated 5-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) M/s. Deepak Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kazi Abdul Halim Hassan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR/III/37EE/10584/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
Plot No. 404, 4th floor Bldg. No. 16, Kapadnagar, CST
Road, Kurla (W), Bombay-70
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 23-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor Bldg. No. 16, Kapadnagar, CST
Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR/III/37EE/10584/84-85
dated 23-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parul Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri Ramdas Baburao Kanade.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10555/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2, Gr. floor, Wing B, 2, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. floor B-Wing Bldg. No. 2, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10555/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Udayraj K. Dubey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/10339/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 2, Gr. floor 'C' Wing Bldg. No. 2, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. floor C-Wing, Bldg. No. 2, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10339/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
57—516GI/84

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10017/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 001, Gr. floor Bldg. No. 17, Kapadia Nagar, C.T.S. Road, Kurla (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) Dawood Daryakhan Dalvi and
Mrs. K. D. Dalvi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. floor Bldg No. 17, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10117/84-85 dated 4-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Acquisition Range-III, Bombay
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Anand Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10032/84-85.—Whereas 1,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 105, 1st fl. Plot G, Chhotalal Villa, Amratnagar, Ghatkopar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, Chhotalal Villa, 1st floor, Plot G, Amratnagar, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10032/84-85 dt. 16-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Zohrabi A. Mulla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR, III/37-EE/10132/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 22, Gr. Fl. Plot C, Bharati Bldg., Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Bharati Bldg., Gr. Fl. Plot C, Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III/37-EE/10132/84-85 dt. 5-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985
Seal

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10164/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 25, Gr. Fl. Plot C, Bharati Bldg. Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 7-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Nigar Sultana
Abdul Kayan Patwekar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, Bharati Bldg., Gr. Fl., Plot C, Amrutnagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10164/84-85 dt. 7-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR, III/37-EE/10133/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 4, Gr. Fl. Bldg. No. 17, Kapadia Nagar CTS Road, Kurla, Bombay-70. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Zainul Abedina
Moinuddin Khot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Gr. Fl. Bldg. No. 17, Kapadia Nagar, CTS Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III/37-EE/100133/84-85 dt. 5-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaikh Abdul Bari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10583/84-85.—Whereas I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 002, Gr. Fl. Bldg. No. 7, Kapadianagar Kurla
(W), Bombay-70.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at Bombay
on 23-6-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 002, Gr. Fl. Bldg. No. 7, Kapadianagar, Kurla
(W), Bombay-70.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10583/
84-85 dt. 23-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date: 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Rao & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lancy Anthony Fernaez.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10488/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, 2nd Fl. D-Wing, Gajanan Niwas, Vakola Village, Road Santacruz (E), Bombay-55.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd Fl. D-Wing, Gajanan Niwas, Vakola Village Road Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10488/84-85 dt. 22-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Rao & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Geeta Kapoor &
Mr. Suresh Kapoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EF/10610/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4, Gr. Fl. D Wing, Behind Gajanan Niwas, Kadamwadi, Vakola Village Road, Santacruz (E), Bombay-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, Gr. Fl. D-Wing, Gajanan Niwas, behind existing Gajanan Niwas, Kadamwadi, Vakola Village Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EF/10610/84-85 dt. 25-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
58—516GI/84

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Rao & Associates.

(Transferor)

(2) Joaquim D'Souza &
Irm D'Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. III/37-EE/10612/84-85.—Whereas I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269 B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
Flat No. 1, 5th Fl. D-Wing, Gajanan Niwas, Kadamwadi
Behind Old Bldg., Vakola Village, Road Santacruz (E),
Bombay-55.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 25-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to, between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th Fl. D-Wing, Gajanan Niwas, Kadamwadi
Behind Old Bldg., Vakola Village, Road Santacruz (E),
Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10612/
84-85 dt. 25-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-1 L/10236/84-85.--Whereas I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Flat No. 9 on Ground floor, Shree Krupa, Plot No. 159,
Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay 400 077,
situated at Ghatkopar, Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

(1) Smt. Radha Veeramani.

(Transferor)

(2) Shri Nayan Chunilal Vora.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, on Ground floor, Shree Krupa, Plot No. 159,
Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay 400 077.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10236/
84-85 dt. 8-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1985
Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Ratna H. Panjabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veena G. Bheda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-LE/10343/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Basement No. 5, Pankaj C.H.S.L. Near Vakola Bridge Santacruz (E), Bombay-55.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 5, Pankaj C.H.S.L. Near Vakola Bridge Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10343/84-85 dt 15-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Razal Gomes & Ors.

(Transferor)

(2) Milind Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10769/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parcel of land, Kale Kalyan, Chalta No. 242, Survey No. 6166 of Kalina Gauthan, Kalina Gauthan, Santacruz (E), Bombay-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land Kale Kalyan, Chalta No. 242, Survey No. 6166 of Kalina Gauthan, Santacruz (E), Bombay-29.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10769/83-84 dated 29-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37-EE/10235/84-85 - Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 1, Usha Sadan C.H.S.L. Plot No. 135, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raju Rajana.

(Transferor)

(2) M/s. Mehta Vinodrai Shantilal & Ois.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 1, Usha Sadan C.H.S.L. Plot No. 135, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/10235/84-85 dt. 9-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10197/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, Bldg. No. 13, Gr. Fl. Vinobha Bhawe Nagar, M.I.G. Colony, Kurla (W), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. S. Salvi.

(Transferor)

(2) Rt. Rev. Dr. Samuel I. Bishop.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bldg. No. 13, Gr. Fl. Vinobha Bhawe Nagar, M.I.G. Colony, Kurla (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. IV/37-EE/10197/84-85 dt. 11-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. K. Nair,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kene Frieda Pereira

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARII/37EE/10380/84-85—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. E-13, Silver Valley Bldg. No. 2, Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Bulsroyee Colony Rd. Vakola, Santacruz (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No E-13, Silver Valley Building No. 2, C.H.S.I., Bulsroyee Colony Rd., Vakola Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No ARII/37EE/10380/84-85 dt 16-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Premji V. Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Medico Distributors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR/II/37-EE/10050/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 13, Jaylaxmi Shopping Centre, M. G. Road, Ghatkopar, Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
59—516GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, Jaylaxmi Shopping Centre, M. G. Rd., Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR/II/37-EE/10050/84-85 dt. 2-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dattaram G. Naik.

(Transferor)

(2) Shri B. B. Vora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/10748/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 15, Jagdusha Anjali C.H.S.J., Jagdusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Jagdusha Anjali Co-op. Hsg. Sct. Jagdusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR-III/37-EE/10748/84-85 dt. 29-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. D. Patel.

(Transferor)

(2) Smt. N. A. Kazi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37-EE/10560/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2, 5th fl. B-Wing. Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (E), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2, 5th fl. B-Wing. Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (E), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIII/37-EE/10560/84-85 dt. 23-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM IINS-----

(1) Smt. Bhavna P. Khara.

(Transferor)

(2) Smt. M. C. Parikh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR/III/37-EE/10194/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, 5th fl. Bldg. No. 6-C, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th fl. Bldg. No. 6-C, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR/III/37-EP/10194/84-85 dt. 11-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985,
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Mrs. Zubedabai Gulam Mohd. Patka. (Transferor)
 (2) Allauddin A. Quddus Shaikh. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR111/37-EE/10119/84-85.—Whereas I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 205, 2nd fl. Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, S.T.S.
Rd. Kurla (W), Bombay-70
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 4-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd fl. Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, CST
Rd, Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide Serial No. AR111/37-EE/10119/84-
85 dt. 4-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Master Sumer Sharma.

(Transferor)

(2) Shri H. R. Shah &
Smt. H. H. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37-EE/10247/84-85.—Whereas I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Flat No. 2, 9th fl., Bldg. No. 3-C, Damodar Park, L.B.S.
Marg, Ghatkopar, Bombay-86,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 11-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 9th fl. Bldg. No. 3-C, Damodar Park, L.B.S.
Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide Serial No. ARIII/37-EE/10247/84-
85 dt. 11-6-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. N. Palekar,

(Transferor)

(2) Smt. Vinod Thukral & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37-EE/10728/84-85.—Whereas I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B-14, Himalaya Parvat Co-op. Hsg. Sct. Ltd. P.O. Barve Nagar, Ghatkopar, Bombay-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-14, Himalaya Parvatiya Co-op. Hsg. Sct. Ltd., P.O. Barve Nagar, Ghatkopar, Bombay-84.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIII/37-EE/10728/84-85 dt. 27-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-2-1985,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Kumari Meena R. Gosar.

(Transferor)

(2) Smt. D. J. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. ARIII/37-EE/10770/84-85.—Whereas I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 66, 4th fl. Pankaj B, Agra Rd, L.B.S. Marg, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 66, 4th fl. Pankaj B, Agra Road, L.B.S. Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. ARIII/37-EE/10770/84-85 dt. 29-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) Suresh Mohanlal Soni

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Puluram Yadav.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(b) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette, or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later ;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
are defined in the Chapter XXA of the
said Act, shall have been the same meaning
as given in that Chapter.Ref. No. AR.III/37-EE/10003/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingShop No. 3, Gr. Fl. Bldg. 'Nupur', Plot No. 185, Garodia
Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-6-1984for an apparent consideration which is less than the fair-
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Fl. 'Nupur' Bldg., Plot No. 185, Garodia
Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide Serial No. AR.III/37-EE/10003/84-
85 dated 1-6-1984.A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
60—516GI/84Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Rev. Sr. Asuntha & Ors.

(Transferor)

(2) Kalidas Waman Usapkar & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-FE/10292/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land at Village Kole Kalvan, CTS Nos. 5864 to 5869 and 4871, Santacruz (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Village Kole Kalyan CTS Nos. 5864 to 5869 and 5871 along with structures, Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III/37-FE/10292/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s. Anil Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Radhakrishna M. Adappa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10543.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingFlat No. 14, Neeta Apartment, Plot No. 21, 4th floor, 'D'
Colony Road, Behind Vasoda Niwas, Rajawadi, Vidhya-
vihar (E), Bombay-400 075(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered
under section 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 22-6-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Neeta Apartment, Plot No. 21, 4th floor,
'D' Colony Road, Behind Vasoda Niwas, Rajawadi, Vidhya-
vihar (E), Bombay-400 074.

Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/10543/84-85
on 22-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. S.M.P. Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. PRA Instalations.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10716/84-85.—Whereas I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 303, 3rd floor Hill View Indl. Estate situated at L.B.S. Marg, Chatkopar, West, Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XAX of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 303, 3rd floor Hill View Indl. Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10716/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Behmida Usman Shaifi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10556/84-85.—Whereas, I,
A. LAHRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingShop No. 9, Wing B Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S.
Marg, situated at Ghatkopar (W), Bombay-86,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-6-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Wing B Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S.
Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10556/84-85
dated 1-6-1984.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Concord Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri Y. C. Sathe.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANTCOMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10487/84-85.—Whereas I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Piece or Parcel of land S. No. 424, Hissa No. 21, CTS
No. 832, Vakola Village, Santacruz, Bombay-55.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property—
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
whichever period expires later;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XAX of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land survey No. 424, Hissa No. 23, CTS
No. 832, Vakola Village, Opp. Canara Bank, Vakola, Main
Road, Santacruz, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10487/83-84
dated 1-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 12-2-1985.
Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Matangatham Kalvanikrishnan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asdhir Naiya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10486/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-
vable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 8, 1st floor Parash Bhavan, C.H.S.I. Sainathnagar,
L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay-86,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority,
Bombay on 22-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transferred with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor Parash Bhavan Co-operative Housing
Society Ltd, Sainath Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar West,
Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10486/84-85
dated 22-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Rama Rugunath and
Shri G. Rugunath,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. S. Venkataraman,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37IE/10242/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 12, 1st floor Vishal Apartment, Plot No. 108, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor Vishal Apartment, Plot No. 108, Garodianagar, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FF/10242/83-84 dated 8-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri L. K. Lala &

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Tulsio K. Lala,
(2) Parul Enterprise.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10557/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, 7th floor C-Wing, Building No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg Ghatkopar (W), Bombay-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
61—516 GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :—

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 7th floor C-Wing, Building No. 3 Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10557/84-85 dated 23-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri T. S. Venkataraman,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Smt. Radha Veeramani and
Shri Narayan Veeramani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10493/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-
ble property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 9, Ground floor Dwarka Dham, Plot No. 133,
Garodianagar, Ghatkopar (E), Bombay-77
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the
Office of the Competent Authority at
Bombay on 22-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Ground floor Dwarka Dham Building Plot No.
133, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10493/84-85
dated 22-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Gayathri R. Nayak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parul Enterprise.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10340/84-85.—Whereas, I
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, 4th floor Wing C, Building No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor Wing C, Building No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10340/84-85 dated 15-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Bhagwanti D. Makhijani
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jayen N. Shah
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10558/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, 11th fl. Bldg. No. 3/D, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 11th fl. Bldg. No. 3/D, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/10558/84-85 dt. 23-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Shree Ganesh Const. Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Biseswari Dewali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10092/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 2, and 3 Hill view Apts. Super Builtup Himalaya Parvatiya C.H.S. Ltd. Netaji Palkar Marg, Asalpe, Ghatkopar situated at Bombay-84, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2, and 3 Hill view Apts. Super Builtup Himalaya Parvatiya C.H.S. Ltd. Netaji Palkar Marg, Asalpe, Ghatkopar, Bombay-84.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10092/84-85 dt. 2-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Munir Mohsin Bachooali.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Choudhary

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10381/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceedingRs. 25,000/- and bearing No.
Unit No. 2, Gr. fl. Anoto Indl. Estate, Nityanand Nagar,
L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 16-6-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2, Gr. fl. Anoto Indl. Estate, Nityanand Nagar,
L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10381/84-
85 dt. 16-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) M. T. Mirchandani (Transferor)
 (2) Baljising Chochar & Others (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10559/84 85.—Whereas, I,
 A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 3, 9th fl. Bldg. 3/C, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), situated at Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

56—506GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 9th fl. Bldg. 3/C, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10559/84-85 dt. 23-6-1984.

A. LAHIRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range-III,
 Bombay

Date : 12-2-1985
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10741/84-85.—Whereas, I, A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 4, Shri Dwarka Dham, Plot No. 133, Garodia Nagar, Ghatkopar (East) situated at Bombay-77, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri A. J. Bhatia
(Transferor)

(2) Shri P. H. Sampat &
Smt. R. D. Sampat
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, Shri Dwarka Dham, Plot No. 133, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10741/84-85 dt. 29-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. V. Shenoy

(Transferor)

(2) Smt. P. D. Mathia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10013/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 25, 6th fl. Raju Mansion, Vallabh Baug Lane, Ghatkopar (E), situated at Bombay-75, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
62—516 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 6th fl. Raju Mansion, Vallabh Baug Lane, Ghatkopar (E), Bombay-75.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10013/84-85 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITMS—

(1) M/s Ajay Builders

(Transferor)

(2) M/s. Steel Authority of India Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10163/84 85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, 1st fl. Rushabh Aashish, Plot No. 74, D. P. Road, Mulund (W), situated at Bombay-81, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st fl. Rushabh Aashish, Plot No. 74, D. P. Road, Mulund (W), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10163/84-85 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985,
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Patel Banaji Karmshi & Co.

(Transferor)

(2) Jayram M. Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. AR III/37FE/10564,84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
Flat No. 3, Gr. Fl. Indraprastha Plot No. 1, Survey No.
94, H. No. 1, (P), CTS No. 107 part, Mithagar Road,
Mulund(E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement
is registered under Section 269AB of the Income-tax Act,
1961, in the office of the Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating or other assets which have not been or
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. Fl. Indraprastha Plot No. 1, Survey No.
94, H. No. 1, (P), CTS No. 107 part, Mithagar Road,
Mulund(E), BombayThe agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/10564/84-
85 dt 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Rita A. Desai

(Transferor)

(2) Prabha Tiwari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10720/84 85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 46, Falguni, Ladiwalla Colony, Balarajesar Road,
Mulund(W), Bombay-80.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46, Falguni, Ladiwalla Colony, Balarajesar Road,
Mulund(W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10720/83-
84 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. S. N. Builders

(Transferor)

(2) Smt. V. A. Rane

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10251/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-303, Sotabh Apartments Survey No. 44, part, Off : P. K. Rd. Nahur, Mulund (W), Bombay-80, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-303, Sotabh Apartments Survey No. 44, part, Off : P. K. Road Nahur, Mulund (W), Bombay-80.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10251/83-84 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Modern Builders

(Transferor)

(2) Shri N. C. Show

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10453/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7, Plot No. 48, Kanjur Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Bhandup(F), Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, Flat No. 7, Kanjur Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Bhandup(F), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10453/83-84 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri P. N. Subramanian,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. J. Soni

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37FF/10593/84 85 —Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 4, Gr. floor Mulund Raj Mayor CHS Ltd S. L. Road, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 4, Ground floor Mulund Raj Mayor Co-op. Hsg. Society Ltd S. L. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10593/84-85 dt. 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bhagyavanti Achaldas Palesa.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Balkrishnan
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37FE/10516/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 304, 3rd fl Sushila Apartment, S. N. Rd., Tambe Nagar, Mulund (W), Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor Sushila Apartments, S. N. Rd., Tambe Nagar, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FE/10516/84-85 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vasundhara R. Fari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pratibha P. Mumbarkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EE/10288/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 5, Gr. Fl. Shri Sadan Kunj Co-op. Hsg. Sct. Ltd.
90 Ft. Road, Navghar Rd. Mulund (W), Bombay-81
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Gr. Fl. Shri Sadan Kunj Co-op. Hsg. Sct. Ltd.
90 Ft. Road, Navghar Rd. Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide Serial No AR-III/37EE/10288/83-
84 dt. 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—
63—516 GI/84

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Hiranandani Indl Estate

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok T. Chandnani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/10156/84-85. --Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No 139, 1st fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 139, 1st floor Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR.III/37EE/10156/83-84 dt. 1-6-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Hansraj K. Haria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Yaspal K. Kalra,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10166/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gala No. 25, Meghal Service Indl. Estate, D. D. Road, Mulund (W), Bombay-80,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 25, Meghal Service Indl. Estate, D. D. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10166/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Antony Saldanha,

(Transferor)

(2) Shri V. R. Haridas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10277/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-1, Hit Niketan Kokan Nagar, J. M. Road, Bhandup (W), Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-1, Hit Niketan Cocna Nagar, J. S. Rd. Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10227/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Hiranandani Indl. Enterprises,

(Transferor)

(2) Suresh Tikamdas Mulchandani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-FC/10540/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Unit No. 27, 1st fl. Hiranandani Indl. Estate Kanjur Marg, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 27, 1st fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10540/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Bharat M. Parwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gajraben L. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10727/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Flat No. 404, 4th fl. Sushila Apartment, Tamba Nagar, S
N. Rd. Mulund (W), Bombay-80.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Flat No. 404, 4th fl. Sushila Apartment, Tamba Nagar,
Sarojini Naidu Rd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10727/83-
84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Narottamdas Prabhulal Ganatra & Ors.
(Transferor)(2) Shri Rameschandra S. Modi & Ors.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10353/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Plot No. B-4, 1st fl. Maheshwari Apartment, Jattashankar Dosa Rd. Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-4, 1st fl. Maheshwari Apartment, Jattashankar Dosa Rd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10353/83-84 date 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.— —

(1) P. N. Kothari

(Transferor)

(2) Spacetech Equipment & Structural Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10135/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 213, 2nd floor P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (P), CTS No. 288, Agra Rd. Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 213, 2nd fl. P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (P), CTS No. 288, Agra Rd. Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10135/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Patel Bhanji Kaamshi & Co.

(Transferor)

(2) Shri Prakash M. Kuntak

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Re.. No. AR.III/37-FE/10563/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 7, 2nd fl. Indraprastha, S. No. 94. H. No. 1 (P) CTS No. 1071 (P) Mithagari Rd. Mulund East, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, 2nd fl. Indraprastha, P. No. 1, S. No. 94 H. No. 1 part CTS No. 107 (p), Mithagari Rd. Mulund (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10563083-84 dated 1-6-1984

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

64—516GI/84

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Metacans.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-FJL/10233/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 1, Gr. Fl. "Gobind Udyog Bhavan, Balarajeshwar Rd. Mulund (W), Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, Gr. fl. Gobind Udyog Bhavan Balarajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EF/10233/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Glow Packaging Industries.

(Transferor)

(2) Telcon Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EL/10153/84-85.—Whereas, I,

A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No 24, K. K. Gupta Indl. Estate, Mulund, Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 24, K. K. Gupta Indl. Estate, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/371EE/1015/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mukand Iron Staff Association Co. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferor)(2) Smt. Anasuya Ramnath Sonde & Ors.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10550/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Block No. 16, Bldg. No. 16, Plot No. 4, S. No. 55 and 56,
CTS No. 2070208, Mulund (E), Bombay-81,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 6, Bldg. No. 16, Plot No. 4, S. No. 55 and 56,
CTS No. 2070208, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10550/83-
84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S. N. Builders.

(Transferor)

(2) Shri A. D. Rane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR./37-EE/10438 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-202, Sorabh Apartment B, Off. P. K. Rd. Nabus Village, Mulund, Bombay-80. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-202, Sorabh Apartments-B, Off. P. K. Rd. Nabus Village, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10438/83-84 dated 1-6-84.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. S N Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajnikant B. Rege.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10250. —Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A/2, Surabh Apartments, Survey No. 44 Off. P.K. Rd. Nahur, Mulund (W), Bombay-80, (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/2, Surabh Apartments, Survey No. 44, Off :
P. K. Road, Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10250/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. S. N. Builders.

(Transferor)

(2) Shri M. G. Mishra,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10291/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Flat No. A-102, Surabh Apartment, Survey No. 44, "Asha"
Off : P. K. Rd., Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
which ought to be disclosed by the transferee for
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-102, Surabh Apartments, Survey No. 44,
"Asha", Off : P. K. Road, Nahur, Mulund (W), Bombay-
80.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay serial No. AR.III/37-EE/10291/83-84
dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date 12-2 1985
Seal .

FORM ITNS

(1) P. N. Kothari.

(Transferor)

(2) M/s. Newetch Energy Engineers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10329/84-85 —Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Unit No. 212, 2nd floor P. N. Kothari Estate, S. No. 200 Part, CTS No. 288, Agra Rd. Bhandup, Bombay-78. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 212, 2nd fl. P. N. Kothari state, Survey No. 200 (p), CTS No. 288, Agra Rd. Bhandup, Bhandup-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10329/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Pahajsing Hassasing Baja, (Transferor)
 (2) Shri Devendra Prabhudayal Mangla (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR.III/37-EE/10567/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 15, 'B' Wing Atlanta, Plot No. 38, at Village Valnia, Malad-Marve Rd. Malad, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, B-Wing of Atlanta, Plot No. 38, Village Valnia, Malad-Marve Road, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10567/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

65—516GI/84

Date : 12-2-1985
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Manali Corpn.

(Transferor)

(2) Mr. Sayed Shahid Hussain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10547/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 1, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50 at Valnai Village, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10547/83-84 dated 1-6-84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. M. S. Brothers.

(Transferor)

(2) Shri N. R. Pawaskar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10551/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises bearing CTS No. 515-A 128, Municipal Asstt. S. No. P-3925-52, Turen Pakhadi House, Malad Tural Pakhadi, Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises bearing CTS No. 515-A, 128, Municipal Asstts. No. P-3925-52, Turen Pakhadi House, Malad Tural Pakhadi, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10551/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Mahinder Kaur Batra.

(Transferor)

(2) Mrs. V. V. Veghasia & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37-EE/10569/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-5/3, Emceco C-H. S. Ltd. Sunder Nagar Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-5/3, Emceco C. H. S. Ltd. Sunder Nagar, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10569/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10692/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301 Chandraraj Apartment, Chincholi Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Chandraraj Builders.

(Transferor)

(2) Shri Ravjibhai K. Patel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 Chandraraj Apartment, Chincholi Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10692/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10455/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 2 1st floor, Malad Ashok Premises Co-op. Daftary Road, Malad (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Babubhai V. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Vinodkumar N. Gada and others.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 2 1st floor Malad Ashok Premises Co-op. Daftary Road, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10455/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Shakuntala K. Misen & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10261/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 303, 3rd floor C-Wing, "Atlanta", Plot No. 38,
Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor C-Wing, "Atlanta", Plot No. 38,
Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10261/84-85
dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Mr. Muraj Shahid Ali Tayyab Shaikh. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10106/84-85.—Whereas, I,
 A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000,- and bearing

Flat No. 302, 3rd floor C Wing, "Atlanta" Plot No. 38 Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, C-Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10106/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ahmed Construction.

(Transferor)

(2) Mrs. Charnjit Kaur Madan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10613/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7, Amit Building 3rd floor Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad, (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor "Amit Building", Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10613/84-85 dated 1-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

66—516GI/84

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Neerav Holdings Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vijaykumar Dev Saliar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10030/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. L/10, 3rd floor Building Haridwar-I, Plot No. 18-19-20A Village Valnai, Malad (W), Bombay-64, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. L/10, 3rd floor Haridwar-I Building Plot Nos. 18-19-20A of village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10030/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-2-85
Seal ;

FORM ITNE

(1) Rajendra & Naresh P. Upadhyay.

(Transferor)

(2) Ranjitsingh Mokha,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10725/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 9, Gr. Floor Bldg. No. 6, Survey No. 26(P) Hissa No. 1(P) Mith Chowki, Ushma Nagar, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Gr. Fl. Bldg. No. 6, Sandesh Bldg. Survey No. 26(P), Hissa No. 1(P) Mith Chowki, Ushma Nagar, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10725/84-85 1-6-1985.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Vaishali Arts.

(Transferor)

(2) M/s. Leakless (India) Engg.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10725A/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Indl. Unit No. 122, 1st floor Vinay Indl. Estate, Survey No. 128/1, Deorukhar Wadi, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 122, 1st floor, Vinay Indl. Estate, Survey No. 128/1, Deorukhar Wadi, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10725A/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s S. R. Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Murlidhar Kashikar & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR.III/37EE/10005/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Flat No. 33, 3rd floor Plot No. 4, Road No. 3, Near Mehta
Industrial Estate, Liberty Garden, Malad (W), Bombay-64,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the
Competent Authority, at
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd floor Plot No. 4, Road No. 3, Near Mehta
Industrial Estate Liberty Carden, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10005/84-85
dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS _____

(1) Arunkumar & Associate.

(Transferor)

(2) Duahyant Gabilal Marfatia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10087/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Ashish Building, Flat No. 5, 1st floor, Saibaba Park, Mith
Chowki, Malad (W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the
Competent Authority, at
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ashish Building, Flat No. 5, 1st floor, Saibaba Park, Mith
Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10087/84-85
dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Majojkumar R. Kothari & Ors.

(Transferor)

(2) Amubhai G. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10270/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing

A flat on 3rd floor, Matrukrupa, B-Building, Solicitor Road,
Malad (E), Bombay-64.(and more fully described in the Schedule annexed (hereto
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act., in the Office of the
Competent Authority, at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat on 3rd floor, Matrukrupa, B-Building, Solicitor Road,
Malad (E), Bombay-64.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FE/10270/84-85
dated 1-6-1984

A. LAHIRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III,

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Rajendra & Naresh P. Upadhyay.

(Transferor)

(2) Ranjit Singh Mokha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10461/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 9, Ground floor Building No. 6, "Sandesh" Survey No. 26 (P), Hissa No. 1 (P), Mith Chowki, Ushma Nagar, Off Marve Road Malad (W) situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act., in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Ground floor Building No. 6, "Sandesh" Survey No. 26 (Pt) Hissa No. 1(Pt) Off Marve Road, Malad (W) Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10461/84-85 dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Mayadevi K. Agarwal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/10108/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
Flat No. 303, 3rd floor B Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off
Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act., in the Office of the
Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating or other assets which have not been or
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor B Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off
Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10108/84-85
dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
67—516GI/84

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Bab Hira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chander Kanta Khanna,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10103/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 40, C-Wing, Building No. 3, Baba Hira Nagar, Plot No. 263, Part CTS No. 8, Village Malwani, Malad (W), Bombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 40, C-Wing, Building No. 3, Bab Hira Nagar, Plot No. 263, Part CTS No. 8, Village Malwani, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10103/84-85 dated 1-6-1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Maladkar B. Balkrishna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/10755/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 12, Building No. 'A' Wing 'A', 2nd floor, Sant
Gadge Baba Nagar, Chinchole Bunder Road Malad (W),
Bombay-64,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Building No. 'A' Wing 'A', 2nd floor, Sant
Gadge Baba Nagar, Chinchole Bunder Road Malad (W),
Bombay-64.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10755/84-85
dated 1-6-1984A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10142/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 103, 1st fl. The Ratna Rupal C.H.S. Ltd., 28-A, Shivaji Nagar, Daftary Rd. Malad (E) Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Seetaram Chandru & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Mayaben Ramji Manek & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st fl. Ratna Rupal C.H.S. Ltd. 28-A, Shivaji Nagar, Daftary Rd. Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10142/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s Queens Park

(Transferor)

(2) Mr. Jagannath D. Poojari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10510/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 15, "Nalanda" Bldg. No. 1, Plot Nos. 32 & 33 Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, "Naland" Bldg. No. 1, Plot Nos. 32 & 33, Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10510/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

(2) Shri R. R. Patel & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10281/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Block No. 9, 2nd Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11,
Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 9 2nd Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11,
Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10281/84-85
dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V H Shah & others.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kantilal Shah & others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref No AR III/371 E/10281/84-85 —Whereas, I,
A LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing
Block No 10, 2nd floor Shantinath Chhaya, Plot No 11
Titendra Road, Malad (E), Bombay-400 064,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 16-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Block No 10, 2nd Floor, Shantinath Chhaya Plot No 11,
Titendra Road, Malad (E), Bombay 400 064

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No AR III/371E/10282/84-85
dated 16-1984

A LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III,
Bombay

dated 1-6-1984
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

(2) Shri Arvindkumar Mangaldas Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10101/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Block No. 6, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road,
Malad (E), Bombay-400 064,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 6, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra
Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10101/84-85
dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Shah & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10102/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 7, 1st Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

68—516 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 7, 1st Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10102/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10276/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 13, 3rd Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|----------------------------------|--------------|
| (1) Shri V. H. Shah & others. | (Transferor) |
| (2) Shri A. J. Purohit & others. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 13, 3rd floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10276/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated : 11-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vashumal A. Matlani.

(Transferor)

(2) Mr. Sha Khamrajji K. Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10524/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5 Man Sarovar Bldg. Junction of Govind Nagar Rd. and S. V. Rd. Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 Man Sarovar Bldg. Junction of Govind Nagar Rd. and S. V. Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10524/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 11-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaygiri Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR.III/37EE/10099/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Block No. 14, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road,
Malad (E), Bombay-400 064,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 14, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra
Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10099/84-85
dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Dated : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Chandraraj Builders.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Muljibhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10354/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 303, Chandraraj Apartments, Plot No. BS No. 5A and 4A (Part) Chincholi Bunder Rd. Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 Chandraraj Apartment, Chincholi Bunder Rd. Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1054/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated : 11-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s J. H. Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Singh Sohal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10734/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 12, 2nd Floor, "Madhav Kutir" Off 7th Road, Rajawadi, Vidya Vihar, Bombay-77 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, in the building known as MADHAV KUTIR plot No. 3, Survey No. 92, Off 7th Road, Rajawadi, Vidya Vihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10734/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10034/84-85.—Whereas, I,
A LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

Flat No. 12A, 3rd Floor, "Madhav Kutir" off 7th Road,
Rajawadi, Vidyavihar, Bombay-77
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. J. H. Enterprisc.

(Transferor)

(2) Smt. Damyanti Javerilal Raval & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12A, 3rd Floor in the Building known as
"MADHAV KUTIR", plot No. 3, Survey No. 92, Off 7th
Road, Rajawadi, Vidya-vihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10034/84-85
dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 11-2-1985
Seal.

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10462/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 602, 6th Floor, Venus Apartment, Kalina Market, Kalina Santacruz (E), Bombay-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Venus Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Abraham Rayman Powel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 662, 6th Floor, at Plot No. CTS No. 5835 to 5851 Kote Kalyan Venus Apartment, Kalima Market, Santacruz (E), Bombay-28.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10462/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Khanolkar & Desai Bldg. Dev. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Pravin Ganpat Rane,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/10192/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Flat No. 4, A Wing, 2nd fl. Abhijeet Apartment, Near Vakola
Bridge Police Station, Santacruz (E), Bombay-55
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

69—516 GI/84

THE SCHEDULE

Flat No. 4, A-Wing, 2nd Fl. Abhijeet Apartments, Near
Vakola Bridge Police Station, Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10192/84-85
dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) C. R. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10441/84-85 -Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 15, 3rd Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 15, 3rd Floor, Shantinath Chhaya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10441/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated : 11-2-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s Chandraraj Builders.

(Transferor)

(2) Shri Muljibhai K. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10686/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 304 Chandraraj Apartment, Chincholi Road Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following effect, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 Chandraraj Apartment, Chincholi Road, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10686/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 30-1-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Industrial Engineering Works.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bola Mundanna Shetty and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10233/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. C-4 on ground floor, Bldg. No. 1, in Small Industries Co-op. Society Ltd.; I.B. Patel Marg, Goregaon (W), Bombay-63,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. C-4, on ground floor, Bldg. No. 1 in Small Co-op. Society Ltd., I.B. Patel Marg, Goregaon (W), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10223/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Seal :
Dated : 11-2-1985

FORM ITNS—

(1) Smt. Darshan Kaur W/o Santsingh.

(Transferor)

(2) M/s. Rupal Traedis.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR.III/37E/10722/84-85. —Whereas, I,
A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 104 1st floor, Malad Rajni Gandha Co-op. Society S. V. Road Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**THE SCHEDULE**

Flat No. 104 1st floor, Malad Rajni Gandha Co-op. S. V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10722/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Hemlatha S. Deshpande,

(Transferor)

(2) Smt. Shashikala K. Salian,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37FF/10498/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4 Advani Apartment Co-op. Society, L.B.S., Marg, Mulund (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 Advani Apartment, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II/37FF/10498/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. John P. D'silva.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay J. Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR-III/37EE/10424/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Block No. 19 2nd floor, Building No. 3 Bijal Apartment,
Mithchoki Malad (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Block No. 19, 2nd floor, Building No. 3, Bijal Apartment,
Mithchoky Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10424/84-85
dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Bindu G Choudhary,

(Transferor)

(2) Shri A. B. Zalki.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10299/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. G/7 Kirit Co-op. Housing Society, Malad West Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G/7 Kirit Co-op. Housing Society, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10299/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10573/84-85. --Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. O/8 Haridwar I Off Marve Road, Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

70—516GI/84

- (1) Mrs. Chandra Balram Talreja and others.
(Transferor)
- (2) Mr. Ramesh N. Dharamdasani and others.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. O/8, Building Haridwar I, Off Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10573/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated : 11-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. H. Shah & others.

(Transferor)

(2) Shri A. R. Champanari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref No. AR.III/37EE/10100/84-85. —Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 5, 1st Floor, Shantinath Chayya, Plot No. 11 Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 5, 1st Floor, Shantinath Chayya, Plot No. 11, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10100/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Dated : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Dhatmasi Moraraji Chemical Co. Ltd.
(Transferor)(2) Mrs. Nalini G. Poojari.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. AR-III/37EE/10298/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B/10 New Evershine Co-op. Housing Marve Road Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B/10 New Evershine Co-op. Society Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/10298/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) A. A. Fernandes.

(Transferer)

(2) M/s U. K. Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Reg. No. AR.III/37EE/10759/84-85. —Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. bearing S. No. 33 Hissa No. 1 (part) plot No. 45, Valnai Village, Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. bearing S. No. 33 Hissa No. 1 (part) plot No. 45 Valnai Village, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10759/84-85 dated 1-6-84.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Baf Hira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Nirmal Shome.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref. No. AR III/37EE/10469/84-85.—Whereas, I,
A. LAHRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Bldg. No. 3, Flat No. 19/B, Baf Hira Nagar, Marve Road,
Malad (W) Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the re-
spective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

Baf Hira Nagar, Bldg No. 3, Flat No. 19/B Marve Road,
Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/10469/83-84
dated 1-6-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-2-1985.
Seal

FORM ITNS

(1) M/s Kailash Builders.

(Transferor)

(2) Shri Bipin Kumar H. Gohil and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1985

Ref No AR III/37-LE/10629/84-85—Whereas, I, A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/ and bearing

Shop No 1A, on ground floor in Kailash Apartment situated at 1/171 opp Filmistan Studio, Goregaon (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 16 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 1A, in Kailash Apartment situated at 1/171 opp Filmistan Studio, Goregaon (W) Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR III/37-EE/10629/83 84 dated 16 1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay

Dated 12-2 1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Khanolkar & Desai Bldg. Dev. Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Shri Pradeep Ganpat Rane
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10191/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3-A, Wing third fl. Abijeet Apartments, Near Vakola Bridge Police Station, Santacruz (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, A, Wing, 3rd fl. Abhijeet Apartments, Near Vakola Bridge Police Station, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37EE/10191/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Khanolkar & Desai Bldg. Dev. Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) Shri Ganpat, S. Rane
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EF/10193/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, A-Wing 2nd fl. Abhijeet Apartments, Near Vakola Bridge, Police Station Santacruz (E), Bombay-400 055

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, A-Wing 2nd fl. Abhijeet Apartments, Near Vakola Bridge, Police Station Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-FE/10193/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Swati Sanil Sahu

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Murlidhar G. Gopalani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

Ref. No AR. III/37-EE/10445/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingFlat No. 502, In Vale E-Ram-I, Evershin Nagar, Off, Marva
Road, Malad (W), Bombay-64(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of
the Competent Authority,

at Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Val E Ram I Off Marve Road, Near Ushma
nagar, Malad (W), Bombay-64.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10445/
83-84 dated 1-6-1984.A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

71—516GI/84

Dated : 12-2-1985

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Baf Hira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vinodhkumar Bhavanji Sangvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10690/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 7, Gr. Fl. Bldg. No. 1, Bahira Nagar, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Gr. Fl. Bldg. No. 1, Bahira Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10690/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10089/64-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Baf Hira Nagar, Flat No. 3/D/53, Marve Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------|--------------|
| (1) Baf-Hira Builders. | (Transferor) |
| (2) Jagdish Prasad Dhawan | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Baf Hira Nagar, Flat No. 3/D/53, Marve Road Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10089/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Baf-Hira Builders.

(Transferor)

(2) Shri M. T. Chakraborty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10283/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Baf Hira Nagar, Marve Road Flat No. 1/C/42 Bldg. No. 3 Malad, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1/C/42, Baf Hira Nagar, Marve Road Malad (W), Bombay-95.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10283/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Lubin Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Errol Remedios & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR III/37-EE/10439/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. C/7, second fl., CTS No. 397, 297/1 to 6 of Village
Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/7, 2nd fl., Part-A, CTS No. 397, 297/1 to 6
of Village Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-
64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37 EE/10439/
84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated . 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Manali Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kashiram D. Jashnani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10694/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Shop No. 8, G. Fl. Manali Bldg. No. 1, Plot Nos. 48, 49, 50
of Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 8, G. Fl. Manali Buldg. No. 1, plot Nos. 48, 49
& 50 Valnai Village, Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10694/
83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Karmali Enterprise

(Transferor)

(2) Mohd. Dawood Umar Sheikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10063/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 304, A1-Sabha, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, S. No. 388/2, Malad, Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, A1—Sabha, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, S. No. 388/2, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10063/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Sheela N. Palande

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10696/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and bearing Flat No. 27, 2nd fl., Hemal Apartment plot CS No. 19, 41 Nos. 85/5/96/1, At Village Malwani, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, 2nd fl. Hemal Apartment plot No. CS No. 19, 41, Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10696/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Asha Arun Desai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyam Prakash Chunilal Thakur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10672/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 305, 3rd fl. Sanjeeta, CTS No. 9 & 10, Off : Datta Mandir Road Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

72—516GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd fl., Sanjeeta CTS No. 9. & 10, Datta Mandir Road, Malad (E), Bombay-97

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10762/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Sh. Rajan Vishnu Revankar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10695/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 36, 3rd fl. Hemal Apartment on plot C.S. No. 19, 41 Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W) Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38, 3rd fl. Hemal Apartment Plot CS No. 19, 41 Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10695/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Const. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri P. Bhaskaran

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10433/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-203, 2nd fl. Shriram Towers Tank Lane, Near Orlem Church Off, Marve Road Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-203, 2nd fl. Shriram Towers, Tank Lane, Near Orlem Church, Off Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10433/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Queens Park

(Transferor)

(2) Sh. Sharath G. Mada

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. III/37-EE/10509/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
Shop No. 14, Gr. Fl. Nalanda Bldg. No. 1, Plot Nos. 32, 33,
Valnai Village, Marve Road Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
Bombay on 1-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Gr. Fl. Nalanda Bldg. No. 1, Plot Nos. 32
& 33, Valnai Village, Marve Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10509/
83-84 dated 1-6-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Glendala Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Elizabeth Mascarenhas

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10095/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8, first fl., Bldg on plot No. 16-A, CTS No. 432, Village Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used hereinafter as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, first fl. Plot No. 16-A CTS No. 432 Village Valnai, J.B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10095/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Lubin Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Anoop Kumar Puri & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10244/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingFlat No. A/9, fourth fl. CTS No. 397, 297/1 to 6, Village
Valnai, J. B. Colony, Orlim, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-6-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat A/9, 4th fl. CTS No. 397/1 to 6, Village Valnai, J.B.
Colony, Malad (W), Bombay-64.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10244/
83-84 dated 1-6-1984.A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Span Builders

(Transferor)

(2) J. V. Mehta (HUF) & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No. AR. III/37-EE/10744/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 1, 1st fl., Subhalaxmi Shopping Centre, Quarry Rd., Malad (E), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1, 1st fl. Subhalaxmi Shopping Centre, Quarry Rd. Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR. III/37-EE/10744/83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref No AR. III/37-EE/10418/84 85 --Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing NoFlat No 301, 3rd fl. Ravi Apartment, CTS No 816
Mamletdarwadi Rd No 3, Malad (W), Bombay 64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-6-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
-
- of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
-
- 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) M/s. Ravi Builders

(Transferor)

(2) Shri Jethalal Padamshi Gala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of
-
- the publication of this notice in the Official
-
- Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 301, 3rd fl. CTS No. 816, Mamletdarwadi, Road
No 3, Malad (W), Bombay-64.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No AR III/37-EE/10418/
83-84 dated 1-6-1984A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, BombayDated : 12-2-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s. Lubin Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Jennifer Pereira.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR III/37-EE/10019/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A/10, fourth fl. CTS No. 397 397/1 to 6, Village Valnai, J. B. Colony, Orlam, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XIA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
73—516G1/84

Flat No. A/10, fourth fl. CTS No. 397, 397/1 to 6, village Valnai, J.B. Colony, Orlam, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10019/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Muraj Shahzad Tayyab Shaikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/10107/84-85.—Whereas, I, **A. LAHIRI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd fl. 'C' Wing, "Atlanta", P.O. No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad, Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 301, 3rd fl. 'C' Wing, "Atlanta", P.O. No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10107/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Vasantbhai A. Patel

(Transferor)

(2) Patel Natwarlal Chinubhai & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/10347/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/-Office bearing No. 27, plot No. 348, F.P. No. 5-A, Laxmi-
narayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (E), Bombay-
97 situated at(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-6-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or others assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 27, Plot bearing CTS No. 348, F.P. No. 5-A,
Laxminarayan Shopping Centre, Podar Rd. Malad (E),
Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.II/37EE/10347/
83-84 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Baf-Hira Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Subhashini Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10544/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. A-5, Bldg. No. 3, Baf Hiranagar, Marve Road, Malad, Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-5, Bldg. No. 3, BAF-Hira Nagar, Marve Rd., Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10544/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Smita Sadanand Kadam

(Transferor)

(2) Shri Liladhar Damodar Chhatbar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/10234/84-85.—Whereas I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 301, 3rd fl Akash Ganga, Bachani Nagar Road, Malad (E), Bombay-97

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. "Akash Ganga" Bachani Nagar Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/10234/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR.III/37EE/10707/84-85.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, 1st floor, Rekha Bldg., Nahur Road, Mulund West, Bombay-80, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Asterisk Tools Manufacturers Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) Mr. Easwaran V.
(Transferee)
- (3) Mr. Easwaran V.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, 'Rekha' building, Nahur Road, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/10707/84-85 on 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. RA.II/37EE/10162/84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 10, 2nd floor, Meera-Shyam Co-op. Soc. Ltd., Gaushala Road, Mulund West, Bombay-80, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri C. V. Krishnan
(Transferor)
- (2) Shri G. Harikrishnan Iyer
(Transferee)
- (3) Transferor
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferee
(Person whom the undersigned knows to be interested in property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Meera-Shyam Co-op. Soc. Ltd., Gaushala Road, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10162/84-85 dated 1-6-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Patel Bhanji Karamshi & Co.

(Transferor)

(2) Shri Jayram M. Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1985

Ref. No. AR. III/37EE/10564/84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 3 (Indraprastha) P. No. 1, S. No. 94, H. No. 1 (Part) C.T.S. No. 1071 (P) Mithagar Road Mulund (E), Bombay-40,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 (Indraprastha) P. No. 1, S. No. 94, H. No. 1 (P) CTS 1071 (P) Mithagar Road, Mulund (E), Bombay-80.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/10564/84-85 on dated 20-6-1984.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 15-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Modern Builders

(Transferor)

(2) Mr. A. S. Notamraj

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.Ref. No. AR. III/37-EE/10306/84-85.—Whereas, I,
A. LAHIRI,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding Rs.
25 000/- and bearing NoFlat No. 10, Plot No. 46, Kanjur CHS Ltd. Kanjur Marg,
Bombay-78(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Plot No. 46, Kanjur Co-op. Hsg. Sct. Ltd.
Kanjur Marg, Bombay-78,The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/10306/
83-84 dated 1-6-1984.A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—
74—516G1/84Dated : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 27/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49, Rajaram Mehta Nagar, 1st Main Road, situated at Aminjikarai, Madras, 29 (Block No. 17) and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1628/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Leela Raghunath,
35B, Railway Colony, III St.,
Nelson Manickam Road,
Madras-29.

(Transferor)

(2) Dr. B. Sarat,
No. 49, Rajaram Mehta Nagar,
1st Main Road,
Aminjikarai,
Madras-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building :—Door No. 49, Rajaram Mehta Nagar, 1st Main Road, Aminjikarai, Madras-29, Kodambakkam/Doc. No. 1628/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 30/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Land in R. S. No. 235/1, situated at Arumbakkam Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1686/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. V. Janakiram Naidu,
M. Sundararaj,
and M. Kanakaraj,
4, Vth St., Dorai Pillai Nagar,
Arumbakkam,
Madras.
(Transferor)
- (2) Thirumalai Fine Arts and Housing Welfare
Society by its Secretary,
Sri S. V. Arangesan,
Old No. 280,
New No. 10A
(Near) Poonamallee High Road,
Arumbakkam,
Madras.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Arumbakkam Village, Madras R. S. No. 235/1 0.77 cents.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 12th February 1985

Ref. No. 169/6/84/R.II—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 36, Krishnasaminagar co-op. House bldg. Society, Lay out No. 2 situated at Coimbatore Taluk/Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Coimbatore/Doc. No. (2291.84) in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. K. Vijayalakshmi,
D/o. Late C. Kochunny Menon,
51, Krishnasamy Nagar Coimbatore not at
10/20/21, C asa Major Road,
Egmore, Madras.8
(Transferor)

- (2) Thiru R. Gopalakrishnan,
s/o Ramkrishna Chettair,
211, Gangai Gounder St.,
Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : Plot No. 36, Krishnaswamy nagar Cooperative House Bldg. Society, Layout No. 2, Souripalayam, Coimbatore. Coimbatore/Doc. No. 2291/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 40/June 84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Door No. 12, IV Main Road, Telepost Colony situated at
West Mambalam, Madras-33
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908
of 16) in the office of the Registering Officer
at KODAMBAKKAM/Doc. No. 1441/84 in June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Sri M. K. Rajagopalan,
c/o Sri Ramasamy,
Plot 2594, AJ. 32,
Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferor)

(2) Sri Ramasamy,
Plot No. 2594, AJ.32,
Anna Nagar,
Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building :—12, IV Main Road, Telepost Colony,
Madras-33, Kodambakkam/Doc. No. 1441/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ret. No. 62/Junc 84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Old No. 103, New No. 36, Kodambakkam, High Road, situat-
ed at Madras-34
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the registering Officer at
at THOUSANDLIGHTS/Doc. No. 344/84 in June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under rule
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Rukmani Acharya & S. J. Kumar
36, Kodambakkam High Road,
Madras-34,

(Transferor)

(2) Sri S. ARUMUGASWAMY &
A. Kasiammal,
1, Kandappa Acharya St.,
Madras-7

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : 36, Kodambakkam High Road,
Madras. Thousandlights/Doc. No. 344/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 64—June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3, II floor and undivided 1846/36770 share of land out of 3 grounds 680 sft. in situated at No. 5, Haddows Road, 1st St., Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 344/84 in JUNE, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Manu D. Bajaj
(2) Prakash D. Bajaj,
(3) Bali D. Bajaj,
Flat No. 3, II Floor of Aarti Apartment, 4,
Haddows Road, 1st St., Madras-6. (Transferor)
(2) Smt. Leela K. Menon, Gowri Vilas,
Chittoor Road,
Ernakulam, Kerala State. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, II floor and undivided 1846/36770 share of land out of 5 grounds 680 sft. in No. 4, Haddows Road, 1st St., Madras-6. Thousandlights/Doc. No. 334/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 71/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25, College Road, Nungambakkam, situate at Madras.6. R. S. No. 99/3 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Thousand Lights/Doc. No. 279/84 in JUNE, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The South India Flour Mills Pvt. Ltd.,
19/20, Royapuram Beach Road,
Madras-13.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Milapchand R. Shah,
(2) Rajendra M. Shah
(3) Hemantkumar M. Shah
(4) Smt. Kamala M. Shah,
(5) Smt. Bharati R. Shah,
(6) Smt. Naina H. Shah,
(7) Rajendra M. Shah, (HUF)
(8) Hemant Kumar M. Shah (HUF), 25,
College Road, Madras.6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : No. 25, College Road, Nungambakkam,
Madras-6 Thousandlights/Doc. No. 279/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 75/June 85/R.II.—Whereas I,
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property at No. 29, 23rd Cross St., situated at Besant Nagar, Madras-90

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 1711/84 in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
75—516GI/84

(1) Sri Babu, son of S. Doraiswamy,
Plot No. 502,
18th St. 4th Sector,
K. K. Nagar,
Madras-78.

(Transferor)

2) Smt. G. Mangayarkarasi,
w/o E. S. Daniel Gunanidhi,
No. 29, 23rd Cross St.,
Besant Nagar,
Madras-30

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land and building No. 29, 23rd Cross St., Besant Nagar
Madras-90 Virugambakkam/Doc. No. 1711/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-19885
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 718/June 84/R II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 41 Ex. 23 Centre situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 1748/84, in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Shoba Rani Venuri,
12, Vijaya Raghavachari Road,
T.Nagar,
Madras-17

(Transferor)

(2) Mrs. Vadiapatla Vijayalakshmi,
alias Smitha, No. 20,
Annamalai Colony,
Madras-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land :—Property as specified in Schedule to Doc. No. 1748/84 Virugambakkam/Doc. No. 1748/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 880/June 84/R.II.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, Subbiah Naidu St., Purasawalkam, situated at Madras-Purasawalkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 1514/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Darling Roberts,
Mrs. Kamaladevi Masilamani,
Mrs. Chandramathi Victor,
Mrs. Pramila Pandian,
Mrs. Vijayarani Rathinaraj,
Mrs. Kajkumari Nimalkumar,
No. 55, Kailash Darshan, Ritherdon Road,
Rutland Gate, Madras.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Himatmal Mardia, Huf
2. Smt. Kaushalya Mardia,
3. Mr. Naveen Mardia,
4. Mr. Nitin Mardia,
2 Barnaby Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 2, Subbiah Naidu St., Purasawalkam, Madras, Madras North/Doc. No. 1514/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-19885

Seal: {

FORM NO. IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 81/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1708/84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Madras North/Doc. No. 1708/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Sherifkhan and 4 others, represented by Nawab Ali Khan and 4 others, 11, 1st Main Road, Housing Board Colony, Madras-85.

(Transferor)

(2) Sri R. Rajan, Pa. Rajan, Pa Rajan and T. Rajan Old No. 20, New No. 8, Rutland Gate, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc No. 1708/84 Madras North/Doc. 1708/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 106/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, 1st Trust Link St., situated at Mandavelipakkam, Madras-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Mylapore/Doc. No. 806/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri P. Ramaswamy,
10, 1st Trust Link St.,
Mandavelipakkam,
Madras-28. (Transferor)
- (2) 1. Sri AR Palaniappan,
2. Sri PL Arunachalam,
268, Avvai Shanmugham Road,
Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : 10, 1st Trust Link St., Mandavelipakkam, Madras-28 MYLAPORE/Doc. No. 806/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 111/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 46, Abhiramapuram III St., situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Mylapore/Doc. No. 829/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri M. K. Soshan,
No. 46, Abhiramapuram 3rd St.,
Madras-18
(Transferor)
- (2) Sri E. Balaraman,
No. 43, Fifth Trust
Cross St., Mandavelipakkam, Madras-28
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Door No. 46, Abhiramapuram, III St.,
Madras-18 Mylapore/Doc. No. 829/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 115/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 17, Door No. 21, situated at Beemanna Mudali St., 8Mylapore, Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc No. 871/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri S. P. Palanippan,
(2) PL. Subramanian,
No. 4410, Anna Nagar, Madras-40

(Transferor)

- (2) Mrs. S. B. Devikarani,
w/o Nambinathan,
Mrs. Ranjini,
w/o Late Sampathy Bhoopal,
No. 3, Dr. Radhakrishna Road,
7th St. Mylapore,
Madras-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : Plot No. 17, Door No. 21, Beemanna Mudali St., Mylapore Madras-4 (Mylapore/Doc. No. 871/84).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-19885
Seal :

Form No. ITN-2

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 118/June84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 9, Bangarammal St., situated at Mylapore, Madras 4, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 881/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Bagheerathi Ammal,
S. Krishnaswamy alias Chitra Krishnaswamy,
No. 13, Sir Theagaraya Road,
T. Nagar,
Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri L. Vellayan,
Cainton Estate, Yercaud

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : 9, Bangarammal St., Mylapore, Madras-4.

Mylapore/Doc. No. 881/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

(1) Sri K. Ramanathan Servai,
Adamboor Village,
Avudaiyarkoil Taluk,
Pudukkottai Dist.

(Transferor)

(2) Kum. Selvi L. Karpagam,
d/o A. R. Lakshmanan Servai,
Adamboor Village,
Avudaiyarkoil Taluk,
Pudukkottai Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 123/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, Lalitha puram St., Royapettah situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 554/84 in June, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : No. 15, Lalitha puram St. Royapettah, Madras-14,
Madras Central/Doc. No. 554/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
76—516GI/84

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 141/6/84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. First floor flat in building F. Block bearing Corporation Door No. F. 27, Parson Complex, situated at Mount Road, Madras-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 638/84 in June, 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri V. Narayanaswamy and
Radha Narayanaswamy,
27, Parson Gemini Apartments,
Madras-6.

(Transferor)

- (2) Smt. K. Udayasri,
5, Central Avenue,
K. P. Puram,
Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat—First floor in Bldg. F. Block, Door No. F. 27, Parson Complex, Mount Road, Madras-6.
Madras Central/Doc. No. 638/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1985

Ref. No. 146/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 100, New Door No. 171, Lloyds Road, situated at Gopalapuram, Royapettah, Madras-14. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 657/84 in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Dr. W. Doraiswamy,
No. 22, Lloyds Road, First Lane,
Royapettah, Madras-14. (Transferor)
- (2) Sri Kasamalai Dawood Bhai,
Saifuddin Kasamalai,
Sahirbhoy Kasamalai,
Hussain Bhai Kasamalai and
Fakruddin Kasamalai,
No. 220, Angappa Naicken
St., G. T., Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : Door No. 100, New Door No. 171, Lloyds Road, Gopalapuram, Royapettah, Madras-14.

Madras Central/Doc. No. 657/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 7-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 151/June/84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old D. No. 89, New D. No. 49, G. N. Chetty Road, situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 666/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. Varadarajan,
B. V. Jayagopal,
B. V. Balakrishnan,
B. V. Kannabiran,
B. V. Shanmugam,
B. V. Sashi (alias Gajalakshmi) G. Kala
(alias Santhanalakshmi) and
S. Mala (alias Mahalakshmi),
No. 49, G. N. Chetty St. Madras-17.

(Transferor)

- (2) M/s. Sas Enterprises (Rep. by its Managing Partner Sri S. Appaswamy) No. 3, Mangesh St.,
T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building New D. No. 49, G. N. Chetty Road,
T. Nagar, Madras-17.
T. Nagar/Doc. No. 666/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 8-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri G. S. Easwaran,
No. 27, Tilak St., T. Nagar,
Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

(2) Shri M. S. Rammohan Rao, C. A.,
No. 27, Tilak St.,
T. Nagar,
Madras-17.

(Transferee)

Madras-600 006, the 7th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 155/June 84/R. II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Krishna Bai St., T. Nagar, Madras-17

situated at
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at T. Nagar/Doc. No. 854/84, in June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land :—Survey No. 8142—Vacant land in Krishna Bai St.,
T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 854/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri S. Raja Periasamy,
Veedivadagam,
Kivalakudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Swarna Vanilarasu,
10, First Banaimar,
St., MDS. 17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref No. 157/June 84/R-II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. 45, S. No. 4753/11, measuring 4164 sq. ft. with
with superstructure
situated at
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at T. Nagar/Doc. No. 700/84 in June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building : Property as specified in schedule to
doc. No. 700/84.

T. Nagar/Doc. No. 700/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 7-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
Madras-600 006, the 7th February 1985

Madras-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 379/June 84/R. II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearingNo. 81, situated at 71, Velachery Road, Madras-32
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Saidapet/Doc. No. 524/84 in June 84for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Mr. Nihalchand Nahatha,
by Power of Attorney R. Dayachand,
Savan Sukha,
26, North Crescent Road,
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

- (2) Smt. Saraswathi Kailasam,
Smt. Lakshmi Valdyanathan,
Sri A. S. Subramaniam,
81, Dr. C. P. Ramaswami Iyer Road,
Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : 71, Velachery Road, Saidapet,
Madras-32.

Saidapet/Doc. No. 524/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-2-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 44/June 84/R-II,—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 81, P. H. Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam-104/84, in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Ilavarasi, 285, Trichy Road, Coimbatore-18.
Sri M. Lakshmanan, 1, Veerappa Pillai St., Periyur Post, via. Mayuram.

(Transferor)

- (2) Sri Vashoomal S. Chabbra, 7, New Avadi Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building . 81, P.H. Road, Madras.
Purasawalkam/Doc. No. 1048/84 and 1049/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1985

Ref. No. 357/6/84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. R. S. No. 226/15 ttAavnaipidaryur Village, situated at Perundhurai T. K. No. R. S. No. 472/84) incmf rd eta s bsrhr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at Sennimalai. (Doc. No. 472/84) in June 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri N. Ramasamy,
Co-op. Sub Registrar,
Gobichettipalayam,
for Chennimalai Multipurpose cooperative Society,
Chennimalai, Perundurai Taluk,
Periyar Dist.
(Transferor)
- (2) Sri M. Marappan,
President,
Chennimalai Metro Weavers' Coop.
Sales Society, Chennimalai,
Perundurai Taluk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building :—Resurvey No. 226/15-Pidariur Village, Perundurai Taluk, Chennimalai Sub dist. Periar dist.
Chennimalai/Doc. No. 472/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 2-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 7th February 1985

Ref. No. 143/Junc 84/R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mylapore Tk. situated at Mylapore Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Madras Central/Doc. No. 646/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. S. Natarajan,
Flat No. 6 'A' Block, T. B. Road,
Madras-35.

(Transferor)

(2) Smt. G. Vimala,
3, IV Main Road,
T. N. H. B. Colony,
Madras-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Block No. A 1065 sq. ft. S. No. 3903/Part,
Mylapore
Madras Central/Doc. No. 646/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-660 006, the 8th February 1985

Ref. No. 333/June 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Thirunagar Colony, situated at 4th ward, Erode Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Erode/Doc. No. 2252/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. Abdul Rajack,
S/o Kadar Sahib,
61, Janaki Amma Layout,
Cauvery Road, Erode.
 2. K. Abdul Kadar,
S/o. No. 1, Cauvery Road, Erode.
 3. K. Iqbal,
S/o. No. 1, 40B. P. Agraharam Majith St.,
K. Md. Najjar,
S/o. No. 1, Cauvery Road, Erode.
 5. K. Shajee Khan,
S/o. No. 1, Cauvery Road, Erode.
- (Transferor)
- (2) F. M. Anju, F. M. Arshath,
F. M. Asath,
Sons of Sri N. M. Fakrudeen,
D. No. 79, Thirunagar Colony, Erode.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site and building : Thirunagar Colony, Erode Town,
4th ward.
Erode/Doc. No. 2292/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 8-2-1985
Scal :

FORM ITNS- ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1985

Ref. No. 33/June/84-R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. No. 6, Dhukkara Nalla Ceunder Street, situated at Erode Towa & T. K. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Erode, (Doc. No. 2131/84), Periyar Dt. in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri A. Govindhasamy,
S/o. Shri Angappa Mudaliari,
Sidhodu,
Erode,
Periyar Dt.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Chinnaiya,
S/o Shri Kuppa Chettiar,
15/21, Appannakara Street,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building at D. No. 6, T. S. No. 302, Dhukkara Nalla Gounder Street.

Doc. No. 2131/84.

S. R. O. Erode.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 22-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1985

! Ref. No. 329/June 84/R. II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269D of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Land at Suriampalayam Village, situated at Erode
Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Erode/Doc. No. 2090/84
in June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) 1. Shri C. Manickam,
S/o Chinnappa Gounder,
Suriampalayam,
2. Shri P. Darmalingam,
S/o P. Samiappa gounder,
4. Krishnasamy,
Municipal Colony,
Erode,
3. M. Chinnayan,
S/o. S. M. Maludagounder,
24, Periar Nagar, Erode,
4. S. A. Shanmugan,
S/o. Annamuthugounder,
Teachers' quarters, Erode.
5. Shri Kumarasamy, S/o. Ramasamy Gounder
Chinnapuliyur Mottur,
6. P.R. Nachiappan,
S/o. P. N. Ramasamy,
Gounder, 4
Krishnachetty St.,
Erode,
7. M. Sugumar,
S/o. Shri Muthusamygounder,
11, Sathiroad, Erode,
8. T. C. Palanisamy,
S/o. Chinnasamy gounder,
Thottipatty.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chengoda Gounder,
S/o. Marappa Gdr. Indrapuram,
Asiriyar Palayam.
2. Shri M. S. Kumarasamy Gounder,
S/o Chengodagounder,
3. Shri K. Chandrasekaran,
4. R. Nallasamy, S/o. M. S. Kumarasamy Goun-
der, Indrapuram, Asiriyar Palayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Suriampalayam village, Erode Taluk. Erode- Doc.
No. 2090/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 8-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 288/June/84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land is situated at Gudalur Taluk (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Uthagamandalam/Doc. No. 495/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mr. Robert Barton Wright,
S/o. Lat Cocil Stewart,
Barton Wright, Landlord,
North Lake Road,
Dotacamund, The. Nilgiris.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. P. M. Kurian,
S/o. Kurian Mathew, Plaparambil.
Pathamutun, P. O.
Kottayam Dist., Kerala State.
2. Mr. P. M. Zachariah,
S/o. Kurian Mathew,
Gavipara' Estate : Gudalur Taluk : Nilgiris.
3. Mr. George P. Mathew : S/o. Kurian Mathew
Indian Plastics : Gudalur Taluk, Nilgiris.
4. Mrs. K. A. George :
W/o K. A. George/Kaithayil Pathamuttom
P. O. Kottayam Dist : Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later; —
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and 'building ; Property as specified in Schedule to Doc. No. 495/84, Uthagamandalam/

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 8-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 287/June 84/R. II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269D of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

Property as specified in schedule situated at to Doc. Nos.
561,562,563,564,565,566,567/84,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
Uthagai/Doc. No. 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567/84 on
Uthagai June/84

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. M. Kappini,
S/o. Late Muddhal Gowder,
Minor Rajesh,
S/o M. Kappini,
Mahalakshmi Nilayam,
Glenrock Road,
Vannarpet, Coty.
Minor Ramesh -do-

(Transferor)

- (2) 1. Smt. P. Susedla,
W/o. Ganga Reddy,
2. P. Sarojini,
W/o P. Narayanan Reddy
11/1583/1/2, Kolhwada :
Warangal District.
2. Sreelatha Bhupal, 6-3-1100/B,
Somajiguda, Hyderabad. 500482 A.P.
3. Vijaya Vardhan Reddy,
S/o Rama Reddy,
Hyderabad.
4. R. Surender Reddy,
1-10-147, Begumpet,
Hyderabad. 500 016 A. P.
5. D. Srinivas Reddy,
S/o. D. Damodar, Reddy,
Banjara Hills, Hyderabad.
6. Jaldeep Reddy,
S/o. Sudhakar Reddy, Sivaswada Village,
Nagar Karnool, A. P.
7. B. Vijender Reddy,
S/o. B. Pulla Reddy, at Secunderabad, AP.
8. C. Ranga Reddy,
S/o Ramasamy Reddy,
Banjara Hills, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as Specified in schedule to Doc. No. 561, 562,
563,564,565,566, and 567/84.
Uthagai.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 8-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 2nd February 1985

R:f. No. 286/June 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at situated at Ootacamund town. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagai/Doc. No. 541/84 in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri L. Raju, (2) L. Bojan, Sons of J. Linga Gowder Mynalai, Thummanatti P. O., Nilgiris.

(Transferor)

- (2) 1. S/Shri A. B. Iqbal Sait,
S/o. Abdul Rahiman Sait,
2. Fathima Iqbal,
W/o. A. R. Iqbal Sait,
3. Farha Iqbal,
d/o. A. R. Iqbal Sait
4. Ommer Farook Iqbal and
5. Fiaz Ahmed Iqbal,
Sons of A. R. Iqbal Sait,
Farah Manzil,
Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ootacamund Town : R. S. No. 3943/2CIB
Uthagai/Doc. No. 541/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 8-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 2nd February 1985

Ref. No. 228/6/84.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 1125/84.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathiamangalam, Doc. No. 1125/84, in June 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 1125/84.
Sathiamangalam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

78—516GI/84

- (1) Shri K. M. Kaliappan,
K. M. Palanisamy,
Shri K. M. Thiruvengadasubramaniam,
Kasipalayam. Post, Gobichettipalayam.
(Transferor)
- (2) Shri Bhavani Textile Procers Co. Ltd.,
Directors, Shri S. R. Perumal (2) P. Natarajan,
Erode Town,
Perundurai Road.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 2-2-1984
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 201/June/84 R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. land and building Konavakoorai situated at Kotagiri,
Nilgiris

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Kotagiri/Doc. No. 627/84 in June 84

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the prop-
erty as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
for by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri T. S. Raman,
S/o. T. M. Selai Cownder,
Thinniyur, Aravenu Post,
Nilgiris.

(Transferor)

(2) Shri T. Motilal,
S/o. K. Tharachand,
19, Mount Road, Coonoor,
Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect to any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building:—Konavakoorai village, Kotagiri,
Nilgiris.
Kotagiri/Doc. No. 627/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 181/6/84/84|R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Durkalava Veedhi, situated at Coimbatore, Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 2476/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Haji P. H. Mohd. Ibrahim,
S/o. Late Shri Hidrusrowther,
19/19, Durkalala St.,
Fort, Coimbatore-I.

(Transferor)

- (2) Shri M. S. Sheikmohd.,
S/o. Saibatha Rowther,
19/18, Durkalala St.,
Fort, Coimbatore-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building :—Durkalala St., Fort, Coimbatore-I, Coimbatore/Doc. No. 2476/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 8-2-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Seethalakshmi ammal,
W/o R. Ponnusamy Naidu,
Edaiyar Veedhi,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shi N. Viswanath Rao,
2. Suganya Rao,
Thiruvankadasamy St.,
R. S. Puram,
Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th February 1985

Ref. No. 172/6/84[R. II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Property as specified in schedule situated at to Doc.
No. 2321/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Coimbatore/Doc. No. 2321/84 in June

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building : Property as specified in schedule to
Doc. No. 2321/84,
Coimbatore.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 8-2-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 170/June/84[R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. No. 19/2 Vincent Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore Town, (Doc. No. 2295/84) in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Biharilal L. Vijayan,
S/o. Shri Lodindarwal,
No. 1/A New Mission Road,
Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shri M. Ramasamy,
S/o. Shri Muthusamy,
Managing Partner,
Sree Vijaya Transports,
No. 258 B, Raja Street,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building at Bellam Krishna Chetty Street, Fort, D. No. 19/2, Vincent Road, Coimbatore.
Doc. No. 2295/84.

S R. O. : Coimbatore.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 63/6/84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61, T.S. No. 7/3660, Subramania Mudaliar situated at Road R.S. Puram : Coimbatore Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore : Doc. No. 2715/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have person to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. Kumaraguru,
2. S. Sivaguru,
Sons of Shri M. Subramaniam,
35, A-Ranadi Veedhi, R. S. Puram,
Coimbatore. (Transferor)
- (2) Shri M. A. Muralidharan,
S/o. Arunachalam Achari,
D. No. 27, Samiar Pudu St.,
Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building :—Old D. No. 19/33A, 35A, New Door No. 61, T.S. No. 7/3660, Subramania Mudaliar Road, R. S. Puram : Coimbatore.

Coimbatore/Doc. No. 2715/ 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shantha Vijay Enterprises,
No. 2, Balfour Road,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

(2) Shri Joseph Rozario,
V. P. Colony,
1st Cross St., Ayyanavaram,
Madras-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 11th February 1985

Ref. No. 125/June 84/R. II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Undivided share in 4 grounds and 2165 sft. being part of
new door No. 2 (Old D. No. 1) Balfour Road, situated at
Kilpauk, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras Central/Doc. No. 558/84 in June 84

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land and building : Undivided share in 4 grounds and 2165
sft. being part of New Door No. 2 (Old D. No. 1), Balfour
Road, Kilpauk, Madras.

Madras Central/558/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 11-2-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass, the 11th February 1985

Ref. No. 124/June 84/R.II Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Undivided share in 4 goouds & 2165 sft. together with building thereon with the compound walls part of situated at New Door No. 2, (Old No. 1) Balfour Road, Kilpauk, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central 557/84 Doc. No. on June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Shanthi Vijay Enterprises,
No. 2, Balfour Road, Kilpauk,
Madrass-10.

(Transferor)

- (2) Smt. E. Vijayalakshmi,
No. 20, Javalakshmi Gardens,
Milk Colony, Post office,
Madrass-51.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building share in 4 grounds and 2165 sft. together with bldg. thereon with the compound walls part of New Door No. 2 Old No. 1, Balfour Road, Kilpauk, Madras
Madrass Central/Doc. No. 557/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri G. Durairaj,
s/o Late Guruswamy,
30 Ramappa Nagar, Perungudi,
Madras-96

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri J. Narayanan,
s/o Late Jagannathan,
43, 5th Lane, Indira Nagar
Madras-20

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II MADRAS

Madras-600006 the 11th February 1985

Ref No 22/6/84/R II —Whereas J

MRS M SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Survey No 46, Block No 13, Kalikundram Village, Indira Nagar, situated at Indira Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/Doc No 1642/84

at Madras in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as stated to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now the, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely ---
79—516GT/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building Survey No 46 Block No 13, Kalikundram Village Indira Nagar
Adyar/Doc No 1642/84

MRS M SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras 600 006

Date - 11-2-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass, the 12th February 1985

Ref. No. 149/June 84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-in-after referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 1/8th share in Door No. 25, situated at Burkit Road,
T. Nagar, Madras-17,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at T. Nagar/Doc. No. 564, 565, 613 and 614/84,
at Madras in June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to following
persons, namely :—

- (1) 1. Sri C. R. Srinivasan
2. Sri C. R. Bharghavan,
3. Smt. C. L. Rajalakshmi,
4. Sri C. R. Mukundan,
2, Saravina Mudali St. T. Nagar,
Madras-17.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Lakshmi Senapathi,
7, Customs Colony, Besant Nagar,
Madras-90,
2. Sri T. N. Krishnamurthy,
1, Arisikaran St., Mylapore,
Madras-4,
3. Dr. R. P. Viswanathan,
s/o. Late N. Viswanathan Iyar,
D. 16/5, Adyar Avenue,
I.I.T. Complex Madras 36,
4. Mrs. Lakshmi Viswanathan,
No. 8, Rajan St., T. Nagar,
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 1/8 share Door No. 25, Burkit Road
T. Nagar, Madras-17.
T. Nagar/Doc. No. 564, 565, 613 and 614/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 55/June 84/R.II—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House and ground 11, College Road, situated at Madras-6.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
at Thousandlights/Doc. No. 324/84.
on June 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) 1. Sri Kazim Khaleeli
2. Abbar Khaleeli,
3. Taqui Khaleeli
4. Shamsunnisa Begum,
5. Zeebenmisa Begum,
6. Olyakhannan
7. M. Jawar Khaleeli
8. Nayarah Khaleeli,
9. Maheb Khaleeli,
10. Sharkoofa Khaleeli,
162, Greams Road, Madras-6.

(Transferor)

- (2) Smt. H. Vajidha,
d/o. Ayesath Monawara,
3, Subba Rao Avenue,
2nd St., Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 11, College Road, Madras-6.
Thousandlights/Doc. No. 324/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Mdras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 104/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New R. S. No. 1731/15 situated at Mylapore village No. 10B N. Door No. 25, Edward Elliotts Rd. Mylapore Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 799/84. on June 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. Ganesan,
V. M. Syed Ahamed,
No. 3, Nallappan St., Mylapore,
Mdras-4.

(Transferor)

- (2) Sri Santhiar Maideens Family Trust,
by S. M. Salima Beevi,
No. 11, Nehru Lane, Koothanallur,
Tanjore district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building No. 10B, Door No. 25, Edward Elliotts Road, Mylapore, Madras-4, Narayan Castle, R. S. No.1731/51 New R. S. No. 1731/15 of Mylapore village.

Mylapore/Doc. No. 799/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Mdras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 168/6/84/R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Plot No. 16, Krishnaswamy Nagar, situated at Souripalayam Village, Coimbatore Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 2230/84 on June 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri V. Subba Rao,
16, Krishnaswamy Nagar, Souripalayam Village,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Smt. Vasantha Kumari,
2, Jagannathan,
52A, Gandhipuram, III St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION

The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 16, Krishnaswamy Nagar,
Souripalayam Village, Coimbatore Taluk.

Coimbatore/Doc. No. 2230/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 235/6/84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269D of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. Property at Marchnaickenpalayam 697/84 situated at
Doc. No. 698/84 (vide schedule).
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Anaimalai/Doc. No. 697/84 and 698/84
in June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Sri K. K. Rangasamy Gounder,
son of Late Krishnasamy Gounder,
K. R. Ramaraj, K. R. Sabarigiri, Easwaran,
sons of K. K. Rangasamy Gounder, Meenakshipuram,
Pakaam Kulam, Mulathurai Village, Chittoor Taluk,
Palghat District.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Saiyathan, w/o Late Kaliappa Gounder,
Athupollachi, Marchnaickenpalayam,
Pollachi, Coimbatore.
2. Smt. K. Saraswathi, w/o M. Krishnasamy,
J-3, Police Colony, Uppilpalayam,
Coimbatore Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Property as specified in schedule to Doc. No. 697/84,
698/84 Anaimalai.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 238/6/84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land and Bldg. situated at Marchnaickenpalayam at Anaimalai/Doc. No. 718/84 in June, 1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as alleged to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri M. S. Naniappapillai s/o. Sundaram Pillai, Sundarapuri, Marchnaickenpalayam, Pollachi, Coimbatore. (Transferor)
- (2) Sri Km. Abdul Majeed, 1/60, Sangam Subway, Koundan Pudur, Marchnaickenpalayam, Pollachi, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property Mr. T. K. Sholapurwala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Marchnaickenpalayam. Coimbatore. Anaimalai/Doc. No. 718/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12-2-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 329/6/84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. F. No. 163/1, and 152/1, situated at Thensangampalayam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai/Doc No. 721/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

- (1) Sri S. M. Ramasamy Gounder, s/o Mylsami Gr., Meenakshi, w/o S. M. Ramasamy Gr., Nagarathinam, Shanthi, Chitra, Daughters of S. M. Ramasamy Gr., Thensangampalayam, Pollachi, CB.E.

(Transferor)

- (2) Minor Sree Ram Kumar Prasanna, s/o. P. R. Thangavel (guardian), 78, F. Meenkarai Road, Pollachi, Town Coimbatore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and a well with 7.5 Hp. pump set etc. S. F. No. 163/1, 152/1, Thensangampalayam.

Anaimalai/Doc. No. 721/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 274/June, '84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. Nos. 255-B and 255-A, situated at Lakshminarayan Samudram village, Karur Tk. (Trichy Dt.) Co-op Hsu. Society Ltd., Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay 101 situated at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur (Trichy Dt.) (Document Nos. 1335, 1342 and 1343/84) on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

80—516 GI/84

(1) 1. Mr. Karuppanan,
S/o Mr. Muthusamy Gounder,
2. K. Ramalingam,
S/o Mr. M. Karuppanan,
3. K. Kannaiyan,
S/o Mr. M. Karuppanan,
4. K. Jegadeesan,
S/o Mr. M. Karuppanan,
Periikulathupalayam, Karur (Trichy Dt).
(Transferor)

(2) Mr. A. Mayakrishnan,
President,
Karur Vysya Bank Co-operative Society,
Karur (Trichy Dt.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at R. S. Nos. 255-B and 255-A in Lakshminarayanan Samudram village, Karur Tk. Trichy Dt.—Document Nos 1335, 1342 and 1343/84.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 277/6/84.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land and building : Perianaicken Palayam, Village situated at Coimbatore Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam/Doc. No. 1245/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Soma Azhagiyanan,
s/o A. M. N. Somasundaram Chettiar,
9/35E, Kuppichipalayam Road,
P. N. Palayam,
Coimbatore,

(Transferor)

- (2) 1. Dr. K. A. Selvaraj,
2. Mrs. Vijayalakshmi, wife of No. 1,
Garden, Near Kuppichipalayam,
Perianaickenpalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : Perianaicken Palayam village; S. No 295/1A 5B. A division No. 17 Coimbatore Taluk, Perianaickenpalayam, Doc. No. 1245/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

(1) Sri P. Sadasivan,
s/o. M. Parameswaran Pillai,
115A-9, No. St.,
Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri R. Angappan,
s/o Ramanna Mdr.,
D. No. 1240, Mettupalayam Road,
Near Saibaba Mission, Coimbatore-43.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 293/6/84/R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.D. No. 10/17A 1, A2, Sanganoor situated at Coimbatore Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Gandhipuram Doc. No. 2249/84 in June 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building : Door No. 10/17A 1, A2, Sanganoor,
Coimbatore, Gandhipuram-Doc. No. 2249/84.MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1985

Ref. No. 350/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as specified in schedule to at Doc. No. 1089/84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi/Doc. No. 1089/84 in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri V. N. Narayanasamy, 72, Mudaliar St., Vettaikaranpudur,
2. Sri V. N. Meyyappan and V. N. Santhakumar, s/o V. N. Narayanasamy,
4, Bharathi St., Mahalingapuram, Pollachi.
3. V. N. Kadivel, s/o. V. N. Narayanasamy,
72, Mudaliar St., Vettaikaranpudur,
Pollachi.

(Transferor)

- (2) Shri P. Doraisamy, s/o Ponniappa Gounder and Smt. Jothimani, w/o P. Doraisamy, Alankadavu, Marchanaickenpalayam, Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Property as specified in schedule to Doc. No. 1089/84 Pollachi/Doc. No. 1089-84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Rel. No. 161/June 84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
R.S. Puram T.S. No. 8, situated at Venkatasamy Road (West),
Coimbatore Town

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Coimbatore/Doc. No. 2670/84 in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Sri L. Vadivelu,
s/o A. Lakshmana Pillai,
No. 30, Sahadevapuram,
Extension, Salem.
2. L. Arunachalam,
s/o A. Lakshmana Pillai,
Venkatasamy Road (West),
R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Sri A. Krishnaswamy,
s/o, T. S. Arunachalam Pillai,
Lloyds Colony, Lloyds Road, Royapettah,
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Venkataswamy Road (West), R. S.
Puram, Coimbatore Town, T. S. No. 8/384, Coimbatore
Doc. No. 2670/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 171/6/84.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

T.S. No. 8/38, New T.S. No. 8/411 part, situated at Sambandam Road, R. S. Puram, Coimbatore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 2297/84 in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri N. Murugan,
2. M. Sudha,
28/85, Merku Sambandam Road,
R. S. Puram, Coimbatore. (Transferor)
(2) Smt. G. Bharathi, w/o R. Govardhanan,
24/258, D. RAJA Veedhi, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : New T.S. No. 8/411 part, Sambandam Road, R. S. Puram, Coimbatore Town. Coimbatore town/Doc. No. 2297/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 227/6/84.R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property at situated at Varadampalayam (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam/Doc. No. 1350/84 and 1351/84 in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Sri Chenniappan,
s/o Chellappagounder,
Varadampalayam, Sathyamangalam.
2. Sri Krishnan, s/o Palani,
Varadampalayam Sathy.

(Transferor)

- (2) Sri S. L. Subramaniam,
s/o Lakshminarayanan,
Athani, Bhavani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Varadampalayam. Sathyamangalam/Doc. No. 1350/84, 1351/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 232/6/84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. land situated at Perai Bogha, Village Bulathil
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Anamalai/Doc. No. 684/84 and 683/84 in June, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

- (1) Sri Angamuthu Gounder, and his sons,
son of Late Subbagoounder,
Odayagulam,
Pollachi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Shoba and Minors Bindu and Ravi,
By guardian Mrs. Shoba,
'SHOBA VANDHANAM', Alathur,
Palagat District, Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Peruabogha Village. Anaimalai/Doc. No. 683/84
and 684/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-2-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 245/June 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Puthur Villages, Abishegapuram Town situated at Srinivas Nagar North Extension Resettlement survey No. 48/3, Woraiyur, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Woraiyur/Doc. No. 1563/84 in June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
81—516 GI/84

- (1) Sri R. Bhaskaran,
s/o T. N. Ramamurthy,
22, Srinivasanagar,
North Extension,
Pudur Vayalur Road,
Trichy.

(Transferor)

- (2) Sri S. Subbiah Pillai,
s/o Late Sri Aravandiya Pillai,
111, Woraiyur Salai Road,
Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land : Survey No. 48/3, Srinivasanagar North Extension, Abishegapuram Town, Woraiyur, Trichy, Woraiyur/Doc. No. 1563/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri S. Ganapathy,
w/o L. Santhanam,
22, Chinnakadai Chetty St.,
Trichy Town-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri N. Valliappan,
s/o Nagappachettiar,
2, Naduattimal Tharu,
Trichy Town-8.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 246/Junc/84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL;
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Thillainagar Post Colony situated at Trichy
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Woraiyur/Doc. No. 1629/84 in June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building : Thillainagar Post Colony, Woraiyur/
Doc. No. 1629/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 257/6/84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Re-Survey No. 8/20 and 8/15, situated at Oonjalur Village, Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodumudi/Doc. No. 386/84 in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the [redacted] of any income or any moneys or other [redacted] which have not been or which ought to [redacted] by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. C. Rangasamygounder,
s/o Chinnagounder,
Kolathupalayam and
Smt. Gunavathi Subramaniam,
w/o Dr. K. A. Subramaniam Kuttapalayam.
(Transferor)
- (2) Smt. Chandigadevi,
w/o N. L. Senapathi,
220, Powerhouse Road, Erode.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Resurvey No. 8/20 and 8/15, Oonjalur village, Erode. Kodumudi/Doc. 386/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 258/6/84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing Old Survey No. 4/B, Oonjalur Village, situated at Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodumudi/Doc. No. 388/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Muthayee Ammal
W/o Sri Rangasamy Gounder,
Kolathuppalayam and
Gunavathi Subramaniam, W/o Dr. K. A.
Subramaniam,
Kuttapalayam.
(Transferor)
- (2) Smt. Pongiammal,
W/o Lakshmanagounder,
Neikarankattur,
Donjalur Village.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land :—Old Survey No. 48/Rc. Survey No. 8/20, Vonjalur Village, Kodumudi, Erode.
Kodumudi/Doc. No. 388/84

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 6-2-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras, the 6th February 1985

Ref. No. 263/June.84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 1043/84 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanjavur/Doc. No. 1043/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. Rathinasabapathy and others,
S/o Sri Saminathan Chettiar,
28/533, Rameshwaram Road,
Dharumamchavadi. (Transferor)
- (2) Smt. Jagadambal, W/o Sambasivam Chettiar,
Chetti St., Pattukottai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building :—Property as specified in schedule to Doc. No. 1043/84, Thanjavur.

Mrs. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 6-2-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 283/6/84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 6th Ward, Peria Kadai Veedhi, situated at Trichy district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy/Doc. No. 1050/84. on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri B. Ashok Kumar, represented by Sri Habibul, Receiver, Trichy Sub Court, 89, Peria Kadai Veedhi, Trichy. (Transferor)

- (2) Sri V. Selvaraj, S/o Vellayapillai, Thiruvanaikaval, 1, E. V. R. Nagar, Trichy. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building : 6th ward, Peria Kadai Veedhi, Trichy. Trichy/Doc. No. 1050/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 6-2-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 290/June.84/R.II.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Land in R. S. No. 1672/2, situated at
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto).
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Ooty/Doc. No. 505/84 on June 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri H. A. C. Bunshaw, S/o I. V. Bunshaw,
Sydenham, Cottage, Ooty,
(Transferor)
(2) Mrs. Chellammal, Ooty,
Mrs. Palaniammal, alias Selvi,
Pillayar Koil St.,
Lower Bazar, Ooty.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of the notice on the respective persons
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land in R. S. No. 1672/2, Ooty/Doc. No. 050/84.
Date : 6-2-85

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 12-2-1985,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 323/June/84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Uo. Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 2479/84, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 2479/84 on June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act; the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri C. Angamuthu S/o Sri K. Chinnappa Mudaliar
2. Smt Thanayiammal,
3. Sri Sivanandam,
2, Muthuvelappa Gounder St.,
Erode, Town. (Transferor)
- (2) Sri J. Suthanandam,
S/o Sri Jagannatha Mdr.,
President, Erode Weaver's cooperative production
and Sales Society Ltd.,
218, Nethaji Road, Erode Town. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Property as specified in schedule to Doc. No. 2479/84.
Erode/Doc. No. 2479/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 6-2-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 347/June-84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 7, Pollachi situated at Samba Murthy Josier St., T. S. Ward 2, Pollachi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Pollachi/Doc. No. 1307/84 on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

82—516 GI/84

(1) Sri G. Neelaloola Chettiar,
S/o Govindarajulu Chettiar,
147, Theppakulam Veedhi,
Pollachi Town.

(Transferor)

(2) Sri Sudhalamset, S/o Mahadevaset,
Smt. S. Kamala, W/o Mahadevaset,
11, Thenayappa Mudaliar Chandu,
Pollachi town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Door No. 7, T. S. ward 2, Sambamurthy Josier St., Pollachi Town.
Pollachi Doc. No. 1307/84.

Mrs. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS

Madras-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 348/June-84/R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 38, Jawahar Road, Mahalingapuram situated at Pollachi. (und more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi/Doc. No. 1335/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. M. Kausalya,
w/o. Dr. S. Murugaiyan,
Coimbatore Road, Pollachi.

(Transferor)

(2) Smt. Chellammal,
w/o A. Vellangiri,
38, Jawahar Road, Mahalingapuram,
Pollachi taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building :—38, Jawahar Road, Mahalingapuram, Colony, Pollachi.
Pollachi/Doc No. 1335/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 6-2-85
Seal :

FORM ITNS— — —

(1) The Pondicherry Housing Board represented by its Secretary Thiru P. Mathavan Pillai, S/o Perimal Pillai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Selvi M. A. S. Unnamalai, alias Manimegalai, d/o M. A. Shanmugam, No. 1/81, Irulanchavadi Kalayur, P.O. Bahour (via) Pondicherry.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madrass-600 006, the 6th February 1985

Ref. No. 360/June.84 R.II.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 44, Plot No. 47, Natesan Nagar, situated at Reddiarpalayam Village, Dulgaret, Pondicherry. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozugurai/Doc. No. 1350/84 on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building :—Door No. 44, Plot No. 47, Natesan Nagar, in Resurvey No. 172/Part of Reddiarpalayam Village, of Dulgaret commune, Pondicherry.
Dzhugarai/Doc. No. 1350/84.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madrass-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-2-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-775/84-85.—Whereas, I,
I. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. X situated at Dadra
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer
at Dadra under registration No. 2799 dated 12-6-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Darshan Lal, S/o Sh. Ashchery Lal,
B-36, Mohan Park, Naveen Shahadara, Delhi.
(Transferor)
- (2) Lok Priya Sahkari Awas,
Samiti, Through Sri A. K. Gupta, Secretary,
C-43, Defence Colony, New Delhi.
(Transferee)
- (3) Transferee.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold land measuring 16 bigha, 7 biswas & 3½ biswas
at Doari.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-856/84-85 —Whereas, I,
J. P. HILARI,
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. A-244 situated at Surya Nagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Dadri under registration No. 3184 dated 25-6-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Amir Chand, S/o Shri Mohan Lal,
R/o C/o Munshi Ram Mohan Lal,
Gole Bazar, Shri Ganga Nagar, (Rajasthan).
(Transferor)
(2) Ojpal Singh Malik, S/o Sh. Gurbagh Singh,
R/o 5-35, Inderpuri New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-244, situated at Surya Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-857/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
situated at Village Chhabra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Dadri under registration No. 3200 dated 27-6-84,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Lajja Ram, Dharam Bir & Dharampal,
S/o Shri Sher Singh R/o Vill. Chhabra Bagh,
P.O. Baraula, Dist. Ghaziabad. (Transferor)
- (2) New Delhi Auto Finance,
(P) Ltd., Through Shri Jaipal Agarwal,
7/7, Deshbandhu Gupta Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Chhabra, Parg & Teh.
Dadri, Distt. Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-928/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. situated at Habibpur (Dadri)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transfereed and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Dadri under registration No. 2797 dated 12-6-84for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act
-
- in respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Kishan Lal, S/o Shri Ram Sharma Dass,
-
- B-36, Mohan Park, Naveen Sharma, Delhi.
-
- (Transferor)

- (2) Lok Priya Sahakari Awas,
-
- Samiti, Through Shri A. K. Gupta,
-
- Secretary, C-43, Defence Colony, New Delhi.
-
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned. —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold Land measuring 15-8-83 (pucca) at Habibpur,
Teh. Dadri, Dist. Ghaziabad.J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.Date : 31-1-1985
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1010/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 136, 637, 638 situated at Roshanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardhana, under registration No. 2467 dated 6-8-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

- (1) Sh. Padam Singh, Aman Singh,
S/o Budhu, Ratan Singh,
Village—Roshanpur, Jairali, Post, Khaeh,
Sardhana—Meerut

(Transferor)

- (2) Konarak Sahkari Avash
Samit P&D, Modipuram,
Through—C. D. Sharana S/o D. P. Sharma
Umed Singh Rajput S/o Rawat Singh Rajput
Post—Khash, Dorale, Sardhana—Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 136, 637, 638, 639, 688 E.T.C., Village—Roshanpur, Dorli, Sardhana—Meerut.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1015/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-12/1 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay under registration No. 720 dated 31-7-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
83—516 GI/84

- (1) Shri G. L. Seth (KS-Rtd).
Flat No. 6 Fairlawn-2nd floor,
Maharsh Karway Marg—Bombay-400020.
(Transferor)
- (2) Shri Col. B. N. Bali,
C-11/72 Moti Bagh-I
Sauti Path—New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-12/1 Raj Nagar Scheme No. (IV) Gaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1033/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. KM-68 situated at Kalu Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Gaziabad under registration No. 27422 dated 25-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahabir Prasad Jain
S/o Ummadi Lal Jain
20-Laxmi Bihar Colony, Gaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Anand Kishor Jha S/o Kusheshwar Jha,
Smt. Tripurar Jha W/o Anand Kishor Jha
C/o Katudj Woolen Mills Ltd., G.T. Road-
Dadri Gaziabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. K. M. 68 (200 Sq. yards) M Block Sector-18
Residential Colony Kavi Nagar—Gaziabad.

J. P. HILORI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-1985
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. M-1034/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R14/183 situated at Block-14 Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 27340 dated 25-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gopi Chand Gupta
Late Shri Ratan Lal Gupta R/o C-122
Sector-B-Aliganj, Lucknow. (Transferor)
- (2) Smt. Bina Gupta w/o Shri M. K. Gupta
R/o R-14/183 Raj Nagar, Ghaziabad. (Transferee)
- (3) -do- (Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do- (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. R-14/183, Block-14, Raj Nagar Ghaziabad.

J. P. HILORI
Acquisition Range, Kanpur
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Date : 25-1-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref No. M-1037/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-1/38 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 26827 dated 18-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Vinai Bhushan Gupta S/o Bageshwar Vidyalankar C-378, Sarwati Bihar Delhi-34 .
(Transferor)

(2) Smt. Ramwati W/o Sri Om Prakash Vill. Dabara—
Dadari Ghaziabad.
(Transferee)

(3) -do-
(Person(s) in occupation of the property)
(4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-1/38 (500 sq. yards) situated at Raj Nagar-Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KANPUR
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANHID NAGAR OPP. LENIN PARK,

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1046/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.—situated at—

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saharanpur under registration No. 6250 dated 25-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hem Prabha Devi W/o Late Ravindra Nath Angrise Janakpuri-Khatudli
Present Address—Khatoli Bazar Distt. Muzaffer Nagar.
(Transferor)
- (2) Shri Hari, Harishchand Gupta S/o Ramesh das
R/o Mangal Nagar Distt. Saharanpur.
(Transferee)
- (3) -do-
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3/141 Janakpur Saharanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-2-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1051/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9233 situated at Sikandraabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandraabad under registration No. 1675 dated 28/6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Udaiveer, Sohan Lal, Ram Singh Ss./o Man Phool, Smt. Vishan Devi W/o Man Phool, Guardian Balmukand, Raj Phal, Mahesh (Miror) Sarai Jhhajhan Sikandraabad.
(Transferor)

- (2) Shri Bharat Cold Storage & Ice Mills through Hazi Abdul Rahman Khan, S/o Hazi Nanhey Khan Partner Rahman Manzil—G.T. Road, Sikandraabd.
(Transferee)

- (3) -do-
(Person(s) in occupation of the property)

- (4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 85 Khet No. 9233 Pukhta 1/2 Part East Jhhoralcha—Jhhajhan, Sikandraabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KANPUR
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANHID NAGAR OPP. LENIN PARK,

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1063/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A73 situated Surya Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. — dated 12-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamlesh Kavir W/o Sh. Amar jit Kavir
R/o A-273 Surya Nagar Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Smt. Satya Trehan W/o Sh. Virender Kumar
Trehan R/o 39 Jaina Building Roshan Ara Road,
Delhi (Transferee)
- (3) -do-
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-
(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. A-273 Surya Nagar colony Teh-Dadri Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1064/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-145 situated at Nehru Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 26071 dated 6/6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanhaya Lal Chakravarti S/o Dr. N. N. Chakravarti-36 Naya Ganj Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Shri Mohan Ram Gupta S/o Ratan Lal Gupta 149-Naya Gandhi Nagar Ghaziabad.
(Transferee)
- (3) -do-
(Person(s) in occupation of the property) ↓
- (4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. Second C-145 Nehru Nagar Gazla Bad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX106/282, KANCHAN BHAWAN
ACQUISITION RANGE, KANPUR
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref No. M-1065/84-85.—Whereas, I. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Raj Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 25703 dated 1/6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

* Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
84—516GI/84

- (1) Shri Krishan Lal Aneja S/o Kashi Ram Aneja
R-11/131 Raj Nagar—Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) Shri Jawahar Singh Arnala S/o Parmanand Arnala
I-12 Axbition Camp Kesheo Nagar Saharan pur.
(Transferee)
- (3) -do-
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-
to be interested in the property)
(Persons whom the undersigned knows)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-11/101 Raj Nagar Ghaziabad (200 Sq. Yards
Three rooms, Bath, Kitchen Waters).

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-05 012, the 25th January 1985

Ref. No M-1066/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 2/62 situated at Raj Nagar G.Bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 25697 dated 1-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surender Mohan Chadda S/o M. S. Chadda
R/o 8, Safdar Lam New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Puspā Sharmā W/o Smt. Suresh Chand
Sharma, Prasant Raj, Amit (other Mother Kudart)
Puspa Sharma, Smt. Rajwati W/o Shanker aLi
Garg R/o E-6 Joti Colony Shahdra Delhi-132. (Transferee)
- (3) -do-
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R/2/62 Block 2, Raj Nagar Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-1-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KANPUR
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1967/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 445 situated at Didwari (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 25659 dated 15/6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dilawar Singh S/o Sri Ram Vill. Chitwara Mazara Didwari—Dasana Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Uyyakat Ali, Riyaj Ahmad Mahraj Ahmad S/o Sri Babu Khan Vill. Nahar—Dasana Ghaziabad. (Transferee)
- (3) -do- (Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do- (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as applied in Chapter IV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasara No. 445 in Vill. Didwari Pargana—Dasana Dist. Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. 1068/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing house No. C-131 situated at Lohia Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 25573 dated 15-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahesh Kumar S/o Ram Prakash 8-Sidbarta Enclave, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Kaptan Singh S/o Beni Ram 137-Chandra puri Ghaziabad.
(Transferee)
- (3) -do-
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-131 Lohia Nagar Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KANPUR
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1069/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48 situated at Purwa Ismail Khan (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 26510 dated 13-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Date : 11-2-1985 persons, namely :—

- (1) Smt. Darshan Kaur W/o S. Inder Singh,
R/o 31, Arjun Nagar, Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Pooran Chand S/o Sri Gaddumal & Sri Raj Kumar, S/o Sri Pooran Chand, R/o 159, Jawahar-ganj, Hapur, Distt. Ghazabad. (Transferee)
- (3) -do- (Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do- (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 48 situated at Purwa Ismail Khan, Turabnagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1070/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, 360 situated Village Bhiswal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No. 3072 dated 7-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Singh S/o Raghunath Singh
Village Bhiswal, Post Bhash Pargana, Shamli,
Kairana, M. Nagar. (Transferor)
- (2) Shri Iqbal Singh S/o Chauhali Singh Ram Pal
Singh S/o Pirhana Singh, R/o Bhiswal Post—
Khash Shamli, Kairana Muzaffar Nagar. (Transferee)
- (3) -do-
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing khata No. 5 & 360 at Village—Bhainsawar, Uargana, Shamli, Teh. Kairana, Distt. Muzaffar nagar.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FILE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1071/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No. K.I./76 situated at situated Kavi Nagar G.Bad (and not fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 27613 dated 28-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as stated to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Mohan Lal Bhatnagar S/o Late Shri dices—R1068 Chitra Bihari Behind Radhiv Paulesh New Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Nabab Singh S/o Hukum Singh
R/o Village—Tikri Post Naik Ich. Distt. Meerut.

(Transferee)

- (3) -do-
(Person(s) in occupation of the property)

- (4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jagmohan Lal Bhatnagar R/o 569 Moti Bagh, Present Ad-

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1073/84-85.—Whereas, I J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-18 situated at Brindaban Garden (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad and registration No. 26790 on 18-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devi Prasad Agrawal, S/o Sri Ram Swarup Agrawal R/o 993, Kailash Nagar, Main Road, Gandhinagar, Delhi-31.
(Transferor)
- (2) Shri Subhash Chand Garg S/o Sri Sukhdeo Prasad and others R/o Holiwaligali, Gaziabad.
(Transferee)
- (3) -do-
(Person in occupation of the property)
- (4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop cum House No. S-18 situated at Brindaban Gardens Village—Pasaunda Ton. & Distt. Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85.
Seal :

FORM IINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1075/81 S-2 - Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Nai Gota (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar under registration No. 14440 dated 30-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
85—516G/84

(1) Shri Arun Kumar & Rajiv Kumar, sons of Late Sri Bishan Chaudhary Aggarwal R/o Railway Road, Saharanpur.
(Transferor)

(2) Shri S. Charan Singh S/o S. Mool Singh R/o Nai Gota (Haraki Pardi), Haridwar, Parg. Jwalapur Dist. Saharanpur.
(Transferee)

(3) -do-
(Persons in occupation of the property)

(4) -do-
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House known as 'Lal Pathar Wali' situated at Nai Gota (Haraki Pardi), Haridwar Dist. Saharanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 31-1-85

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. 1076/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 306-A situated at Thaper Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 9120 dated 25-6-1984, the consideration for such transfer is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banarsi Lal & Shri Amrit Lal
S/o Late Lala Devi Dass,
R/o Thaper Nagar, Meerut. (Transferor)
- (2) Dr. Santosh Kumar Singhal
S/o Shri Suresh Prakash &
Dr. Umesh Agrawal
S/o Shri Jyoti Swaroop,
R/o Dalampara, Meerut. (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 306-A situated at Thaper Nagar, Meerut .

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1080, 84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 411 situated at Khanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No. 3711, dated 29-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shiv Devi
W/o Shri Ved Prakash,
R/o Khanpur, Post—Jhivjhara,
Distt. Muzaffarnagar. (Transferor)
- (1) Shri Asha Ram,
S/o Shri Dalpat and others,
R/o Khanpur, P.O. Jhivjhara,
Distt. Muzaffarnagar. (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 411 at Village Khanpur, Pargana—
Jhivjhara, Distt. Muzaffarnagar.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1081/84-85 —Whereas, I, J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 27 situated at Gandhi Road, Dehradun (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 4864 dated 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Anoop Kumar Mittal,
S/o Shri Lal Chand
R/o 38, Dispensary Road, Dehradun (Transferor)
- (2) S/Shri Chandan Prakash & Amar Nath,
Both S/o Shri (Late) Poojan Chand,
R/o 30, Rajpur Road, Dehradun (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 27, Gandhi Road, Dehradun

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref No. M-1084/84-85—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 143/1, 145 etc. situated at Mauja or Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar at Dehradun under registration No. 5291 dated 28-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishna Chand Nagaliya,
S/o Shri Ganga Ram,
R/o 57, Raja Road, Dehradun. (Transferor)
- (2) Smt. Chandia Kanta,
W/o Shri Mool Raj Singh,
R/o 21, New Conft. Road, Dehradun. (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 143/1, 145 etc. at Mauja—
Mohkampur Khurd, Pargana— Parwa, Distt. Dehradun.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1086/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 55 situated Hardwar Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 4975 dated 19-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Raj Dulari Suri,
W/o Shri Desh Raj Suri,
R/o 55, Hardwar Road, Dehradun. (Transferor)
- (2) Smt. Rajeshwari Devi,
W/o Shri Pt. Jyoti Prasad,
R/o Rishikesh, Dehradun. (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 55, Hardwar Road, Dehradun.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1087/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 58/1 situated at Kabli Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 4946 dated 12-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banta Singh,
S/o Shri Achebhar Singh,
R/o 58/1, Kanwadi Road, Dehradun. (Transferor)
- (2) Smt. Sita Rani,
W/o Shri Ram Niwas &
Shri Ram Niwas,
R/o 136, Park Road Dehradun. (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 58/1, Kanwadi Road, Dehradun.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref No M-1038/84-85—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing land situated at Dharampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No 112 dated 25-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nandla Khanna
W/o Shri B. D. Khanna,
K/o 11 Mohan Road, Dehradun (Transferor)
- (2) Bhagnathi Sahitri Avas Samiti Ltd
Through—Shri P. S. Bisht,
39-Raj Pur Road, Dehradun (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Free Hold Land Situated in Vill Dharampur, Dehradun.

I. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. M-1090/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8/1 situated at Inder Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5031 dated 21-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
86—516GI/84

- (1) Smt. Sumran Mala Jain
W/o Shri Sumer Chand Jain,
Shri Pradeep Kumar Jain,
S/o Shri Sumer Chand Jain & other,
R/o 5/2 Subhash Road, Dehradun. (Transferor)
- (2) Shri Ganesh Prasad,
S/o Shri Shanker Lal Mittal,
Shri Vinay Kumar Mittal
S/o Shri Ganesh Prasad Mittal,
R/o 46 Maliyar Mohalla, Dehradun. (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8/1, Inder Road, Dehradun.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 25-1-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. M-1091/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R-13/89 situated at Raj Nagar Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 26685 dated 15-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amlak Lal Bajaj
S/o Shri Bhagwan Das Bajaj
R/o 11/6 B, Pusha Road, New Delhi,
Present Ad. 9A/44 Karol Bagh,
W.E.A. New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Pahil
W/o Shri Bijender Singh Pahil,
R/o 63 Kotgaw, Ghaziabad. (Transferee)
- (3) — Do — [Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-13/89 Raj Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 25-1-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref. No. M-1094/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-22 situated at Nehru Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 25798 dated 2-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vimal Gupta
W/o Shri M. P. Gupta,
R/o B-32 Mall Road, Agra,
Present Add. R/o 180 New Gandhi Nagar,
Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Smt. Sakuntla Devi
W/o Shri Bhop Singh
R/o F-IIIrd 184 Nehru Nagar,
Ghaziabad. (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-22 Nehru Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 25-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1095/84-85—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R-12/32 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad under registration No. 25767 dated 2-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jivan Chand Pant
S/o Shri Harish Chandra Pant
R/o Talli Tal. Kailash View,
Nainital. (Transferor)
- (2) Smt. Reeta
W/o Shri Roshan Lal
R/o QG-52, Kavi Nagar,
Gaziabad. (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-12/32 (500 Sq. Yards) at Raj Nagar,
Gaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 25th January 1985

Ref No M-1098/84 85 — Whiccas, I, J P HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing situated at Dadri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No 2649 dated 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Chand
S/o Shri Ram Kumar,
GhanShyam Road Dadri,
Post—Pargana—Dadri,
Distt Gaziabad.

(Transferee)

- (2) Shri Chokhey Lal
S/o Shri Kudey,
R/o Railway Road, Dadri,
Post—Dadri, Distt. Gaziabad.

(Transferee)

- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Dadri Pargana, Dadri Distt Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 25-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1102/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-H-36 situated at Karve Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad under registration No. 25567 dated 15-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Das Gaur
S/o Pt. Kashi Ram
C/o Janata Auto Store,
Now—Universal Service Station
GT Road, Buland Shahar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Laxman Prasad Jain
S/o Shri Kalyan Rai Jain
2. Shri Ashok Kumar Jain
S/o Shri Laxman Prasad Jain
R/o KH-188, Kavi Nagar,
Gaziabad.

(Transferee)

(3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]

(4) — Do —
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. KH-36, situated at Kavi Nagar, Gaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985.

Ref. No. M-1103/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/142-C situated at Pathan Pura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharan Pur under registration No. 5660 dated 12-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sardar Pooran Singh
S/o Sardar Pal Singh
Sarada Nagar, Saharan Pur.
(Transferor)
- (2) Sardar Amar Singh
S/o Sardar Dhan Singh
Sarada Nagar,
Present Shankar Nagar,
H. No. 2/1424-C, Saharan Pur.
(Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person) whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. C-2/1424, Shankar Nagar (Pathan Pura) Saharan Pur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1112/84-85.—Whereas, I. J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Chak Basant Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad under registration No. 2667 dated 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Fakira Mahipal
S/o Shri Ram Kishan
Vill. Karhada, P.O. Mohan Nagar,
Gaziabad. (Transferor)
- (2) Deewan Trust M-225- Greater Kailash
New Delhi,
Through Shri Radhey Shyam
S/o Shri Musoddi Lal
23/K-Maliwara, Gaziabad. (Transferee)
- (3) — Do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — Do —
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 3 Rakba 179-4-18-1/10 Pal situated at Chak Basant Pur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(ACQUISITION RANGE)
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 28th January 1985

Ref. M-1113/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B/75, situated at Surya Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 2864, dated 15-6-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
87—516 GI/84

- (1) Shri Vinod Chandra Rishi,
S/o Shri O. P. Rishi,
R/o G-6, Green Park Extension,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Pooran Chandra Gupta,
S/o Shri Shyam Lal Gupta,
R/o D-1/4, Krishna Nagar,
Delhi-110051. (Transferee)
- (3) — do —
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) — do —
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B/75, Sector No. 7, situated at Surya Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
(Acquisition Range),
Kanpur.

Date : 28-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1114/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 30A, situated at A Bazar Nai Mandi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered
under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
M. Nagar, under registration No. 6073 dated 6.6.1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Govind Ram,
S/o Shri Dorkadas, Balkushan
S/o Shri Govind Ram Bhatia,
R/o 107 Ghair Khatiyani Nai Mandi,
Muzaffarnagar. (Transferor)
- (2) Shri Promod Kumar,
S/o Lala Shivaji Ram,
Muzaffar Nagar.
R/o 111/1-B Nai Mandi, (Transferee)
- (3) — do —
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) — do —
[Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 30A, A. Bazar Nai Mandi, Muzaffar Nagar.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 31-1-85.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE.
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1119/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
56, situated at Bag Pal Road,
has been transferred and registered
has been transferred and the agreement is registered under
under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
Meerut under registration No. 81309 dated 12-6-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Shri Surendra Singh,
S/o Sardar Sawan Singh,
Madhuban Colony, Bagpat Road,
Meerut. (Transferor)
- (2) Shri Suraj Prakash,
S/o Chanan Shah,
Tobachi Bara,
Meerut. (Transferee)
- (3) — do —
!Person(s) in occupation of the property]
- (4) — do —
(Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A Residential House No. 56 Bagpat Road, Meerut.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 31-1-85.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. 1125/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-7, situated at Sikanderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikanderabad under registration No. 1436, dated 13-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. U.P. Financing Corporation,
Through Shri D. S. Lal,
Garh Road,
Meerut. (Transferor)
- (2) M/s. Supriya Vegetable Oil Mills Pvt. Ltd.
Through Shri Satish Chandra Agrawal,
Managing Director,
21, Chandrapuri,
Ghaziabad. (Transferee)
- (3) — do —
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) — do —
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-7, situated at Industrial Area, Sikanderabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 31-1-85.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1129/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Bagpat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bagpat under registration No. 3967, dated 27-6-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukh Bir Singh,
S/o Jyoti Prasad, Narendra, Surendra Kumar,
S/o Sukh Bir Singh,
Baraut, Bagpat,
Meerut. (Transferor)
- (2) Smt. Firoji Devi,
W/o Late Mahendra Singh,
Smt. Reeta Devi,
W/o Ashok Kumar,
Patti Wazidpur,
Baraut,
Meerut. (Transferee)
- (3) Transferee.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Transferee.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House in which (Two Rooms) situated at Patti Wazidpur Pargana Baraut, Meerut.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 31-1-85.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M—1132/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 386, situated at Tilak Road, Meerut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 9013, dated 22-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savitri Singh
W/o (Late) Dr. Nanchal Singh,
R/o Begam Bagh, Begam Brij Road,
Meerut. (Transferor)
- (2) Shri Howana Ram Taneja,
S/o Parma Ram Taneja—Faridabad.
Bharat Bhushan
S/o Hari Chand,
R/o Lal Kurti,
Meerut. (Transferee)
- (3) Transferee.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Transferee.
Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Part of House No. 386 old, Hall No. 15, Tilak Road, Meerut.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur.

Date : 31-1-85.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BHAWAN,

GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1133/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80/3, situated at Shivaji Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 7732, dated 2-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. P. Pandey
S/o Late K. P. Pandey,
261, Shivaji Road,
Meerut.
Present—Shastri Nagar,
Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Kusumlata Garg.
W/o V. K. Garg, Shri Rakesh Kumar Garg,
S/o Y. K. Garg etc,
114-Mohan Puri,
Meerut.

(Transferee)

(3) Transferee.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Transferee.
Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 80/3 New No. 261, Shivaji Road, Meerut
Hapur Road, Meerut.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur.

Date : 31-1-85.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1135/84-85,—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
9/137, situated at Rajnagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at
the Registering Officer at
Ghaziabad under registration No. 26349, dated 11-6-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Smt. Krishna Baghawan,
W/o (Late) Shri Chandia Prakash Baghawan,
R/o 8-A/93, W.E.A. Barol Bagh,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Phoolkali,
W/o Shri Badan Singh,
R/o Vill. & P.O. Jalokhari,
Distt. Aligarh. (Transferee)
- (3) Transferee.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Transferee.
Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9/137, Sector No. 20, situated at Rajnagar,
Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
(Acquisition Range),
Kanpur.

Date : 31-1-85.
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
(ACQUISITION RANGE)
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1155/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
C-187, situated at Surya Nagar,
and bearing No.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority
under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of
the Registering Officer at
Dadri under registration No. 2634, dated 6-6-84,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—
88—516GI/84

(1) Shri Rajendra Kumar Gupta,
S/o (Late) Shri Indra Chand Agrawal,
H. No. 1170, Chhata Madan Gopal,
Maliwada, Chandni Chowk,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chhidda Lal Sharma,
S/o Shri Govind Swaroop,
R/o Vill . . . Siñani, P.O. Khas,
Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Transferee.

Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-187, Sector No. 7, Surya Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
(Acquisition Range),
Kanpur.

Date :31-1-85.
Sd/- :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK,
KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st January 1985

Ref. No. M-1263/84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nil, situated at Haripani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie, under registration No. 105, dated 30-8-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prithy Shamsher,
S/o Maha Raj Kumar, Bahadur Shamsher,
R/o Fair Town Tharipari,
Mussoorie. (Transferor)
- (2) M/s. Prem Heavy Engineering Works,
P.2 T.D. Through Chairman, S. C. Jain,
S/o Shri Phool Chad Jain, Rani Mills,
Delhi Road,
Meerut. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Transferee.

Person(s) whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of fair Town Estate, Thari Paul, Mussoorie.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur.

Date : 31-1-85.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
RAHTAK.

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. GRG/89/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Half portion of shop No. 68/16, situated at Basai Road, Gur-
gaon,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Gurgaon under Registration No. 2397, dated 6-6-1984,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Smt. Santosh Kumari,
W/o Shri Balbir Kumar,
r/o H. No. 528/16, Ice Factory,
Civil Lines,
Gurgaon.

(Transferor)

- (2) Smt. Sarla Marg,
W/o Shri Ram Kishan Garg,
R/o House No. 68/16, Basai Road
Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being half portion of shop No. 68/16, Basai Road
Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at
Sr. No. 2397 dated 6-6-84 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak.

Date : 8-2-1985.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
RAHTAK.

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. GRG/90/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Half portion of shop No. 68/16, situated at Basai Road, Gurgaon, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2398, dated 6-6-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Santosh Kumari,
W/o Shri Balbir Kumar,
r/o H. No. 528/16, Ice Factory,
Civil Lines,
Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Garg,
w/o Shri Asa Nand Garg,
r/o shop No. 68/16, Basai Road,
Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being half portion of shop No. 68/16 situated at Basai Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2398 dated 6-6-1984 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak.

Date : 8-2-1985.
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
RAHTAK.

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. GRG/90-A/84-85.—Whereas, I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ahata on the back of shop No. 68/16, situated at Basai Road, Gurgaon,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 2399, dated 6-6-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Santosh Kumari,
W/o Shri Balbir Kumar,
r/o H. No. 528/16, Ice Factory,
Civil Lines,
Gurgaon.

(Transferor)

- (2) Smt. Manju Garg,
w/o Shri Asha Nand Garg,
r/o shop No. 68/16, Basai Road,
Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Ahata on the back of shop No. 68/16 situated at Basai Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2399 dated 9-6-1984 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak.

Date: 8-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
RAHTAK.

Rohtak, the 7th February 1985

Ref. No. GRG/105/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land 5 Acre 1 Kanal 10 Marlas situated at Village Shikoh-
pur (Gurgaon),
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Gurgaon under Registration No. 2751, dated 19-6-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Svs. Ram Chander--Babir Singh alias Bholu--Bal-
want Singh,
S/o Bhim Singh & Risal Singh
s/o Lila Ram,
r/o Village Shikohpur,
Teh. & Distt.
Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. Baker Oil Tools (India) Pvt. Ltd.,
15-B, Atmaram House, 1-Tolstoy Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 Acres 1 Kanal 10 Marlas
situated at village Shikohpur (Gurgaon) and as more men-
tioned in the sale deed registered at Sr. No. 2751 dated
19-6-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak.

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
RAHTAK.

Rohtak, the 7th February 1985

Ref. No. GRG/106/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing
Land 1 Acre 5 Kanals 15 Marlas situated at Vill. Shikohpur
(Gurgaon),
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
at Gurgaon under Registration No. 2752, dated 19-6-84,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Svs. Rampat—Dalip
Ss/o Ram Chander
s/o Maha Singh; Ram Chander—Balbir Singh
Ss/o Lila Ram,
r/o Village Shikohpur,
Teh. & Dist.
Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. Baker Oil Tools (India) Pvt. Ltd.,
15-B, Atmaram House, 1-Tolstoy Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as gives in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 Acre 5 Kanal 15 Marlas
situated at village Shikohpur, Tehsil & Distt. Gurgaon and as
more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2572 dated
19-6-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Date : 7-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. IND/19/84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land measuring 60 Kanals 7 Marlas situated at Jind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jind under Registration No. 1147 dated 7-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vipin Kumar adopted son of Smt. Ram Kali Wd/o Shri Ram Chander,
H. No. 311, Mohalla Sheela Pati,
Jind.
(Transferor)
- (2) (i) Smt. Kesar Devi Wd/o Shri Telu Ram;
(ii) Bhagwan Dass s/o. Shri Mool Chand;
(iii) Govind Ram Mittal s/o Om Parkash;
(iv) Brahma Nand Singhal s/o Late Lachhman Dass;
(v) Subash Chander s/o Pyare Lal;
(vi) Smt. Ram Devi w/o Hargovind and
(vii) Smt. Sudarshan Kumari w/o, Shri Sham Lal through M/s. Punjab Timber Store,
Jind Mandi (Haryana).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 60 Kanals 7 Marlas situated at Jind and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1147 dated 7-6-84 with Sub Registrar, Jind.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 8-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Chandu Lal s/o Shri Chhangamal
s/o Banshidhar, R/o Rewari,
Distt. Mahendergarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Anil Kumar s/o Shri Hari Shanker Jain,
R/o Charkhi Dadri C/o Munna Lal Onkar Mal,
Cloth Merchant, Gur Bazar,
Rewari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 8th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RWR/6/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop situated at Town Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari under Registration No. 584 dated 2-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 1318-19 situated at Gur Bazar, Rewari and as more mentioned in the Sale Deed registered at Registration No. 584 dated 2-6-84 with the Sub Registrar, Rewari.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
89—516G1/84

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 8-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 8th February 1985

Ref. No. RWR/7/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 -
and bearing
No. Shop situated at Town Rewari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rewari under Registration No. 841 dated 18-6-84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) Shri Hari Ram S/o Shri Chhanganmal
s/o Lala Banshidhar R/o Town Rewari,
Distt. Mahendergarh. (Transferor)
- (2) Shri Ram Parkash s/o Shri Banarsi Dass
s/o Lala Munna Lal C/o Munna Lal Onkar Mal,
Cloth Merchant, Gur Bazar,
Rewari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 1318-19 situated at Gur Bazar,
Rewari and as more is mentioned in the Sale Deed register-
ed at Registration No. 841 dated 18-6-84 with the Sub
Registrar, Rewari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 8-2-1985.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK**

Rohtak, the 12th February 1985

Ref No SRS/2/84-85 —Whereas, I,
R K BHAYANA,
being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Shop No 157-A, Anaj Mandi situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa under Registration No 2205 dated 13-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rameshwar Dass s/o Shri Kashmira Lal
s/o Lala Bhanju Ram Mukhtiar-am
Smt. Pushpa Devi, R/o Anaj Mandi,
Sirsa.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Devi w/o Shri Heera Lal s/o, Shri
Gaja Nand, r/o village Bhadra (Ganganagar);
c/o M/s Subhash Chand Harish Chand,
160, Anaj Mandi,
Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(c) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 157-A situated at Nari Anaj Mandi Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No 2205 dated 13-7-1984 with Sub Registrar, Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 12th February 1985

Ref. No. SRS/1/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 157-A, Anaj Mandi, situated at Sirsa has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa under Registration No. 1831 dated 23-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rameshwar Dass s/o Shri Kashmiri Lal
s/o. Lala Bhanju Ram Mukhtiar-am
Smt. Pushpa Devi Self, R/o Nai Anaj Mandi,
Sirsa.
(Transferor)
- (2) Smt. Geeta Devi w/o Shri Heera Lal
S/o Raja Nand R/o Village Bhadra (Ganganagar)
c/o M/s. Subhash Chand Harish Chand,
160, Anaj Mandi,
Sirsa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 157-A situated at Nai Anaj Mandi Sirsa and as more mentioned in the Sale Deed registered at Sr. No. 1831 dated 23-6-1984 with Sub Registrar, Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1985

Ref. No. HSR/33/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 237 Kanals 12 Marlas situated at Village Daulatpur (Hisar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hisar under Registration No. 1912 dated 27-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lal Singh alias Lal Chand s/o. Molar Ram s/o. Phool Chand r/o Mandi Kalan, Tehsil Narvana, Distt. Jind now r/o Barwala, Tehsil & Distt. Hisar.

(Transferor)

- (2) Svs. Prithvi Singh Lamba s/o. Sohan Lal Lamba; Pardeep Lamba s/o. Prithvi Singh; Yogender Singh s/o. Ramji Lal; Smt. Salohna w/o. Yogender Singh, All r/o Village Daulatpur, Tehsil & Distt. Hisar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 237 Kanals 12 Marlas situated at village Daulatpur, (Hisar) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1912 dated 27-6-84 with the Sub Registrar, Hisar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 11-2-1985.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1985

Ref No. AMB/43/84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 46, Dayal Bagh, situated at Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 3072 dated 27-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sampuran Singh s/o. Shri Santokh Singh, r/o Machhond, Teh. & Distt. Ambala.

(Transferor)

- (2) Smt. Sita Devi w/o Shri Joginder Parsad, r/o 46, Vijay Nagar, Dayal Bagh Colony, Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 46 situated at Dayal Bagh, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3072 dated 27-6-1984 with Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Ashok Kumar s/o. Shri Ram Dayal
s/o. Lachman Dass, r/o Radaur,
Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

(2) M/s. Aggarwal Ice Factory,
Radaur,
Distt. Kurukshetra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 11th February 1985

Ref. No. Radaur/10/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Land measuring 2 Kanals 18 Marlas plus building structures
situated at Radaur (Kurukshetra)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Radaur under Registration No. 1732 dated 11-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 Kanals 18 Marlas situated
at Radaur and as more mentioned in the sale deed registered
at Sr. No. 445 dated 15-6-1984 with Sub Registrar, Radaur.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1985

Ref. No. KNL/24/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
House No. 1974/13, Urban Estate, situated at Karnal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Karnal under Registration No. 1732 dated 11-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this office notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely:—

- (1) Shri Bhupinder Singh s/o Shri Sadhu Singh,
r/o 1974/13, Urban Estate, Karnal.
(Transferor)
- (2) Smt. Sarbjot Kaur d/o. Major Gurdial Singh
Mann, Village Talania, Tehsil Sirhind,
Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 1974/13 situated at Urban
Estate, Karnal and as more mentioned in the sale deed regis-
tered at Sr. No. 1732 dated 11-6-1984 with Sub-Registrar,
Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 11-2-1985.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amrik Singh s/o. Shri Kesar Singh
r/o Panipat.

(Transferor)

(2) M/s. Ludhiana Wool & Shal Manufacturing Association,
Ludhiana through Shri Jagdish Lal s/o Hans
Raj, r/o Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 12th February 1985

Ref. No. PNP/33/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
land measuring 5 Bigha 18 Biswas situated at Village Taraf
Insar (Panipat)
situated at Panipat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Panipat under Registration No. 1506 dated 21-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 5 Bigha 18 Biswas situated
at village Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the
sale deed registered at Sr. No. 1506 dated 21-6-1984 with
Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

90—516 GI/84

Date : 12-2-1985.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 11th February 1985

Ref. No. PNP/38/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot measuring 1835.5 sq. yds., situated at Industrial Area,
Area, Panipat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Panipat under Registration No. 1644 dated 28-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) (i) Shri Jai Kanwar Singh s/o. Raghbir Singh,
r/o 106, Ward No. 5,
Panipat.
(ii) Smt. Usha Rani Wd/o. Shri Raj Kumar,
r/o 83-B, Wazir Chand Colony,
Karnal.

(2) M/s. Sunder Industrial Corporation through Shri
Nasib Chand s/o. Babu Ram c/o M/s. Aggarwal
Hardware Store, Sangrur Road,
Dhuri (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot measuring 1837.5 sq. yds., situated at
Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale
deed registered at Sr. No. 1644 dated 28-6-1984 with Sub-
Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 11-2-1985.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 12th February 1985

Ref. No. PNP/39/84-85.—Whereas, I,
R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land measuring 10 Bigha 10 Biswas situated at Village Taraf Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule below), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 1676 dated 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Svs. Jagir Singh—Dalip Singh—Jasbir Singh—
Lakhbir Singh Ss/o. Shri Pala Ram; Smt. Dalip
Kaur Widow & Smt. Gurmeet Kaur, Lakhvinder
Kaur Ds/o. Shri Pura Singh,
r/o village Taraf Insar,
Panipat.

(Transferor)

(2) Ludhiana Hosiery & Textile Association (Regd.),
H.O. Madhopuri Chowk,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 Bigha 10 Biswas situated at village Taraf Insar, Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1676 dated 29-6-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
RohtakDate : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 407/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land & buildings situated at Koritipadu R. Agraharam, Guntur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in June 1984, for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

(1) M/s. Deccan Agro Industries Ltd., Guntur.
(Transferor)

(2) M/s. Polisetty Somasundaram Pvt., Ltd.,
Managing Director Sri P. E. Gupta,
R. Agraharam, Guntur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land and Buildings situated at R. Agraharam, and Koritipadu, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 7808/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-2-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 408/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lands situated at Nallapadu Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt D. Chinn Hanimi Reddy and Others,
Nallapadu, Guntur.
(Transferor)

(2) Sri M. Shanmukham Chettiar and Others,
C/o Sri Kanatchi Cotton Ginning &
Pressing Factory, 88-F/7-B(1), Kamaraj Road,
Tirupur-638 604
Tamilnadu.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands admeasuring 4-17 cents situated at Nallapadu village Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 8308, 8257, 11102, 8403, 9403, 9465, 9081/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 409/84-85—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. V Suryakantam, W/o Venkataraju, Kakinada.
(Transferor)
- (2) Sri M Koteswara Rao, S/o Butchayya, Ganapavaram, Chilaka Iuripeta, Guntur Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1306 sq. yds. situated at Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 5375/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri G. Veerabhadra Rao and Others
Gudavalli, Krishna Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Kuriseti Satyavathamma,
W/o Nagabhushanam, Bhimavaram, W.G. Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 12th February 1985

Ref. No. RAC No. 410/84-85 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Gudavalli (v) Krishna Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Gudavalli village, Krishna Dt., admeasuring 2 acres 34 guntas registered by the S.R.O., Vijayawada vide document Nos. 3531, 3476, 3460, and 3508/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 411/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. land & Factory situated at Nandigam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Nandigama in June 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Sri Kankimalla Venkateswara Rao,
Nandigama, Krishna Dt.
(Transferor)

(2) Umamaheswara Groundnut Modern Mill and
Oil Mill,
Rep. by partners Sri D. Pullaiah and Others,
Nandigama Post, Krishna Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Factory building situated at Nandigama, Krishna
Dt., registered by the S.R.O. Nandigama vide document
Nos. 1800, 1801, 1802, 1803/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A P)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC No 412/84 85 —Whereas, I,
M JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 -
and bearing
No. House situated at Hanumanpet Vijayawada,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Vijayawada in June 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) Section 269D of the said Act to the following
persons namely —
91—516GI/84

- (1) Sri Gajavalli Appaiah Rao,
and Smt Nagendramma and Others,
Singarajuvariveedhi, Vijayawada

(Transferor)

- (2) Sri Narayanam Gopala Krishna Rao,
S/o Venkateswara Rao, Raja Rangayyappa Rao
Street, Vijayawada

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Bearing D No 14 8-10, situated at Hanu-
manpet, Vijayawada registered by the SRO, Vijayawada
vide document No. 3786/84

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A P)

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 413/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mill situated at Mulukuduru Guntur Dt (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pennur in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri B. Bhushaiah, Mulukuduru Sivaru,
Machavaram Post, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Sri B. Pitchaiah S/o Vee. aiah,
Mulukuduru Sivaru, Machavaram Post,
Guntur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill situated at Mulukuduru village near Machavaram, Guntur Dt., registered by the S.R.O., Ponnur vide document No. 560/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 414/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lands situated at Guntur Dt. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Ghalib Saheb and Others, Venigundla, Guntur.

(Transferor)

(2) Guntur Cooperative House Construction, Society Ltd., Rep. by Sri G. Lakshminarayana, Srinivasa Nagar, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Venigundla, Pedakakani, Reddy Palem, registered by the S.R.O., Guntur vide document Nos. 8757, 8746, 7976, 7921, 7683, 7682, 3362, 3363/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri J. Laxmikantha Rao, Machilipatnam.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Kothuri Sesa Rao, S/o Veeraraghavaiah,
D. No. 13-2-57, Gunturavarithota, Guntur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 415/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gunturivarithota Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Gunturivarithota, Guntur, registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 7051, 7040/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad. the 12th February 1985

RAC. No. 416/84-85 — Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Industrial Area Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Ch. Ramachandra Rao and Others,
Patamata, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Sri C. Rama Rao, M/s Automotive Rubber Products, C-6, Industrial Estate, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property situated at Industrial Area, Vijayawada admeasuring 1667 sq. yds. of land area and 2200 sqft., shed area registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 3557/84

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 417/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
No. House situated at Nellore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Nellore in June 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri D. Ranga Reddy, 15, Cathedral Garden Road,
Nungambakkam, Madras-34. (Transferor)
(2) Sri S. Ramalinga Reddy and Others,
H. No. 24/1622, Dargamitta, Nellore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 24/1622 at Dargamitta,
Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document
No. 3541/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-2-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 418/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. House Flat situated at Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Vijayawada in June 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceed the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri S. Panduranga Raju, S/o N. V. Narayanaraju,
Vijayawada. (Transferor)
(2) Smt. M. Dhanandhan, W/o K. R. Dhanendran,
Pr. in M/s Sabhapathi Rajendran Canal Road,
Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring 735 sq. ft. situated at Mogalrajapuram,
Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide docu-
ment No. 4327/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

Seal : Date : 12-2-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1010/84-85. —Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Flat situated at P.G. Road, Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
R.R. Dt. in June 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Toorkey Engineering Contracting SHAMA
Apartments, 138, Prenderghast Road,
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Mrs. Khorshed Rustom Bisnev,
46 Shama Apartments, P.G. Road,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective person,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46 in Shama Apartments, 4th floor situated at
S.P. Road, Secunderabad measuring 1660 sqft. registered by
the S.R.O. R.R. Dt. vide document No. 3565/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Kamal Roop Builders, 3-4-183,
T.B., Secunderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. S Ravi Chowdary, NTPC A-59,
Jyothinagar, Karimnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person intested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

RAC. No. 1011/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat situated at Walker Town, Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Secunderabad in June 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration, therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4 in 1st floor of Sujatha Apartments, 6-1-138,
Walker Town, Secunderabad measuring 700 sqft., regis-
tered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 287/
84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

92—516GI/84

Date : 11-2-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1012/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Shop situated at T.B., Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Srinivasa Market Complex,
2-1-41/A, T.B., Secunderabad. (Transferor)
- (2) Smt. P. Kousalya W/o Jaganadham,
Mothukuru village, Malgonda Dt. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2-1-41/A/10 at 1st floor of Srinivasa Market T.B., Secunderabad admeasuring 171 sft. registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 303/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Meghna Constructions, 225/A Triveni
West Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Homi R. Mehta, Flat No. 2, Ground floor,
225/A, West Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

Ref. No. RAC. No. 1013/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Flat situated at West Marredpally, Sec. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in ground floor of Meghana Apartments, West Marredpally Secunderabad registered by the S.R.O. Marredpally vide document No. 1336/84.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1014/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Flat situated at Rukminidevi Colony Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s. Gitanjali Constructions, 225/A, West Marredpally, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Sri Venkataramana Babu, Plot No. 195, Mahendra Hills, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) 'by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 in 1st floor of Gitanjali Apartments, West Marredpally Secunderabad admeasuring 1026 sq. ft., registered by the S.R.O., Marredpally vide document No. 1317/84.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985
Seal:

FORM ITN

- (1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92,
M.G. Road, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) M/s. Electronic Industries of A.P.
Office No. 636, M.G. Road, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1015/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 636 in 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad ad-measuring 439 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3565/84.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1016/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing
No. Flat situated at Rukminidevi Colony
Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-
gistering Officer at Marredpally on 6/84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Gitanjali Constructions, 225/A,
West Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Miss Kamalesh Rajesham,
Flat No. 5, Second floor on Plot No. 4,
Rukminidevi Colony, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 0 days from
her service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in 2nd floor of Rukminidevi Colony, Secundera-
bad admeasuring 955 sq. ft., registered by the S.R.O. Marred-
pally vide document No. 1316/84.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985
Sd/-

FORM ITNS—

- (1) Sri Praveen Kumar Ganatra and Other,
R/o 108 Navyunnagar, 9th Floor,
Forjeet Hill, Tardeo, Bombay.

(Transferor)

- (2) Smt. Deepta, W/o Sri Ramesh Ahuja
Flat No. 408, Tahasaiman Chamber,
142-C, Penderaghat Road, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1017/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
bearing No. Office situated at Kabra Complex
Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-
gistering Officer at Marredpally on 6/84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 206 in 2nd floor of Kabra Complex, M.G. Road,
Secunderabad admeasuring 491.66 sft., registered by the S.R.O.
Secunderabad vide Document No. 34/84.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-2-1985
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1018/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Kabra & Co., Rep. by Sri S. Prabhakara Reddy 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad. (Transferor)

(2) Sri P. Mohan Rao, S/o Hanumantha Rao, 1-8-48/3, Krishnanagar Colony, P.G. Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 204 in 2nd floor at Kabra Complex, 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad admeasuring 491.66 sft. registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 318/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad the 11th February 1985

RAC, No. 1023/84-85. Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Domalguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 6/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

93—516GI/84

- (1) Sri J. Prabhakar Rai and Others, 1-2-282, 282/A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. K. Matchamma, Flat No. 303, D. No. 1-2-282/282-A, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 in 1-2-282, 282/A, Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3320/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-2-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1024/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Flat situated at Domalguda Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Secunderabad on 6/84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely :—

- (1) Sri J. Prabhakar Rao, and Other
1-2-282/282-A, Domalguda, Hyderabad,
(Transferor)
- (2) Sri N. Raghunath, Flat No. 407,
D. No. 1-2-282 & 282-A, Domalguda,
Hyderabad,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407 in 1-2-282 and 282/A, Domalguda, Hydera-
bad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hydera-
bad vide document No. 3318/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1025/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
(being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat situated at Domalguda Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Secunderabad on 6/84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by the more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Sri J. Prabhakar Rao and Others
1-2-282 and 282-A, Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. G. Hemalatha, 1-2-282 and 282-A,
Flat No. 406, Domalguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406 in 1-2-182 and 182-A,, Domalguda, Hydera-
bad admeasuring 900 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad
vide document No. 3319/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. O. Sarasathi, W/o, Gopal Reddy,
1-10-380/27/4, Ashoknagar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Sri Chabbinath, S/o Sugumar,
H. No. A-23, Domalapenta, Srisailem Dam
West, Mahaboobnagar Dt., A.P.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 1026/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAON MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269AB of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
bearing No. House situated at Jubilee Hills
Colony, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Khairatabad on 6/84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 8-2-293/32/A/1102 at Road No. 36 of Jubilee
Hills, Colony, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairata-
bad vide document No. 1450/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-
ing persons, namely :—

Date: 12-2-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Mohd. Hashmi Moosa, 4-1-872,
Tilak Road Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sharada Gupta, W/o Omprakash,
4-1-872, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th February 1985

RAC. No. 1027/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
House situated at Tilak Road
Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Hyderabad on 6/84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objection if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein are
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 4-1-872, Tilak Road, Hyderabad admeasuring 388
sq. yds. of land area and 1700 sq. ft., plinth area registered
by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3265/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1022/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at bearing No. Flat situated at Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri J. Prabhakar Rao & Other,
1-2-282, 282/A, Domalguda, Hyderabad.
(Transfeter)
(2) Smt. J. Vijayalakshmi, 1-2-282, 282/A,
Domalguda, Hyderabad, Flat No. 101.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 in 1-2-282 and 282-A, Domalguda, Hyderabad admeasuring 900 sq. ft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3321/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 11-2-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1021/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri J. Prabhakar Rao and Other
1-2-282 and 282-A, Domalguda, Hyderabad.
(Transferor)
(2) Smt. M. Uma Devi, W/o M. Mohan Raju,
Flat No. 103, 1-2-282 and 282-A,
Domalguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 1-2-282 and 282-A at Domalguda, Hyderabad ad-measuring 900 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3322/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

RAC. No. 1020/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop situated at T.B., Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 6/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Srinivasa Market Complex 2-1-41/A, Tobacco Bazar, Secunderabad, (Transferor)
(2) Sri Pocham Prakash S/o Jagannadham, Shop No. 2-1-41/A/7, Tobacco Bazar, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2-1-41/A/7 in Srinivasa Market Complex Building, T.B., Secunderabad admeasuring 153 sq. ft., registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 304/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM TFC—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th February 1985

Ref. No. RAC. No. 1019/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingFlat situated at Rukminidevi
Colony, Secunderabad(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Marredpally on 5/84for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gitanjali Constructions, 225/A, West
Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Laxmidevi, Flat No. 1, Ground floor
Plot No. 4, Rukminidevi Colony, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 ground floor of Rukminidevi Colony, Secun-
derabad measuring 1026 sq.ft., registered by the S.R.O.,
Marredpally vide document No. 1315/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
94—516GI/84

Date : 11-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/870/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 1, CS No. 491/2 & 491/1B situated at Keshwapur Road, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Vasanthrao Narayanao Chittugappi
2. Smt. Sudhabai w/o Vasanthrao Chittugappi
3. Shri Narayan Vasanthrao Chittugappi
4. Kum. Neeta Vasanthrao Chittugappi
5. Smt. Padma w/o M. Mohanrao
Resident of Kashwapur Road S. No. 491/2
Hubli now at Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Venkatesh Bhodharao Joshi,
2. Ashok Bhudharao Joshi
R/o Keshwapur Road, Hubli. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

| (Registered Document No. 1051
Open plot situated at Keshwapur Road, Hubli under— | | Dated 21-6-1984) |
|---|--------|------------------|
| Ward No. | CS No. | Measuring |
| 1 | 491/2 | 20.00 Guntha |
| 1 | 491/1B | 15.10 Guntha |

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 5-2-1985

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th February 1985

C.R. No. 62/871/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, **VR. BHARDWAJ**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 166 situated at Pirna in Bardez Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardez Goa on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Purushottam Narayan Mainkar
2. Smt. Shalini Bai Purushottam Mainkar
Residing at Baina, Vasco-do-Gama. (Transferor)

- (2) Shri Ramesh Maruti Shindolkar
Residing of Altafonaw, Molra Bardez, Taluka, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 542 Dated June, 1984)
Land property situated in Village Panchayat of Pirna in Bardez Taluka S. No. 166. The area of 52,600 Mtr. including house.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 5-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th February 1985

C R No. 62/872/84 85 ACQ/B—Whereas, I, R BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S Chalta No. 4 PIS 132 situated at Margao Municipal Area (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao Goa on 1-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Venetexa Madu Porobo Gaokar and Wife Malau Venkatesh Prabhu Goankar Residing at Siroda Taluka Ponda, Goa (Transferor)
- (2) Shri Caetano Rosario Luis and Wife Maria Felecidade Santa Rita da Veiga Luis R/o Borda, Margao (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2016/84 Dated 1-6-1984)
Plot situated in Margao Municipal Area measuring 1087 Sq Mts

R BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date 5.2.1985

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE 560001

Bangalore, the 5th February 1985

C.R. No. 62/873 34 85 ACQ/B—Whereas, I
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
S. No. 197/2 situated at Unakal Village Hubli Taluka
Hubli on 26-6-1984
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at with the
competent authority under Section 269AB, in his office at
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Venkanagouda Ramanagouda
Doddananganagoudra Siraguppa, Taluka
Hubli,
(Transferor)
(2) Shri Subhod Jagannath Shanabag
Hubli Unakal Sidheshwar Nagar,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the official Gazette or a period of
30 days from the service of notice, on the res-
pective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1089

Dated 26-6-1984)

Plot No. 52 situated at Unakal Village measuring 4.25
guntas under survey No. 192/2

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date 5.2.1985
Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th February 1985

C.R. No. 62/874/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. Survey No. 192/2 situated at Unkal, Hubli Dharwad Corporation (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli on 26-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ningangouda Ramanaggouda Dodda
Ningauagud R/o Shivagapi Tal. Hubli.
(Transferor)
- (2) Smt. Beena w/o Jagannath, Shonabheg,
R/o Unkal, Shiddeshwar Nagar,
Hubli.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1090 Dated 'June 1984]
Open plot measuring 4 Guntha 3½ Annas under R. Survey No. 192/2 Plot No. 49, situated at Unkal Hubli Dharwad Corporation.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 5-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th February 1985

C.R. No. 62/875/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
M. No. 4964/5104
situated at Shimoga City Rajendra Nagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Shimoga on 4-7-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri K. S. Nagaraj Shetty
S/o Kasal Somahaih,
J.P.N. Road, Shimoga. (Transferor)
- (2) Shri H. M. Vishwanath Shastry
S/o H. M. Chandrashekar Shastry
Tilak Nagar, Shimoga,
IV Cross Shimoga. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 883 Dated 4-7-1984)
Open Plot situated at Rajendra Nagar Shimoga City meas-
uring 109.09 Sq. meter.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 5-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 6th February 1985

C.R. No. 62/876/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 106/5 and S. No. 98 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barder Goa on 17-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vasundarabai Alias Vasundari Alias Sunandabai Shripad Kukod
R/o originally from Aapora hut Opp. Pace Suit Margao, Goa.
(2) Roy Athanaseis Disilva
R/o Nezul Border Goa.
(Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; .
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 566/202 Dated 17-7-1984)
Land and coconut Grooves property measuring 20.200 sq. metres situated at Nozul Border, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 6-2-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 6th February 1985

C.R. No. 62/877/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chalta No. 187 part 130 and 312 PT No. 239 situated at Margao (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao, Goa on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Pandalik Vishnu Naik
2. Suman Pandalik Naik
3. Mrs. Surekha Atchut Naik
4. Miss Amita Atchut Naik
5. Atish A. Naik
6. Purshotam Vishnu Naik
7. Sarita Purshotam Naik
8. Trivikam Vishnu Naik and
9. Sudha Trivikram Naik. (Transferor)
- (2) Babu Esmail Ebrahim Bandnede
Alias Xequie Ismail Bandnede. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1581 Dated June 1984)
Property situated at Margao within the limits of Municipal Council known as "UDEGO" by other name "MESTABHAT".

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 6-2-1985
Sd/-

95—516GT/84

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-60001

Bangalore, the 1st February 1985

C.R. No. 62/43761/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 145/A, situated at IV Main Road, Industrial Town, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri T. H. Basava Raj,
334, III Block, Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shri H. Raghu Rama Shetty,
No. 2190, IV Main R.P.C. Layout,
Vijayanagar,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2124/84-85 Dated 16-8-84)
Property bearing Factory premises No. 145/A situated at
IV Main Road, Industrial Town, Rajajinagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 1-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 1st February 1985

C.R. No. 62/43949/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 83 (19), situated at Richmond Road, Richmond Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 31-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

- (1) 1. Shanawar Begum alias Yakuth Begum
2. Sri Mirza Mohd. Karim,
No. 39 (27), Serpentine Street,
Richmond Town,
Bangalore-25.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Dasarathmal Chordia
Smt. Saroj Kumari Chordia
No. 106, III Cross, Gandhinagar,
Bangalore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1832/84-85 Dated 31-8-84)
Property bearing No. 83(19), situated at Richmond Road,
Richmond Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 1-2-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st January 1985

C.R. No. 62/43746/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75 (6 then No. 8), situated at Appurayappa Lane, Siddanna Lane, Nagarathpet, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at the Competent Authority Gandhinagar on 22-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. C. Nagaraj Urs Munivcerappa
2. Chinnamma,
1023/1 BSK I Stage Hanumanthanagar,
Bangalore. (Transferor)
- (2) Rishabchand Bansoli and
2. Premdevi,
10, T.N.S. Lane, Avenue Road,
Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1664/84-85 Dated 22-8-1984)
Property bearing No. 75 (Old No. 6, then No. 8), situated at Siddanna Lane, Appunayappa Lane, Nagarathpet, Bangalore

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st January 1985

C.R. No. 62/44995/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25, situated at Chikka Kadirappa Garden, St. Thomas Town, Bangalore has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri R. Simbadri,
No. 25, Sundaramurthy Road,
Cox Town, Bangalore-5. (Transferor)
- (2) Smt. Sheela,
No. 32/1, Rukmini Colony,
St. John's Cross Road,
Siranchetty Garden,
Bangalore-42. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2423/84-85 Dated, Aug. 84)
All that site bearing No. 25, situated at Chikkakadirappa Garden, St. Thomas Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 4th February 1985

C.R. No. 62/45593/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 502/14, situated at 19th Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 18-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S. Alamelu
2. Raghupathi,
3. Dr. Jayaram Seshav
4. Smt. S. Sulochana
5. S. Srinivasan
6. S. Nachiar @ Jayashree
7. S. Prema
8. S. Kalyani and Miss S. Jayalakshmi,
No. 502/14, 19th Main Road,
IV 'T' Block, Jayanagar,
Bangalore.

(Transferor)

- (2) K. K. Batra,
No. 83, 13th Cross,
IX Main, Wilson Gardens,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1776/84-85 Dated 18-7-84)
Property bearing No. 502/14, situated at 19th Main Road,
IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 4-2-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) H. Harisharana,
Manager, Canara Bank,
Jamshedpur (M.P.).

(Transferor)

(2) Dr. P. Padmanabha Maiya,
MTR No. 14, Lalbagh Road,
Bangalore-27.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 4th February 1985

C.R. No. 62/45620/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

343, situated at Block-II, Stage-II, Banashankari Extension, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1735/84-85 Dated July, 84)
Vacant site No. 343, situated at Block-II, Stage-II, Banashankari Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 4-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore, the 31st January 1985

C.R. No. 62/43566/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 542, situated at III Block, Koramangala Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. on 5-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) N. S. Parvathi,
C/o Sri K. S. Saptharishi, Advocate,
No. 12, IV Block, V Cross,
Subramania Temple Road,
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Shri K. S. Panikkar,
No. 46-B, Kudremukh Colony,
Koramangala Extension,
Bangalore-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2234/84-85 Dated 5-7-84)
Vvant site bearing No. 542 situated at III Block, Koramangala Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 5-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 31st January 1985

C.R. No. 62/43945/84-85/ACQ/.—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 898, situated at HAL II Stage, VII Main, V Cross Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at /with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shivajinagar on 23-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

96—516GI/84

(1) Shri G. N. Narayana Reddy,
Gunjur Village, Verthur Hobli,
Bangalore, South Tq.

(Transferor)

(2) Saraswathi Devi,
No. 898, HAL II Stage,
VII Main, IV Cross, Indiranagar,
Bangalore.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1936/84-85 dated 23-7-84)
Building in Site No. 898, situated at HAL II Stage, VII Main, IV Cross, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st February 1985

C.R. No. 62/43682/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20(16), situated at Benson Road, Benson Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 23-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri J. McCarthy Igo &
(ii) Mrs. Joan McCarthy Igo,
No. 20, Benson Road,
Benson Town, Bangalore-46. (Transferor)
- (2) Mrs. Shamim Aleem Khan,
No. 31, I Cross, Vivekananda Nagar,
Bangalore-33. (Transferee)
- (3) Owner occupied.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1267/84-85 dated 23-7-1984)

Property bearing No. 20(16), situated at Benson Road, Benson Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date: 1-2-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th January 1985

C.R. No. 62/45622/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 504, situated at Banashankari II Stage Extn., Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer, at Jayanagar on 26-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amcerjan,
No. 2, Sushila III Cross,
Doddamavalli, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) 1. Shri V. S. Prabhakar
2. Shri V. S. Sudhakar,
No. 842 17th Main BSK II Stage,
Bangalore-70.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1655/84-85 dated 26-7-1984)
Site No. 504, situated at Banashankari II Stage Extension,
Bangalore. (60 ft × 40 ft.)

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 14-1-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001 the 30th January 1985

C.R. No. 62/43554/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 1157 situated at BSK II Stage Extn. Bangalore
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
/with the competent authority under
Section 269AB, in his office at
Jayanagar on 7-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Seethama,
No. 237, IV Main Chamanaj Pet,
Bangalore-18. (Transferor)
- (2) Smt. Samitha G. Hegde,
B.H. Road, Arsikere,
Hassan Dist. (Transferee)
- (3) Shared B. Phadke & Others
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 892/84-85 dated 7-6-1984)
Site No. 1157, situated at Banashankari II Stage Extension,
Bangalore

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 30-1-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 31st January 1985

C.R. No. 62/43956/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, situated at Bendore Ward, Kadri 'A' Village Bangalore (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the registering Officer at /with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mangalore on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Gladys D'Souza,
Candle Gardens, Bunshti Hostel Road,
Mangalore City. (Transferor)
- (2) Smt. Suvasini Bhandary
"Rita Villa", Upper Bendore,
Mangalore. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 716/84-85 dated June, 84)
Property situated in No. 15, Bendore Ward in Kadri 'A' Village, Mangalore City.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 31-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 30th January 1985

C. R. No. 62/45585/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 323 situated at 41st Cross, VIII Block, Jayanagar, B'lore-82. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 27-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Sarvothama Rao,
No. 1741, East End 'A' Main Road,
38th Cross, IX Block,
Jayanagar,
B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Murthy,
No. 216/2, IV Main Rd.,
Chawarajpet,
B'lore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1179/84-85 Dated 27-6-84)
House bearing No. 323, situated at 41st Cross, VIII block,
Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-1-85
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th January 1985

C.R. No. 62/44875/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and
bearing
No. 70 situated at Udayagiri V Cross, Nazerbad
Mohalla, Mysore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Mysore on 6-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) S. K. Rahiman,
No. 70, Udayagiri Layout,
V Cross, Mazeibad Mohalla,
Mysore.

(Transferor)

(2) Shri T. S. Shamanna,
No. 25, Udayagiri Layout
Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1166/84-85 dated 6-6-84)

House bearing D.O. No. 70 situated in Udayagiri V Cross,
Nazerbad Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 30-1-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. K. R. Uma Lakshmi,
No. 245, R. V. Road,
V.V. Puram, Bangalore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) 1. Shri V. Chhogalal &
2. Shri C. Mahesh Kumar,
No. 1017, Nagarathpet,
Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 31st January 1985

C.R. No. 62/43346/84-85/ACQ/B.—Whereas I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23, situated at Jain Temple Road, V.V. Puram, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bagavanagudi on 11-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 964/84-85 dated 11-6-84.

Property bearing No. 23, situated at Jain Temple Road, V.V. Puram, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Radha Bai Pragji
No. 165/1, Old Bandikeri,
K.R. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. T. C. Girijama
No. 287, VI Cross, III Stage,
Gokulam Devaraja Mohalla,
Mysore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore 560 001, the 28th December 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 13/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 2961/1-C, CH-7, situated at Swimming Pool Road, Saraswathi Puram, Channarayana Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
97-516 GT/84

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1387/84-85 dated June 1984)

Site No. 15, Door No. 2961/1-C and New No. CH-7, situated at Swimming Pool Road, Saraswathipuram, Channarayana Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 28-12-1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th January 1985

C.R. No. 62/45553/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 134 situated at East End Main Road, IX Block, Jayanagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. S. Mani,
No. 2- D.V.G. Road,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri D. R. Prabhakar,
No. 134, VII Main Road,
V Block, Jayanagar,
Bangalore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires first;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 853/84-85 dated June 84)

Site & House No. 134, situated at East End Main Road, IX Block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 30-1-1985
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th February 1985

C.R. No. 62/44984/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10(32), situated at Victoria Layout, III Cross, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 5-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Syed Abdul Subban @
Baba, No. 135, Main Road,
Kalaripalyam,
Bangalore city.

(Transferor)

(2) Shri Mir Shahnawamy Hussain,
No. 19, Arablane 'B' Street,
Richu and Town,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2444/84-85, dated 5-6-84).

Premises No. old 32, New No. 10, situated at Victoria Layout, III Cross, Bangalore city.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-2-1985

Seal :

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 24th January 1985

C.R. No. 62/583/84-85/ACQ/B—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 18 situated at Borda, Margao, Salcete Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Salcete, Margao under Document No. 227/84-85 in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mr. Sitaram P. Korgaunkar.
2. Taraman S. Korgaunkar.
3. Bapu P. Korgaunkar.
4. Mrs. B. Korgaunkar.
5. Vasari P. Korgaunkar.
6. Mrs. Satvavathi V. Korgaunkar.
7. Mukund P. Korgaunkar.
8. Laxmini N. Korgaunkar.
9. Shantharam P. Korgaunkar.
10. Xantabai.
11. Damodar P. Korgaunkar.
12. Pushpalata D. Korgaunkar.
All are resident of Borda, Margao. (Transferor)
- (2) Mr. Prakash S. Panandikar;
R/o Margao. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires first;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as or defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2275/84-85, dated June 1984)

All that property known as 'Go Goi A' alias CULNA situated at Borda, Margao, Salcete, Goa under Survey No. 18.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-1 1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th January 1985

C.R. No. 62/587/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 11, situated at Cactus Pacheco Road, Margao, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Margao in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jose Francisco Alfredo Da Piedade Frias e Rodrigues.
2. Smt. Maria Fernanda Mesoquite Rodrigues.
3. Carlos Vicente Humberto Da Piedade Frias e Rodrigues of Margao.

(Transferor)

- (2) Shri Nelson Assis da Piedade de Noronha and Smt. Maria Filomena Dos Milagres Teresinha Noronha of Margao.

(Transferee)

- (3) As in item 1.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2166/84 dated 30-6-84).

Flat No. 11 having built in area of 90.00 sq. mts. situated at Cactus Pacheco Road, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-1-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd February 1985

C.R. No. 62/R-1243/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 299, situated at Ponda Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1010/84-85 on 25-6-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1985.
Seal :

(1) Mrs. & Mr. Vassudev Putushotham Mondkar,
C/o Architecture, Villa Olivant Marchon,
Gen Bevard Guades Road,
Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) M/s Harish Constructions,
30 Radha Shantinagar,
Ponda, Goa.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1010/84-85 dated 25-6-84).

Property known as Locondiem under No. 299 of Book-B-K (New) situated at Ilhas, Ponda, Goa.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd February 1985

C.R. No. 62/R-1221/37FF/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chatla No. 213, situated at Margao (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 998/84-85 dt. 6-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Miss Angela Filomena De Figueiredo
Largo Dos Quarters,
Near Gomantak Niketan Building
(Transferor)
- Margao, Goa.
(2) M/s. Sunivas Realators,
Khamdenu,
Dr. Dada Vaidya Road,
Panaji, Goa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 998/84-85 Dated 6-6-84]
All that piece and parcel of land known as 'COMBA' admeasuring 1254 sq. mts. situated at Margao, Salcete, Goa,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-2-1985
Seal:

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd February 1985

C.R. No. 62/(R-1270/37EE)/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 71, situated at Orchard Apts., Rajmahal Vilas Extension Road, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1038/84-85 on 11-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Sunil Sevantilal Parekh,
72, Marine Drive,
Bombay-400 020.

(Transferor)

(2) M/s. Parekh Corporation,
United India Bldg. II Floor,
Sir, P. N. Road, Fort,
Bombay-400 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1038/83-84 Dated 11-6-84]

Flat No. 71, VII floor, Palace Orchard Apartments, Rajmahal Vilas, Extension Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd January 1985

C.R. No. 62/(R-1235/37EE)/84-85/ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. F. 1, situated at Campal, Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1075/84-85 on 1-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ~~namely~~ :—

98—516GI/84

- (1) Mr. Vithal Y. Pawar,
Behim, Bardez, Goa
Confirming Party :—
Mrs. Vijayalakshmi,
Natayan Shinde,
Campar, Panaji, Goa.

(Transferor)

- (2) Mr. Alfred Cotta,
C/o Mr. Estoquio Cotta,
Nalvora, Agacum, Jhas,
Goa.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ELANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1075/84-85 Dated 1-6-84]
Flat No. F 1 at Green Land Co-op Housing Society Ltd.
Campal, Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-1-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

C.R. No. 62/(R-1285/37EE)/84-85/ACQ/8.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 375, situated at Amona Village, Bicholim, Goa (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1038/84-85 on 11-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mrs. Jankie Ramachandra Phadke
Mr. Govind Ramchandra Phadke
Mrs. Radha Govind Phadke
Mr. Krishna Ramachandra Phadke.
Amona Village, Goa.

(Transferor)

(2) Sesa Goa Limited,
Altinho, Panjim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1037/83-84 Dated 11-6-84]

All that area admeasuring 37029 sq. mts. Plot A and Plot B bearing Old Survey No. 375 Property known as Advon Calmacodil Xir situated at Amona Village, Bicholim, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-2-1985

Seal:

FORM TTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

C.R. No. 62/(R-1191/37EE)/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 116/A, situated at K.H.B. Colony, Koramangala, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1055/84-85 on 13-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) D. Vathsala w/o
Late Mr D. Govinda Reddy,
H. No. 1-2-593/4/A, Gajan Mahal Colony,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Pyami Begum w/o
Dammam, Saudi Arabia,
Dammam Saudi Arabia,
Power of Attorney holder
Mr. Khalet Ahmed Balg,
H. No. 6, 16th Cross, 6th Main Road,
Lakkasandra, Laljinagar,
Bangalore-560 030.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1055/84-85 Dated 13-6-84]

Property bearing No. 116/A at K.H.B. Colony, Koramangala, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-2-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

C.R. No. 62/(R-1248/57EE)/84-85/ACQ/B—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 47, situated at 9th Main, 6th Cross, Rajmahal Vilas, Bangalore-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore under Registration No. 1013/84-85 on 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Kanchi Corporation,
Nehru House, 15, C.P. St,
Bombay-1
2. Bakhtawar Trust,
33/1 Gunningham Road,
Bangalore.

(Transferor)

- (2) Mr. Asheet Prabhudas Ruparell and
Mr. Vinay Prabhudas Ruparell,
408, Wilverside Way, S.E. Calgary,
Alberta, T. 2 J. 127,
Canada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1013/84-85 Dated 6-6-84]

Flat No. 47 in 'Palace Orchard Apartments' 9th Main, 6th Cross, Rajmahal Vilas, Bangalore-80.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

C R No. 62/(R-1226/37EE)/84 85/ACQ/B—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. E-10 (Two flats) situated at Miramar, Panjim, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1003/84-85 on 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Maria Doceu Josefa Manes Soares,
2. Francisco Lavier Jesus Barreto
c/o Ehsabe Barreto,
Situm, Bardez,
Goa.

(Transferor)

- (2) M/s. J. R. Constructions,
Opp. Bank of India,
Miramar, Panjim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1003/84-85 Dated 6-6-84]

Two flats admeasuring 179 sq. mts. in plot No. E-10 of St. Mary's Colony situated at Miramar, Panjim, Goa

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-2-1985
Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1253/37EE/84-85/ACQ|B.—
Whereas, I R. BHARDWAJ
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Chatta No. 30 situated at Fatorda, Margao, Sakete, Goa
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at Bangalore under Registration No. 1018/84-85 on 6-6-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Mr. Damodar Purshotham Egdo.,
Mrs. Gopkabi Pamodar Egdo., Patolda, Goa.
(Transferor)

(2) Shri Jose Paulino Coutinho.,
Zemira Coutinho Menezes., Sinouclim, Nangum.,
Sakete, Goa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
at that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1018/84-85 dated 6-6-84)

Landed property known as "Urbano Com Sen Patio E
Quintal admeasuring 1734.35 sq.mts. property contains a
Ground floor under Chatta No. 30 situated at Fatorda., Sakete
Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-2-85

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1250/37EE/84-85/ACQ/B —
Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lot No. 33 situated at St. Inez Panjim Khas, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1015/84-85 on 6-6-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Dorma Babusso Naique, Mrs. Shanti Dorma Naique, St. Inez Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Arvind Mahabaleshwar Naik H. No. 360 Near Sirvoikar Garage., St. Inez Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1015/84-85 dated 6-6-84)

All that piece and plot of land admeasuring 270 sq.mts. known as 'Lot No. 33' Urbano De Casas' situated at St. Inez Tiswadi, Khas, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-2-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/43372/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 990/84-85 dt. 6-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mr. R. S. Madhava Rao S/o Ramohalli Subbanna, No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Mr. Sohanlal S/o Mr. Chandanmal No. B/7 Maramma Temple St., Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 990/84-85 dated 6-6-1984)

A Portion of premises No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th February 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45891/84-85/CAQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old 2/80 then 123, Present No. situated at Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 988/84-85 dt. 6-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

99—516GI/84

- (1) Mr. R. S. Madhava Rao S/o Ramohalli Subbanna, No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

(Transferor)

- (2) Mr. Sha Chandanmal S/o Late Prem Chandji C/o M/s. Mills Cloth Corporation., D.S. Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 988/84-85 dated 6-6-84)

Portion of Premises No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-2-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th February 1985

Ref. No. C.R. No 62/45892/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 989/84-85 on 6-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mr. R. S. Madhava Rao, S/o Ramohalli Subbanna, No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.
(Transferor)

- (2) Mr. Prakash Chand C. Jain S/o Sha Chandanmal, No. 14, Rajanna Lane, Chickpet, Bangalore-53.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 989/84-85 dated 6-6-84)
Portion of Premises No. 7 Uttaradi Mutt Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 12-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th February 1985

Ref. No. A.P. No./5752 and 5753.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Durga Dass S/o Kehar Chand
R/o Devi Dawara, Faridkot
(Transferor)

(2) Smt. Bhupinder Kaur W/o Harinderjit Singh
& Baljeet Kaur W/o Pritam Singh c/o Samra Rice Mills, Sadiq Road, Faridkot.
(Transferee)

(3) S. No. 2 above & Sh. Sham Lal Gupta c/o Samra Rice Mills, Faridkot.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop No. 66 in New Grain Market, Faridkot and persons as mentioned in registered sale deed Nos. 1273 & 1424 of June, 1984 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 12-2-85

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1985

Ref. No. AP. No./5754 & 5755.—Whereas, I J. L.
GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chand Kaur Wd/o Bishan Singh,
Mansa Road, Bathinda.
(Transferor)
- (2) Smt. Charanjit Kaur W/o Barindar Singh,
C/o Barinder Singh, S.D.O. Irrigation,
Giddarbaha, Teh. Muketsar.
(Transferee)
- (3) As Sr. 2 above
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 1254 and 1264 of June 1984 of the Registering authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-2-85
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1985

Ref. No. A.P. No./5756.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurbachan Kaur W/o Sh. Tejpal Singh
r/o 737, Mota Singh Nagar, Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shri Ravinder Kumar Goyal s/o Sadhu Ram,
r/o 737, Mota Singh Nagar, Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 737 (portion) situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1001 of June, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-2-85

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gurbachan Kaur W/o Sh. Tej Pal Singh
r/o 737 Mota Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravinder Kumar Goyal s/o Sadhu Ram
R/o 737 Mota Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1985

Ref. No. A.P. No./5757 and 5758.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 737 (portions) situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar and the persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2229 and 2241 of September, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Date : 13-2-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th February 1985

Ref. No. A.P. No./5759.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurbachan Kaur W/o Sh. Tej Pal Singh
r/o 737—Mota Singh Nagar, Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shri Ravinder Kumar Goyal s/o Sadhu Ram
r/o 737—Mota Singh Nagar, Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 737 (Portion) situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 2141 of August, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-2-85
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 14th February 1985

Ref. No. A.P. No./5760.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sohan Singh s/o Bhulla Singh r/o V. Kingra Tehsil Jalandhar Through Mukhtiar Sh. Anil Chopra. (Transferor)
- (2) Shri Kuldip Singh s/o Gurdial Singh r/o V. & P.O. Daroli Kalan, Tehsil Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in village Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 933 of June, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-2-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1985

- (1) Shri Sohan Singh s/o Bhulla Singh r/o V. Kingra Teh. Jalandhar through Mukhtiar Balwant Singh.
(Transferor)
- (2) Smt. Harjit Kaur & Nirmaljit Kaur Ds/o Sh. Jasbir Singh r/o 34-L. Model Town, Jalandhar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property area 1 Kl. situated in Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 972 of June, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
100—516 GI/84

Date : 14-2-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th February 1985

Ref. No. A.P. No./5762.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sohan Singh S/o Bhulla Singh r/o V. Kingra tehsil Jalandhar through Mukhtiar Balwant Singh (Transferor)
- (2) Smt. Chetanjit Kaur & Ravnit Kaur Da./o Sh. Jasbir Singh r/o 34-L, Model Town, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1969 of August, 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-2-1985
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Yasmin Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Esmail Abdulla Jumma,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/5853/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, Ivory Towers Building, Plot No. 1 of part of S. No. 41, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Ivory Towers Building, Plot No. 1 part of S. No. 41, 4 Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5853/84-85 on 2-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Pankaj S. Parikh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961),(2) Mr. Shared J Rach &
Mr. Kirit J Rach.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 13th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6910/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. C-11, 1st floor, Santacruz Rameshwar CHSL, Survey No. 50, Plot No. 1 and 2, N. A. Survey No. 118 and 231 S. V. Road, Santacruz (West) Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-11, 1st floor, Santacruz Rameshwar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Survey No. 50, Plot No. 122., N.A. Survey No. 118 & 231, S. V. Road, Santacruz West, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6910/84-85 on 25-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-2-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Minoo Developers.

(Transferor)

(2) Kassam S. Musani &
Mrs. Mumtaz Kassam Musani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 20th February 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/6211/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 4, 3rd floor 'C' Building Kanti Apartments, Mount
Mary Road, Bandra, Bombay-50.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 15-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Flat No. 4 on 3rd floor in "C Bldg., Kanti Apartments,
Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6211/84-85 on
15-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 20-2-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Minoo Developers,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Parvin P. Thakkar, &
Mrs. Harsha P. Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 20th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6986/84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 3 on 1st floor in 'A' Bldg., Kanti Apartments,
Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
Section 269AB. of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 28-6-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 1st floor in 'A' Building, Kanti Apartment,
Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6986/84-85 on
28-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Tej Builders

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gupta & Tubes & Pipes

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 20th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6212/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1, 'C' Bldg., Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor in 'C' Building, Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6212/84-85 on 15-6-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 20-2-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Ziauddin Bakharl.

(Transferor)

SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Riyaz Ahmed.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1985

Ref. No. AR.II/37EE/6272/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 404, 4th floor, bldg. No. 10, forming part of survey No. 41, of Village Oshiwara, Joeshwari (W), Bombay-58, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 404, 4th floor, bldg. No. 10, forming of part of survey no. 41, of Village Oshiwara, Behind Behram baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6272/84-85 on 16-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1985
Seal

FORM LT.N.S.

(1) Bakhtawar Construction

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Fykays Engineering Pvt. Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 20th February 1985

Ref. NoN. AR.II/37EE/6550/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Industrial Estate bearing S. No. 10 and 11 at Jogeshwari, Caves Road, Jogeshwari (East) Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB, of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industrial Premises on Plot bearing Survey No. 10 & 11 at Jogeshwari, Caves Road, Jogeshwari (East).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/6550/84-85 on 22-6-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-2-1985
Seal :

